THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 295 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) पौष शु.1 2080 शुक्रवार, 12 जनवरी-2024

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

जम्मू-कश्मीर में घुसपैठ की कोशिशें जारी : सेना प्रमुख

> रोकने के लिए भारी संख्या में जवान तैनात
> सीमा पर ड्रोन से सामान भेजने की तैयारी

नई दिल्ली, 11 जनवरी (एजेंसियां)। सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे ने दिल्ली में गुरुवार (11 जनवरी) को कहा, देश की उत्तरी सीमा पर स्थिति संवेदनशील बनी हुई है। जम्मू-कश्मीर से घुसपैठ की कोशिशें जारी हैं। इसलिए उत्तरी सीमा पर सेना के जवानों की भारी संख्या में मौजूदगी है। हालांकि, सेना किसी भी स्थिति से निपटने के लिए तैयार है।

जनरल पांडे ने कहा, 2024 में आर्मी में मॉडर्नाइजेशन किया जाएगा। हम नई टेक्नोलॉजी को अपनाते रहे हैं, लेकिन इस साल इस मामले में और आगे बढ़ेंगे। सेना में आर्टिलरी यूनिट और इलेक्ट्रॉनिक इंटेलिजेंस सिस्टम को बेहतर बनाया जा रहा है। हम पशुओं से होने वाले ट्रांसपोर्ट को ड्रोन से करने पर विचार कर रहे हैं। इसका प्रपोजल सरकार को भेजा गया है।

दरअसल, भारत की सीमाओं की चुनौतीपूर्ण जगहों पर जवानों तक सामान पहुंचाने के लिए सेना एनिमल ट्रांसपोर्ट पर निर्भर है। जनरल पांडे ने कहा कि हम इसकी बजाय ड्रोन का इस्तेमाल करेंगे। इससे 2027 तक 1 लाख वर्कफोर्स में कमी आएगी। जम्मू-कश्मीर और लद्दाख से लगने वाली सीमा पर फिलहाल स्थिति सेंसिटिव है। हमने इस क्षेत्र में भारी संख्या में जवानों को तैनात किया हुआ है, जिससे किसी भी ऑपरेशन के लिए सेना तैयार रहेगी। जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के लिए सैन्य स्तर और राजनयिक स्तर पर भी बातचीत जारी है।

जम्मू-कश्मीर में घुसपैठ नहीं होने दे रही सेना :

जम्मू-कश्मीर में लगातार घुसपैठ की कोशिशें हो रही हैं। ड्रग्स और हथियारों की स्मगलिंग की कोशिशें भी जारी हैं, लेकिन सेना इन कोशिशों को लगातार नाकाम कर रही है। पिछले साल नॉर्थ ईस्ट में सरकार की नीतियों के कारण पॉजिटिव डेवलपमेंट हुए हैं। वहां हिंसा भी कम हुई है। हालांकि, मणिपुर में जरूर हिंसा देखने को मिली है, लेकिन वहां भी हम स्थिति को कंट्रोल में लाने की कोशिश कर रहे हैं। भारत-म्यांमार सीमा हमारे लिए चिंता का विषय है। हम इस पर करीब से नजर रख रहे हैं। असम राइफल की 20 बटालियन को वहां तैनात किया गया है।

रामनगरी में उतरेंगे 100 चार्टर्ड प्लेन

नई दिल्ली, 11 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के अयोध्या में बन रहे भव्य राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए जोर-शोर से तैयारियां चल रही हैं। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को कहा कि 22 जनवरी को राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा समारोह के दिन अयोध्या एयर पोर्ट पर 100 चार्टर्ड प्लेन के उतरने की उम्मीद है। अयोध्या में महर्षि वाल्मिकी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे का उद्घाटन 30 दिसंबर 2023 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया था।

अयोध्या से अहमदाबाद के लिए एयरलाइन इंडिगो की फ्लाइट सर्विस के उद्घाटन के लिए ऑनलाइन आयोजित समारोह में सीएम आदित्यनाथ ने कहा कि 22 जनवरी को करीब 100 चार्टर्ड उड़ानों के अयोध्या हवाई अड्डे पर उतरने का अनुमान है। उन्होंने कहा कि यह हमें अयोध्या एयरपोर्ट की संभावनाओं को परखने का भी मौका देगा। >14

दिल्ली-हरियाणा और पंजाब समेत 32 जगहों पर छापामारी

नई दिल्ली, 11 जनवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी आतंकवादी और गैंगस्टर के गुर्गों के खिलाफ एक्शन के मोड में है। एनआईए की कई टीमों ने गुरुवार को पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, दिल्ली और चंडीगढ़ समेत 32 जगहों पर छापेमारी की। एएनआई की टीम ने छापेमारी के दौरान दो पिस्टल, दो मैगजीन, गोलाबारूद और 4.60 लाख रुपये की नगदी बरामद की है। इसके अलावा कुछ दस्तावेज और डिजिटल डिवाइज जब्त की है। एनआईए की टीम ने तीन मामलों में यह छापेमारी की है।

पंजाब के बठिंडा में गैंगस्टर हैरी मौड़ के घर पर एनआईए ने छापा मारा। गैंगस्टर हैरी ने अपने साथियों के साथ मिलकर गांव लहरा मोहब्बत में डबल मर्डर किया था। करीब एक माह पहले गैंगस्टर को दिल्ली पुलिस ने पकड़ लिया था। इसके बाद एनआईए की टीम गांव माडी में पहुंची। जहां पर टीम ने गैंगस्टर गोबिंद सिंह के घर पर जांच की। हालांकि अब वह फरीदकोट में रहता है।

ब्रिटेन यात्रा पर राजनाथ सिंह की ऋषि सुनक से मुलाकात

व्यापार, रक्षा और टेक्नोलॉजी को मिलेगा बढ़ावा

नई दिल्ली, 11 जनवरी (एजेंसियां)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 10 डाउनिंग स्ट्रीट लंदन में ब्रिटिश प्रधानमंत्री ऋषि सुनक से मुलाकात की और दोनों देशों के बीच रक्षा संबंधों को बढ़ाने पर चर्चा की। बैठक बुधवार को हुई, जिसके दौरान सिंह ने संयुक्त अभ्यास, प्रशिक्षण क्षमता निर्माण, विशेष रूप से समुद्री क्षेत्र में अंतर-संचालनीयता और सैन्य-से-सैन्य संबंधों में वृद्धि के साथ द्विपक्षीय रक्षा संबंधों में हालिया वृद्धि को याद किया।

अधिकारियों ने कहा, सुनक व्यापार, रक्षा और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में ब्रिटेन और भारत के काम करने की आवश्यकता पर राजनाथ सिंह से पूरी तरह सहमत थे। विशेष रूप से उन्होंने मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) वार्ता को लेकर आशा व्यक्त की है कि वार्ता को जल्द ही एक सफल निष्कर्ष पर लाया जा सकता है। रक्षा मंत्रालय (एमओडी) के एक अधिकारी ने कहा, सुनक ने भारतीय समकक्ष संस्थाओं के साथ मजबूत व्यापार और प्रौद्योगिकी साझेदारी के लिए सरकारी समर्थन सहित द्विपक्षीय संबंधों के रक्षा और सुरक्षा स्तंभ को मजबूत करने के लिए अपनी और अपनी सरकार की उत्सुकता को भी रेखांकित किया।

रक्षा मंत्रालय ने कहा कि सिंह ने प्रौद्योगिकी क्षेत्र सहित रक्षा औद्योगिक सहयोग बढ़ाने के लिए चल रहे प्रयासों पर जोर दिया। अधिकारी ने कहा कि बैठक गर्मजोशीपूर्ण और सौहार्दपूर्ण रही, रक्षा मंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि दोनों देशों के नेताओं के निर्देशन में ऐतिहासिक संबंधों को आधुनिक, बहुआयामी और पारस्परिक रूप से लाभप्रद साझेदारी में ढालने और फिर से तैयार करने में महत्वपूर्ण प्रगति की है। >14

अफगानिस्तान से दिल्ली तक भूकंप के झटके

6.1 रही तीव्रता, हिंदुकुश में जमीन से 220 किमी नीचे था केंद्र

नई दिल्ल, 11 जनवरी (एजेंसियां)। अफगानिस्तान के हिंदुकुश क्षेत्र में गुरुवार दोपहर 2:20 बजे तेज भूकंप आया। इसकी वजह से पाकिस्तान के इस्लामाबाद, रावलपिंडी और भारत में जम्मू-कश्मीर से दिल्ली-एनसीआर तक झटके महसूस किए गए। नेशनल सेंटर फॉर सीसमोलॉजी के मुताबिक, भूकंप की तीव्रता 6.1 मापी गई। इसका केंद्र हिंदुकुश में जमीन से करीब 220 किलोमीटर नीचे था। फिलहाल किसी तरह के नुकसान की कोई खबर नहीं है।

4 नवंबर 2023 को रात 11:32 बजे नेपाल में 6.4 तीव्रता का भूकंप आया था, जिसमें 157 लोगों की मौत हुई थी। तब दिल्ली-एनसीआर के अलावा उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा, पंजाब और बिहार की राजधानी पटना में भी झटके महसूस किए गए थे। हालांकि भारत में किसी तरह के जान-माल का नुकसान नहीं हुआ था।

इसके बाद 6 नवंबर को दिल्ली-एनसीआर में शाम 4 बजकर 16 मिनट पर फिर एक बार भूकंप के झटके महसूस किए गए। इसका केंद्र भी नेपाल में था। रिक्टर स्केल पर तीव्रता 5.6 आंकी गई। इसकी वजह से उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में भी झटके महसूस किए गए। हमारी धरती की सतह मुख्य तौर पर 7 बड़ी और कई छोटी-छोटी टेक्टोनिक प्लेट्स से मिलकर बनी है। ये प्लेट्स लगातार तैरती रहती हैं और कई बार आपस में टकरा जाती हैं। टकराने से कई बार प्लेट्स के कोने मुड़ जाते हैं और ज्यादा दबाव पड़ने पर ये प्लेट्स टूटने लगती हैं।

पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती की कार दुर्घटनाग्रस्त : सुरक्षाकर्मियों ने सुरक्षित निकाला

जम्मू, 11 जनवरी (एजेंसियां)। जम्मू कश्मीर में गुरुवार को पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी यानी पीडीपी की प्रमुख की कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई। बताया जा रहा है कि हादसा अनंतनाग जाते हुए बीच रास्ते में हुआ। पीडीपी मीडिया सेल के मुताबिक, हादसे में महबूबा मुफ्ती पूरी तरह से सुरक्षित हैं। हादसे में उनके सुरक्षाकर्मी भी सुरक्षित हैं।

पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, संगम के नजदीक उनकी कार एक अन्य कार से जा टकराई। वह बीती रात हुई आग हादसे में पीड़ित परिवारों से मिलने खानबल जा रही थीं। बता दें कि सोमवार रात खानबल इलाके में आगजनी की घटना में आठ क्षतिग्रस्त हो गए थे। अग्निकांड से अब्दुल गनी वानी, अशरफ पुशु, सज्जाद वानी, मुश्ताक हांडू, निसार अहमद गद्दा, बेबी जान, मुख्तार अहमद और जावेद अहमद शकसाज के घरों को नुकसान पहुंचा है। पुलिस इस संबंध में जांच में जुटी हुई है।

नई दिल्ली में प्रतिष्ठित अजमेर शरीफ दरगाह पर पवित्र चादर पेश करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी।

सत्येंद्र जैन को सुप्रीम कोर्ट से मिली राहत

अगले आदेश तक जारी रहेगी अंतरिम जमानत

नई दिल्ली, 11 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री और आप नेता सत्येंद्र जैन को सुप्रीम कोर्ट से राहत मिली है। कोर्ट ने सत्येंद्र जैन को मिली अंतरिम राहत बरकरार रखी है। अगले आदेश तक अंतरिम जमानत पर बाहर ही रहेंगे। मामले की अगली सुनवाई 17 जनवरी को होगी। मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में घिरे सत्येंद्र जैन को मई 2022 में गिरफ्तार किया गया था। इससे पहले उनसे 2017 से लेकर 2022 तक कई बार पूछताछ भी की गई थी। कोर्ट ने मेडिकल ग्राउंड पर उन्हें अंतरिम जमानत दी थी। हालांकि कोर्ट ने उन पर कई तरह की पाबंदियां भी लगाई थीं। इनमें मीडिया से बातचीत भी शामिल है। मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आप नेता सत्येन्द्र जैन को मिली राहत सुप्रीम कोर्ट ने बरकरार रखी है। कोर्ट ने जैन को मिली अंतरिम जमानत आगे बढ़ाते हुए सुनवाई की अगली तारीख 17 जनवरी तय कर दी है। जस्टिस बेला एम त्रिवेदी की अध्यक्षता वाली बेंच में ईडी की ओर से एएसजी एस वी राजू ने कोर्ट को बताया कि जेपी मोहता उनके सीए थे।

राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा को कांग्रेस ने बताया संघ-भाजपा का इवेंट

भाजपा बोली-इनका बस चले तो वापस मस्जिद बना दें

नई दिल्ली, 11 जनवरी (एजेंसियां)। गुजरात कांग्रेस के अध्यक्ष और सांसद शक्ति सिंह गोहिल ने कहा कि जब शंकराचार्य महाराज कह रहे हैं कि जब तक मंदिर का काम पूरा नहीं हो जाता, प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव नहीं हो सकता तो बीजेपी क्यों नहीं समझ रही? राम नवमी के दिन क्यों नहीं कर सकते थे प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव? बीजेपी और आरएसएस के इवेंट में नहीं जा सकते हैं। दर्शन करने हर कांग्रेसी जरूर जाएगा, लेकिन जब शंकराचार्य कहेंगे तब। कांग्रेस नेता अर्जुन मोढवाडिया ने पार्टी के खिलाफ निवेदन नहीं दिया है। उन्होंने अपने विचार प्रस्तुत किए हैं। कांग्रेस में लोकशाही है, इसीलिए वो विचार प्रकट कर सकते हैं। कांग्रेस नेता इमरान प्रतापगढ़ी ने कहा कि भाजपा राजनीति कर रही है।

मंदिर जाना या नहीं जाना आस्था का विषय है, अगर मंदिर पूरी तरह से नहीं बना है तो लोग अपनी आस्था के हिसाब से फैसला लेंगे। भाजपा सिर्फ राजनीति कर रही है, वहीं दिग्विजय सिंह ने कहा है कि विश्व हिंदू परिषद न्योता देने वाला कौन होता है। दिग्विजय ने यह भी कहा कि उन्होंने भी राम मंदिर के लिए चंदा दिया है। कांग्रेस सांसद दिग्विजय सिंह ने कहा हमें इस बात पर आपत्ति है कि शंकराचार्य का अपमान किया जा रहा है। पूर्व पीएम नरसिम्हा राव ने चारों शंकराचार्यों को लेकर 'रामालय न्यास' बनाया था। चंपत राय वीएचपी के प्रमोटर हैं, जिन्होंने जमीन घोटाला किया है। ऐसे व्यक्ति को (राम मंदिर) ट्रस्ट का प्रमुख बनाया गया है, जो धर्म का अपमान कर रहा है और हिंदू नेताओं और धर्म को विभाजित कर रहा है। >14

संसद का बजट सत्र 31 जनवरी से, 9 फरवरी तक चलेगा-1 फरवरी को पेश होगा बजट

नई दिल्ली, 11 जनवरी (एजेंसियां)। संसद का बजट सत्र 31 जनवरी से शुरू होगा। यह 9 फरवरी तक चल सकता है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 1 फरवरी को अंतरिम बजट पेश करेंगी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 31 जनवरी को दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को संबोधित करेंगी।

इसी के साथ ही बजट सत्र की शुरूआत होगी। एक फरवरी को पेश होने वाला बजट अंतरिम बजट होगा। लोकसभा चुनाव के बाद नई सरकार पूर्ण बजट पेश करेगी। दरअसल, 17वीं लोकसभा का कार्यकाल 16 जून को समाप्त हो रहा है, इसलिए आम चुनाव की घोषणा से पहले यह संसद का आखिरी सत्र होगा। 2019 में लोकसभा चुनावों की घोषणा 10 मार्च को की गई थी और 11 अप्रैल से 19 मई के बीच सात चरणों में मतदान हुआ था।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह मामले की हाईकोर्ट में हुई सुनवाई

रिटायर्ड जज की अगुवाई में सर्वे की मांग

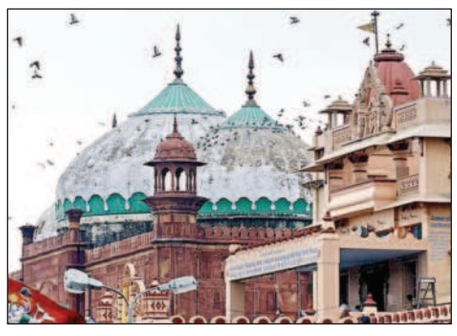

प्रयागराज, 11 जनवरी (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट में बृहस्पतिवार को श्रीकृष्ण जन्मभूमि और शाही ईदगाह विवाद मामले की सुनवाई की गई। सुनवाई के दौरान सेवानिवृत्त जज की अगुवाई में सर्वे की मांग की गई। कहा गया कि सेवानिवृत्त जज की अगुवाई में दो अधिवक्ताओं को भी रख जाए। मौके पर ईदगाह मस्जिद पक्ष के प्रतिनिधि भी मौजूद रहें। कोर्ट ने भगवान श्रीकृष्ण का पक्ष सुनने के बाद मामले में दाखिल 18 वादों में बारी-बारी से सुनवाई की। फिलहाल अदालत ने फैसला सुरक्षित रख लिया है।

नाबालिग पहलवान यौन शोषण केस

कोर्ट बोली-इसमें और स्पष्टीकरण की जरूरत

सांसद बृजभूषण पर फैसले का इंतजार बढ़ा, 2 मार्च को सुनवाई

पानीपत, 11 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय कुश्ती संघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व अध्यक्ष एवं भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह पर नाबालिग पहलवान की शिकायत पर पॉक्सो एक्ट के तहत दर्ज मामले की आज पटियाला हाउस कोर्ट में सुनवाई हुई। यौन शोषण के आरोपों से घिरे बृजभूषण शरण सिंह पर अभी कोर्ट के फैसले का इंतजार और बढ़ गया है। इस मामले में पुलिस ने अपनी क्लोजर रिपोर्ट पहले ही दाखिल की थी। लेकिन, अब अदालत ने कहा है कि इसमें कुछ और स्पष्टीकरण की जरूरत थी। अदालत अब इस मामले में 2 मार्च को अपना फैसला सुनाएगी। इस दिन अदालत अपने फैसले में बताएगी कि बृजभूषण शरण सिंह पर नाबालिग द्वारा लगाए गए यौन शोषण को लेकर पुलिस की क्लोजर रिपोर्ट उसे मंजूर है या नहीं। एडिशनल सेशन जज छवि कपूर गुरुवार को इस मामले में अपना फैसला सुनाने वाले थे। उन्होंने कहा कि इस मामले में अभी कुछ और स्पष्टीकरण की जरूरत थी। इससे पहले दिल्ली पुलिस ने 15 जून, 2023 को अपनी क्लोजर रिपोर्ट दाखिल की थी। पुलिस ने अदालत से कहा था कि लड़की इस केस को खत्म करना चाहती है। इस मामले में नाबालिग लड़की के पिता ने दावा किया था कि उन्होंने अन्याय महसूस किया था, जिसके बाद उन्होंने बृजभूषण शरण सिंह पर केस दर्ज किया था।

'एक देश, एक चुनाव' पर ममता बनर्जी को आपत्ति

कोलकाता, 11 जनवरी (एजेंसियां)। तृणमूल कांग्रेस की चीफ और पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने 'एक देश-एक चुनाव' को लेकर आपत्ति जताई है। उन्होंने एक देश एक चुनाव को लेकर पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में गठित उच्च स्तरीय समिति को पत्र लिखा है। इस पत्र में ममता बनर्जी ने 'एक देश-एक चुनाव' को लेकर असहमति जताई और लिखा कि लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराना भारत की संवैधानिक व्यवस्था के खिलाफ है। पत्र में ममता बनर्जी ने लिखा कि साल 1952 में पहले आम चुनाव केंद्र के साथ राज्य स्तर पर भी हुए थे। कुछ साल तक ऐसे ही चला, लेकिन फिर यह सह अस्तित्व टूट गया। मुझे दुख है कि मैं इस एक देश-एक चुनाव के कॉन्सेप्ट के साथ सहमत नहीं हो सकती। हम आपके प्रस्ताव से असहमत हैं। पश्चिम बंगाल की सीएम के अनुसार, वेस्टमिंस्टर सिस्टम में संघीय और प्रदेश स्तर के चुनाव अलग-अलग होना प्रमुख विशेषता है, जिसे बदला नहीं जाना चाहिए।

मणिपुर में तीन लोगों की हत्या

इंफाल, 11 जनवरी (एजेंसियां)। मणिपुर के बिष्णुपुर में गुरुवार को पुलिस ने तीन लोगों के शव बरामद किए। ये सभी मैतेई समुदाय के हैं। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, बुधवार को कुंबी हाओटक इलाके में चार लोग लकड़ी इकट्ठा करने जंगल गए थे। उसके बाद से वापस नहीं आए। लापता लोगों के नाम ओइनाम रोमेन, अहनथेम दारा, थौदम इबोम्चा और थौदम आनंद बताए गए हैं। ये सभी अकासोई वार्ड नंबर 7 के रहने वाले हैं। पुलिस सूत्रों के मुताबिक जो शव मिले हैं, वे लापता चार लोगों में से ही तीन के हैं। >14

ईडी के खिलाफ एफआईआर पर कलकत्ता हाईकोर्ट की रोक

कोलकाता, 11 जनवरी (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़- तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और केंद्रीय जांच एजेंसियों का टकराव अक्सर सुर्खियां बटोरता है। यह मामला टीएमसी नेता शाहजहां शेख के आवास पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की छापेमारी और ईडी की टीम पर कथित तौर से हुए जानलेवा हमले का है।

इस मामले में ईडी और शाहजहां शेख एक दूसरे पर गंभीर आरोप लगा चुके हैं। ताजा घटनाक्रम में कलकत्ता हाईकोर्ट ने टीएमसी नेता की तरफ से दर्ज कराई गई प्राथमिकी (एफआईआर) पर रोक लगा दी है।

फारूक अब्दुल्ला को ईडी का समन

श्रीनगर, 11 जनवरी (एजेंसियां)। ईडी ने जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री और नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता फारूक अब्दुल्ला को मनी लॉन्ड्रिंग के एक मामले में समन भेजा है। जांच एजेंसी ने फारूक को गुरुवार (11 जनवरी) को श्रीनगर में पूछताछ के लिए बुलाया है।

ईडी ने जम्मू-कश्मीर क्रिकेट एसोसिएशन (जेकेसीए) के फंड में अनियमितताओं को लेकर यह कार्रवाई की है। ईडी और सीबीआई दोनों इस मामले की जांच कर रही है। ईडी ने इस मामले में साल 2022 में चार्जशीट दायर की थी। फारूक से इस मामले में पहले भी पूछताछ हो चुकी है। इसके मुताबिक, 86 साल के फारूक अब्दुल्ला 2001 से 2012 तक जेकेसीए के अध्यक्ष थे। 2004 और 2009 के बीच जेकेसीए के अधिकारियों सहित कई लोगों ने क्रिकेट एसोसिएशन के फंड को अपने पर्सनल बैंक अकाउंट में ट्रांसफर किया था। ईडी ने एसोसिएशन के अधिकारियों के खिलाफ सीबीआई की ओर से 2018 में दायर चार्जशीट के आधार पर जांच शुरू की थी। फारूक पर आरोप है कि उन्होंने एसोसिएशन के अध्यक्ष के रूप में अपने पद का दुरूपयोग किया। उन्होंने जेकेसीए में नियुक्तियां कीं, ताकि बीसीसीआई के स्पॉन्सर्ड फंड में हेरफेर किया जा सके।

राजोरी को दहलाने की साजिश नाकाम

चार टिफिन आईईडी और गोली-बारूद बरामद

जम्मू, 11 जनवरी (एजेंसियां)। संभाग के जिला राजोरी को दहलाने की आतंकियों की साजिश को एक बार फिर सुरक्षाबलों ने विफल कर दिया है। गुरुवार को पुलिस और सुरक्षाबलों ने की टीम ने राजोरी के मंजाकोट से चार टिफिन आईईडी और गोली-बारूद बरामद किया है। टीम आसपास के इलाके की घेराबंदी कर तलाशी अभियान चला रही है। जानकारी के अनुसार, राजोरी के हयातपुर-मंजाकोट इलाके में गुरुवार को सुरक्षाबलों ने तलाशी अभियान चलाया। इस ऑपरेशन के दौरान उन्हों एक वायरलेस सेट, एक टेप रिकॉर्डर, 23 राउंड एके गोलियां और चार टिफिन बॉक्स आईईडी बरामद हुईं। इससे पहले बुधवार को पुंछ में भारत-पाकिस्तान नियंत्रण रेखा के पास से ढाई किलो मादक पदार्थ जब्त किए गया, जो कि तीन पैकेटों में बंद था। वहीं, मंगलवार को उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा में नियंत्रण रेखा के पास से हथियार और नशीले पदार्थ की खेप को जब्त किया गया है।

मणिपुर से भारी मात्रा में विस्फोटक पदार्थ हुए जब्त

कार्बाइन और पिस्तौल सहित कई हथियार हैं शामिल

इंफाल, 11 जनवरी (एजेंसियां)। मणिपुर के चुराचांदपुर और तेंगनौपाल जिलों से भारी मात्रा में हथियार और विस्फोटक जब्त किए गए हैं। पुलिस ने गुरुवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने कहा कि चुराचांदपुर जिले में, सुरक्षा बलों ने 9 जनवरी को एक कार्बाइन, एक देश निर्मित 9 मिमी पिस्तौल, पांच सिंगल बैरल बंदूकें, आठ एचई -36 हैंड ग्रेनेड, छह आंसू गैस के गोले और 9 मिमी पिस्तौल और एम 1 कार्बाइन के लिए कई गोला-बारूद जब्त किए। पुलिस ने कहा कि टेंग्नौपाल जिले में 6 जनवरी को चार एचई-36 ग्रेनेड, एक अनुपयोगी एके-56 राइफल, पांच देशी बन्दूकें, पांच कच्चे बम, चार आईईडी, एक देशी मोर्टार और एके-56 राइफल के गोला-बारूद मिले। पुलिस ने कहा कि हथियारों और गोला-बारूद की तलाश में इंफाल पश्चिम, काकचिंग, बिष्णुपुर, थौबल, इंफाल पूर्व और चुराचांदपुर जिलों के संवेदनशील इलाकों में तलाशी अभियान जारी है। पिछले साल मई में मणिपुर में जातीय हिंसा भड़कने के बाद से 180 से अधिक लोग मारे गए हैं और कई सौ घायल हुए हैं, जब बहुसंख्यक मैतेई समुदाय की अनुसूचित जनजाति के दर्जे की मांग के विरोध में पहाड़ी जिलों में 'आदिवासी एकजुटता मार्च' आयोजित किया गया था। मणिपुर की आबादी में मेइतेई लोगों की संख्या लगभग 53 प्रतिशत है और वे ज्यादातर इम्फाल घाटी में रहते हैं। आदिवासी - नागा और कुकी - 40 प्रतिशत से कुछ अधिक हैं और पहाड़ी जिलों में रहते हैं।

मणिपुर में पावर स्टेशन से बड़ी मात्रा में फ्यूल लीक

नदियों तक फैलने से लोगों में दहशत; पीने का पानी मिलना भी हुआ मुश्किल

इंफाल, 11 जनवरी (एजेंसियां)। मणिपुर की इंफाल घाटी में एक बिजली स्टेशन से भारी फ्यूल लीक होने की बात सामने आई है। फ्यूल के लीक होने से वो साथ बहने वाली नदियों में फैल गया है, जिससे लोगों में दहशत का माहौल पैदा हो गया है।

क्षेत्र की जलापूर्ति प्रभावित

दरअसल, घटना बुधवार रात कांगपोकपी जिले के लीमाखोंग पावर स्टेशन की है। स्थानीय अधिकारी ने कहा कि कांटो सबल और सेकमाई जैसे गांवों से गुजरने वाली नदियों में ईंधन के रिसाव से जलापूर्ति भी प्रभावित हुई है। उन्होंने कहा कि ये नदियां इम्फाल नदी से मिलती हैं, जो इस क्षेत्र की जीवन रेखा है। वहीं, मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) ने संबंधित विभागों को मशीनरी, जनशक्ति और विशेषज्ञता के संदर्भ में सभी उपलब्ध संसाधनों का उपयोग करके पर्यावरणीय आपदा को रोकने के लिए तत्काल आवश्यक कार्रवाई करने को कहा है।

प्रभावित नदियों की सफाई का निर्देश

एक अधिकारी ने कहा कि प्रभावित नदियों में पानी के प्रवाह को खेतों की ओर मोड़ने के लिए भारी मशीनरी तैनात की गई है। उन्होंने कहा कि अभी यह तय नहीं हो पाया है कि इसमें शरारती तत्व शामिल थे या नहीं। स्थानीय लोगों ने कहा कि नदियों के पानी का उपयोग वे दैनिक कार्यों के लिए करते हैं। कांटो सबल के निवासी नोंगमई ने कहा, न केवल जलीय जीवन बल्कि पानी पर निर्भर रहने वाले समुदायों को भी इस रिसाव से गंभीर खतरा हुआ है।

इंदौर-सूरत देश के सबसे स्वच्छ शहर

राज्यों में महाराष्ट्र नंबर वन; गंगा किनारे बसी क्लीनेस्ट सिटी में वाराणसी पहले, प्रयागराज दूसरे स्थान पर

नई दिल्ली, 11 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने गुरुवार को स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 का रिजल्ट जारी किया। एक लाख से अधिक आबादी वाले शहरों में सातवीं बार इंदौर पहले स्थान पर रहा। सूरत को भी इंदौर के साथ संयुक्त रूप से पहला स्थान मिला। महाराष्ट्र का नवी मुंबई तीसरे, आंध्र प्रदेश का विशाखापट्टनम चौथे और मध्य प्रदेश का भोपाल पांचवें नंबर पर रहा। वहीं एक लाख से कम आबादी वाले शहरों में महाराष्ट्र का सासवड पहले, छत्तीसगढ़ का पाटन दूसरे और महाराष्ट्र का लोनावाला तीसरे स्थान पर रहा। देश के स्वच्छ राज्यों की कैटेगरी में इस बार महाराष्ट्र को पहला, मध्य प्रदेश को दूसरा और छत्तीसगढ़ को तीसरा स्थान मिला। पिछली बार मध्य प्रदेश पहले स्थान पर था। गंगा किनारे बसे सबसे साफ शहरों में वाराणसी पहले और प्रयागराज दूसरे स्थान पर रहा। इसके अलावा मध्य प्रदेश के महू को सबसे स्वच्छ कैंटोनमेंट बोर्ड का अवॉर्ड मिला है। बेस्ट सफाई मित्र सुरक्षित शहर का अवॉर्ड चंडीगढ़ को दिया गया। दिल्ली के भारत मंडपम कन्वेंशन सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और केंद्रीय शहरी विकास मंत्री हरदीप पुरी ने इन राज्यों के प्रतिनिधियों को सम्मानित किया। इस बार कुल 9500 अंक का सर्वेक्षण हुआ है। इसमें सर्विस लेवल प्रोग्रेस पर 4525, सर्टिफिकेशन पर 2500 और पब्लिक फीडबैक पर 2475 दिए गए। 2022 में राजस्थान-महाराष्ट्र को पछाड़ कर मध्य प्रदेश देश का सबसे स्वच्छ राज्य बन गया था।

100 से अधिक शहरों वाले राज्य में मध्य प्रदेश नंबर-1 पर आया था। वहीं, इंदौर ने सफाई का सिक्सर लगाया था। भोपाल भी सातवें से छठवें रैंकिंग पर आ गया था। 2017 और 2018 में भोपाल देश का दूसरा सबसे स्वच्छ शहर था। वर्ष 2016 में सिर्फ 73 शहर थे। तब भी इंदौर नंबर-1 पर रहा था। अब 4355 शहर इस दौड़ में शामिल थे। फिर भी इंदौर ने नंबर-1 का तमगा हासिल किया। इंदौर वर्ष 2017 से ही देशभर में नंबर-1 पर आ रहा है। स्वच्छता सर्वेक्षण-2020 में मध्यप्रदेश को कुल 27 सम्मान मिले थे। इसमें 18 शहर स्टार रेटिंग और 9 शहर स्वच्छ सर्वेक्षण के लिए थे। वहीं, 2021 के सर्वेक्षण में कुल 35 अवॉर्ड मिले थे।

अर्बन एस्टेट में चोरी, 32 तोला सोना और 750 ग्राम चांदी लेकर चोर फरार

हिसार, 11 जनवरी (एजेंसियां)। जिले के अर्बन एस्टेट में अज्ञात चोर सेवानिवृत कर्मचारी बुजुंग रलदू राम को बेहोश करके (32) तोला सोना 750 ग्राम चांदी के अलावा साठ हजार रुपये चुरा कर फरार हो गए। बताया जा रहा है कि परिवार के लोग गांव गए हुए थे। अर्बन एस्टेट में चोरी, 32 तोला सोना और 750 ग्राम चांदी लेकर चोर फरार चोरी करने वाले लोगो ने बुजुर्ग पर कंबल डाल कर उसे बेहोश कर दिया। बुर्जग को एक घंटे बाद होश आया तो अलमारी से सामान गायब मिला। पुलिस थाना प्रभारी कप्तान सिंह ने बताया कि अज्ञात चोरो के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

पटकथा तैयार थी, तमाशा हो रहा था और हम होते हुए देख रहे थे

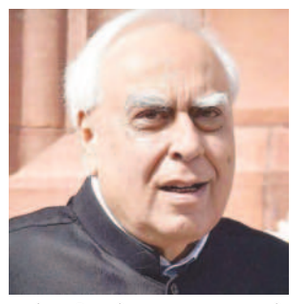

नई दिल्ली, 11 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले गुट को असली शिवसेना घोषित किए जाने के एक दिन बाद राज्यसभा सदस्य कपिल सिब्बल ने कहा कि नाटक की पटकथा बहुत पहले लिखी गई थी और यह सिर्फ एक तमाशा था जिसे हम होते हुए देख रहे थे।

यही इस लोकतंत्र की जननी की त्रासदी है।

सिब्बल ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'विधानसभा अध्यक्ष के अनुसार शिंदे गुट ही असली शिवसेना है। इस नाटक की पटकथा बहुत पहले लिखी गई थी। हम लोग इस तमाशे को होते हुए देख रहे हैं। यही इस 'लोकतंत्र की जननी' की त्रासदी है। उल्लेखनीय है कि महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने अपने फैसले में कहा कि 21 जून, 2022 को शिवसेना में विभाजन के बाद एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाला धड़ा ही असली शिवसेना है। नार्वेकर का यह फैसला शिंदे के पक्ष में आया जो मुख्यमंत्री के लिए बड़ी राजनीतिक जीत है। शिवसेना में विभाजन के 18 महीने बाद इस फैसले से शीर्ष पद के लिए शिंदे की जगह पक्की हो गई है। वहीं, लोकसभा चुनाव से पहले सत्तारूढ़ गठबंधन में उनकी राजनीतिक ताकत भी बढ़ गई है। गठबंधन में भाजपा और राकांपा का अजित पवार गुट भी शामिल है। राहुल नार्वेकर ने करीब 105 मिनट तक आदेश के अहम बिंदू पढ़ते हुए शिंदे समेत 16 शिवसेना विधायकों को अयोग्य ठहराने की उद्धव ठाकरे गुट की याचिका भी खारिज कर दी।

पार्टी नेताओं की अनर्गल बयान बाजी पर ममता सख्त

प्रवक्ता पद से हो सकती है कुणाल घोष की छुट्टी

कोलकाता, 11 जनवरी (एजेंसियां)। तृणमूल कांग्रेस के भीतर बढ़ती अंदरूनी कलह और विभिन्न नेताओं के सार्वजनिक रूप से एक-दूसरे के साथ झगड़ने के बीच, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और पार्टी प्रमुख ममता बनर्जी ने सख्त तेवर अख्तियार किया है। तृणमूल कांग्रेस के एक नेता ने नाम उजागर नहीं करने की शर्त पर गुरुवार को बताया कि शाम कालीघाट स्थित सीएम आवास पर हुई बैठक में ममता ने पार्टी प्रवक्ताओं की सूची में तत्काल बदलाव का निर्देश दिया है। ममता ने यह भी सख्त निर्देश दिया है कि जिन लोगों के नाम नई सूची में शामिल किए जाएंगे, उन्हें छोड़कर किसी अन्य नेता को पार्टी के आंतरिक मामलों के बारे में सार्वजनिक बयान देने की अनुमति नहीं दी जाएगी। तृणमूल के मौजूदा प्रवक्ता कुणाल घोष ने एक जनवरी को पार्टी की स्थापना वाले दिन प्रदेश अध्यक्ष सुब्रत बख्शी के खिलाफ सार्वजनिक टिप्पणी की थी और अभिषेक के पक्ष में बयान दिया था। बैठक में मौजूद एक तृणमूल नेता ने बताया कि पार्टी अध्यक्ष ने महासचिव अभिषेक बनर्जी और प्रदेश अध्यक्ष सुब्रत बख्शी को यह जिम्मेदारी सौंपी है। पार्टी नेता ने नाम जाहिर न करने की शर्त पर कहा, अब यह देखना होगा कि सूची में कौन बना रहता है और किसके नाम सूची से हटा दिए जाते हैं। लेकिन ऐसा लगता है कि जिन चेहरों के नाम हालिया वाकयुद्ध में सामने आए थे, उनमें से कुछ को सूची से हटाया जा सकता है। चूंकि नए साल का पहला दिन था और उसी दिन तृणमूल की 26वीं स्थापना वर्षगांठ भी थी, इसलिए कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। उसी दौरान विभिन्न नेताओं के बीच मतभेद खुलकर सामने आ गए। इन मतभेदों का मुख्य कारण पुराने नेताओं और नए चेहरों के बीच की खींचतान है।

ओपीएम जीएम के साथ हाथापाई, मजदूरों को किया था काम से बाहर, समझौता के दौरान हुई घटना

शहडोल, 11 जनवरी (एजेंसियां)। मामला शहडोल के अमलाई थाना क्षेत्र के ओपीएम का है, जहां एशिया के दूसरे सबसे बड़े कागज कारखाना के जीएम के साथ ठेका मजदूरों ने गाली गलौज और झूमा झपटी कर हाथापाई की। दरअसल, ठेका श्रमिकों को ठेकेदार लालजी सिंह सहित ओपीएम मील ने काम से बाहर कर दिया था। जिसके बाद ठेका श्रमिक ओपीएम मील के गेट के सामने मजदूर विरोध प्रदर्शन कर रहे थे।

केजरीवाल ने अचानक रद्द किया गोवा का दौरा

नई दिल्ली, 11 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल लोकसभा चुनाव 2024 के मद्देनजर आम आदमी पार्टी की तैयारियों का जायजा लेने के लिए विभिन्न राज्यों का दौरा कर रहे हैं। हाल ही में वह भाजपा का गढ़ माने जाने वाले राज्य गुजरात के भी दौरे पर गए थे। इसी क्रम में केजरीवाल अज गुरुवार को चुनावी तैयारियों का आंकलन करने के लिए गोवा के दो दिवसीय दौरे पर जाने वाले थे। हालांकि, उन्होंने अपने इस दौरे को अचानक से रद्द कर दिया है।

पार्टी ने बताया कारण

केजरीवाल के गोवा के दो दिवसीय दौरे के रद्द होने को लेकर आम आदमी पार्टी के सूत्रों ने जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि केजरीवाल ने गणतंत्र दिवस की तैयारियों के कारण गोवा का दौरा स्थगित कर दिया है। पार्टी के एक सूत्र ने कहा है कि अब केजरीवाल अगले सप्ताह गोवा के दौरे पर जाएंगे।

आप कर चुकी पहले लोकसभा उम्मीदवार का ऐलान

आम आदमी पार्टी इंडी गठबंधन के साथ मिलकर लोकसभा चुनाव 2024 में उतरने का मन बना रही है। हालांकि, सीट शेयरिंग का मामला सुलझे इससे पहले ही पार्टी ने अपने पहले लोकसभा उम्मीदवार का ऐलान कर दिया है। गुजरात के भरूच में एक जनसभा को संबोधित करते हुए आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने ऐलान किया है कि इस सीट से चैतर वसावा पार्टी के लोकसभा उम्मीदवार होंगे।

ईडी के घेरे में हैं केजरीवाल

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर इस वक्त दिल्ली शराब घोटाला मामले में गिरफ्तारी की तलवार लटक रही है। प्रवर्तन निदेशालय की ओर से पूछताछ के लिए तीन बार समन भेजे जाने के बावजूद भी केजरीवाल एजेंसी के सामने पेश नहीं हुए हैं। पार्टी ने भी आशंका जताई है कि आज ईडी अरविंद केजरीवाल के घर पर छापेमारी करके उन्हें गिरफ्तार कर सकती है।

दो धर्मों के बीच दुश्मनी बढ़ाने का आरोप, तमिलनाडु बीजेपी चीफ पर केस दर्ज

चेन्नई, 11 जनवरी (एजेंसियां)। तमिलनाडु भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अन्नामलाई के खिलाफ धार्मिक शत्रुता को बढ़ावा देने के लिए मामला दर्ज किया गया है। अन्नामलाई के खिलाफ आरोप है कि उन्होंने दो समूहों के बीच धार्मिक दुश्मनी बढ़ाई है। धर्मपुरी पुलिस ने दो समूहों के बीच धार्मिक शत्रुता को बढ़ावा देने के आरोप में अन्नामलाई के खिलाफ धर्मपुरी जिले के बोम्मिडी पुलिस स्टेशन में धारा 153 (ए), 504, 505 (2) के तहत मामला दर्ज किया है। 8 जनवरी को के अन्नामलाई ने अपने समर्थकों के साथ राज्य में रैली निकाली थी। इसी बीच वो बोम्मिडी में सेंट लूर्डेस चर्च में मदर मैरी की प्रतिमा पर हार पहनाने पहुंचे थे। लेकिन वहां मौजूद युवाओं ने चर्च में उनके प्रवेश पर आपत्ति जताई थी। उन युवाओं का कहना था कि मणिपुर में ईसाई समुदाय के लोगों की हत्याएं की जा रही हैं। हालांकि इस दौरान अन्नामलाई ने युवाओं को समझाने की कोशिश की, लेकिन हंगामे की स्थिति बन गई और विवाद बढ़ गया।

महुआ मोइत्रा के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की तैयारी में सीबीआई

एलएस सचिवालय से मांगी एथिक्स कमिटी की रिपोर्ट

मुंबई, 11 जनवरी (एजेंसियां)। 'कैश फॉर क्वेरी' मामले में टीएमसी नेता महुआ मोइत्रा की मुश्किलें और बढ़ सकती हैं। सीबीआई उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की तौयारी में है। इस सिलसिले में केंद्रीय जांच एजेंसी ने लोकसभा सचिवालय से एथिक्स कमिटी की रिपोर्ट मांगी है। लोकपाल के निर्देशों के बाद सीबीआई पहले से ही मामले की 'जांच' कर रही है। बता दें कि महुआ मोइत्रा को 'पैसे लेकर सवाल पूछने' के आरोप में लोकसभा से निष्कासित कर दिया गया था। सूत्रों के मुताबिक, लोकसभा सचिवालय ने अभी तक एथिक्स कमेटी की रिपोर्ट जांच एजेंसी को नहीं सौंपी है। गौरतलब है कि एथिक्स कमेटी पहले ही आरोपों की जांच की सिफारिश कर चुकी है। यदि लोकसभा सचिवालय भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 17 ए के तहत आवश्यक मंजूरी हासिल करते हुए एथिक्स कमिटी की रिपोर्ट सीबीआई को सौंपता है, तो केंद्रीय जांच एजेंसी लोकपाल की मंजूरी के बिना सीधे महुआ मोइत्रा पर एफआईआर दर्ज कर सकती है। उम्मीद है कि सीबीआई भी अपनी जांच रिपोर्ट लोकपाल को सौंपेगी और अगर लोकपाल एजेंसी को आपराधिक मामला दर्ज करने का निर्देश देता है तो वह मामले में एफआईआर दर्ज कर सकती है। बता दें कि महुआ मोइत्रा के खिलाफ एथिक्स कमिटी की रिपोर्ट को, कि 8 दिसंबर 2023 को लोकसभा के पटल पर रखा गया था। इस पर बहस के बाद, स्पीकर ओम बिड़ला ने बताया कि एथिक्स कमिटी ने अपनी रिपोर्ट में मोइत्रा को कैश फॉर क्वेरी मामले में दोषी ठहराया है, इसलिए उन्हें लोकसभा से निष्कासित किया जाता है। हालांकि, टीएमसी नेता ने अपने ऊपर लगे आरोपों को सिरे से खारिज करती रही हैं।

महुआ मोइत्रा का पूरा विवाद क्या है?

अपने निष्कासन के बाद, महुआ मोइत्रा ने एथिक्स कमिटी पर 'बिना सबूतों के कार्रवाई' करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि एथिक्स कमिटी विपक्ष को कमजोर करने में सत्ता पक्ष का हथियार बन रहा है और हर नियम को तोड़ते हुए उनके खिलाफ रिपोर्ट दायर की है। यह पूरा मामला तब सुर्खियों में आया जब बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे ने टीएमसी नेता महुआ मोइत्रा पर व्यवसायी दर्शन हीरानंदानी से 'नकद और उपहार के बदले में' संसद में सवाल पूछने का आरोप लगाया। भाजपा सांसद ने अपने आरोपों में सुप्रीम कोर्ट के वकील जय देहाद्राई के उस पत्र का हवाला दिया था, जिसमें मोइत्रा और हीरानंदानी के बीच कथित आदान-प्रदान के 'अकाट्य सबूत' का उल्लेख किया गया था। इसके बाद हीरानंदानी ने एथिक्स कमिटी के समक्ष एक पत्र प्रस्तुत किया, जिसमें उन्होंने दावा किया था कि महुआ मोइत्रा ने अपनी संसदीय लॉगिन आईडी और पासवर्ड उनके साथ साझा किया था ताकि वह 'उनकी ओर से प्रश्न अपलोड कर सकें'। बाद में, मोइत्रा ने बातचीत में हीरानंदानी को अपनी संसद लॉगिन आईडी और पासवर्ड देने की बात स्वीकार की थी।

मप्र की संस्कारधानी में मां के सामने जवान बेटे को डंपर ने रौंदा, मौत

जबलपुर, 11 जनवरी (हि.स.)। रीवा - नागपुर हाईवे पर गुरुवार सुबह एक बाइक सवार युवक को उसकी मां के सामने ही डंपर ने कुचल दिया। हादसे में बेटे की मौत हो गई। वह बाइक में पेट्रोल भरवाने के बाद रोड क्रॉस कर रहा था। घटना के बाद मां बेसुध हो गई। पुलिस ने डंपर चालक को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार घटना चरगंवा चौराहे की है। मृतक जितेंद्र ठाकुर (25) चरगंवा थाने के नयागांव का रहने वाला था।

कलकत्ता उच्च न्यायालय ने संदेशखाली मामले में ईडी अधिकारियों को सुरक्षा प्रदान की

कोलकाता, 11 जनवरी (एजेंसियां)। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने बृहस्पतिवार को निर्देश दिया कि संदेशखाली में छापेमारी की कार्रवाई के बाद प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी के संबंध में उनके विरुद्ध कोई दंडात्मक कदम नहीं उठाया जा सकता। ईडी ने कहा है कि पांच जनवरी को उत्तर 24 परगना जिले के संदेशखाली में ईडी की टीम पर हुए हमले में उसके तीन अधिकारी घायल हो गए और उनका सामान छीन लिया गया। हमला उस वक्त हुआ जब वे राज्य की राशन वितरण प्रणाली में कथित अनियमितताओं के सिलसिले में छापेमारी के लिए शाहजहां शेख के घर गए थे। ईडी के वकील ने अदालत के समक्ष कहा कि उसे पता चला है कि घटना के संबंध में चार मामले दर्ज किये गये हैं। उन्होंने कहा कि इनमें से एक ईडी ने अपने अधिकारियों पर हुए हमले को लेकर दर्ज कराया है और अन्य मामले उसके अधिकारियों के खिलाफ दर्ज किए गए हैं। न्यायमूर्ति जय सेनगुप्ता ने मौखिक रूप से निर्देश दिया कि शेख के परिसर की तलाशी के लिए संदेशखाली गए ईडी अधिकारियों के खिलाफ प्राथमिकी के संबंध में कोई कठोर कदम नहीं उठाया जा सकता।

सामना में शिंदे गुट को बताया चोरों के गिरोह की पार्टी

विधानसभा अध्यक्ष राहुल नारवेकर पर साधा गया निशाना

मुंबई, 11 जनवरी (एजेंसियां)। शिवसेना (यूबीटी) ने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली पार्टी को 'असली' शिवसेना की मान्यता देने पर महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष राहुल नारवेकर पर निशाना साधा है। उद्धव ठाकरे की पार्टी ने आरोप लगाया कि एक "चोरों के गिरोह' को मान्यता देकर संविधान को कुचल दिया गया है।

भाजपा पर भी साधा निशाना

शिवसेना (यूबीटी) के मुखपत्र 'सामना' के एक संपादकीय में सत्तारूढ़ भाजपा पर भी निशाना साधते हुए कहा गया है कि राज्य के लोग इसके पीछे के खेल करने वालों को माफ नहीं करेंगे।

शिंदे गुट को मिली बड़ी राजनीतिक जीत

सांसद संजय राउत ने दावा किया कि नार्वेकर को न्याय करने की जिम्मेदारी सौंपी गई थी, लेकिन उन्होंने शिंदे के वकील के रूप में काम किया। शिंदे के लिए एक बड़ी राजनीतिक जीत में नार्वेकर ने माना कि जून 2022 में प्रतिद्वंद्वी समूहों के उभरने पर उनके नेतृत्व वाला शिवसेना गुट असली राजनीतिक दल था और उन्होंने दोनों खेमों के किसी भी विधायक को अयोग्य नहीं ठहराया।

एकनाथ शिंदे का बढ़ा कद

बता दें कि विद्रोह के 18 महीने बाद एकनाथ शिंदे ने शीर्ष पद पर अपनी जगह पक्की कर ली और लोकसभा चुनाव से पहले सत्तारूढ़ गठबंधन में उनकी राजनीतिक ताकत बढ़ गई, जिसमें भाजपा और राकांपा (अजित पवार समूह) भी शामिल हैं। सामना में कहा गया है कि स्पीकर का आदेश पहले से तय था और इसमें चौंकने वाली कोई बात नहीं है। मराठी दैनिक ने कहा कि स्पीकर के लंबे फैसले को दिल्ली में उनके आकाओं ने लिखा था।

महाराष्ट्र के साथ बेईमानी

इसमें आरोप लगाया गया कि बाल ठाकरे की शिव सेना को गद्दारों को सौंपने का स्पीकर का फैसला महाराष्ट्र के साथ बेईमानी में शामिल होने के समान है। संपादकीय में कहा गया है कि नार्वेकर के पास इतिहास रचने का मौका था, लेकिन उन्होंने ऐसा फैसला दिया जिसने लोकतंत्र का चेहरा 'काला' कर दिया है।

कर्नाटक में इंटर-रिलिजन कपल के साथ मारपीट

6 लोगों ने होटल के कमरे में घुसकर लात-घूसों से मारा, वीडियो भी बनाया

बेंगलुरु, 11 जनवरी (एजेंसियां)। कर्नाटक में एक होटल में जबरदस्ती घुसकर 6 लोगों ने कपल के साथ मारपीट की। कपल का कसूर सिर्फ इतना था कि ये दोनों अलग-अलग धर्म से थे। आरोपियों ने लात-घूसे मारते हुए खुद ही वीडियो बनाया, जो अब वायरल हो रहा है। पुलिस ने बताया कि हावेरी जिले की यह घटना 7 जनवरी की है। पीड़ित कपल ने हनागल थाने में शिकायत दर्ज कराई है। सभी 6 आरोपी अल्पसंख्यक समुदाय से हैं। इनमें से 2 लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है और बाकी आरोपियों की तलाश जारी है।

सोशल मीडिया पर वीडियो में देखा जा सकता है कि हमलावर कमरे के बाहर खड़े हैं। वो दरवाजा खटखटाकर उसके खुलने का इंतजार करते हैं। जैसे ही भीतर से एक पुरुष ने कमरे का दरवाजा खोला। वैसे ही सारे आरोपी भीतर घुस जाते हैं। कुछ हमलावर महिला की ओर बढ़ते हैं, जो उन्हें देखकर अपना चेहरा ढकने लगती है। तभी एक हमलावर उसे इतनी जोर से मारता है कि वह जमीन पर गिर जाती है। आरोपियों ने महिला के साथ मौजूद पुरुष के साथ भी मारपीट की। उसने भागने की कोशिश की तो दो-तीन हमलावरों ने उसे पकड़ लिया। इसके बाद उसकी जमकर पिटाई करते हैं। पिटाई की वजह से महिला बेड के कोने में जाकर छिप जाती है। इस दौरान एक आरोपी पहले तो उसे फिर से थप्पड़ मारता है और फिर उसे खींचते हुए कोने से बाहर निकालता है। पूरे वीडियो में हमलावर भद्दी-भद्दी गालियां देते हुए सुने जा सकते हैं। हावेरी के एसपी अंशू कुमार ने कहा कि वो जल्द ही बाकी 4 आरोपियों को गिरफ्तार कर लेंगे। उन्होंने आगे कहा कि बदमाश स्थानीय थे और किसी संगठन से जुड़े नहीं थे। शुरुआत में यह एक हमले का मामला था और हमने दो लोगों को गिरफ्तार किया था। हालांकि, पीड़ितों के बयान के आधार पर आरोपियों पर किडनैपिंग, महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाना, हमला और हत्या की कोशिश जैसी धाराएं लगाई गई हैं। कर्नाटक में 6 जनवरी को एक ऐसी ही घटना हुई थी। बेलगावी में चचेरे भाई बहन को इंटर-रिलिजन जोड़ा समझकर पीटा गया था। इस मामले में 9 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था, जो अल्पसंख्यक समुदाय से थे।

कांग्रेस में अंतर्कलह पंजाब के प्रभारी ने सिद्धू को दी अनुशासन में रहने की नसीहत

चंडीगढ, 11 जनवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस पार्टी पूरी तरह से लोकसभा चुनाव 2024 की तैयारियों में जुटी हुई है। पार्टी इंडिया गठबंधन में अपने सहयोगी दलों के साथ लगातार समन्वय बनाने की कोशिश में है। हालांकि, इस बीच कांग्रेस के भीतर ही अंतर्कलह शुरू हो गया है। पार्टी नेताओं के बीच बात इतनी ज्यादा बढ़ गई है कि पंजाब कांग्रेस के प्रभारी देवेंद्र यादव ने अपने ही नेता नवजोत सिंह सिद्धू को अनुशासन में रहने की सख्त नसीहत दे दी है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

युविचार

कल्याण भावना रखने से दृष्टि और वृत्ति दोनों बदलर जाती हैं

हिन्दी को कार्यालय की भाषा बनाना हमारा संवैधानिक दायित्व: अनुराग कुमार

ईसीआईएल में विश्व हिन्दी दिवस आयोजित

हैदराबाद, 11 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। इलेक्ट्रॉनिक्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड, भारत सरकार (परमाणु ऊर्जा विभाग) का उद्यम, हैदराबाद में अनुराग कुमार, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक की अध्यक्षता में तथा अनुराग मालवीया, निदेशक (कार्मिक) के निर्देशन में विश्व हिन्दी दिवस का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर प्रो. ऋषभदेव शर्मा, विभागाध्यक्ष (पूर्व), दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा, हैदराबाद मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित थे। कार्यक्रम में डॉ. अनीश कुमार शर्मा, निदेशक (तकनीकी), राजेन्द्र कुमार पारख, निदेशक (वित्त) तथा पी. कृष्णा कुमार, आईटीएस, मुख्य सतर्कता अधिकारी की विशेष उपस्थिति थी।

समारोह में सर्वप्रथम अनुराग कुमार, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ने अपने स्वागत भाषण में मंचासीन अतिथि तथा कार्यक्रम में उपस्थित समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों का स्वागत किया। उन्होंने हिन्दी के संपर्क भाषा के रूप को विस्तार को विश्लेषित करते हुए उन्होंने कहा कि हिन्दी को अपने जीवन में संपर्क भाषा के साथ-साथ कार्यालय की भाषा बनाना हमारा संवैधानिक दायित्व है। उन्होंने अनेक उदाहरणों से यह प्रस्तुत किया कि मातृभाषा मानव जीवन के सर्वांगीण विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। अपने अध्यक्षीय अभिभाषण उन्होंने विश्व हिन्दी दिवस की प्रासांगिकता और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसके आयोजनों पर अपने अनुभवों को व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि विदेशों में विश्व हिन्दी दिवस का आयोजन हमें इस बात का स्मरण दिलाता है कि आज हिन्दी भारत ही नहीं बल्कि विदेशों में भी अपना प्रमुख स्थान बना रही है। मुख्य अतिथि प्रो. ऋषभदेव शर्मा ने "हिन्दी सांस्कृतिक एवं सामाजिक स्वरूप' विषय पर सारगर्भित व्याख्यान दिया। कार्यक्रम का प्रारंभ दीप प्रदीप्तन से हुआ। इस अवसर पर निगम के वरिष्ठ अधिकारीगण, विभिन्न प्रभागों के कर्मचारीगण तथा राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सदस्य उपस्थित थे। ईसीआईएल मुख्यालय के साथ-साथ आंचलिक कार्यालयों में भी विश्व हिन्दी दिवस का आयोजन किया गया। कॉरपोरेशन के प्रबंधक (राजभाषा) डॉ. राजनारायण अवस्थी ने कार्यक्रम का संचालन किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में वी. कनका श्री महालक्ष्मी, डॉ. सीएच. अंबेडकर, कनि. अनुवादक (राजभाषा), अजहर सुल्तान, प्रवर श्रेणी लिपिक, कॉरपोरेट संचार तथा कॉरपोरेट अध्ययन एवं विकास केन्द्र के कर्मचारियों ने विशेष योगदान दिया।

सिद्धपुर सरपंच के खिलाफ मामला दर्ज

कुमरम भीम आसिफाबाद, 11 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। नागरिक आपूर्ति प्रवर्तन उपतहसीलदार श्रीनिवास ने कहा कि मंडल के पेद्दा सिद्धपुर ग्राम पंचायत के सरपंच पोर्टेटी रवि के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। जब वह सिद्धपुर सस्ते गल्ले की दुकान का निरीक्षण करने पहुंचे तो वहां के सरपंच रवि ने दावा किया कि लोगों को चावल बांटा जा रहा है। उनके खिलाफ मामला दर्ज किया गया है, जो बेनामी राशन डीलर हैं।उन्होंने यह भी कहा कि 5 क्विंटल चावल भी अवैध तरीके से बेचा गया है। फिलहाल बेजुर के डीलर पुरूषोत्तम को प्रभारी की जिम्मेवारी दी गयी है।

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया में एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन

हैदराबाद, 11 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, हैदराबाद द्वारा दिनांक 10 जनवरी 2024 विश्व हिन्दी दिवस के अवसर पर क्षेत्रीय कार्यालय, सिकंदराबाद, पंजागुट्टा, कोटी, सैफाबाद, एवं केन्द्रीय कार्यालय, उपभवन की संयुक्त एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन केंद्रीय कार्यालय उपभवन (पट्टाभि भवन) में आयोजित किया गया। कार्यशाला का उद्घाटन अंचल के राजभाषा अधिकारी देवकान्त पवार द्वारा प्रतिभागियों को संबोधित कर किया गया। कार्यशाला में श्रीमती उपासना सिरसैया, श्री साहेब राव कांबले, सुश्री स्नेहा साव एवं श्रीमती स्नेहा सिंह द्वारा राजभाषा हिन्दी से जुड़े विभिन्न विषयों पर सत्र लिए गए। केन्द्रीय कार्यालय में पदस्थ अंगेश कुमार द्वारा साइबर सुरक्षा पर हिन्दी में एक विशेष सत्र लिया गया। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती उपासना सिरसैया द्वारा किया गया। राजभाषा प्रश्नोत्तरी भी रखी गयी जिनके विजेताओं को पुरस्कार से सम्मानित किया गया। कार्यशाला में कुल 95 प्रतिभागियों ने भाग लिया। राष्ट्रगान के साथ कार्यशाला सम्पन्न हुई।

विश्वमंगल गौशाला में अमावस्या पर की गई गौसेवा

हैदराबाद, 11 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। विश्वमंगल गौशाला में अमावस्या के पावन अवसर पर सभी को भक्तों ने तन मन धन की सेवा दी। इस अवसर पर रविंद्र सिंह राजपुरोहित, डालुसिह रावत, रमेश, शोरूदास और ओम प्रकाश द्वारा सुंदर-सुंदर भजनों की प्रस्तुति दी गई।

कार्यक्रम में लालचंद, प्रभुराम, जावरमल, बनवारी लाल, मुकेश, सुरेंद्र, राजेश, पुरुषोत्तम, विनोद, रामनिवास, नेताराम, पेमाराम, ठाकराराम बिश्नोई, मांगीलाल माली ,राजू जी प्रजापत, लुंबाराम, हनुमान जी कछुआ, धन्यवाद प्रकट करते हुए नारायण राम, शांतिलाल सुथार ,वह अन्य उपस्थित रहे।

नाबालिग लड़की से बलात्कार के आरोप में 10 साल की जेल

कुमरम भीम आसिफाबाद, 11 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। नाबालिग लड़की से दुष्कर्म के मामले में आरोपी को 10 साल की सजा सुनाई गई ।

आसिफाबाद जिला सत्र न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश एम. वी. रमेश ने जेल की सजा का फैसला सुनाया। कौटाला सीआई सादिक पाशा द्वारा दिए गए विवरण के अनुसार, पुलिस ने कुमरम भीम आसिफाबाद जिले के चिंताला मनेपल्ली पुलिस स्टेशन क्षेत्र में 2018 में बलात्कार की घटना में रवींद्र नगर के सत्यजीत मंडल (25) के खिलाफ मामला दर्ज किया है और उसे रिमांड पर भेज दिया। तत्कालीन सीआई बी.श्रीनिवास, बुद्धा स्वामी और डी.मोहन ने जांच की। पुलिस जांच के बाद गवाहों के साथ आरोप पत्र दाखिल किया गया और पुलिस ने फॉक्सो मामले में गवाह पेश किये। अभियोजन पक्ष की ओर से लोक अभियोजक प्रसाद द्वारा प्रस्तुत किये गये गवाहों के परीक्षण के बाद मामले के नजीर का परीक्षण करते हुए आरोपी को 420,3%6,41% आईपीसी, धारा 04 फॉक्सो एक्ट, 10 एस. कारावास व 35 हजार रुपये जुर्माना लगाया गया। के सागर एसआई जो जिला लाइसेंसिंग अधिकारी हैं और हेड कांस्टेबल बाबाजी जो कागजनगर के उपमंडल अधिकारी हैं, ने कड़ी मेहनत की।

अन्नप्रसादम का आयोजन किया गया

हैदराबाद, 11 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज, नाचाराम मल्लापुर शाखा ने हर महीने अमावस्या अनुष्ठान के हिस्से के रूप में पहली अमावस्या के अवसर पर अन्नप्रसादम का आयोजन किया, जो मानव सेवा-माधव सेवा के हमारे नैतिक मूल्य को मजबूत करता है। हमने घर-घर राम अभियान के तहत रामजी और राममंदिर पोस्ट कार्ड भी वितरित किये स सेवा में उपस्थित सदस्यों में शामिल हैं- प्रदीप कुमार अग्रवाल (अध्यक्ष), सुनील अग्रवाल (उपाध्यक्ष), प्रतीक कुमार नारसरिया (मानद मंत्री),सत्यनारायण गोयल (कोषाध्यक्ष), सुरेश जीतपुरिया, प्रवीण जाखनीवाल (अमावस्या संयोजक),रामबाबू अग्रवाल,मोहन नारसरिया,रीतेश अग्रवाल, अनिल अग्रवाल, विकास गुप्ता, कुंज अग्रवाल, मुकेश अग्रवाल, सुमित अग्रवाल,प्रेमचंद शर्मा और महिला मंडल से निशा गुप्ता और अन्य ने भाग लिया।

तेलंगाना ने 31 कोविड मामलों की रिपोर्ट की

हैदराबाद, 11 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हाल के नये कोरोना वायरस वेरिएंट के कारण तेलंगाना में फिर कोविड का तनाव बन गया है। दिसंबर 2023 और 5 जनवरी, 2023 के बीच प्रयोगशाला परीक्षण के परिणामों के आधार पर, तेलंगाना के कुल 31 व्यक्तियों, हैदराबाद, रंगारेड्डी और मेडचल-मालकजिरी जिलों के सभी, जेएन.1.1 और जेएन.1 वेरिएंट के लिए सकारात्मक परीक्षण किया।

तेलंगाना में कोविड-19 को ट्रैक करने वाले सार्वजनिक स्वास्थ्य अधिकारियों ने संकेत दिया है कि जब तक विशेष रूप से एक डॉक्टर द्वारा निर्धारित नहीं किया जाता है, तब तक कोविड जैसे लक्षणों वाले अधिकांश व्यक्ति कोविड के लिए परीक्षण करने की दिशा में झुकाव नहीं दिखा रहे थे।

कागजनगर टाउन पद्मशाली सेवा संगम के वार्षिक कैलेंडर का अनावरण

सिरपुर कागजनगर, 11 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। शहरी पद्मशाली सेवा संगम के तत्वावधान में कागज नगर स्थित पद्मशाली भवन में आयोजित कार्यक्रम के तहत उनके वार्षिक कैलेंडर का अनावरण सिरपुर के विधायक डॉ. पालवाई हरीश बाबू ने किया। इस अवसर पर डॉ. पालवाई हरीश बाबू ने कहा कि वह पद्मशाली के विकास के लिए काम करेंगे।और पद्मशाली छात्रों के लिए छात्रावास के निर्माण के लिए जगह आवंटित करने और भवन निर्माण में मदद करने का वादा किया।इस कार्यक्रम में पद्मशाली सेवा संघम के अध्यक्ष कुडिक्याला राजमौली, महासचिव हनुमंडल केदारी, भाजपा राज्य कार्य समिति के सदस्य कोंगा सत्यनारायण, शहरी भाजपा अध्यक्ष सिंदम श्रीनिवास और अन्य ने भाग लिया।

सामुदायिक सेवा कार्यक्रम के हिस्से के रूप में बजरंग सेना द्वारा मेटर्निटी अस्पताल कोटी में भोजन वितरण किया गया। उपस्थित हैं लक्ष्मण राव, श्रीमती राजनी श्रीरामोजू, मनोज, काजल, सुनील व अन्य।

केबीआर पार्क में इच्छरपूर्ति गणेश प्रतिमा की पूजा अर्चना करते हुए राजेंद्रकुमार अग्रवाल, पुष्पलता, आशा, सुरेंद्रनारायण अग्रवाल, गोपाल बलदेवा व अन्य।

रामदेवरा दरबार शिवरामपल्ली में विशेष सम्मान किया गया

हैदराबाद, 11 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राजस्थान बाड़मेर से पधारे जाट नेता एवं सरपंच प्रतिनिधि मंडल ने रामदेवरा दरबार शिवरामपल्ली में रामदेवरा दरबार में पूजा-अर्चना व दर्शन किया।

इस अवसर पर सभी मेहमानों में देवाराम कासनिया, चोथाराम कासनिया, खेताराम जाट, चिमनाराम कासनीया, भंवरलाल गोदारा, बाबुलाल भादु का शाल द्वारा सम्मान किया गया। मंदिर कमेटी के चेयरमैन श्याम सुंदर गिलडा, समाजसेवी धर्माराम ढाका, अनिरूद्ध शर्मा, बनवारी महाराज, अनिल महाराज, चिरंजीवी लाल आदि उपस्थित रहे।

रेस्तरां में बिरयानी में पाए गए मृत तिलचट्टे, जीएचएमसी ने शुरू की जांच

हैदराबाद, 11 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जुबली हिल्स में एक बारबेक्यू रेस्तरां में एक ग्राहक को बिरयानी में एक मृत तिलचट्टा मिला। इस पर ग्राहक ने शिकायत कर दी। शिकायत के जवाब में, ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) के सहायक खाद्य नियंत्रक के अधिकारियों ने बुधवार को रेस्तरां परिसर का निरीक्षण किया।जीएचएमसी के अधिकारियों ने प्रभावित ग्राहक और जनता को आश्वासन दिया कि संबंधित घटना को संबोधित करने के लिए आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

सामुदायिक सेवा कार्यक्रम के हिस्से के रूप में बजरंग सेना द्वारा मेटर्निटी अस्पताल कोटी में भोजन वितरण किया गया। उपस्थित हैं लक्ष्मण राव, श्रीमती राजनी श्रीरामोजू, मनोज, काजल, सुनील व अन्य।

अमावस्या पर इमलीबन गौशाला में गोसेवा करते हुए वरिष्ठ भाजपा नेता अमरसिंह राजपुरोहित, श्रीनिवास यादव, रामकृष्णा व अन्य।

सत्यम शिवम सुंदरम गौशाला गगन पहाड में अमावस्या पर गो सेवा करते हुए गोभक्त।

IN THE COURT OF HON'BLE II SENIOR CIVIL JUDGE, CITY CIVIL COURT AT: HYDERABAD
OS No. 507 of 2023

Between:
1. Usha Saxena
2. Sumita Saxena Nomula
3. Vasudha Mathur .... PLAINTIFFS

And

1. The Tahsildar/MRO.
2. All Concerned ...DEFENDANTS

To,
All Concerned ...Defendant No.2

Take notice that the above named Plaintiffs has filed above suit OS No. 507 of 2023 for LEGAL HEIR DECLARATION of Late Anirudh Prasad Saxena. The said case is posted on 17-01-2024 at 10:30 AM for your appearance and written statement/ counter if any, failing to appear before the said court on the said date and time mentioned above, the matter will be decided as per law.

// BY ORDER OF COURT //

SCHEDULE OF PROPERTY:All that property of the building and land admeasuring 206 square yards in H.No. 8-3-167/K/13/E/4, on Plot No. 13/A/1, suitated at Kalyan Nagar Cooperative Housing Society Limited T.A. No 218, Sy.No. 128/1, Yousufguda, Hyd.Bounded By:North : Plot No. 13 A (6) & Road , South : Plot No.12, East : Plot No.13 A(2), West : Plot No.13

M/s.Praveen C,K Parikshith,Anvesh Chander Desai, Sudhakar Reddy Challa, H Meghana; Advocates
Pramana Law Chambers, Flat no.306, Nirmal Towers -200, Dwarakapuri Colony, Punjagutta, - Hyderabad -82.

लखनऊ यूनिवर्सिटी के हॉस्टल में छात्रा ने किया सुसाइड, फंदे से लटकता मिला शव

लखनऊ, 11 जनवरी (एजेंसियां)। यूनिवर्सिटी के हॉस्टल में छात्रा की सुसाइड से हड़कंप मचा गया। छात्रा ने हॉस्टल के रूम में फांसी लगाकर अपनी जान दी है। उसने फांसी लगाते वक्त अपने मोबाइल का कैमरा ऑन कर रखा था। छात्रा के सुसाइड करने की सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने छात्रा के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। मामले की जांच के लिए फॉरेंसिक टीम को भी बुलाया गया। सुसाइड करने वाली छात्रा बैचलर ऑफ फाइनल आर्ट्स की थर्ड ईयर में थी। पुलिस ने उसके परिजनों को भी सूचना दे दी है। छात्रा प्रयागराज की रहने वाली थी। वह लखनऊ यूनिवर्सिटी के तिलक हॉस्टल में रहती थी। छात्रा ने सुसाइड क्यों की इसकी वजह अभी सामने नहीं आ पाई है। मौके पर छात्र संगठन से जुड़े स्टूडेंट भी पहुंच गए। उन्होंने पुलिस से हाई लेवल स्तर की जांच कराए जाने की मांग की है। प्रयागराज की रहने वाली थी छात्रा

राम मंदिर से दूरी बनाने के बाद

कांग्रेस में उठे विरोधी सुर, किसने क्या कहा?

अयोध्या, 11 जनवरी (एजेंसियां)। अयोध्या में बन रहे राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के दिन जैसे-जैसे पास आते जा रहे हैं, वैसे-वैसे सियासत भी तेज होती जा रही है। कांग्रेस समेत करीब-करीब सभी मुख्य विपक्षी दलों ने राममंदिर कार्यक्रम का निमंत्रण ठुकरा दिया है। ऐसे में भारतीय जनता पार्टी और विपक्षी दल एक बार फिर आंमने-सामने आ गए हैं। इस मामले को लेकर मुख्य सियासी जंग कांग्रेस और बीजेपी के बीच ही चलती आ रही है। अब जब कांग्रेस ने राम मंदिर आयोजन का निमंत्रण ठुकरा दिया है और 22 जनवरी में होने वाले आयोजन में आने से मना कर दिया है, तो भाजपा तो कांग्रेस पर हमलावर हो ही रही है, खुद कांग्रेस के अंदर से भी पार्टी के इस फैसले के खिलाफ विरोध के स्वर उठ खड़े हुए हैं।

कांग्रेस ने बनाई राम मंदिर प्रोग्राम से दूरी

राम मंदिर का मुद्दा एक ऐसा मुद्दा है, जिसपर भाजपा हमेशा कांग्रेस को निशाने पर लेती रही है। भाजपा द्वारा कांग्रेस को राम विरोधी- राम मंदिर विरोधी कहा जाता है। इसी के साथ भाजपा कांग्रेस को सनातन विरोधी भी कह देती है। जैसे ही कांग्रेस की तरफ से साफ किया गया कि सोनिया गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे इस कार्यक्रम में नहीं जाएंगे और कांग्रेस इससे दूरी बनाएंगी, तभी भाजपा ने कांग्रेस को घेरते हुए सोशल मीडिया पर लिखा, 'जिन्हें श्री राम के अस्तित्व पर ही विश्वास नहीं, उनसे और अपेक्षा भी क्या की जा सकती है।'दरअसल कांग्रेस ने राम मंदिर कार्यक्रम को भाजपा और आरएसएस का कार्यक्रम करार दिया और राम मंदिर कार्यक्रम में आने से मना कर दिया। कांग्रेस ने कहा कि भाजपा ने इस कार्यक्रम को राजनीतिक कार्यक्रम बना दिया है। मगर कांग्रेस के इस कदम के खिलाफ अब कांग्रेस में ही सवाल उठ खड़े होने लगे हैं।

गुजरात कांग्रेस पूर्व प्रमुख ने खड़े किए सवाल

गुजरात कांग्रेस के कद्दावर नेता और गुजरात कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष अर्जुन मोढवाडिया ने अपनी ही पार्टी के इस फैसले के खिलाफ सवाल उठाए। अर्जुन मोढवाडिया ने अपनी ही पार्टी को नसीहत देते हुए कहा कि कांग्रेस को ऐसे राजनीतिक फैसले लेने से दूर रहना चाहिए। अर्जुन मोढवाडिया ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा, 'भगवान श्री राम आराध्य देव हैं। यह देशवासियों की आस्था और विश्वास का विषय है। कांग्रेस को ऐसे राजनीतिक निर्णय लेने से दूर रहना चाहिए था।'

'कांग्रेस के कई कार्यकर्ताओं के लिए निराशानजक फैसला'

अर्जुन मोढवाडिया के साथ ही कांग्रेस नेता अंबरीश डेर ने भी अपनी पार्टी के इस फैसले के खिलाफ गुस्सा जाहिर किया और कांग्रेस को ही लपेटे में लिया। अंबरीश डेर ने कहा, श्रीराम हमारे अराध्य देव हैं।

भारत में करोड़ों लोगों की आस्था राम मंदिर और भगवान राम से जुड़ी हुई है। कांग्रेस के कुछ लोगों को खास तरह के बयानों से दूरी बनानी चाहिए और जनभावना का सम्मान करना चाहिए। कांग्रेस के ऐसे बयान, कांग्रेस कार्यकर्ताओं के लिए ही काफी निराशजनक हैं।

'इस फैसले से दिल टूट गया'

कांग्रेस के इस फैसले के खिलाफ यूपी कांग्रेस के बड़े नेता आचार्य प्रमोद कृष्णम ने भी सवाल खड़े किए।

उन्होंने कांग्रेस के इस फैसले को आत्मघाती फैसला करार दिया। आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कहा, श्री राम मंदिर के निमंत्रण को ठुकराना बेहद दुर्भाग्य पूर्ण और आत्मघाती फैसला है। आज दिल टूट गया। इस फैसले से करोड़ों कांग्रेसी कार्यकर्ता आहत हैं।

कांग्रेस को उठाना पड़ेगा खामियाजा?

कांग्रेस के इस फैसले को लेकर बीजेपी के सभी नेता उस पर हमलावर हो गए हैं। ऐसे में बीजेपी पूरी कोशिश कर रही है कि कांग्रेस को राम मंदिर के मुद्दे को लेकर घेरा जाए। राजनीतिक गलियारों में भी इस बात की चर्चा है कि कांग्रेस को अपने इस फैसले का खामियाजा आने वाले लोकसभा चुनाव में भुगतना पड़ सकता है। अब देखना ये होगा कि भाजपा और कांग्रेस आगे क्या रणनीतियां बनाते हैं।

कन्नौज: पुलिस एनकाउंटर में ढेर हुआ बदमाश

गोलीबारी में दूसरा घायल; दो सिपाहियों को भी लगी गोली

कन्नौज, 11 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में गुरुवार को पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। सर्राफा कारोबारी को गोली मारकर 20 लाख की लूट करने वाले लुटेरों से पुलिस की मुठभेड़ हुई। सुबह तड़के करीब साढ़े सात बजे हुई मुठभेड़ में गोली लगने से एक लुटेरे की मौत हो गई। वहीं गोली लगने से दूसरा लुटेरा घायल हो गया। लुटेरों की ओर से की गई फायरिंग में दो सिपाही भी घायल हुए हैं। बीते शुक्रवार को गुरसहायगंज कोतवाली के समधन कस्बा के मुहल्ला दारा सराय निवासी सर्राफा कारोबारी अय्याज खान अपने पिता नायाब खान और छोटे भाई कासिद के साथ बाइक से घर लौट रहे थे। लुटेरों ने अय्याज के कंधे में गोली मारकर 20 लाख के जेवर और नकदी से भरा झोला लूट लिया था।

उपचार के दौरान अय्याज की इसी दिन रीजेंसी कानपुर में मौत हो गई थी। गुरुवार सुबह करीब साढ़े सात बजे मलिकपुर कस्बा में पुलिस की लुटेरों से मुठभेड़ हुई। पुलिस टीम को देखकर लुटेरों ने फायरिंग शुरू कर दी। इस दौरान पुलिस की ओर से की गई फायरिंग में गोली लगने से समधन गुरसहायगंज निवासी लुटेरे इजहार पुत्र जुम्मन की मौके पर मौत हो गई। वहीं समधन निवासी लुटेरा तालिब पुत्र पप्पू गोली लगने से घायल हो गया। लुटेरों की ओर से कई फायरिंग में सिपाही अमर सिंह और विनय सिंह भी घायल हुए है। पुलिस ने लुटेरों के कब्जे से लूट में प्रयुक्त हुई अपाचे बाइक और करीब 20 लाख का जेवर बरामद किया है। एसपी अमित कुमार आनंद ने बताया कि पुलिस को देखते हुए लुटेरों ने फायरिंग कर भगाने का प्रयास किया। जवाबी फायरिंग में एक लुटेरे की मौत हुई है और एक घायल हुआ है।

बिहार में भी धार्मिक कार्ड खेल गईं स्मृति ईरानी

राजद को छोड़ कांग्रेस पर ही बरस पड़ीं

पटना, 11 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार भाजपा की ओर से आयोजित पार्टी प्रवक्ता एवं मीडिया प्रभारियों की कार्यशाला में केंद्रीय महिला व बाल कल्याण मंत्री स्मृति ईरानी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सरकार की ब्रांडिंग का पाठ पढ़ा गईं। एक दिवसीय कार्यशाला में स्मृति ने केंद्र सरकार की योजनाओं एवं उपलब्धियां गिनाने का गुर सिखाया। 'मोदी है तो हर काम मुमकिन है' का नारा बुलंद करने की अपील की।

श्रीराम को लेकर स्मृति ईरानी ने कांग्रेस को घेरा

कांग्रेस पर निशाना साधते हुए स्मृति ईरानी ने कहा कि आइएनडीआइए (इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस) का प्रभु श्रीराम विरोधी चेहरा उजागर हो गया है। सोनिया गांधी के नेतृत्व वाली कांग्रेस पार्टी ने तो कोर्ट में बताया था कि भगवान श्रीराम का कोई अस्तित्व ही नहीं है। कांग्रेस ने रामलला की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में सम्मिलित होने के लिए भेजे गए आमंत्रण को ठुकरा कर देश के सौ करोड़ सनातनियों का अपमान किया है।

पीएम मोदी ने अपनी निष्ठी और सेवा में कोई कसर नहीं छोड़ी

स्मृति ने कहा कि आइएनडीआइए वाले श्रीराम मंदिर पर सवाल उठा रहे हैं। मंदिर लोकतंत्र का हो या श्रीराम का, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी निष्ठा और सेवा में कोई कसर नहीं छोड़ी है। हम सब गौरवान्वित है कि मोदी ने अपने 10 साल के कार्यकाल में वह सब कुछ किया, जो इसके पहले देश में नहीं हुआ था। इसलिए अब कहा जाता है कि मोदी है तो मुमकिन है। मोदी देश के पहले प्रधानमंत्री हैं जो अगले या पिछले पांच साल की बातें नहीं कर रहे हैं, उन्होंने 2047 तक भारत को विकसित बनाने का संकल्प लिया है। अब जनता के आशीर्वाद से वे प्रधानमंत्री के रूप में सबसे लंबे समय तक देश की सेवा करने वाले प्रधानमंत्री का इतिहास बनाएंगे।

13.50 करोड़ लोगों को गरीबी से निकाला गया: स्मृति ईरानी

केंद्र सरकार की उपलब्धियों की चर्चा करते हुए स्मृति ने कहा कि 2015-21 के बीच देश के 13.50 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला गया है। गत दिनों पीएम मोदी ने अयोध्या प्रवास के दौरान उज्जवला योजना की 10 करोड़वीं लाभार्थी के घर जाकर चाय पी थी।

11 करोड़ शौचालय बना कर खुले में शौच के अभिशाप से महिलाओं को मुक्ति दी है। आयुष्मान योजना के तहत देश के 50 करोड़ गरीबों को 27 हजार से ज्यादा अस्पतालों में मुफ्त चिकित्सा की सुविधा मिली है। चार करोड़ गरीबों को आवास एवं 13 करोड़ परिवारों को पहली बार नल से पीने का पानी मिला है। उड़ान योजना के तहत विगत के 10 वर्षों में 74 नए एयरपोर्ट बनाए गए है, जबकि आजादी के बाद से लेकर 2014 तक मात्र 74 एयरपोर्ट ही थे। प्रतिवर्ष नौ हजार किमी हाईवे का निर्माण हुआ है। जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद- 370 हटाने का साहस प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी में ही था। प्रदेश उपाध्यक्ष एवं मीडिया विभाग के प्रभारी डा। भीम सिंह ने इस मौके पर स्वागत भाषण कर स्मृति ईरानी का अभिनंदन किया।

गया में भीम आर्मी के कार्यकर्ताओं पर लाठीचार्ज, आंसू गैस के गोले भी छोड़े; भगदड़ मचने से कई मोटरसाइकिलें क्षतिग्रस्त

गया, 11 जनवरी (एजेंसियां)। गया में भीम आर्मी भारत एकता मिशन के कार्यकर्ता बुधवार को एसएसपी कार्यालय के पास प्रदर्शन कर रहे थे। पुलिस ने रोका तो वे उग्र हो गए। उन्हें नियंत्रित करने को पुलिस ने लाठीचार्ज कर आंसू गैस के गोले छोड़े। जिसमें कई कार्यकर्ता चोटिल हो गए। भगदड़ में एसएसपी कार्यालय के बाहर खड़ी एक दर्जन मोटरसाइकिलें क्षतिग्रस्त हो गईं। पुलिस ने एक युवती समेत डेढ़ दर्जन कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया है। उनसे पुलिस पूछताछ कर रही है। एसएसपी आशीष भारती ने बताया कि बिना अनुमति के जुलूस निकाला गया। उन्हें समझाने का प्रयास किया गया। बातचीत करने के लिए संगठन के लोगों को बुलाने के लिए पदाधिकारी को भेजा गया, लेकिन वे लोग नहीं माने। ध्वनि विस्तार के माध्यम से वार्ता करने का आग्रह किया जा रहा था।

राम मंदिर के स्वागत पर 10 हजार करोड़ का बाजार तैयार, दिवाली-धनतेरस जैसी दिख रहीं तैयारियां

लखनऊ, 11 जनवरी (एजेंसियां)। रामोत्सव ने उत्तर प्रदेश में त्योहार का रूप ले लिया है। नवरात्र और धनतेरस की तरह 22 जनवरी के लिए लोगों ने अभी तक करीब 22 हजार वाहनों की डिलीवरी के लिए बुकिंग करायी है, वहीं सोने-चांदी के राम दरबार, सिक्के, राममंदिर की आकृति वाली अंगूठी सहित 78 से ज्यादा उत्पाद बाजार में हैं। राम दरबार के वस्त्र गुजरात से यूपी पहुंच रहे हैं। उसी दिन प्रदेश में करीब 6500 से ज्यादा शादियां होंगी। कुल मिलाकर करीब 10 हजार करोड़ का बाजार तैयार है। इन दिनों सबसे ज्यादा मांग श्रीराम मंदिर मॉडल की है। यह तांबे, पीतल, चांदी, हार्डबोर्ड, लकड़ी के बनाए जा रहे हैं। हस्तशिल्प विभाग के मुताबिक अकेले 15 हजार से ज्यादा हस्तशिल्पी और कारीगर इन मॉडलों को तैयार कर रहे हैं। यूपी रेडीमेड मैन्यूफैक्चरर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष धीरज शाह ने बताया कि भगवा रंग से जुड़े वस्त्रों की मांग ज्यादा है। टी शर्ट, कैप, हुडी, शाल से लेकर जैकेट तक की बुकिंग है। उधर खादी के कुर्ते और सदरी की मांग में पांच गुना तेजी आई है। सबसे ज्यादा फायदा कुम्हारों का है। अभी तक तक करीब दो करोड़ दीये बिक चुके हैं। माटी कला बोर्ड के मुताबिक, 22 जनवरी से पहले तक सभी जिलों के अलावा पड़ोसी जिलों से भी दीयों के आर्डर पेंडिंग है। हाल ये है कि सप्लाई नहीं हो पा रही है। उधर फेडरेशन आफ होटल-रेस्त्रां एंड स्वीट हाउस के पीके गुप्ता के मुताबिक 1.5 लाख किलो से ज्यादा लड्डुओं के एडवांस आर्डर पहले ही आ चुके हैं। इसमें छोटे कस्बे, तहसीलों के आर्डर शामिल नहीं है। फूलों की कीमत भी इस वजह से बढ़ गई है। गेंदा और गुलाब की मांग को देखते हुए पूरे प्रदेश से मंगाया जा रहा है। चूंकि फूलों का अधिक समय तक भंडारण नहीं किया जा सकता इसलिए 19 तारीख से ही 22 की एडवांस बुकिंग हो चुकी है।

15 के बाद सहालग भी हैं इसलिए 18 से 22 के बीच तीन गुना बुकिंग अभी से हो रही है। फ्लैक्स के कारोबार पर भी राममंदिर की कृपा हो गई है। फ्लैक्स बाजार के बड़े कारोबारी विनोद कुमार ने बताया कि केवल राम मंदिर से जुड़े आयोजनों, उत्सवों और बधाई के लिए लखनऊ, कानपुर, वाराणसी, प्रयागराज, मेरठ, आगरा, गाजियाबाद, नोएडा और गोरखपुर से 80 लाख वर्गफुट की बुकिंग हो चुकी है। प्रदेश की बात करें तो अनुमान के मुताबिक कम से कम 3.5 करोड़ वर्गफुट फ्लैक्स की होर्डिंग बिक जाएगी। यूपी सराफा एसोसिएशन और आल इंडिया गोल्ड स्मिथ ज्वैलर्स एसोसिएशन के मुताबिक प्रदेश में राम मंदिर से जुड़े सोना-चांदी की बिक्री कम से कम 400 करोड़ की होने का अनुमान है।

शिंदे गुट ही 'असली' शिवसेना। महाराष्ट्र की राजनीति पर आई तेजस्वी की प्रतिक्रिया

हाजीपुर, 11 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में एकनाथ शिंदे और उद्धव ठाकरे के बीच विवाद पर बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव का बड़ा बयान सामने आया है। शाम तेजस्वी यादव ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि महाराष्ट्र में जब भी चुनाव होगा बीजेपी को भारी नुकसान होगा क्योंकि यह सब जानते हैं कि कैसे महाराष्ट्र में पुनः भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनी है। तेजस्वी यादव ने कहा कि महाराष्ट्र में विधायकों को डराकर, खरीदकर असम ले जाया गया और खेल किया गया। तेजस्वी यादव बुधवार को अपने गढ़ राघोपुर पहुंचे थे। उन्होंने पहले विभागीय कार्यक्रम का जायजा लिया और अस्पतालों का निरीक्षण किया।

अपहरण-रेप नहीं हुआ था, नाराज होकर मामा के घर गई थी

कोर्ट में बोली पीड़िता, 5 महीने बाद जेल से रिहा हुआ आरोपी

मुजफ्फरनगर, 11 जनवरी (एजेंसियां)। मुजफ्फरनगर पॉक्सो एक्ट कोर्ट ने अपहरण कर दुष्कर्म करने के मामले में आरोपी को सबूत के अभाव में बरी कर दिया। पीड़िता ने कोर्ट में अपने बयान बदल दिए और कहा कि उसका अपहरण ही नहीं हुआ था। अब कोर्ट ने झूठी गवाही देने पर एफआईआर कराने वाले के खिलाफ ही मुकदमा चलाने का आदेश दिया है। बरामदगी के बाद पीड़िता ने पुलिस और मैजिस्ट्रेट के सामने दिए बयान में दुष्कर्म की बात कही थी। मेडिकल परीक्षण के दौरान भी पुलिस बयान की पुष्टि हुई थी। लेकिन मुख्य परीक्षा में पीड़िता अपने पूर्व के बयानों से मुकर गई थी। कोर्ट में पीड़िता ने कहा था कि उसका किसी ने अपहरण नहीं किया। वह मां से नाराज होकर मामा के घर चली गई थी। उसने पुलिस के दबाव में मैजिस्ट्रेट के सामने झूठ कहा था। पीड़िता के पिता ने भी गांव वालों के कहने पर झूठी तहरीर देने की बात कही थी। इसके बाद पॉक्सो एक्ट कोर्ट के जज बाबूराम ने उसके विरुद्ध झूठी गवाही देने के आरोप में मुकदमा दायर कर सुनवाई का आदेश दिया।

डेढ़ साल पहले थाना चरथावल क्षेत्र के एक गांव से किशोरी का अपहरण कर दुष्कर्म किए जाने के मामले को लेकर बवाल मच गया था। लड़की हिंदू और आरोपी मुस्लिम होने के कारण सांप्रदायिक तनाव भी फैल गया था। मामले में पीड़िता के पिता की ओर से 5 सितंबर 2022 को मुकदमा दर्ज कराया गया था। इसमें आरोप था कि गांव सैदपुरा निवासी युवक उसकी 14 वर्षीय पुत्री का अपहरण कर ले गया। घटना को लेकर काफी हंगामा मचा। जिसके बाद पुलिस ने आरोपी की गिरफ्तारी कर पीड़िता को बरामद कर लिया था। पीड़िता ने मजिस्ट्रेट को दिए गए गोपनीय बयान में अपहरण कर दुष्कर्म करने का आरोप युवक पर लगाया था।

पुलिस ने विवेचना पूरी करके आरोपी के विरुद्ध कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की थी। बचाव पक्ष के अधिवक्ता साजिद अली राना ने बताया कि मुकदमे की सुनवाई विशेष पॉक्सो कोर्ट में हुई। दोनों पक्ष की बहस सुनने के बाद कोर्ट ने सबूत के अभाव में आरोपी को बरी कर दिया।

अयोध्या इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर उतरेंगे 100 चार्टर्ड प्लेन, सीएम योगी ने कहा- थैंक्स टू मोदी जी

अयोध्या, 11 जनवरी (एजेंसियां)। अयोध्या में भगवान राम का भव्य मंदिर बनकर तैयार हो रहा है। 22 जनवरी को रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा की जाएगी। इस कार्यक्रम में देशभर से कई बड़ी हस्तियां शिरकत करने पहुंचेंगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खुद यहां मौजूद होंगे। आए दिन राज्य के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंदिर निर्माण और अयोध्या में चल रही परियोजनाओं का जायजा ले रहे हैं। अयोध्या में इंटरनेशनल एयरपोर्ट भी बनकर तैयार हो गया है, जिसका नाम महर्षि वाल्मीकि के नाम पर रखा गया है। वहीं अयोध्या में सभी परियोजनाओं को जल्द से जल्द पूरा करने का आदेश दिया गया है।

अयोध्या में उतरेंगे 100 चार्टर्ड प्लेन

इस बीच सीएम योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ में प्रेस को संबोधित करते हुए कहा कि राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होने के लिए 22 जनवरी को लगभग 100 चार्टर्ड विमान अयोध्या हवाई अड्डे पर उतरेंगे। यह हमें अयोध्या हवाई अड्डे की क्षमता की जांच करने का रास्ता भी दिखाएगा। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश को चौथा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा देने के लिए मैं पीएम नरेंद्र मोदी का आभारी हूं। 30 दिसंबर को अयोध्या हवाई अड्डे का उद्घाटन किया गया था। इससे पूर्व जब 30 दिसंबर को पीएम मोदी जब अयोध्या पहुंचे थे तो उनका विमान अयोध्या के ही अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरा था। बता दें कि अयोध्या में एक तरफ जहां राम मंदिर निर्माण और रामलला के प्राण प्रतिष्ठा की तैयारियां जोरों पर है। वहीं दूसरी तरफ अयोध्या में विकास कार्यों में भी तेजी ला दी गई है। घाटों, गलियों और रास्तों को साफ-सुथरा कर सजा दिया गया है। जगह-जगह सूर्य प्रतिमा लगाई गई है क्योंकि भगवान राम सूर्यवंशी थे। अयोध्या के हर मकान की दीवारों को, दुकान के शटरों को भी राममय कर दिया गया है। बता दें कि इस कार्यक्रम के लिए कांग्रेस पार्टी के नेताओं को भी निमंत्रण दिया गया था।

'जूते की माला पहनाएगी जनता, ई चिट्टी-पिट्टी नेता सब', अपने ही शिक्षा मंत्री पर भड़के नीतीश के विधायक; मनीष कश्यप का कर दिया सपोर्ट

पटना, 11 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार के यूट्यूबर मनीष कश्यप इन दिनों अपने जबरदस्त तेवर को लेकर लगातार सुर्खियों में बने हैं। वह अपने ऊपर हुई कार्रवाई को लेकर लगभग हर रोज राजद और तेजस्वी यादव पर निशाना साध रहे हैं। अब बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के विधायक डॉ। संजीव कुमार ने मनीष कश्यप का सपोर्ट कर दिया है। उन्होंने मनीष कश्यप से बातचीत की है। जिसका वीडियो मनीष ने अपने यूट्यूब चैनल पर रिलीज किया है। दूसरी ओर, इस समय अयोध्या में बन रहे राम मंदिर का मुद्दा भी काफी चर्चा में है। बिहार में इसको लेकर राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। लालू यादव और तेजस्वी यादव सहित राजद के तमाम नेता राम मंदिर को लेकर बयान जारी कर रहे हैं। हाल ही में राजद नेता व बिहार के शिक्षा मंत्री डॉ चंद्रशेखर ने मंदिर को लेकर विवादित बयान दिया था। उन्होंने कहा कि मंदिर का रास्ता मानसिक गुलामी का रास्ता है। स्कूल का रास्ता प्रकाश का रास्ता है। इसपर मनीष कश्यप के साथ बातचीत में जदयू विधायक संजीव कुमार ने कहा कि शिक्षा मंत्री धर्म के विरोध में बोलते रहते हैं, वह हिंदुओं के वोट से जीतकर आते हैं और उन्हीं के खिलाफ बोलते हैं। उन्हें चुनाव में जनता जूते की माला पहनाएगी। बिहार का दुर्भाग्य है, जो इस तरह का शिक्षा मंत्री कुर्सी पर बैठा है। संजीव कुमार ने मनीष कश्यप के साथ बातचीत में यह भी कह दिया कि भारत में बोलने की आजादी है, इसलिए लोग कुछ भी बोल देता है। हिंदू धर्म की सहनशीलता को लोग कमजोरी समझ बैठे हैं, वह रामचरित्र मानस पर खुलकर बोलते हैं, अगर वह कुरान के बारे में बयान देते तो असर दिख जाता।

शिक्षा मंत्री का सोच बहुत गिरा हुआ

अखिलेश ने खोद ली राजनीतिक कब्र, निमंत्रण ठुकराने पर बीजेपी का कटाक्ष, कहा- डीएनए में सनातन विरोध

लखनऊ, 11 जनवरी (एजेंसियां)। 500 साल की कठिन तपस्या और कड़े संघर्षों के बाद अयोध्याधाम में बन रहे भव्य मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर करोड़ों सनातनियों में जबरदस्त उत्साह है। वहीं समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने प्राण प्रतिष्ठा समारोह में सम्मिलित होने का निमंत्रण अस्वीकार कर दिया है। इस पर उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी ने अखिलेश यादव को आड़े हाथों लिया। सोशल मीडिया

प्लेटफार्म एक्स पर पोस्ट करते हुए मंत्री नंद गोपाल नंदी ने लिखा कि अखिलेश यादव, निमंत्रण ठुकराना आपकी इच्छा नहीं बल्कि मजबूरी है। मंत्री नन्दी ने आगे लिखा कि समाजवादी पार्टी हिन्दू विरोध और तुष्टिकरण की बुनियाद पर खड़ी है। इसलिए, अखिलेश यादव का रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का निमंत्रण ठुकराना इच्छा नहीं बल्कि मजबूरी है। अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए नंदी ने कहा कि आपके पुरखों से आपको कुर्सी के साथ सनातन विरोध का डीएनए भी विरासत में मिला है। वैसे भी जिसका दामन निर्दोष और निरपराध रामभक्तों के खून से सना हुआ है। जिसने सरेआम मजहब के नाम पर दंगाइयों को संरक्षण दिया हो। जाति और धर्म के आधार पर प्रदेशवासियों में फर्क किया हो। उसके आने से प्राण प्रतिष्ठा का पवित्र समारोह दूषित ही होता। याद रखिये वोट बैंक को खुश करने के चक्कर में प्रभु श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा समारोह के आमंत्रण का अनादर करके आपने स्वयं अपनी राजनीतिक कब्र खोदी है।

हमने बैलेंस रखकर सबको बुलाया: विहिप

वहीं विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने भी विपक्ष के नेताओं के प्राणप्रतिष्ठा में ना जाने पर टिप्पणी की है। अध्यक्ष आलोक कुमार ने कहा कि रामलला का मंदिर बन रहा है, यहां विश्वभर में समाज के लोग इकट्ठा होंगे।उन्होंने कहा कि हमने पीएम नरेंद्र मोदी को न्योता दिया है तो विपक्ष के नेताओं को भी बुलाया है। हमने न्योता जेपी नड्डा को दिया तो मल्लिकार्जुन खरगे को भी दिया है। हमने बैलेंस रखकर सबको बुलाया है।

जेल में बंद नरेश गोयल को बीमार पत्नी से संपर्क करने के लिए कोर्ट ने दी अनुमति

नई दिल्ली, 11 जनवरी (एजेंसियां)। मुंबई की एक विशेष अदालत ने केनरा बैंक के साथ 538 करोड़ रुपये की कथित धोखाधड़ी के मामले में आरोपी जेट एयरवेज के संस्थापक नरेश गोयल को मानवीय आधार पर 13 जनवरी को बीमार पत्नी से मुलाकात करने की अनुमति दे दी है। उन्हें विभिन्न बीमारियों को लेकर निजी डॉक्टरों से भी संपर्क करने की अनुमति दे दी गयी है। इस आदेश से कुछ दिन पहले गोयल ने अदालत से कहा था कि वह 'जिंदगी की आस खो चुके हैं' और इस स्थिति में जीने से 'बेहतर होगा कि वह जेल में ही वह मर जाएं।"

गोयल ने कहा था कि उन्हें अपनी पत्नी अनीता की कमी बहुत खलती है जो कैंसर के अंतिम चरण में हैं। विशेष न्यायाधीश एम जी देशपांडे ने मंगलवार को गोयल को 13

जनवरी को यहां अपने निवास पर अपनी पत्नी से मिलने की अनुमति दी। न्यायाधीश देशपांडे ने उन्हें 10-12 जनवरी के दौरान अपने विभिन्न रोगों को लेकर निजी चिकित्सकों से मिलने/संपर्क करने की भी अनुमति दे दी। न्यायाधीश देशपांडे ने कहा कि इसमें कोई दो राय नहीं है कि आरोपी 75 साल के हो गये हैं और उन्हें कई बीमारियां हैं, ऐसे में उनका शरीर ठीक ढंग से काम नहीं कर रहा है। अदालत ने कहा कि इसमें भी कोई दो राय नहीं है कि उनकी पत्नी को कैंसर है और वह बिस्तर पर पड़ी हुई हैं। न्यायाधीश देशपांडे ने कहा, " उनकी एकमात्र बेटी भी कथित रूप से स्वस्थ नहीं है और अपनी मां की देखभाल करने की स्थिति में नहीं है। इस तरह, आरोपी एवं उनकी पत्नी अनाथ हो गये हैं। ऐसी स्थिति में बीमार पत्नी से मिलने की चाहत स्वभाविक है।"न्यायाधीश देशपांडे ने कहा कि यदि इसकी इजाजत दी जाती है तो इससे ईडी को कोई नुकसान नहीं होगा। न्यायाधीश ने कहा, " इस असाधारण स्थिति पर गौर करने के बाद मेरी राय है कि समानुभूति की दृष्टि से आरोपी नरेश की पत्नी से मिलने की दरख्वास्त पर विचार किया जाए क्योंकि यह मानवीय आधार पर इंसाफ होगा।

" न्यायाधीश ने कहा कि ईडी इस प्रक्रिया की निगरानी के लिए अपने दो कर्मियों को लगा सकता है ताकि ऐसी कोई हरकत न हो जो इस मामले के लिए कथित रूप से नुकसानदेह हो। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कथित बैंक धोखाधड़ी के सिलसिले में पिछले साल एक सितंबर को गोयल को गिरफ्तार किया था। वह अभी यहां आर्थर रोड जेल में न्यायिक हिरासत में हैं। धनशोधन का यह मामला गोयल , उनकी पत्नी अनीता, अब बंद हो चुकी निजी एयरलाइन के कुछ पूर्व कंपनी कार्यकारियों के खिलाफ केनरा बैंक में 538 करोड़ रुपये की कथित धोखाधड़ी के सिलसिले में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो द्वारा दर्ज की गयी प्राथमिकी पर आधारित है।

अलग-अलग धर्म के लड़का-लड़की होटल में गुजार रहे थे प्राइवेट टाइम कमरे में अचानक घुसकर 7 लोगों ने कपल के साथ की मारपीट

बेंगलूरू, 11 जनवरी (एजेंसियां)। कर्नाटक में एक हैरान करने वाली घटना हुई है। छह लोग अंतरधार्मिक जोड़े के होटल के कमरे में घुस गए और उनकी पिटाई की साथ ही उनका वीडियो बनाया। पुलिस ने कहा कि छह से सात लोगों के एक समूह ने कर्नाटक के हावेरी जिले के एक होटल में ठहरे एक अंतरधार्मिक जोड़े के साथ गाली-गलौज की और पिटाई की। घटना 7 जनवरी की है। मामला तब सामने आया जब पीड़ितों ने पुलिस को आपबीती सुनाई और आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कराया। पुलिस ने अब तक दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। एक अंतरधार्मिक जोड़े द्वारा होटल में कमरा बुक करने की सूचना मिलने पर, बदमाशों का एक समूह होटल में घुस गया, जोड़े के कमरे का दरवाजा खोला और जोड़े के साथ मारपीट की।

पंजाब में अकाली दल और बीजेपी के गठबंधन पर पेच, क्यों एकसाथ नहीं आ पा रहे दोनों दल?

चंडीगढ, 11 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्र सरकार जब किसानों के लिए नए कृषि कानून लेकर आई थी, उसके विरोध में अकाली दल ने एनडीए से अपना नाता तोड़ लिया था। उसके बाद अकाली दल ने बहुजन समाज पार्टी के साथ मिलकर ही पंजाब विधानसभा चुनाव लड़ा था। सूत्रों की मानें तो आगामी लोकसभा चुनाव में भी अकाली दल और बीजेपी के साथ आने की संभावना नहीं है। अकाली दल के सूत्रों ने बताया कि बीजेपी पंजाब की 13 लोकसभा सीटों में से छह सीटों पर चुनाव लड़ने की मांग कर रही है, जबकि अकाली दल इतनी सीटें देने को तैयार नहीं है। जब अकाली दल एनडीए में शामिल था, तो वो 10 सीटों पर चुनाव लड़ता रहा और बीजेपी तीन सीटों पर चुनाव रही थी। वहीं 117 सदस्यीय विधानसभा में भी अकाली दल 95 तो बीजेपी 22 सीटों पर चुनाव लड़ती रही। अकाली दल के नेताओं के मुताबिक, बीजेपी का प्रभाव केवल कुछ शहरी क्षेत्रों तक ही सीमित है, जबकि अकाली दल का गांव-देहात तक प्रभाव है। इसके अलावा अकाली दल के बीजेपी के साथ नहीं जाने की एक और वजह है। वो है- बहुजन समाज पार्टी। दरअसल इस समय पंजाब में अकाली दल और बहुजन समाज पार्टी का गठबंधन है और वो इस गठबंधन को तोड़ना नहीं चाहते क्योंकि बीएसपी का पंजाब में अच्छा-खासा प्रभाव है। वहीं सुखदेव सिंह ढींढसा के गुट की भी अकाली दल में शामिल होने की बात चल रही है। अगर ये होता है तो अकाली दल पंजाब में और भी मजबूत होगा वहीं अकाली नेताओं का आरोप है कि बीजेपी ने पंजाब में अकाली दल को कमजोर करने की भी कोशिश की है। बीजेपी ने अकाली दल के नाराज नेताओं को अपनी पार्टी में शामिल कराया ताकि अकाली का वोटबैंक उसको ट्रांसफर हो सके। जालंधर लोकसभा उपचुनाव में भी बीजेपी ने चरणजीत सिंह अटवाल के बेटे इंदर सिंह अटवाल को अपना उम्मीदवार बनाया था।

'पिछले जन्म में कोई पुण्य किया'

रामलला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह का निमंत्रण मिलने पर मोहन भागवत ने जताई खुशी

नई दिल्ली, 11 जनवरी (एजेंसियां)। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह में हजारों वीआईपी शिरकत करने वाले हैं। राजनीति से लेकर खेल जगत तक के दिग्गज हस्तियों को राम जन्मभूमि मंदिर निर्माण समिति आमंत्रित कर रहे हैं। इसी बीच गुरुवार को विश्व हिंदू परिषद के अंतरराष्ट्रीय कार्याध्यक्ष आलोक कुमार और राम जन्मभूमि मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत को 22 जनवरी के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के लिए आमंत्रित किया। आमंत्रण मिलने पर खुशी जताते हुए मोहन भागवत ने कहा, इस भव्य प्रसंग में मुझे वहां (अयोध्या) उपस्थिति का आमंत्रित किया गया है, यह एक सौभाग्य है। इस देश की जो मर्यादा है और पवित्रता है उसकी स्थापना पक्की होने का प्रसंग है। हम स्वतंत्रता का जो स्व है वो हमारा मर्यादा है। जिनको निमंत्रण मिला है वो आएंगे, परंतु इस अवसर पर गांव-गांव में इस बात का उत्साह है। मैं इस 22 जनवरी को अयोध्या में मौजूद रहूंगा, यह तो ऐसा लगता है कि मैंने किसी जन्म में पुण्य किया होगा तो मुझे यह अवसर मिला है। बता दें कि भाजपा के दिग्गज नेता लालकृष्ण आडवाणी राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह में भाग लेंगे। बता दें कि रामलला प्राण प्रतिष्ठा समारोह में पीएम मोदी मुख्य यजमान होंगे।

'जमानत आदेश के बावजूद व्यवसायी की अवैध हिरासत सुप्रीम कोर्ट की घोर अवमानना', सूरत के न्यायिक मजिस्ट्रेट को पेश होने के आदेश

नई दिल्ली, 11 जनवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने गुजरात के एक कारोबारी को अग्रिम जमानत दिए जाने के बावजूद उसे पुलिस हिरासत में रखने को घोर अवमानना करार देते हुए पुलिस के जांच अधिकारियों और सूरत के एक न्यायिक मजिस्ट्रेट को नोटिस जारी किए तथा उन्हें 29 जनवरी को व्यक्तिगत तौर पर अपने समक्ष पेश होने का आदेश दिया। धोखाधड़ी के एक मामले में सूरत निवासी तुषारभाई रजनीकांतभाई शाह को अग्रिम जमानत की अनुमति देने वाली पीठ उस वक्त नाराज हो गई जब उसे अवगत कराया गया कि व्यवसायी को पुलिस हिरासत में भेज दिया गया था और कथित तौर पर 1.65 करोड़ रुपये की उगाही के लिए शिकायतकर्ता की मौजूदगी में उसे धमकी दी गई और पीटा गया। जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने कहा- 'ऐसा लगता है कि गुजरात अलग कानूनों का पालन करता है। यह दुनिया की हीरे की राजधानी में हो रहा है।

यह पूरी तरह से हमारे आदेशों का उल्लंघन है। मजिस्ट्रेट और जांच

अधिकारी हमारे सामने पेश हों और बताएं कि हिरासत आदेश कैसे पारित किए गए। हम पुलिस महानिदेशक को निर्देश देंगे कि अवमाननाकर्ताओं को साबरमती जेल या कहीं और भेजें। उन्हें 29 जनवरी को यहां पेश होने के लिए आने दें और एक हलफनामे में हमें हिरासत के कारण बताएं।

यह घोर अवमानना का मामला है।' शाह की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता इकबाल एच। सैयद और अधिवक्ता मोहम्मद असलम ने कहा कि उन्होंने 13 दिसंबर से 16 दिसंबर, 2023 तक सूरत के वेसु पुलिस थाने के सीसीटीवी फुटेज को संरक्षित करने के लिए पुलिस आयुक्त के समक्ष एक आवेदन किया है। इसी अवधि के दौरान याचिकाकर्ता पुलिस हिरासत में था। पीठ ने पूछा कि अदालत के आदेश का उल्लंघन करते हुए याचिकाकर्ता को हिरासत में कैसे लिया जा सकता है? आइओ (जांच अधिकारी) याचिकाकर्ता की हिरासत मांगने की हिम्मत कैसे कर सकता है? कोर्ट ने गुजरात सरकार की ओर से पेश अतिरिक्त सालिसिटर जनरल (एएसजी) एसवी राजू से सीसीटीवी फुटेज के बारे में पूछा, जिस पर उन्होंने कहा कि कैमरे काम नहीं कर रहे थे। इस पर नाराज जस्टिस मेहता ने कहा-

'यह अपेक्षित था। यह जानबूझकर किया गया है। कैमरे उन चार दिनों तक काम नहीं कर रहे होंगे। पुलिस ने पुलिस डायरी में उनकी (शाह) उपस्थिति को चिह्नित नहीं किया होगा। यह सरासर सत्ता का दुरुपयोग है।' दीवानी प्रकृति के अपराध में हिरासत की आवश्यकता क्यों थी? क्या कोई हत्या से संबंधित हथियार था, जिसे बरामद किया जाना था?' जस्टिस गवई ने पूछा कि जब शीर्ष अदालत ने आठ दिसंबर, 2023 को याचिकाकर्ता को अग्रिम जमानत दे दी थी तो हिरासत आदेश कैसे पारित किया गया और शाह को हिरासत में कैसे लिया गया?

जस्टिस गवई ने एएसजी से कहा कि सभी को 29 जनवरी को आने को कहें। हम 29 जनवरी को तय करेंगे कि उनके साथ क्या किया जाना चाहिए। एएसजी ने स्थिति संभालने की कोशिश की और पीठ से माफी मांगी तथा स्वीकार किया कि जांच अधिकारी ने गलती की है। पीठ ने गुस्से में कहा, 'जो कुछ हुआ वह घृणास्पद है। यह चार दिन की अवैध हिरासत थी। मजिस्ट्रेट और आइओ को भी चार दिनों के लिए अंदर रहने दीजिए।' इसके बाद शीर्ष अदालत ने राज्य के गृह विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव, सूरत के पुलिस आयुक्त, पुलिस उपायुक्त, वेसू पुलिस थाने के निरीक्षक और संबंधित अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट को नोटिस जारी किए और 29 जनवरी तक उनसे जवाब मांगे।

गैर-अल्पसंख्यक अधिकारी और नेशनल स्टेटस की दलील

एएमयू पर दो दिन की सुनवाई में क्या क्या हुआ

नई दिल्ली, 11 जनवरी (एजेंसियां)। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (एएमयू) की माइनॉरिटी स्टेट्स से संबंधित मामले की सुप्रीम कोर्ट में मंगलवार और सुनवाई हुई। सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ के नेतृत्व वाली सात जजों की बेंच ने मामले की सुनवाई की। पीठ ने 1968 के फैसले की वैधता की जांच करने के लिए याचिकाओं पर सुनवाई की, जिसने एएमयू का अल्पसंख्यक दर्जा छीन लिया था। पीठ में जस्टिस संजीव खन्ना, सूर्यकांत, जेबी पारदीवाला, दीपांकर दत्ता, मनोज मिश्रा और सतीश शर्मा भी शामिल थे। 1968 में एएमयू की माइनॉरिटी स्टेट्स को यह कहते हुए खत्म कर दिया गया था कि यह न तो मुस्लिम द्वारा स्थापित किया गया था और न ही अल्पसंख्यक द्वारा प्रशासित किया गया था।

सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि एक गैर अल्पसंख्यक संस्थान यह नहीं कह सकता कि मैं केवल कुछ छात्रों को प्रवेश दूंगा। यह प्रवेश मानदंड केवल अल्पसंख्यक संस्थानों को दिया गया है। उन्होंने कहा कि किसी कानून द्वारा विनियमित होने से उसे अल्पसंख्यक दर्जा प्राप्त होने से कोई नुकसान नहीं होता। यदि प्रशासन का अधिकार कानून द्वारा विनियमित होता है तो अल्पसंख्यक दर्जे पर कोई रोक नहीं है।

सीजीआई ने कहा, इसलिए केवल धार्मिक पाठ्यक्रमों के प्रशासन की आवश्यकता नहीं है। सभी समुदाय के छात्रों को प्रवेश दिया जा सकता है, ना कि केवल एक समुदाय से, इसलिए आप कहते हैं कि अल्पसंख्यक का दर्जा खत्म नहीं हुआ है, क्योंकि उनके अस्तित्व के विभिन्न पहलुओं को विनियमित किया गया है। कोर्ट में एएमयू का पक्ष वकील राजीव धवन ने रखा। उन्होंने कहा, धर्मनिरपेक्षता भारतीय संविधान की एक बुनियादी संरचना है। हालांकि बुनियादी संरचना केवल संवैधानिक संशोधनों पर लागू होती है। इसपर जस्टिस संजीव खन्ना ने कहा कि आप कह रहे हैं अनुच्छेद 30 के तहत सुरक्षा पाने के लिए संस्थान को एक चैरिटी संस्थान के रूप में चलाया जाना चाहिए।

पुलिस रिपोर्ट को नहीं माना जा सकता कंप्लेंट, इलाहाबाद हाई कोर्ट ने रद्द की प्राथमिकी

प्रयागराज, 11 जनवरी (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने कहा है कि कोर्ट द्वारा दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 82 के तहत घोषित संज्ञेय अपराधी के खिलाफ प्राथमिकी अथवा पुलिस चार्जशीट पर कोर्ट संज्ञान नहीं ले सकती। धारा 195 दंड प्रक्रिया संहिता के अंतर्गत धारा 172 से धारा 188 भारतीय दंड संहिता के असंज्ञेय अपराध में पुलिस रिपोर्ट पर कोर्ट के संज्ञान लेने को प्रतिबंधित किया गया है। इन धाराओं के अपराध के लिए लोकसेवक व धारा 82 जारी करने वाले मजिस्ट्रेट को लिखित कंप्लेंट केस कायम कर ही कार्रवाई करने का अधिकार है। हाई कोर्ट ने चार्जशीट के बाद पुलिस के अलीगढ़ के लोधी थाने

में दर्ज प्राथमिकी को व्यर्थ की कार्रवाई मानते हुए रद कर दिया है। कहा है कि धारा 174ए के अपराध पर कंप्लेंट केस कायम कर कार्रवाई की जा सकती है। कोर्ट ने संबंधित मजिस्ट्रेट को याची के खिलाफ लिखित कंप्लेंट दर्ज कर कार्रवाई करने की छूट दी है।

न्यायमूर्ति अंजनी कुमार मिश्र तथा न्यायमूर्ति अरूण कुमार सिंह देशवाल की खंडपीठ ने सुमित व अन्य की याचिका स्वीकार करते हुए यह आदेश दिया है। इसके साथ ही आदेश की प्रति सभी जिला अदालतों और जेटीआरआई लखनऊ को भेजने का निर्देश दिया है ताकि न्यायिक अधिकारियों को सजग किया जा सके।

कोर्ट ने कही ये बात

कोर्ट ने कहा कि धारा 174-ए आईपीसी 2005 में संशोधन के माध्यम से जोड़ा गया था। इसलिए, स्पष्ट है कि धारा 174-ए आईपीसी धारा 195(1)(ए)(1) सीआरपीसी में उल्लिखित अपराधों का हिस्सा है। धारा 195 दंड प्रक्रिया संहिता भारतीय दंड संहिता की धारा 172से 188 तक के अपराधों पर कोर्ट के पुलिस रिपोर्ट पर संज्ञान लेने पर रोक लगाती है। लोक सेवक की लिखित कंप्लेंट पर ही कोर्ट कार्रवाई कर सकती है। मजिस्ट्रेट भी लोक सेवक माना जाता है। संज्ञेय अपराध में पुलिस को बिना वारंट अभियुक्त को गिरफ्तार करने की शक्ति है। व्यक्ति की स्वतंत्रता प्रभावित होती है जबकि, 174-ए का अपराध संज्ञेय की श्रेणी में नहीं आता है।

क्या है मामला

प्रश्नगत मामले में 21 अक्टूबर 22 को प्राथमिकी दर्ज हुई। विवेचना के दौरान याची का नाम उजागर हुआ। जितेंद्र सिंह ने कुछ लोगों के खिलाफ लोधी थाने में नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई थी। पुलिस ने चार्जशीट दाखिल की। कोर्ट ने संज्ञान लेकर समन जारी किया। याची हाजिर नहीं हुआ तो गैर जमानती वारंट के बाद धारा 82 जारी कर अपराधी घोषित किया गया। इसके साथ ही पुलिस ने अलग से याची के खिलाफ उसी थाने में धारा 174ए के अपराध की प्राथमिकी लिखी। कोर्ट ने कहा पुलिस रिपोर्ट को कंप्लेंट नहीं माना जा सकता।

आखिर कहां हैं पूर्व भाजपा सांसद जयाप्रदा? रामपुर कोर्ट ने फिर जारी किया गैर जमानती वारंट

रामपुर, 11 जनवरी (एजेंसियां)। आचार संहिता उल्लंघन के दो मामलों में फरार चल रहीं पूर्व सांसद और अभिनेत्री जयाप्रदा के खिलाफ रामपुर की अदालत ने गैर जमानती वारंट जारी किया है। कोर्ट ने समय देने का उनका प्रार्थनापत्र खारिज करते हुए मुचलका धनराशि जब्त कर ली। साथ ही जमानत लेने वालों की भी फाइल खोल दी। अदालत ने एक बार फिर पुलिस को जयाप्रदा को गिरफ्तार कर हाजिर करने का आदेश दिया है। अगली सुनवाई 25 जनवरी को होगी। आपको बता दें कि 2019 लोकसभा चुनाव के दौरान जयाप्रदा के खिलाफ स्वार और केमरी थाने में आचार संहिता उल्लंघन का मामला दर्ज हुआ था। लंबे समय से इसकी सुनवाई चल रही है लेकिन एक बार भी जयाप्रदा अदालत में पेश नहीं हुई हैं। उनके खिलाफ कई बार गैर जमानती वारंट जारी किए जा चुके हैं। जयाप्रदा को गिरफ्तार करने का आदेश पहले भी दिया जा चुका है। पुलिस उनको ढूंढते हुए दिल्ली और मुंबई तक भी जा चुकी है। रामपुर पुलिस का कहना है कि जयाप्रदा किसी भी ठिकाने पर नहीं मिलीं। उनके खिलाफ पहले मामले में छह बार और दूसरे मामले में पांच गैर जमानती वारंट जारी हो चुका है। जया प्रदा रामपुर सीट से लोकसभा चुनाव 2019 में भाजपा के टिकट से उतरी थीं। उनके खिलाफ स्वार और केमरी थाने में चुनाव आचार संहिता उल्लंघन का केस दर्ज हुआ था। स्वार में दर्ज मामले में उन पर आचार संहिता लागू होने के बावजूद 19 अप्रैल को नूरपुर गांव में सड़क का उद्घाटन करने का आरोप है। दूसरा केस केमरी थाने का है। पिपलिया मिश्र गांव में आयोजित जनसभा में आपत्तिजनक टिप्पणी करने का आरोप उन पर लगा था।

ठगों को पकड़ने वाले इंस्पेक्टर खुद ही हो गए ठगी का शिकार, जमीन गिरवी रख दे दिए साढ़े 11 लाख रुपये

ग्वालियर, 11 जनवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के ग्वालियर से एक ऐसा मामला आया है जहां खुद रिटायर्ड पुलिस इंस्पेक्टर ही ठगी का शिकार हो गए। यही नहीं, जमीन के नाम पर हुई इस ठगी के मामले में अब रिटायर्ड इंस्पेक्टर के परिवार को जान का खतरा भी सता रहा है। इसलिए उन्होंने थाटीपुर थाने पहुंचकर ठगी करने और धमकी देने वालों के खिलाफ एफआईआर भी दर्ज करवाई है। मामला थाटीपुर थाना इलाके के सारिका नगर का है। यहां आसाराम गौतम अपने परिवार के साथ रहते हैं। आसाराम हाल ही में पुलिस सेवा से इंस्पेक्टर के पद से रिटायर्ड हुए हैं। एक समय था जब आसाराम बदमाशों और ठगों को पकड़ने का काम करते थे। लेकिन जमीन खरीद फरोख्त के झांसे में आकर रिटायर्ड इंस्पेक्टर साहब खुद ही ठगी का शिकार हो गए।

बात साल 2022 की है जब आसाराम गौतम के मकान में रामसेवक नाम का किराएदार रहने के लिए आया। रामसेवक ने आसाराम को बताया कि उसका एक दोस्त ताराचंद है जिसकी दौरार गांव में 6 बीघा जमीन है और वह इस जमीन को गिरवी रखकर पैसे उधार मांग रहा है। अगर समय पर जमीन वापस नहीं दे सका तो फिर जमीन भी आपकी हो जाएगी। इसके लिए बाकायदा एग्रीमेंट भी कर सकते हैं।

7 लाख 82 हजार रुपये दिए

आसाराम किराएदार रामसेवक की बातों में आ गए और उन्होंने जमीन का एग्रीमेंट करके 7 लाख 82 हजार रुपए ताराचंद को दे दिए। एग्रीमेंट की समय सीमा जब पूरी होने को आई तो आसाराम ने एक बार फिर से रामसेवक को एग्रीमेंट की बात याद दिलाई। इसके बाद रामसेवक ने कहा कि एग्रीमेंट की समय सीमा बढ़वा लेते हैं। रामसेवक के कहे अनुसार आसाराम समय सीमा बढ़वाने के लिए तैयार हो गए। समय सीमा बढ़वाने के लिए दोनों पक्ष न्यायालय परिसर पहुंचे और स्टांप भी खरीद लिए गए, लेकिन फिर एग्रीमेंट किए बिना ही रामसेवक और ताराचंद्र वापस लौट गए।

ऐसे समझ आया कि हो गई ठगी

ऐसा होते देख आसाराम समझ गए कि रामसेवक और ताराचंद की नीयत ठीक नहीं है। लेकिन फिर भी वे रामसेवक और ताराचंद के संपर्क में बनी रहे। इसी दौरान रामसेवक और उसकी पत्नी मीना ने आसाराम को बताया कि जमीन की रजिस्ट्री उनके नाम करवा देते हैं। लेकिन इसके लिए उन्हें 3.80 लाख रुपए देने होंगे।

आसाराम इस बात पर भी तैयार हो गए और उन्होंने तीन लाख 80 हजार रुपए भी दे दिए। बावजूद इसके जमीन की रजिस्ट्री आसाराम के नाम नहीं हुई। थाने में दर्ज करवाया मामला

पति को बुलाकर खुद निकल गई गोवा

हत्यारिन मां सूचना सेठ का सामने आया कोलकाता कनेक्शन

बंगलुरू, 11 जनवरी (एजेंसियां)। बंगलुरु की एक कंपनी में सीईओ सूचना सेठ के बेटे के हत्या के मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। सूचना सेठ ने बेटे की हत्या करने से पहले अपने पति को वाट्सऐप मैसेज किया था। इसमें उन्हें बेटे से मिलने के लिए बंगलुरू बुलाया था। अभी वह बंगलुरू पहुंचे भी नहीं थे कि यह हत्यारिन मां बेटे को लेकर गोवा निकल गई। जहां उसने बेटे की हत्या को अंजाम दिया है। लिस की गिरफ्त में इस हत्यारिन मां का कोलकाता कनेक्शन भी सामने आया है। पता चला है कि यह मूल रूप से कोलकाता की ही रहने वाली है। पुलिस के मुताबिक सूचना सेठ पर अपने ही चार साल के बेटे की हत्या का आरोप है। उसने पूछताछ में कई अहम खुलासे किए हैं। उसने पुलिस को बताया कि पति के साथ तलाक का मामला चल रहा है। इसी बीच उसके पति ने कोर्ट में बेटे से मिलने के लिए अर्जी दाखिल की थी।

इसके बाद उसने बीते शनिवार को उसे वाट्सऐप पर मैसेज किया था। इसमें उसने पति को मिलने के लिए बुलाया था। सूचना सेठ ने पुलिस को बताया कि अभी उसका पति बंगलुरू आया भी नहीं था कि वह बेटे को लेकर गोवा निकल गई थी। ऐसे में उसका पति जब यहां पहुंचा और उसे पता चला कि वह बंगलुरू में नहीं है तो वापस इंडोनेशिया लौट गया है। पुलिस के मुताबिक गोवा जाने के बाद इस महिला ने 6 जनवरी को एक सर्विस अपार्टमेंट में गई। वहीं से वह 8 जनवरी को जब बाहर निकली तो उसके बैग में बेटे का शव था। इसी दौरान पुलिस ने उसे चित्रदुर्ग में पकड़ लिया था। पुलिस ने जब बच्चे के शव का पोस्टमार्टम कराया तो पता चला कि उसकी हत्या गला घोंट कर अंजाम दिया गया है। इस हत्यारिन मां का बैकग्राउंड खंगालने की कोशिश की। इसमें पता चला कि वह मूल रूप से कोलकाता की रहने वाली है। उसने कलकत्ता विश्वविद्यालय से भौतिकी में स्नातकोत्तर की पढाई के हावर्ड में शोध कार्य किया। उसके चाचा अभी भी दक्षिणेश्वर के अरियादाह में रहते हैं। उसकी मां का साल 2021 में निधन हो चुका है। उसके पड़ोसियों ने बताया कि सूचना की शादी साल 2010 में उसके चाचा के इसी घर से हुई थी। पुलिस सूत्रों के मुताबिक सूचना ने पति के साथ झगड़े में पहले अपने बेटे को कफ सिरफ पिलाकर बेहोश किया और फिर उसकी गला घोंट कर हत्या कर दी।

स्वतंत्र वार्ता

शुक्रवार, 12 जनवरी - 2024

असली शिवसेना : रार खत्म, दरार कायम

महाराष्ट्र में शिवसेना के बागी विधायकों की योग्यता के मसले पर पिछले काफी समय से चल रहा जद्दोजहद तकनीकी रूप से आखिर अपने अंजाम तक पहुंच गया लगता है। राज्य विधानसभा के अध्यक्ष ने समूचे मामले में बारह सौ पन्नों में दर्ज ब्योरे के आधार पर जो फैसला सुनाया, वह महाराष्ट्र की राजनीति में लंबे समय से एक अहम प्रभाव रखने वाली शिवसेना के उद्धव ठाकरे गुट के लिए एक बड़ा झटका साबित हुआ। हालांकि इस फैसले के आने से पहले तक दोनों पक्षों के बीच एक कशमकश बनी हुई थी, इसके बावजूद एकनाथ शिंदे का समूह संख्या बल अपने साथ होने के आधार पर अपने हक में फैसला आने को लेकर उद्धव ठाकरे गुट के बीच एक आखिरी उम्मीद थी कि शायद विधानसभा अध्यक्ष की राय उनके पक्ष की दलीलों पर आधारित होगी। मगर विधानसभा अध्यक्ष ने उद्धव गुट की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें शिवसेना से बगावत करने वाले सोलह विधायकों की योग्यता को रद्द करने की मांग की गई थी। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद विधानसभा अध्यक्ष की ओर से अब जो फैसला सामने आया है, उसके मुताबिक 21 जून, 2022 को जब पार्टी दो समूह में बंटी, तब उसके बाद और चुनाव आयोग के रिकार्ड में भी एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाला गुट ही वास्तविक शिवसेना था। जाहिर है, इस फैसले के बाद उद्धव ठाकरे और उनके समूह को घोर निराशा हुई है, जो यह मान कर चल रहे थे कि कानूनी प्रक्रिया में जाने के बाद उनके गुट को ही वास्तविक शिवसेना के रूप में मान्यता मिलेगी। मगर विधानसभा अध्यक्ष ने पार्टी पर शिंदे गुट का हक होने के पक्ष में शिवसेना के ही उस संविधान का उल्लेख किया, जो 1999 में तैयार किया गया था। उसके अनुसार चुनाव आयोग में पार्टी का 1999 का ही संविधान सौंपा गया था, इसलिए फैसले का आधार भी वही होगा। जबकि शिवसेना के संविधान में 2018 किए गए संशोधन के मुताबिक पार्टी प्रमुख का फैसला ही पार्टी का फैसला होगा। जाहिर है, इस पुराने संविधान में की गई व्यवस्था की कसौटी पर उद्धव ठाकरे गुट का पक्ष कमजोर साबित हुआ और यही शिंदे समूह के लिए मददगार बना। इसी बुनियाद पर विधानसभा अध्यक्ष ने यह व्यवस्था दी कि एकनाथ शिंदे को पार्टी से निकालने का अधिकार उद्धव ठाकरे को नहीं है। स्वाभाविक ही इस फैसले से शिंदे गुट के जिन सोलह विधायकों पर अयोग्यता की तलवार लटकी हुई थी, उन्हें बड़ी राहत मिली है। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने इस मसले पर निर्णय के लिए विधानसभा अध्यक्ष को ही उचित प्राधिकार बताया था और दस जनवरी तक का वक्त निर्धारित किया गया था। मगर अब विधानसभा अध्यक्ष के फैसले के बाद उद्धव ठाकरे के गुट की ओर से यह कहा गया है कि फैसला उम्मीद के उलट है, इसलिए इसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील की जाएगी। यानी एक बार फिर यह मामला शीर्ष अदालत के कठघरे में जा सकता है। जो हो, फिलहाल जो तस्वीर सामने आई है, उससे यही लगता है कि अब उद्धव ठाकरे के समूह के सामने अपना नया राजनीतिक अस्तित्व खड़ा करने की जरूरत पड़ेगी। अगर ऐसा होता है तो महाराष्ट्र के मौजूदा राजनीतिक समीकरण में नई तस्वीर भी उभर सकती है। राज्य की राजनीति में लंबे समय से शिवसेना का प्रभाव अलग-अलग रूप में कायम रहा है। अब दो समूहों में बंटने के बाद और राज्य में मुख्य रूप से भाजपा के समांतर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के ध्रुवों के बीच सिमटी शक्ति के साथ शिवसेना की राज्य की राजनीतिक दिशा को तय करने में कितनी और क्या भूमिका होगी, यह देखने की बात होगी।

युवाओं को सदैव प्रेरित करते रहेंगे स्वामी विवेकानंद के विचार

योगेश कुमार गोयल

वर्तमान परिवेश में समाज में चारों तरफ अपराधों तथा भ्रष्टाचार का जो मकड़जाल फैल चुका है, वह घुन बनकर न सिर्फ देश को अंदर ही अंदर खोखला कर रहा है बल्कि युवा वर्ग भी भ्रष्टाचार और बेरोजगारी के इस दूषित माहौल में हताश व निराश है। ऐसे में युवा वर्ग सही मार्ग से न भटके, इसके लिए युवा शक्ति को जागृत कर उसे देश के प्रति कर्त्तव्यों का बोध कराते हुए सही दिशा में प्रेरित एवं प्रोत्साहित करना और उचित मार्गदर्शन बेहद महत्वपूर्ण है। ऐसे में राष्ट्रीय युवा दिवस की प्रासंगिकता बहुत बढ़ जाती है, जो प्रतिवर्ष स्वामी विवेकानंद की जयंती के अवसर पर 12 जनवरी को मनाया जाता है। हमें भूलना नहीं चाहिए कि देश की आजादी की लड़ाई में अपना सब कुछ बलिदान कर लोगों में क्रांति का बीजारोपण करने वाले अधिकांश युवा ही थे।

स्वामी विवेकानंद, भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद, सुखदेव, राजगुरू इत्यादि देश के अनेक युवाओं ने देश की आन-बान और शान के लिए अपने निजी जीवन के समस्त सुखों का त्याग कर दिया था और अपना समस्त जीवन देश के लिए न्यौछावर कर दिया था लेकिन आधुनिक युग में हम स्वार्थी बनकर ऐसे क्रांतिकारी युवाओं की जीवन गाथाओं को भूल रहे हैं और हम सब धीरे-धीरे भ्रष्ट तंत्र का हिस्सा बन रहे हैं। ऐसे ही क्रांतिकारी युवा महापुरूषों की जीवन गाथाओं के जरिये देश की युवा पीढ़ी को समाज में व्याप्त गंदगी से बचाकर देश के विकास में उसका सदुपयोग किया जा सके, इसी उद्देश्य से आधुनिक भारत के महान चिंतक, दार्शनिक, समाज सुधारक, युवा सन्यासी स्वामी विवेकानंद की जयंती 12 जनवरी को ही प्रतिवर्ष 'राष्ट्रीय युवा दिवस' के रूप में मनाया जाता है, जो बहुत कम आयु में अपने विचारों के चलते समस्त जगत में अपनी एक विशेष पहचान बनाने में सफल हुए थे।स्वामी विवेकानंद के वक्तव्यों का आम जनमानस और खासकर युवाओं के मनोमस्तिष्क पर कितना प्रभाव पड़ता था, इसका उनके शिकागो भाषण से बेहतर उदाहरण नहीं मिल सकता। 11 सितम्बर 1893 को जब शिकागो के विश्व धर्म सम्मेलन में हिन्दू धर्म पर अपने प्रेरणात्मक भाषण की शुरूआत उन्होंने 'मेरे अमेरिकी भाइयों और बहनों' के साथ की थी तो बहुत देर तक तालियों की गड़गड़ाहट होती रही थी। अपने उस भाषण के जरिये उन्होंने दुनियाभर में भारतीय अध्यात्म का डंका बजाया था। विदेशी मीडिया और वक्ताओं द्वारा भी स्वामीजी को धर्म संसद में सबसे महान व्यक्तित्व और ईश्वरीय शक्ति प्राप्त सबसे लोकप्रिय वक्ता बताया जाता रहा। यह स्वामी विवेकानंद का अद्भुत व्यक्तित्व ही था कि वे यदि मंच से गुजरते भी थे तो तालियों की गड़गड़ाहट होने लगती थी। उन्होंने 1 मई 1897 को कलकत्ता में रामकृष्ण मिशन तथा 9 दिसंबर 1898 को कलकत्ता के निकट गंगा नदी के किनारे बेलूर में रामकृष्ण मठ की स्थापना की थी। 4 जुलाई 1902 को इसी रामकृष्ण मठ में ध्यानमग्न अवस्था में महासमाधि धारण किए वे चिरनिद्रा में लीन हो गए। स्वामी विवेकानंद सही मायनों में युवाओं के प्रेरणास्रोत और आदर्श व्यक्तित्व के धनी थे, जिन्हें उनके ओजस्वी विचारों और आदर्शों के कारण ही जाना जाता है। विवेकानंद सदैव कहा करते थे कि उनकी आशाएं देश के युवा वर्ग पर ही टिकी हुई हैं। वे आधुनिक मानव के आदर्श प्रतिनिधि थे और खासकर भारतीय युवाओं के लिए उनसे बढ़कर भारतीय नवजागरण का अग्रदूत अन्य कोई नेता नहीं हो सकता।

विकास या विनाश युवा शक्ति पर निर्भर

डॉ. प्रितम भि. गेडाम

युवा शक्ति शब्द सुनते ही हमारे सोच-विचारो में जो छवि उभरकर आती है वह होती है, वर्तमान में देश-दुनिया और आस-पड़ोस में घटित घटनाओं में युवाओं की सहभागिता एवं उसका समाज पर बढ़ता प्रभाव, यह हमें दर्शाता है कि युवाशक्ति किस दिशा की ओर अग्रसर है। जन्म से बच्चों की उचित देखभाल, संस्कारशील व्यवहार, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, शुद्ध आचरण से ही युवाओं में सकारात्मक ऊर्जा शक्ति का संचार होता है तथा प्रशासन द्वारा उन्हें शिक्षा अनुरुप रोजगार, व्यवसाय के बेहतर मौके मिल सके, इसके लिए उपाय-योजना बनाना एक अच्छी सरकार का लक्ष्य होता है, तभी देश की युवा शक्ति खुद को सक्षम साबित कर देश को विश्वशक्ति बनाने में कारगर सिद्ध होगी, यन्यथा यही युवा शक्ति असुविधा, समस्याओं और संघर्ष के वजह से देश में विनाश का कारण भी सिद्ध हो सकती है।हर साल 12 जनवरी को राष्ट्रीय युवा दिवस स्वामी विवेकानन्द जी के जयंती के उपलक्ष पर संपूर्ण देश में मनाया जाता है। युवाशक्ति में वह ताकत होती है, जो असंभव को संभव बना सकती है, सिर्फ उन्हें योग्य दिशा मिलनी चाहिए। युवाओं के शिक्षा और कला-गुणों पर ही उनका पूरा करियर और भविष्य निर्भर होता है, एक वर्ष की क्षति भी उन्हें जिंदगी में पीछे धकेल देती है, प्रतिस्पर्धा बढ़ती जाती है एवं जीवन संघर्ष अधिक तेज होता जाता है। प्रत्येक युवा में कुछ सपने होते हैं, और उन सपनों को पूरा करने की जिद्द और मेहनत ही उन्हें सफल बनाती है, परंतु सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता, यह युवाओं को समझना होगा। शिक्षित युवाओं में बढ़ती बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, महंगाई, हर जगह शिफारस, राजनीतिक हस्तक्षेप, अपराध का बढ़ता ग्राफ, नशाखोरी, धोखधड़ी, नैसर्गिक संसाधनों का अत्यधिक दोहन, मिलावटखोरी, सोशल मीडिया की लत, दुर्व्यवहार, संस्कारहीन आचरण, अश्लील-अभद्र भाषा प्रयोग, स्वार्थवृत्ति ने जीवन संघर्षमय कर दिया है। बेरोजगारी का देश में ये आलम है कि बड़ी संख्या में उच्च शिक्षित युवा भी चपरासी बनने के लिए संघर्ष करता नजर आता है। हर साल बड़ी संख्या में कर्मचारी वर्ग सेवानिवृत्त होते हैं, परंतु कई विभागों में दशकों तक नई भर्तियां होते हुए नजर नहीं आती और दूसरी ओर हर साल शिक्षा जरूर महंगी होती जाती है।

सामाजिक समस्याओं, बीमारियों में बेतहाशा वृद्धि हो रही है, पर्यावरण का विनाश होने के कारण प्राकृतिक आपदाओं में बढ़ोतरी हुई है, जिससे हर साल बड़ी संख्या में जान-माल की क्षति होकर देश को अरबों डॉलर का नुकसान होता है। अभिभावक बच्चों के सामने बुजुर्गों से अमानवीय व्यवहार करते है, और अपने बच्चों से खुद के लिए आदर्श व्यवहार की कामना करते है। बच्चों को बेहतर पोषक वातावरण देना अभिभावक का परम कर्तव्य है और युवा शक्ति को बेहतर जीवन के लिए आवश्यक मौके देना सरकार का काम है, देश के सर्वांगीण विकास के लिए यह बहुत जरूरी है। आज देश में कुछ मुद्दे नए विषय को जन्म दे रहे हैं, जैसे- हर धर्म हमें शांति, एकता, मानवता का संदेश देता है, फिर लोगो के दिलो में लोभ, द्वेष, और बार-बार समाज में मानवता शर्मसार क्यों हो रही है? युवाओं में अपराध वृत्ति क्यों बढ़ रही है? लोग पढ़े-लिखे जागरूक है तो धोखाधड़ी, अत्याचार क्यों बढ़ रहे हैं? छोटी-छोटी बात पर आपा खोकर अनुचित कदम क्यों उठाते है? अभिभावक बच्चों की खूब तारीफ करते हैं, उन्हें बेहतर सुख-सुविधा दे रहे हैं, तो फिर समाज में संस्कारों की होली क्यों जल रही है? अगर हम बच्चों को अच्छे और स्वादिष्ट आहार दे रहे हैं, अच्छी परवरिश दे रहे है तो बच्चे बीमार और कमजोर क्यों हो रहे हैं? सोशल मीडिया और नशे के आदी क्यों हो रहे हैं? वर्तमान में युवाओं में मानसिक स्वास्थ्य समस्या और आत्महत्या का प्रमाण काफी बढ़ा है, जिसके लिए वर्तमान प्रणाली, वातावरण दोषी है।

जिस देश की युवा शक्ति को बेहतर शिक्षा, स्वास्थ्य सुविधा और रोजगार के बेहतर विकल्प मौजूद है, विश्व में वही देश विकसित हुए है। हमारे देश में आज भी बड़े पैमाने पर पलायन का दौर चल ही रहा है, गांव के लोग शहर में जाते हैं, शहर के लोग महानगरों में जाते हैं और महानगर के लोग विदेश में बेहतर विकल्प की तलाश में जाते हैं। देश में केवल गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, स्वास्थ्य सुविधा, शिक्षा अनुरूप रोजगार या बेहतर जीवन के लिए आवश्यक धनोपार्जन के मौके सबको मुफ्त मिलनी चाहिए, इसके अलावा कुछ भी मुफ्त न मिले तो भी युवाशक्ति आत्मनिर्भर बनकर अपनी क्षमता के दम पर हर चीज, हर मुकाम हासिल कर सकती है। आजकल अगर पढ़-लिखकर उचित योग्यता अनुसार काम ना मिले तो सपने चकनाचूर हो जाते हैं, और यह सपने सिर्फ उन युवाओं के ही नहीं, बल्कि उससे जुड़े हर व्यक्ति के एव उस परिवार के सपने टूटते हैं, तब इतने बरसों की शिक्षा पर भी सवाल खड़े होते हैं कि, क्या शिक्षा, मेहनत, पैसा और समय गवाकर हमने गलत कर दिया है? काबिल युवा होकर भी हमारा भविष्य अगर अंधकारमय नजर आने लगे तो फिर उच्च शिक्षा का क्या महत्व है? देश में हर साल, हर राज्य से लाखो युवा कला, वाणिज्य, विज्ञान, अभियांत्रिकी, प्रबंधन जैसे हर विषय क्षेत्र की पदवी प्राप्त कर काम के लिए बाहर निकलते हैं, लेकिन उनमें से कितने युवा अपने कैरियर के लक्ष्य को हासिल कर पाते हैं?सरकारी भर्ती के लिए प्रतियोगी परीक्षा के नाम पर बेरोजगार युवाओं से अत्यधिक आवेदन शुल्क भी बहुत बड़ी समस्या बन गई है, जिस देश में 80 करोड़ से ज्यादातर गरीब आबादी को अनाज मुफ्त बांटा जाता है, वहां बड़ी मुश्किल से भरण पोषण करने वाले सामान्य परिवार के युवाओं के लिए हर बार यह शुल्क जुटाना बहुत बड़ी कठिनाई बनकर उभरती हैं, जिसके कारण कई प्रतिभावान युवा प्रतियोगी परीक्षा के लिए आवेदन भी नहीं कर पाते है। उदाहरण के लिए महाराष्ट्र राज्य सरकार के अनेक विभाग की पद भर्ती हेतु विज्ञापन में आरक्षित वर्ग के लिए 900 रुपये आवेदन शुल्क तो ओपन वर्ग के लिए 1000 रूपए शुल्क रखा जाता है, जिससे हर बार राज्य सरकार के पास सैकड़ो करोड़ की रकम जमा होती है। सरकार ने गरीब बेरोजगारों को ध्यान में रखकर इस समस्या को गंभीर रूप से देखना चाहिए। नशा, अपराध और झूठा दिखावा इंसान को बर्बाद कर देता है, ऊपर से आजकल का फैशन और सोशल मीडिया की लत ने जीवन वैसे ही खराब कर रखा है, आज अधिकतर युवाओं के रोल मॉडल रील लाइफ के लोग हैं, जबकि उनके आदर्श देश पर मर-मिटने वाले जवान होने चाहिए, देश का नाम रोशन करने वाले खिलाड़ी, वैज्ञानिक होने चाहिए।

जिन आदर्श समाज सुधारक और महान क्रांतिकारियों ने हमें आजादी दिलाई, मानवता और देश को बचाएं रखा, आज उन्हें हम बस जयंती या पुण्यतिथि के दिन कुछ पल के लिए याद करते है। जबकि युवाओं ने महान शख्सियतों के जीवन कार्य से प्रेरणा लेनी चाहिए। हर पल, हर वक्त युवाओं ने अपने आपको बेहतर बनाने के लिए प्रयत्नशील होना चाहिए, जिंदगी में कामयाब होने के लिए संघर्ष करते रहना चाहिए, हमारा व्यवहार कभी भी किसी अन्य के दुःख का कारण न बने यह ध्यान रख कर आगे बढ़ना है। सरकार ने युवा शक्ति को ध्यान में रखकर शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के उपाय-योजनाओं को लागू करना चाहिए। हर साल, हर क्षेत्र में लगातार भर्तियां, साथ ही गांव, दुर्गम क्षेत्र, हर ओर नवनवीन प्रशिक्षण केंद्र की उपलब्धता समय की मांग है। सिफारिश, राजनीतिक हस्तक्षेप और भ्रष्टाचार पर पूर्णतः अंकुश होना ही चाहिए, ताकि देश की युवा पीढ़ी बेहतर कल का निर्माण कर देश को प्रगति पथ पर ले जा सके और तभी राष्ट्रहित में युवा शक्ति का बेहतर सहभाग साबित होगा।

राम मंदिर : सियासी मंच या आस्था का उत्सव

प्रियंका सौरभ

अयोध्या में राम मंदिर अटूट आस्था का विषय है। एक ऐसी आस्था जिसे श्रद्धालु सदियों तक कायम रखते रहे, तब भी जब मंदिर खड़ा नहीं था। आज राम मंदिर का भव्य निर्माण हो रहा है। राम मंदिर का निर्माण एक अनथक संघर्ष का प्रतीक है। यह भारत के लोकतंत्र, उसके न्यायिक-सामाजिक मूल्यों की स्थापना का समय भी है। यह सिर्फ मंदिर नहीं है जन्मभूमि है, हमें इसे कभी नहीं भूलना चाहिए। लोकजीवन में, साहित्य में, इतिहास में, भूगोल में, हमारी प्रदर्शनकलाओं में उनकी उपस्थिति बताती है राम किस तरह इस देश का जीवन हैं। राम का होना मर्यादाओं का होना है, रिश्तों का होना है, संवेदना का होना है, सामाजिक न्याय का होना है, करुणा का होना है। वे सही मायनों में भारतीयता के उच्चादर्शों को स्थापित करने वाले नायक हैं। लोकमन में व्याप्त इस नायक को सबने अपना आदर्श माना। राम सबके हैं। वे कबीर के भी हैं, रहीम के भी हैं, वे गांधी के भी हैं, लोहिया के भी हैं। राम का चरित्र सबको बांधता है। अनेक रामायण और रामचरित पर लिखे गए महाकाव्य इसके उदाहरण हैं। राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त स्वयं लिखते हैं- राम तुम्हारा चरित स्वयं ही काव्य है, कोई कवि बन जाए, सहज संभाव्य है। भगवान श्रीराम भारतीय संस्कृति के ऐसे वटवृक्ष हैं, जिनकी पावन छाया में मानव युग-युग तक जीवन की प्रेरणा और उपदेश लेता रहेगा। जब तक श्रीराम जन-जन के हृदय में जीवित हैं, तब तक भारतीय संस्कृति के मूल तत्व अजर-अमर रहेंगे। श्रीराम भारतीय जन-जीवन में धर्म भावना के प्रतीक हैं, श्रीराम धर्म के साक्षात स्वरूप हैं, धर्म के किसी अंग को देखना है, तो राम का जीवन देखिये, आपको धर्म की असली पहचान हो जायेगी। आज के भारत का मिजाज़, अयोध्या में स्पष्ट दिखता है। आज यहां प्रगति का उत्सव है, तो कुछ दिन बाद यहां परंपरा का उत्सव भी होगा। आज यहां विकास की भव्यता दिख रही है, तो कुछ दिनों बाद यहां विरासत की भव्यता और दिव्यता दिखने वाली है। अयोध्या में राममंदिर का निर्माण तथा भगवान रामलला की प्राण प्रतिष्ठा हमारी गौरवशाली आस्था के क्षण है और वर्तमान पीढ़ी बेहद भाग्यशाली है, जो इन ऐतिहासिक क्षणों की साक्षी बनने जा रही है। आज देखने में आ रहा है कि मंदिरों में दर्शन करने वालों की संख्या में आशातीत बढ़ोतरी हुई है। लोग मन कि शांति के लिए प्राणयाम, ध्यान धार्मिक अनुष्ठान और सेवा कार्यों में बढ़ चढ़कर भाग ले रहें है। यह भारत का आध्यात्मिक जागरण और आस्था के प्रति समर्पण मनुष्य को नैतिकता की और ले जा रहा है। श्रीराम मंदिर निर्माण के साथ ही भारत में वैसा दृश्य निर्मित हो रहा है, जैसे रामराज्य आ रहा है। राजनीति अपनी जगह है लेकिन राम मंदिर करोड़ों भारतीयों के लिए आस्था का विषय है। राजनीति कैसे साधारण विषयों को भी उलझाकर मुद्दे में तब्दील कर देती है, रामजन्मभूमि का विवाद इसका उदाहरण है। आजादी मिलने के समय सोमनाथ मंदिर के साथ ही यह विषय हल हो जाता तो कितना अच्छा होता। आक्रमणकारियों द्वारा भारत के मंदिरों के साथ क्या किया गया, यह छिपा हुआ तथ्य नहीं है। अच्छा होता कि इस कार्य को सांझी समझ से हल कर लिया जाता। किंतु राजनीतिक आग्रहों ने ऐसा होने नहीं दिया। कई बार ज़िद्द कुछ देकर नहीं जाती, भरोसा, सद्भाव और भाईचारे पर ग्रहण जरुर लगा देती हैं। अतीत में राम मंदिर के नष्ट होने से लेकर राम जन्मभूमि भूमि को पुनः प्राप्त करने के आंदोलन तक राममंदिर पर सियासी मंच हावी रहा है।

जैसे-जैसे मंदिर के प्रतिष्ठा समारोह की तारीख नजदीक आ रही है, राजनीतिक नेताओं को भेजे गए निमंत्रणों ने कबूतरों के बीच बिल्ली को खड़ा कर दिया है। विपक्ष का गुट गंभीर राजनीतिक बंधन में फंस गया है। राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह पर विपक्षी दल सत्ताधारी पार्टी पर हमलावर है। विपक्षी दल कह रहे हैं कि सत्तासीन पार्टी लोकसभा चुनाव को देखते हुए समारोह का इस्तेमाल कर रही है। मंदिर का उद्घाटन चुनावी लाभ के लिए किया जा रहा है। सोचे तो राममंदिर सबका है क्योंकि राम किसी के साथ भेदभाव नहीं करते है, राम सबके है। लेकिन यह बात बार-बार इसलिए दोहराई जा रही है ताकि राम मंदिर आंदोलन से लेकर निर्माण तक विशेष कार्य करने वाली पार्टी को जो श्रेय मिल रहा है उसे कम किया जा सके। विपक्षी राजनितिक दलों के नेता राममंदिर को सियासी इसलिए बना रहे है ताकि महोत्सव में किसी न किसी प्रकार का विवाद खड़ा हो जाये। इन्हे सुनकर ये कहा जा सकता है कि सियासी लोग अभी तक राम मंदिर के निर्माण के राष्ट्रीय कार्य को मन से स्वीकार नहीं कर पाए है। कहा तो ये भी जा रहा है कि राम मंदिर 2024 के सियासी 'दंगल' में अहम रोल निभाएगा. लेकिन ये एक अलग विषय है इसे छोड़ दीजिये ये सोचकर कि आखिर रामजी किसका करेंगे बेड़ा पार? धर्म में आस्था सर्वोपरि होती है, इसका सियासत से क्या रिश्ता? वक्त बताएगा।

फिलहाल नव वर्ष में नई अयोध्या 21वीं सदी के सबसे बड़े सामाजिक-सांस्कृतिक और धार्मिक उत्कर्ष का गवाह बनने जा रही है। लाखों रामभक्तों और श्रद्धालुओं के मन की मुराद भी पूरी करने जा रही है, जो सैकड़ों वर्षों से रामलला को दिव्य-भव्य नए मंदिर में विराजने का इंतजार कर रहे हैं। अयोध्या दिन-रात संवर रही है, सज रही है। यह अवसर न सिर्फ इस धार्मिक नगरी के लिए आध्यात्मिक दृष्टि से उत्कर्ष का होगा, बल्कि अवध की अर्थव्यवस्था का बड़ा आधार बन जाएगा।

जापान विमान हादसे से सबक़

रजनीश कपूर

दुनिया भर में विमान यात्राएँ हर दिन बढ़ती जा रहीं हैं। विमान में यात्रा करते समय आपको आपातकाल के नियमों से परिचित भी कराया जाता है। परंतु जो भी हवाई यात्री अधिक यात्राएँ करते हैं वो विमान में दिये जाने वाले सुरक्षा व आपात नियमों को न तो ध्यान से पढ़ते हैं और न ही ऐसी जानकारियों को ध्यान से सुनते हैं। इसलिए जब भी कभी कोई हादसा होता है तो उस समय अफ़रा-तफ़री का माहौल बन जाता है। परंतु कुछ दिन पहले हुए एक ख़तरनाक विमान हादसे में केवल 5 लोगों की मौत हुई जबकि 379 यात्रियों को आग के गोले में तब्दील हुए एक विमान से सुरक्षित निकाला गया। ऐसा केवल इसलिए संभव हो सका क्योंकि विमान के क्रू ने अपनी ट्रेनिंग में जो कुछ भी सीखा था, उस पर उस स्थिति में पूरी तरह से अमल किया। इसके साथ ही संयमित यात्रियों ने भी सभी सेफ्टी प्रोटोकॉल्स के पालन करने में कोई कमी नहीं छोड़ी। गत 2 जनवरी को जापान एयरलाइंस के फ्लाइट 516 जैसे ही हनेदा एयरपोर्ट पर लैंड कर रही थी, उसकी टक्कर वहां खड़े कोस्ट गार्ड के विमान से हो गई। कुछ ही क्षणों में जापान एयरलाइंस का विमान में भयंकर आग लग गई। संयमित यात्रियों और विमान के क्रू की सूझबूझ के कारण उसमे सवार सभी की जान बच गई।

जबकि कोस्ट गार्ड का विमान जो कि तुलनात्मक रूप से छोटा था, उस में सवार 6 में से 5 लोगों की मौत हो गई। जहां एक ओर हादसे की जाँच की जा रही है वहीं जापान एयरलाइंस के यात्रियों को जीवित निकालने की प्रशंसा दुनिया भर में हो रही है। इंटरनेट पर इस हादसे के जितने भी वीडियो दिखाई दे रहे हैं उनमें से किसी भी वीडियो में एक भी यात्री को अपना सामान साथ लिए नहीं देखा गया। ज़रा सोचिए कि अगर उस दुर्घटनाग्रस्त विमान के यात्री अपनी-अपनी सीट के ऊपर रखे सामान को निकालने की कोशिश करते तो ये कितना ख़तरनाक हो सकता था? यदि यात्री ऐसा करते तो विमान से बाहर निकालने की प्रक्रिया भी धीमी हो जाती। ग़ौरतलब है कि दुर्घटनाग्रस्त हुए विमान एयरबस 350 की स्थिति ने भी इवैकुएशन (आपात स्थिति में यात्रियों को निकालने की प्रक्रिया) को मुश्किल बना डाला। अन्य आपात लैंडिंग की तरह ये लैंडिंग वैसी नहीं थी। वरिष्ठ पायलट कैप्टेन पी सिंह के अनुसार, "विमान आग की लपटों से घिरा हुआ था। ऐसे में विमान के क्रू ने समझदारी का प्रदर्शन करते हुए केवल तीन आपातकालीन दरवाज़े ही खोले। यदि अन्य आपातकालीन द्वार भी खोले जाते तो यात्रियों को आपात स्थिति में बाहर निकालने के लिए लगाए गए इन्फ्लैटेबल स्लाइड्स शायद ठीक से नहीं खुल पाते।" हवाई यात्रा करने वाले यदि आपातकाल परिस्थितियों में इवैकुएशन की प्रक्रिया के बारे में सोच कर देखें तो उनके मन में भय और घबराहट आना स्वाभाविक है। जापान में जिस तरह से ये दो विमान आपस में टकरा कर आग में तब्दील हुए, हालात इससे कहीं अधिक बुरे हो सकते थे। वास्तविक स्थिति में ये सुनिश्चित नहीं किया जा सकता है कि दुर्घटना या आपातकाल की स्थिति के समय यात्री नहीं घबराएंगे। इसलिए फ्लाइट 516 के यात्रियों ने बिना घबराए जो कर दिखाया, उससे सभी को सबक़ लेने की ज़रूरत है। ऐसा संभव इसलिए हुआ क्योंकि विमान के क्रू और उनके निर्देशों का पालन कर रहे यात्रियों के बीच सही समन्वय था। विमान के चालक दल के सभी सदस्यों को इवैकुएशन और रेस्क्यू की कड़ी ट्रेनिंग से गुजरना पड़ता है। कमर्शल फ्लाइट्स में तैनाती से पहले विमान के क्रू को हफ़्तों तक चलने वाली ऐसी ट्रेनिंग लेनी अनिवार्य है।

इतना ही नहीं, नियमों के अनुसार उन्हें ऐसी ट्रेनिंग हर साल लेनी पड़ती है। इसके साथ ही विमान के क्रू को एक लिखित परीक्षा भी देनी पड़ती है। विमान हादसों की केस स्टडीज़ पर चर्चा भी होती है और अलग-अलग परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए प्रैक्टिकल ट्रेनिंग भी कराई जाती है। इसमें कई तरह के हालात को समझाया जाता है। जैसे कि पानी पर आपात लैंडिंग कराने की हालत में क्या किया जाना चाहिए। यदि विमान में आग लग जाए, तब क्या करना चाहिए। उल्लेखनीय है कि एविएशन के माणकों के तहत किसी भी यात्री विमान को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता लेने के लिए, उसे बनाने वाली कंपनी को यह भी साबित करना पड़ता है कि ज़रूरत पड़ने पर विमान में सवार प्रत्येक व्यक्ति को विमान में लगे आधे आपातकालीन द्वारों का इस्तेमाल कर, मात्र 90 सेकेंड में सुरक्षित बाहर निकाला जा सकता है। ऐसे में इवैकुएशन टेस्ट के समय कभी-कभी असली यात्रियों का भी इस्तेमाल किया जाता है। 2024 की शुरुआत में जापान के हानेडा अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट पर जो हुआ वह एक अच्छी ट्रेनिंग और जापानी यात्रियों के संयम और आपात स्थिति का सामना करने की गंभीरता के चलते ही संभव हुआ।

फोकटगिरी का शौक पालिए

सुनील कुमार महला

फोकटगिरी आखिर किसको पसंद नहीं है ? मतलब सबको पसंद है। फोकट में किसी को भी कोई चीज मिल जाए तो धर्म-ईमान की ऐसी की तैसी। आजकल बाजार फोकटगिरी के आधार पर ही तो दिन-प्रतिदिन फल-फूल रहा है। हर कहीं फोकटगिरी बिछी पड़ी है। बाय वन गेट वन फ्री, बाय श्री गेट टू फ्री, ट्वेंटी फाइव परसेंट फ्री,सिक्सटी फाइव परसेंट फ्री। जी हां फ्री,फ्री फ्री। सड़क से लेकर माल्स तक, शहर-शहर, दुकान -दुकान, डी-मार्ट,सी-मार्ट, के-मार्ट, बिग बाजार जित देखो तित फोकटगिरी हवा में तैर रही है।

आइए आइए और फ्री में ले जाइए। सबकुछ फ्री है। दस हजार के आइटम खरीदो, दो हजार के कूपन फ्री ले जाओ। फ्री की बहार है। फ्री से प्यार है। राजनीति हो या व्यापार सबजगह फ्री का बोलबाला है। राजनीति में फ्री की रेवड़ियां बंटती हैं और व्यापारी हर आइटम बेचने के लिए फ्री का जाल बिछाते हैं। फ्री का सम्मोहक राग है। फ्री में दिखता सबको फाग है। ग्राहकों को पता नहीं कि ये तो भयंकर आग है। लेकिन आज फ्री की भागम भाग है। फ्री का माल बटोरिये और बन जाइए चटोरिये।

ग्राहकों को फ्री का चारा डालो और सबकुछ लूट डालो। हींग लगे न फिटकरी, धंधा चोखा चलता। व्यापारी और राजनीतिज्ञों के मौज है, दोनों का धंधा खूब फलता। फ्री का शाट है, फ्री में ही नोट हैं। फ्री का जादू चलाओ और सब गल्ल-गप (हड़प) कर जाओ। धोती के साथ रूमाल फ्री,आटे के साथ चावल, पिज्जा के साथ बर्गर फ्री, दिल सभी का मचलावत। फ्री का शोर है, फ्री का जोर है। ये दिल मांगे मोर है। फ्री में घपला है। फ्री वाले चपला(चंचल) है। फ्री सब अपना है और फ्री का नाम जपना है। कुर्सी पूजक जीव फ्री का धंधा चलाते और वोट पर वोट हासिल कर जाते। फ्री वाले व्यापारी फ्री की धुन बजाते। बैठ दुकान में मौज उड़ाते। फ्री का माडल जब बाजार में चलता अच्छा।

आदमी के पास रहता नहीं तब बनियान और कच्छा। हर गली गली, सड़क सड़क आज फ्री का संगीत बज रहा। वो देखो फ्री की दुकान चलाने वाला पल पल हंस रहा। आइए आइए आप भी फ्री के चक्कर में फंस जाइए। फ्री मिल रहा है सबकुछ ईश्वर - अल्लाह का शुक्र मनाइए। आइए आइए इस फ्री को झोली में भर लें और हम भी इस जीवन रूपी वैतरणी में तर लें। फ्री की तान छिड़ी है। जनता फ्री के लिए उमड़ी है। फ्री पाने के लिए बहुत भीड़ है। हर तरफ़ उठ रहे 'भचीड़' हैं। फ्री की रेवड़ियों में जान है, क्या आपको इस बात का ज़रा सा भी भान है। फ्री का काम महान है। फ्री की बंशी से आदमी को सुकून सारा मिलता। जो न फंसा फ्री में, बाद में हाथ ही रह जाता मलता। फ्री का माल जनता के लिए कल्याणकारी है। फैली फ्री की महामारी है। महामारी जरूर है लेकिन आप इस महामारी से बिल्कुल भी न घबरायें। ये महामारी बुरी नहीं अच्छी है। ये आदमी की जेब काटती है लेकिन जेब काटकर भी बहुत कुछ फ्री बांटती है। अंत में आप सभी को फोकट की एक सलाह। हम तो आप सभी से यही कहेंगे कि अजी !फोकटगिरी का शौक जिंदगी में जरूर पालिए। अजी ! फोकटगिरी की बातों को यूं ही नहीं टालिए। फोकटगिरी को एक बार नहीं बार-बार अपनायें और महंगाई के इस युग में जिंदगी को सफल बनाएं। जय राम जी की।

स्वामी विवेकानंद के जन्म पर विशेष

स्वामी विवेकानंद को कैसे हुई धर्म और अध्यात्म के प्रति रुचि

25 साल में बन गए संन्यासी

स्वामी विवेकानंद का जन्म 12 जनवरी 1863 को कोलकाता में हुआ था।

हर साल उनके जन्मदिन को राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाया जाता है। क्योंकि स्वामी विवेकानंद के आदर्श, विचार और काम युवाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं। स्वामी विवेकानंद के मानवहितकारी चिंतन और कर्म कालजयी हैं, वो खुद एक प्रकाश स्तंभ के समान हैं। वे भारतीय संस्कृति और युगीन समस्याओं के समाधायक, आध्यात्म और विज्ञान के समन्वयक और आध्यात्मिक सोच के साथ ही दुनिया को वेदों व शास्त्रों का ज्ञान देने वाले महान युगपुरुष थे। स्वामी विवेकानंद अपनी माटी और संस्कृति के प्रति पूरी तरह से समर्पित थे। कम उम्र में ही उन्होंने प्रखर ज्ञान अर्जित कर लिए थे।

लेकिन ज्ञान प्राप्त करने के साथ ही स्वामी विवेकानंद को कम उम्र में ही जीवन से संबंधित गूढ़ रहस्यों का पता चल गया था, कम उम्र में ही वो वैराग्य की ओर आकर्षित हुए और महज 25 वर्ष की आयु में ही उन्होंने धर्म व संन्यासी मार्ग को चुना। लेकिन दुखद बात यह रही कि, कम उम्र में ही उनकी मृत्यु भी हो गई। महज 39 साल की आयु में स्वामी विवेकानंद की मृत्यु हो गई। लेकिन उनकी कीर्ति युगों-युगों तक जीवंत रहेगी।

25 साल की आयु में संन्यासी बन गए स्वामी विवेकानंद

स्वामी विवेकानंद को धर्म को अध्यात्म के प्रति गहरा लगाव था। महान संत और आध्यात्मिक गुरु रामकृष्ण परमहंस स्वामी विवेकानंद के गुरु थे। स्वामी विवेकानंद ईश्वर की खोज में थे और तभी उनकी मुलाकात रामकृष्ण परमहंस से हुई। दरअसल एक स्वामी विवेकानंद के जीवन में एक समय ऐसा आया कि, पिता की मृत्यु के बाद उनके घर-परिवार को आर्थिक संकटों से जूझना पड़ा। ऐसे में उन्होंने अपने गुरु रामकृष्ण परमहंस से कहा कि, वे ईश्वर से प्रार्थना करें कि उनकी आर्थिक स्थिति सुधर जाए।

तब रामकृष्ण परमहंस ने कहा कि, वो स्वंय ही ईश्वर को अपनी समस्या बताए और इसके लिए प्रार्थना भी स्वयं करे। अपने गुरु के कहने पर स्वामी विवेकानंद मंदिर गए और ईश्वर से विवेक व वैराग्य के लिए प्रार्थना की। इसी दिन से स्वामी विवेकानंद को धर्म व अध्यात्म में रुचि हुई और वो तपस्यी जीवन की ओर आकर्षित हो गए। इसके बाद संन्यास एवं संतता उनके लिए संसार की चिंताओं से मुक्ति का मार्ग बन गया।

हिंदू धर्म को लेकर स्वामी विवेकानंद का कहना था कि, इस धर्म का संदेश लोगों को अलग-अलग धर्म-संप्रदायों के खांचों में बांटने के बजाय संपूर्ण मानवता को एक सूत्र में पिरोना है। गीता में भगवान कृष्ण भी यही संदेश देते हैं कि, 'अलग-अलग कांच से होकर हम तक पहुंचने वाला प्रकाश एक ही है।'

तुलसी को स्पर्श करने से पहले जान लें सही और गलत समय

अन्यथा बढ़ सकती हैं मुसीबतें

सनातन धर्म में तुलसी को बहुत ही पवित्र और पूजनीय पौधा माना जाता है, जिसमें धन की देवी लक्ष्मी का वास होता है। जो हर घर में पाई जाती है, माना जाता है कि घर में तुलसी रखने से देवी लक्ष्मी का वास होता है और धन संबंधी परेशानियां दूर हो जाती हैं।वास्तुशास्त्र में तुलसी से जुड़े कई नियम बताए गए हैं, जिनका पालन करना लाभकारी माना जाता है। अगर आपके घर में तुलसी का पौधा है तो वास्तु से जुड़े कुछ नियमों का पालन जरूर करें। माना जाता है कि ऐसा करने से लक्ष्मी की कृपा प्राप्त होती है जिससे आर्थिक तंगी और अन्य परेशानियों का सामना नहीं करना पड़ता है।

तुलसी से जुड़े वास्तु नियम-

वास्तु के अनुसार घर में लगा हुआ तुलसी का पौधा हमेशा हरा-भरा रहना चाहिए क्योंकि यह धन और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। अगर यह पौधा सूख जाता है तो यह शुभ नहीं माना जाता है, ऐसे में इसकी देखभाल करना जरूरी है। वास्तु के अनुसार यह भी कहा जाता है कि तुलसी का सही दिशा में होना जरूरी है। घर के उत्तर-पूर्व कोने में तुलसी का पौधा लगाना शुभ माना जाता है, ऐसा करने से घर में शुभ प्रवेश होता है और परेशानियां दूर रहती हैं। तुलसी के पौधे के लिए वास्तु टिप्सः अगर घर में तुलसी का पौधा सूखा है तो उसे जल्द से जल्द हटाकर किसी साफ नदी में बहा देना चाहिए। ऐसा माना जाता है कि सूखी तुलसी को ज्यादा समय तक घर में नहीं रखना चाहिए। भूलकर भी तुलसी को घर की छत पर नहीं रखना चाहिए, ऐसा करने से आर्थिक परेशानियां और परेशानियां आती हैं।

घर में इस दिशा में लगाएं श्री राम दरबार की तस्वीर

खुल जाएगा बंद किस्मत का ताला

सनातन धर्म में वास्तु शास्त्र का अधिक महत्व है। ऐसा माना जाता है कि वास्तु के नियमों का पालन करने से घर में हमेशा सकारात्मक ऊर्जा का वास रहता है और सुख-समृद्धि बनी रहती है। लोग अपने घरों में अपने पसंदीदा देवी-देवताओं की तस्वीरें स्थापित करते हैं, लेकिन तस्वीरें स्थापित करते समय वे वास्तु शास्त्र के नियमों का पालन नहीं करते हैं, जिसके कारण उन्हें जीवन में समस्याओं का सामना करना पड़ता है। ऐसा माना जाता है कि घर में श्रीराम दरबार की तस्वीर सही दिशा में लगाने से सुख-शांति आती है। यदि श्रीराम दरबार की तस्वीर गलत दिशा में लगाई जाए तो जीवन में दुखों का सामना करना पड़ता है। आइए जानते हैं वास्तु शास्त्र के अनुसार घर में श्रीराम दरबार की तस्वीर किस दिशा में लगाना शुभ होता है।

श्री राम दरबार में भगवान श्री राम अपनी पत्नी सीता, भाई लक्ष्मण और भक्त हनुमान के साथ विराजमान हैं। यह दरबार भगवान राम के राज्य और उनके नियमों को दर्शाता है। प्रतिदिन राम दरबार की विधिपूर्वक पूजा करनी चाहिए, जिससे घर में सुख-शांति आती है। प्राचीन काल में भी लोग अपने घरों में राम दरबार की तस्वीरें लगाते थे। घर में श्री राम दरबार की तस्वीर लगाने से परिवार के सदस्यों के बीच सौहार्द्र का पता चलता है। सभी प्रकार के विवादों से मुक्ति मिलेगी। वास्तु शास्त्र के अनुसार घर के मंदिर की पूर्वी दीवार पर राम दरबार की तस्वीर लगानी चाहिए। ऐसा माना जाता है कि श्री राम दरबार को सही दिशा में रखने से परिवार के सदस्यों के बीच शांति बनी रहती है और वास्तु दोष से छुटकारा मिलता है। परिवार के सभी सदस्यों को प्रतिदिन राम दरबार के दर्शन करने चाहिए।

तोते के इस श्राप के कारण

माता सीता को सहना पड़ा था पति वियोग?

रामायण कई भाषाओं में लिखी गई है, जिनमे अलग अलग किस्से,कहानियां बताई गई हैं। इन्ही कथाओं में से एक कथा माता सीता के अपने पति प्रभु श्रीराम से वियोग को लेकर बताई गई है कि किस कारण माता सीता को अपने पति से अलग होना पड़ा था। धार्मिक कथाओं के अनुसार के कहा जाता है कि माता सीता जब छोटी थी तो उन्होंने गलती से किसी मादा तोते को अपने पास कैद कर लिया था। जिस कारण उसके नर तोते ने दुखी होकर माता सीता को श्राप दे दिया था। आइए इस धार्मिक कथा के बारे में विस्तार से जानते हैं।

तोते ने क्यों दिया था माता सीता को श्राप?

धार्मिक कथाओं के अनुसार, बचपन में माता सीता अपनी सखियों के साथ एक बगीचे में खेल रहीं थीं। तब अचानक उनका ध्यान पेड़ पर बैठे तोता तोती के जोड़े पर गया। ये जोड़ा माता सीता और प्रभु श्रीराम को लेकर आपस में बातें कर रहा था, जिसे माता सीता छुपकर सुनने लगीं। तोता तोती आपस में बातें कर रहे थे कि भविष्य के महान राजा श्रीराम जन्म ले चुके हैं। वे एक महान प्रतापी राजा बनेंगे और उनका विवाह राजा जनक की पुत्री राजकुमारी सीता से होगा।

तोते के जोड़े से अपने बारे में सुनकर माता सीता आश्चर्यचकित होकर उनके पास पहुंची और तोते के जोड़े से कहा कि जिस राजकुमारी सीता की आप दोनों बात कर रहे हैं , वे ही जनक पुत्री राजकुमारी सीता हैं। आप दोनों को मेरा भविष्य कैसे पता है। तब तोते ने कहा कि वो और उसकी पत्नी दोनो ही महर्षि वाल्मीकि के आश्रम के पेड़ पर रहते थे। महर्षि वाल्मीकि ही ये सब बातें अपने शिष्यों को बताया करते थे जिसे हम दोनो भी सुनते थे। ये सब बातें हमें रटी हुई हैं।

अपने भविष्य के बारे में और ज्यादा जानने की इच्छा से माता सीता ने तोते के जोड़े को अपने साथ महल में रखने की इच्छा जताई, जिसे तोते ने अस्वीकार कर दिया। माता सीता अपनी जिद पर अड़ी रहीं और दोनों को पकड़ने की कोशिश की। तब नर तोता तो उड़ गया पर उसकी पत्नी मादा तोता सीता माता की पकड़ में आ गईं।

जब श्राप बना माता सीता और प्रभु श्रीराम के वियोग का कारण?

अपनी पत्नी को मुक्त करने के लिए तोते ने माता सीता से प्रार्थना करी की उसकी पत्नी इस समय गर्भवती है इसलिए उसे छोड़ दें पर माता सीता उस वक्त छोटी थीं। इसलिए उन्होंने इंकार कर दिया। तब नर तोते ने माता सीता को श्राप दिया की आपकी वजह से जिस प्रकार मुझे अपनी गर्भवती पत्नी से अलग होना पड़ रहा है,उसी तरह से आपको भी गर्भवती होने पर अपने जीवनसाथी का वियोग सहना पड़ेगा। इतना कहकर नर तोते ने प्राण त्याग दिए थे। बताया जाता है तोते के श्राप की वजह से ही माता सीता को प्रभु श्रीराम अलग होना पड़ा था।

बाबा खाटू श्याम के धड़ और सिर अलग-अलग शहरों में

महाभारत कथा

बाबा खाटू श्याम को एक नहीं बल्कि कई नामों से जाना जाता है। कलयागा में बाबा खाटू श्याम को भगवान कृष्ण का अवतार मानते हैं। दरअसल बाबा खाटू श्याम की मान्यता द्वापर युग से पहले महाभारत युद्ध से चली आ रही है। बाबा खाटू श्याम पांडव वंश के थे। दरअसल, वह पांडवों में से एक, भीम के परपोते और घटोत्कच के पुत्र थे। बचपन में लोग उन्हें बर्बरीक कहते थे। बर्बरीक ने बाल रूप में शक्ति माता की आराधना की। जिसके बाद माता ने प्रसन्न होकर बर्बरीक को तीन अभेद्य बाण दिये। यही कारण है कि बर्बरीक को तीन वचन भी कहा जाता है। आइए विस्तार से बताते हैं कि बाबा खाटू श्याम का सिर और धड़ क्यों अलग हो गए थे और वे कहां स्थापित हैं। साथ ही उन्हें यह भी पता चलेगा कि उनकी इतनी पूजा क्यों की जाती है।

राजस्थान में खाटू श्याम के शीश की पूजा की जाती है

बाबा खाटू श्याम का मंदिर राजस्थान के सीकर जिले में है। जहां खाटू श्याम के शीश की पूजा की जाती है। यहां प्रतिदिन लाखों श्रद्धालु दर्शन के लिए आते हैं।

हरियाणा में धाद की पूजा की जाती है

बता दें कि बाबा खाटू श्याम के पार्थिव शरीर की पूजा हरियाणा के हिसार जिले के गांव बीड़ में की जाती है। श्याम के धड़ की पूजा करने के लिए लोग दूर-दूर से यहां पहुंचते हैं। जहां उनकी मनोकामना पूरी होती है।

बाबा के सिर और धड़ अलग होने की रोचक कहानी

महाभारत युद्ध के दौरान भगवान कृष्ण ने बर्बरीक से उसका सिर मांग लिया, जिसके बाद वीर बर्बरीक ने सिर को धड़ से अलग कर भगवान कृष्ण को दान कर दिया। इससे भगवान कृष्ण इतने प्रसन्न हुए कि उन्होंने बर्बरीक को आशीर्वाद दिया कि कलियुग में उनकी पूजा उनके नाम से की जाएगी। इसके बाद ही राजस्थान में बर्बरीक का राज स्थापित हुआ। जहां आज भी इसकी पूजा बड़े धूमधाम से की जाती है।

विष्णु जी के 7वें अवतार थे भगवान राम, क्यों उन्हें क्यों कहा जाता है सूर्यवंशी

मर्यादा पुरषोत्तम श्रीराम राजा दशरथ और कौशल्या के सबसे बड़े पुत्र थे। सनातन धर्म में विश्वास रखने वाले प्रभु श्रीराम में अपनी भरपूर आस्था रखते हैं। हिंदू धर्म में धार्मिक पुस्तक और ग्रंथों में ऐसा उल्लेख मिलता है कि प्रभु श्रीराम भगवान विष्णु के 7वें अवतार थे। इन्हें सूर्यवंशी भी कहा जाता है। आखिर प्रभु श्रीराम को विष्णु का अवतार क्यों कहा जाता है और इनका सूर्यवंश से कैसा जुड़ाव है।भगवान राम को मानव रूप में पूजे जाने वाले सबसे पुराने देवता माना जाता है। बता दें कि भगवान राम का जन्म त्रेता युग में हुआ था। ऐसा माना जाता है कि त्रेता युग आज से 1,296, 000 साल पहले समाप्त हो गया था। त्रेता युग के भगवान राम के अलावा भगवान विष्णु ने वामन और परशुराम के रूप में अवतार लिया था।

क्यों कहा जाता है सूर्यवंशी?

भगवान राम का जन्म इक्ष्वाकु वंश में हुआ था, जिसकी स्थापना सूर्य के पुत्र राजा इक्ष्वाक ने की थी, इसलिए भगवान राम को सूर्यवंशी भी कहा जाता है। भगवान विष्णु का 394वां नाम राम है। विष्णु सहस्त्रनाम नामक पुस्तक में भगवान विष्णु के एक हजार नामों को सूचीबद्ध करती है। भगवान राम का नाम महर्षि वशिष्ठ ने रखा गया था। गुरु वशिष्ठ के अनुसार, राम शब्द दो बीजाणुओं- अग्नि बीज और अमृत बीज से बना है। यह नाम मन, शरीर और आत्मा को शक्ति प्रदान करता है। भगवान राम का तीन बार उच्चारण हजारों देवताओं को याद करने जैसा है।

भगवान विष्णु ने क्यों लिया श्रीराम का अवतार?

महाभारत में यह वर्णन मिलता है कि एक बार भगवान शिव ने कहा कि राम के नाम का तीन बार पाठ करने से हजार देवताओं के नामों के उच्चारण के बराबर कृपा मिलती है।पौराणिक कथाओं के अनुसार, एक बार सनकादिक मुनि भगवान श्रीहरि का दर्शन करने के लिए वैकुंठ पहुंचे। उस समय दो द्वारपाल- जय और विजय पहरा दे रहे थे, जब सनकादिक मुनि द्वार से होकर जाने लगे तो जय और विजय ने उनकी हंसी उड़ाते हुए रोक लिया। जिसके बाद क्रोधित होकर सनकादिक मुनि ने

उन दोनों को तीन जन्मों तक राक्षस कुल में जन्म लेने का श्राप दे दिया। दोनों ने मुनि से क्षमा मांगी लेकिन सनकादिक मुनि ने कहा कि तीन जन्मों के बाद तुम्हारा अंत विष्णु जी ही करेंगे, इसके बाद ही तुम्हें मोक्ष की प्राप्ति होगी। इस प्रकार पहले जन्म में जय और विजय ने हिरण्यकशिपु और हिरण्याक्ष के रूप में जन्म लिया, जिसमें श्रीहरि ने नराह अवतार लेकर उन दोनों का अंत किया। दूसरे जन्म में जय और विजय ने रावण और कुंभकर्ण के रूप में जन्म लिया और भगवान विष्णु ने श्रीराम का अवतार लेकर इन दोनों का वध किया। तीसरे जन्म में दोनों ने शिशुपाल और दंतवक्र के रूप में जन्म लिया, जिसमें विष्णु जी नेभगवान श्रीकृष्ण का रूप लेकर ने इनका वध किया।

मणिरत्नम संग काम करने के लिए बेताब दिखे शाहरुख खान, बोले- 'ट्रेन क्या प्लेन पर भी नाच लूंगा'

सुपरस्टार शाहरुख खान ने साल 2023 में बॉक्स ऑफिस पर दमदार तरीके से बॉक्स ऑफिस पर वापसी की। साल 2023 में रिलीज हुईं शाहरुख खान की तीनों फिल्में 'पठान' 'जवान' और 'डंकी' बॉक्स ऑफिस पर हिट रहीं। इसी के चलते किंग खान को अभी हाल ही में सीएनएन न्यूज 18 'इंडियन ऑफ द ईयर' अवॉर्ड दिया गया। किंग खान की फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर जमकर कमाई की है।

इस अवॉर्ड को लेने बाद किंग खान ने एक स्पीच दी है। जिसमें किंग खान अपने बुरे दौर को लेकर बात करते हुए नजर आए। साथ ही साथ उन्होंने फेमस डायरेक्टर मणि रत्नम से इस अवॉर्ड के दौरान अपनी अगली फिल्म में उन्हे कास्ट करने के

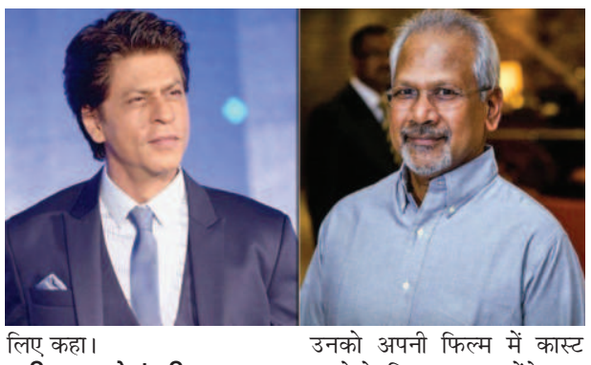

लिए कहा।

मणि रत्नम ने संग फिल्म करना चाहते हैं शाहरुख खान

शाहरुख खान को अभी हाल ही में सीएनएन न्यूज 18 'इंडियन ऑफ द ईयर' को नवाजा गया है। इस अवॉर्ड शो के दौरान कई बड़े स्टार्स पहुंचे थे। इस दौरान फेमस डायरेक्टर मणि रत्नम भी वहां नजर आए। अवॉर्ड लेने के बाद किंग खान ने मणि रत्नम से उनको अपनी फिल्म में कास्ट करने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि मैं आपसे रिक्वेस्ट कर रहा हूं, भीख मांग रहा हूं, आप मेरे साथ मूवी करिए। इस बार ट्रेन नहीं प्लेन पर प्लेन पर आपके लिए 'छईयां-छईयां' करने को तैयार हूं।' शाहरुख खान की इस बात का जवाब देते हुए मणि रत्नम करते हैं कि वो उन्हें तब कास्ट करेंगे, जब प्लेन खरीद लेंगे। शाहरुख खान ने कहा अगर मैं प्लेन खरीद लूं तो, उन्होंने कहा फिर हम पक्का साथ में काम करेंगे। इसके बाद किंग खान ने मजेदार अंदाज में एक बात कही। शाहरुख खान ने कहा कि 'जिस हिसाब से मेरी फिल्में चल रही है, वो दिन दूर नहीं है, जब मैं अपना प्लेन भी खरीद लूं।'

इस फिल्म में मणि रत्नम के साथ काम कर चुके हैं शाहरुख खान

मणिरत्नम और शाहरुख खान फिल्म 'दिल से' में साथ काम किया था। ये फिल्म साल 1998 में बड़े पर्दे पर रिलीज हुई थी। फिल्म 'दिल से' का गाना 'छईयां-छईयां' आज भी काफी चर्चा में रहता है। मणि रत्नम और शाहरुख खान को लेकर आपकी क्या राय है, कमेंट कर के हमें जरूर बताएं।

प्रियंका चाहर चौधरी ने इंटरनेट पर लगाई आग एक्ट्रेस की बोल्डनेस देख फटीं ट्रोल्स की आंखें

टीवी सीरियल उड़ारियां के बाद बिग बॉस 16 में नजर आईं प्रियंका चाहर चौधरी किसी न किसी वजह से लाइमलाइट में बनी रहती हैं। बिग बॉस 16 में प्रियंका रनरअप रही थीं। इस शो में एक्ट्रेस की पॉपुलैरिटी को चार चांद लग गए थे। एक्ट्रेस अपने फैंस से कनेक्ट होने का एक भी मौका नहीं छोड़ती हैं। प्रियंका कई बार अपनी खूबसूरत फोटोज शेयर कर फैंस को खुश कर देती हैं और अब इस बार एक्ट्रेस ने अपना बिकीनी लुक दिखाकर इंटरनेट का पारा बढ़ा दिया है। प्रियंका की फोटो को फैंस काफी पसंद कर रहे हैं।

प्रियंका चाहर चौधरी ने बिकिनी पहन लगाई आग

दरअसल, प्रियंका चाहर चौधरी ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर काफी समय बाद बिकिनी लुक में बोल्ड फोटो शेयर की है। इस फोटो में

एक्ट्रेस अपनी मदहोश अदाएं दिखा रही हैं। इस फोटो में देखा जा सकता है कि एक्ट्रेस ब्लैक एंड व्हाइट वाले प्रिंट की बिकिनी पहने हुए हैं और चेहरे को कैमरे से दूसरी ओर मोड़ रखा है। इस दौरान प्रियंका का एक हाथ बालों में हैं और वह बेहतरीन एक्सप्रेशन दे रही हैं। इस तस्वीर में प्रियंका का कर्वी फिगर देखने लायक है। एक्ट्रेस की इस फोटो ने इंटरनेट पर तहलका मचा दिया। प्रियंका की इस फोटो पर फैंस धड़ाधड़ कमेंट कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, 'गॉर्जियस एंड ब्यूटीफुल।' दूसरे ने लिखा, 'अमेजिंग और वंडरफुल।' इसी तरह एक फैन ने प्रियंका को शनशाइन का टैग दिया है।

एकता कपूर संग काम कर रही हैं प्रियंका चाहर चौधरी

प्रियंका चाहर चौधरी कुछ समय पहले ही अस्पताल में भर्ती होकर आई हैं। एक्ट्रेस को तबीयत काफी ज्यादा खराब होने के बाद अस्पताल में भर्ती करवाना पड़ गया था। हालांकि, वह चंद दिनों में ठीक होकर अस्पताल से घर लौट आईं। बता दें कि प्रियंका अपने अपकमिंग प्रोजेक्ट का ऐलान कर चुकी हैं। वह एकता कपूर के वेब शो 'दस जून की रात' में लीड रोल में नजर आने वाली हैं। इस वेब सीरीज में प्रियंका का साथ स्क्रीन पर तुषार कपूर नजर आएंगे। एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम पर सेट से क्लैपबोर्ड की फोटो शेयर कर नए प्रोजेक्ट का ऐलान किया था।

वेदांग रैना संग 'मेरी क्रिसमस' की स्क्रीनिंग पर पहुंचीं खुशी कपूर

'द आर्चिज' फिल्म एक्ट्रेस खुशी कपूर इन दिनों सोशल मीडिया पर काफी सुर्खियों में हैं। इसकी वजह उनकी कोई फिल्म नहीं बल्कि उनकी खुशी कपूर की लव लाइफ है। खुशी कपूर का कुछ दिनों पहले एक वीडियो सामने आया था, जिसमें वो परिवार के साथ एयरपोर्ट पर दिखाई दी थी। खुशी कपूर के एयरपोर्ट से बाहर आने के बाद उनके रूमर्ड बॉयफ्रेंड वेदांग रैना भी नजर आए थे। इसके बाद वेदांग रैना और खुशी कपूर के अफेयर को लेकर चर्चा शुरू हो गई थी। अब इन सब के बाद वेदांग रैना और खुशी कपूर फिर एक साथ स्पॉट हुए हैं। वेदांग रैना और खुशी कपूर साथ में कटरीना कैफ की अपकमिंग फिल्म 'मेरी क्रिसमस' की स्क्रीनिंग पर पहुंचे थे। वेदांग रैना और खुशी कपूर का ये वीडियो आते ही छा गई है।

वेदांग रैना संग नजर आईं खुशी कपूर

वेदांग रैना और खुशी कपूर अभी हाल ही में साथ में स्पॉट हुए। वेदांग रैना और खुशी कपूर का ये वीडियो आते ही सोशल मीडिया पर छा गया है। इस वीडियो में खुशी कपूर और वेदांग रैना की जोड़ी काफी धांसू लग रही है। इस वायरल हो रहे वीडियो में वेदांग रैना और खुशी कपूर दोनों काफी खुश दिखाई दिए।

इस दौरान खुशी कपूर डीपनेक ड्रेस में दिखाई दीं, तो वहीं हर बार की तरह वेदांग रैना इस बार भी कूल लुक में दिखाई दिए। आपको बता दें कि वेदांग रैना और खुशी कपूर का ये वीडियो विजय सेतुपति और कटरीना कैफ की अपकमिंग फिल्म 'मेरी क्रिसमस' के दौरान का है। खुशी कपूर और वेदांग रैना के इस वीडियो के आने के बाद एक बार फिर दोनों के अफेयर को खूब हवा मिल रही है।

खुशी कपूर-वेदांग रैना की वीडियो पर लोगों ने किए ये कमेंट्स

खुशी कपूर और वेदांग रैना की इस वीडियो पर लोग जमकर कमेंट्स करते हुए नजर आए। किसी को खुशी कपूर और वेदांग रैना की जोड़ी काफी पसंद आ रही है, तो कोई इन दोनों को ट्रोल करता दिखाई दिया।

आपको बता दें कि खुशी कपूर ने कुछ दिनों पहले करण जौहर के चैट शो कॉफी विद करण में वेदांग रैना को अपना दोस्त बताया था। खुशी कपूर और वेदांग रैना को लेकर आपकी क्या राय है, कमेंट कर के हमें जरूर बताएं।

'मेरी क्रिसमस' की स्क्रीनिंग पर अदित्य रॉय कपूर संग रोमांटिक हुईं अनन्या पांडे

फिर एक साथ स्पॉट हुए अनन्या-आदित्य

बॉलीवुड के जाने-माने स्टार अदित्य रॉय कपूर इन दिनों अपनी फिल्मों से ज्यादा अपनी लव लाइफ को लेकर सुर्खियों में है। अदित्य रॉय कपूर अक्सर अपनी रूमर्ड गर्लफ्रेंड अनन्या पांडे संग इवेंट में नजर आते हैं। जिसके बाद से अनन्या पांडे और अदित्य रॉय कपूर के अफेयर को हवा मिलती रहती है। इसी बीच अदित्य रॉय कपूर और अनन्या पांडे कटरीना कैफ इन दिनों अपनी अपकमिंग मूवी 'मेरी क्रिसमस' की स्क्रीनिंग पर पहुंचे थे। इस दौरान दोनों साथ नजर आए। इस इवेंट से अनन्या पांडे और अदित्य रॉय कपूर की वीडियो जमकर वायरल हो रही है। इस वीडियो में अनन्या पांडे और अदित्य रॉय कपूर बेहद प्यारे लग रहे हैं।

विवादित संवाद को लेकर 'अन्नपूर्णानी' के खिलाफ हुआ विरोध प्रदर्शन, निर्माताओं ने जारी किया बयान

साउथ अभिनेत्री नयनतारा की फिल्म 'अन्नपूर्णानी' के निर्माताओं के खिलाफ धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने का आरोप लगा है। इस मामले में फिल्म के निर्माताओं के खिलाफ मुंबई पुलिस ने एफआईआर भी दर्ज की थी। अब यह विवाद बढ़ता ही जा रहा है। 'अन्नपूर्णानी' में भगवान राम के खिलाफ विवादास्पद संवादों को लेकर नेटफ्लिक्स के कार्यालय के बाहर गुरुवार की सुबह मुंबई में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन किया गया। विश्व हिंदू परिषद के सदस्यों ने कार्यालय के बाहर नारेबाजी की और फिल्म को मंच से हटाने की मांग की।

कार्यकर्ताओं ने किया विरोध-प्रदर्शन

इंटरनेट पर कई वीडियो सामने आए हैं, जिनमें कार्यकर्ताओं को अपनी पार्टी के झंडे लहराते और नयनतारा की 'अन्नपूर्णानी' के बहिष्कार की मांग करते देखा जा सकता है। हालांकि, बाद में कार्यकर्ताओं को मुंबई पुलिस ने हिरासत में ले लिया और उन्हें साइट छोड़ने के लिए मजबूर किया गया। दरअसल, यह विवाद तब शुरू हुआ, जब कई राजनीतिक नेताओं ने निर्माताओं के खिलाफ भगवान राम का

अपमान करने का आरोप लगाया। फिल्म का एक किरदार अभिनेत्री से मांस खाने के लिए उकसाते हुए कहता है कि भगवान श्रीराम भी मांस खाने वाले थे।

निर्माताओं ने कही यह बात

जी स्टूडियोज 'अन्नपूर्णानी' के निर्माताओं में से एक है। अब भारी हंगामे के बाद जी स्टूडियोज ने एक बयान जारी किया, जिसमें वादा किया गया कि दृश्य को संपादित किया जाएगा और जब तक आवश्यक बदलाव नहीं किए जाते, तब तक फिल्म को नेटफ्लिक्स से हटा दिया जाएगा। बयान में कहा गया है, 'फिल्म के सह-निर्माता के रूप में हमारा हिंदुओं और ब्राह्मण समुदाय की धार्मिक भावनाओं को आहत करने का कोई इरादा नहीं है और हम संबंधित समुदायों की भावनाओं को हुई असुविधा और ठेस के लिए माफी मांगना चाहते हैं।'

निर्माताओं पर लगे कई आरोप

यह विवाद पहली बार तब सामने आया, जब शिवसेना नेता रमेश सोलंकी ने हिंदुओं की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के लिए 'अन्नपूर्णानी के निर्माताओं के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने अपने एक्स हैंडल पर लिखा था, 'ऐसे समय में जब पूरी दुनिया भगवान श्री राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा की प्रत्याशा में खुशी मना रही है, यह हिंदू विरोधी फिल्म अन्नपूर्णानी नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई है, जो जी स्टूडियो, नाद स्टूडियो और ट्राइडेंट आर्ट्स द्वारा निर्मित है। एक बेटी हिंदू पुजारी, बिरयानी पकाने के लिए नमाज अदा करता है। इस फिल्म में लव जिहाद को बढ़ावा दिया गया है। अभिनेता फरहान ने अभिनेत्री को यह कहकर मांस खाने के लिए उकसाया कि भगवान श्री राम भी मांस खाने वाले थे।' उन्होंने यह भी बताया कि फिल्म में अभिनेत्री के पिता एक मंदिर के पुजारी हैं, जो भगवान विष्णु के लिए भोग भी बनाते हैं, लेकिन उनकी बेटी को लेकर फिल्म में मांस पकाना, मुस्लिम से प्यार करना, रमजान इफ्तार के लिए जाना और नमाज अदा करना दिखाया गया है। साथ ही फिल्म पर लव जिहाद को बढ़ावा देने का भी आरोप लगाया गया।'

'चीथड़े उड़ाकर जाऊंगी', आयशा खान ने मुनव्वर फारुकी को दी धमकी, एक्स वाइफ को भी धोखा देने का लगाया आरोप

आयशा खान

सलमान खान के शो 'बिग बॉस 17' में हर दिन किसी ना किसी कंटेस्टेंट्स के बीच तीखी बहस देखने के लिए मिल ही जाती है। इन दिनों घर में सबसे ज्यादा विवाद अंकिता लोखंडे-विक्की जैन और आयशा खान-मुनव्वर फारुकी के बीच देखने के लिए मिल रहे हैं। जहां विक्की और अंकिता का रिश्ता टूटने की कगार पर पहुंचता नजर आ रहा है वहीं, एक के बाद एक आयशा खान, मुनव्वर को लेकर खुलासे कर रही हैं। अब हाल ही में दोनों के बीच तीखी बहस देखने के लिए मिली है।

उनका एक प्रोमो भी सामने आया है, जिसमें वो कहती दिख रही हैं कि शो से जाते-जाते चीथड़े उड़ाकर जाएंगी। उन्होंने कॉमेडियन की एक्स वाइफ को लेकर भी शॉकिंग खुलासा किया है।

दरअसल, 'बिग बॉस 17' के घर में बीते दिन जमकर हो हल्ला हुआ। मुनव्वर फारुकी ने निजी वजह बताते हुए आयशा खान को नॉमिनेट कर दिया और इस दौरान इनके बीच बात इतनी बढ़ गई कि आयशा ने 'बिग बॉस' खत्म होने के चंद दिनों पहले कॉमेडियन की जिंदगी का बड़ा राज खोल दिया। उन्होंने आंकता से बात करते हुए कि मुनव्वर शो में बाहर अपना किसी को रिश्ता भेजकर आए थे। वो यहीं नहीं रुकीं उन्होंने उनकी एक्स वाइफ को चीट करने का आरोप भी लगाया।

नाजिला सिताशी के साथ एक्स वाइफ को दिया धोखा

आयशा खान, मुनव्वर फारुकी से कुछ ज्यादा ही खफा थीं। ऐसे में जब दोनों का आमना-सामना हुआ तो बात तीखी बहस तक पहुंच गई। एक्ट्रेस अपना आपा खो बैठीं और घरवालों को बताया कि उन्होंने नाजिला सिताशी के साथ अपनी एक्स वाइफ को भी धोखा दिया था। आयशा ने दावा किया कि ये बाते उन्हें खुद नाजिला ने बताई थीं, जब वो उनके घर आई थीं। अब आयशा की ये सारी बातें सुनकर अंकिता लोखंडे शॉक्ड हो गईं और उन्होंने सवाल किया कि अगर ऐसा था तो उनकी एक्स वाइफ ने कुछ बोला क्यों नहीं? इस पर मुनव्वर को एक्स गर्लफ्रेंड ने कहा कि इस आदमी ने उनको गांव ले जाकर छोड़ दिया था। वो ऐसी जगह थी जहां से वो कुछ भी नहीं कर सकती थीं और अब उनकी दूसरी शादी भी हो गई।

मुनव्वर के लिए रोती थीं एक्स वाइफ

आयशा का गुस्सा यहीं नहीं थमता है वो आगे बताती हैं कि मुनव्वर की एक्स वाइफ रो-रोकर उनसे वीडियो कॉल पर सवाल करती थीं कि आखिर वो ऐसा क्यों कर रहे हैं और नाजिया के साथ क्यों बात कर रहे हैं क्यों उनके साथ रह रहे हैं?

इस पर आयशा मुनव्वर के रिएक्शन को लेकर बताती हैं कि वो उल्टा एक्स वाइफ से सवाल करते थे कि वो नाजिया को क्यों फोन करती हैं? एक्ट्रेस ये भी दावा करती हैं कि उन्होंने उनकी पत्नी के वीडियो कॉल की रिकॉर्डिंग भी देखी है, जो नाजिला ने उन्हें दिखाई है।

आयशा बोलीं- 'चीथड़े उड़ाकर जाऊंगी...'

सोशल मीडिया पर सामने आए प्रोमो में देखने के लिए मिल रहा है कि आयशा खान को मुनव्वर रोकने की कोशिश करते हैं लेकिन वो नहीं मानती हैं। बल्कि इस दौरान उनका गुस्सा सातवें आसमान पर पहुंच जाता है। वो उनसे कहती हैं, 'शो से जाते-जाते मैं चीथड़े उड़ाकर जाउंगी।' अब ऐसे में देखना ये होगा कि आयशा खान के आरोप में कितनी सच्चाई और इन सब पर मुनव्वर क्या कुछ कहते हैं।

मुनव्वर फारुकी

मनोज बाजपेयी को याद आए पुराने दिन, बोले- निर्देशक शेखर कपूर ने दी थी फिल्मों में जाने की सलाह

अभिनेता मनोज बाजपेयी की वेब सीरीज 'किलर सूप' आज नेटफ्लिक्स पर रिलीज हो गई है। अभिनेता आखिरी बार फिल्म 'जोरम' में नजर आए थे। इस फिल्म में उनके अभिनय की दर्शकों ने काफी सराहना की। हाल ही में, 'किलर सूप' की सह-कलाकार कोंकणा सेन शर्मा के साथ बातचीत में मनोज ने उन दिनों को याद किया जब निर्देशक शेखर कपूर ने उन्हें फिल्मों में किस्मत आजमाने के लिए कहा था।

अभिनेता ने कहा, 'मैं फिल्मों में अपनी किस्मत आजमाने के लिए मुंबई जाना चाहता था, लेकिन मैं रास्ता भटक गया। उस समय मैं दिल्ली में बहुत आनंद ले रहा था, लेकिन निर्देशक शेखर कपूर हम सभी को फिल्म बैंडिट क्वीन में ले गए। एक रात चंबल में हम उनके साथ आराम से बैठे थे, और फिर उन्होंने हम लोगों से कठिन सवाल पूछना शुरू कर दिया।' उन्होंने

हम सभी से पूछा, 'फिल्म खत्म होने के बाद आपकी क्या योजनाएं हैं?' और हम सभी ने एक सुर में कहा कि हम वापस जाएंगे और थिएटर करेंगे।'

अभिनेता ने आगे कहा, 'निर्देशक ने फिर हम लोगों से पूछा कि कल तुम्हारी शादी हो जाएगी, आपके परिवार की जिम्मेदारी उठाने के लिए पैसा कहां से आएगा? उनके सवाल का जवाब देते हुए मैंने कहा, 'कौन शादी करना चाहता है? उन्होंने फिर कहा कि मान लीजिए कि आप कल बीमार पड़ जाएंगे, तो फिर क्या करोगे। मनोज ने कहा कि उनके सवालों का हमारे पास कोई जवाब नहीं था, लेकिन वे सोच में पड़ गए।'

अभिनेता ने कहा, 'मैं निर्देशक की सलाह के बाद मुंबई चला गया। हालांकि, मुझे तुरंत उस तरह के प्रस्ताव नहीं मिले, जैसा मैं चाहता था, लेकिन निर्देशक राम गोपाल वर्मा से हुई अचानक मुलाकात के बाद मेरा जीवन बदल गया। उन्होंने मुझे फिल्म 'सत्या' में कास्ट किया, जिसने मुझे फिल्म स्टारडम तक पहुंचा दिया।'

मनोज बाजपेयी के वर्कफ्रंट की बात करें तो अभिनेता अपनी आगामी फिल्म 'द फैमिली मैन सीजन 3' को लेकर चर्चा में हैं। इस सीरीज का निर्देशन राज और डीके करने वाले हैं। मनोज ने हाल ही दिए एक इंटरव्यू में खुलासा किया था कि इस सीरीज की शूटिंग साल 2024 के फरवरी महीने में शुरू होगी। 'द फैमिली मैन सीजन 3' की ज्यादातर शूटिंग नॉर्थ-ईस्ट में की जाएगी।

'सेल्फी लेने के लिए थोड़ी आए हैं' हेमा मालिनी ने किया फैन के साथ फोटो खिंचवाने से इनकार, लोग बोले- किस बात का गुरूर

हिंदी सिनेमा की ड्रीमगर्ल हेमा मालिनी का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें वह फोटो खिंचवाने के नाम पर नाराज होती दिख रही हैं। हाल ही में हेमा मालिनी ने गुलजार की बायोग्राफी 'गुलजार साहबः हजार राहें मुड़के देखीं' के लॉन्च इवेंट में पहुंची थीं।

जहां एक फैन ने उनके साथ सेल्फी लेनी चाही, लेकिन अभिनेत्री ने मना कर दिया। सोशल मीडिया पर उनका ये वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें उन्हें कहते देखा जा सकता है,"सेल्फी लेने के लिए थोड़ी आए हैं।"

इस इवेंट का आयोजन लेखक गुलजार और फिल्ममेकर विशाल भारद्वाज ने किया था, जिसमें हेमा मालिनी समेत तमाम फिल्मी

सितारों को न्योता दिया गया था। इवेंट के इस वीडियो में हेमा को सफेद प्रिंटेड रेड बॉर्डर की बनारसी साड़ी में देखा जा सकता है। फैन ने हेमा से सेल्फी के लिए पूछा और हेमा ने बड़े ही एटीट्यूड में कहा,"फोटो... यहां सेल्फी लेने के लिए थोड़ी आए हैं।" ये कहकर वह आगे बढ़ जाती हैं। फैंस को अभिनेत्री का ये रवैया कतई पसंद नहीं आ रहा है।

लोग उनके बर्ताव की आलोचना कर रहे हैं वहीं कुछ लोगों ने उनकी तुलना जया बच्चन से की है। जिन्हें अक्सर पैपराजी के साथ रूड होते हुए देखा जाता है। वायरल वीडियो पर तमाम लोग कमेंट्स कर रहे हैं।

यूजर्स की प्रतिक्रिया

एक यूजर ने हेमा के इस वीडियो पर लिखा है,"किस बात का गुरूर है इन इंडस्ट्री वालों को मालूम नहीं।" एक यूजर ने लिखा,"मैडम को जाने दो, कोई जरूरत नहीं है फोटो खिंचवाने की।" वहीं कुछ यूजर्स उन्हें जया बच्चन की तरह बता रहे हैं।

आपको बता दें कि हाल ही में हेमा मालिनी 75 साल की हुई हैं। उनके परिवार ने इस दिन को खास बनाने के लिए ग्रैंड पार्टी रखी थी। जिसमें बॉलीवुड का हर एक सितारा शामिल हुआ था। जीतेंद्र, जया बच्चन, शबाना आजमी, पद्मिनी कोल्हापुरे, रेखा, अनुपम खेर समेत कई सितारे पार्टी का हिस्सा थे।

22 फरवरी को गोवा में फेरे लेंगे रकुल प्रीत और जैकी, मेहमानों के लिए होगी 'नो फोन पॉलिसी'

एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह और जैकी भगनानी की शादी को लेकर लंबे समय से चर्चा हो रही है। उनकी शादी की डेट और वेन्यू की डिटेल सामने आ गई है। ये कपल 22 फरवरी को गोवा के ze-roed में शादी करने वाला है। रिपोर्ट्स की मानें तो इनकी शादी का फंक्शन दो दिन का हो गा , जि स में परिवार औ र क री बी दोस्त शामिल हों गे । शा दी में प्राइवेसी का पूरा ख्याल रखा जाएगा।

रिपोर्ट के मुताबिक कपल के करीबी ने शादी से जुड़ी जानकारी दी है। सूत्र ने कहा, "शादी के फंक्शन गोवा में दो दिन तक चलेंगे। कपल अपनी शादी को प्राइवेट रखना चाहता है, लेकिन वह इस खास दिन पर अपने परिवार और दोस्तों के साथ यादें भी बनाना चाहते हैं। परिवार के साथ-साथ शादी में बॉलीवुड और साउथ दोनों इंडस्ट्री से जुड़े लोग शामिल होंगे।"

सूत्र ने ये भी बताया कि शादी में प्राइवेसी का ख्याल रखते हुए फोन ले जाने की अनुमति नहीं होगी। मेहमानों को नो फोन पॉलिसी का पालन करना होगा। "वो बहुत प्राइवेट लोग है, इसलिए वह अपनी प्राइवेसी के लिए ऐसा करने का विचार कर रहे हैं।"

थीम बेस्ड होगी कपल की शादी

सूत्र ने ये भी जानकारी दी की इनकी शादी में खास थीम होगी। "वो सजावट और थीम पर बारीकी से नजर रख रहे हैं। हर चीज उनकी पर्सनालिटी से मिलती जुलती होने वाली है।"

आपको बता दें कि कपल की तरफ से शादी को लेकर कोई जानकारी नहीं दी गई है। इस साल की शुरुआत में कपलल की शादी की खबरें आई थीं और वो भी उनके करीबी की तरफ से दी गई थी। सूत्र ने कहा था,"रकुल और जैकी 22 फरवरी को गोवा में शादी कर रहे हैं। वो शादी को लेकर जल्दी में हैं और वह चाहते हैं कि ये प्राइवेट वेडिंग हो।"

अभी 'इंतजार' कीजिए : न्यासा देवगन

फिल्मकार करण जौहर के चैट शो 'कॉफी विद करण' में हर बार कोई न कोई अंदर की बात बाहर जरूर आती है। गत दिनों उसके चैट शो पर अजय देवगन और डायरैक्टर रोहित शैट्टी मेहमान के तौर पर आए।

इस दौरान करण ने अजय से उसकी बेटी न्यासा देवगन की बॉलीवुड में एंट्री को लेकर सवाल पूछा, जिसका जवाब देते हुए अजय ने कहा कि उसकी बेटी न्यासा की अभी फिल्म इंडस्ट्री में आने की कोई योजना नहीं है। फिलहाल वह अभिनय की दुनिया में आना नहीं चाहती। उसने कहा, मुझे नहीं लगता कि वह ऐसा करना चाहती है, लेकिन कल अगर कुछ बदलाव होता है तो वे यह पुराना इंटरव्यू चलाएंगे कि अजय देवगन ने ऐसा कहा था लेकिन अभी इसकी शून्य प्रतिशत संभावना है। इसका मतलब यह हुआ कि अभी न्यासा को बॉलीवुड में आने में थोड़ी देरी है। हालांकि, न्यासा की सोशल मीडिया पर अभी से काफी लोकप्रियता है।

वहीं, रोहित शैट्टी ने खुलासा किया कि उसका बेटा ईशान फिल्मों में आने का इच्छुक है। उसने कहा, ₹हां, वह फिल्मों में आना चाहता है। उसने अपना मन बना लिया है। उसे उस पूरे प्रारूप से गुजरना होगा, जैसे कि मैं उससे कार और बाकी सब चीजें वापस लेने जा रहा हूं। उसे संघर्ष से गुजरना होगा और फिर मेरे ऑफिस तक पहुंचना पहुंचना होगा। इसके बाद जब करण जौहर ने रोहित से पूछा कि वह अपने बेटे और पत्नी को निजी क्यों रखते हैं और लोगों ने उन्हें क्यों नहीं देखा तो रोहित ने कहा, ₹अच्छी चीजों को छिपा कर रखा जाना चाहिए, हम ऐसे ही रहे हैं। मैंने अपने जीवन में कभी कोई पार्टी नहीं रखी। मैं खुद भी पार्टियों में कम ही जाता हूं।

प्यार किया तो 'डरना क्या' : पलक तिवारी

बॉलीवुड की कोई पार्टी हो या कोई इवेंट, पलक तिवारी और इब्राहिम अली खान को अक्सर एक साथ देखा गया है। दोनों के अफेयर की चर्चा बहुत दिनों से हो रही है। हालांकि, दोनों में से किसी ने भी अब तक इस पर चर्चा नहीं की है कि दोनों का स्टेटस अभी क्या है ? लेकिन जब भी दोनों को कहीं साथ में देखा जाता है, ये कयास लगने शुरू हो जाते हैं कि दोनों के बीच कुछ न कुछ खिचड़ी पक रही है। न्यू ईयर सेलिब्रेशन के दौरान एक बार फिर दोनों को एयरपोर्ट पर एक साथ देखा गया। दोनों ने नए साल की पूर्वसंध्या एक साथ बिताई और जब लोगों ने उनकी तस्वीरें खींचनी चाहीं तो पलक के साथ ही इब्राहिम ने भी अपना चेहरा हाथों से छिपा लिया।

बता दें कि इससे पहले 2022 में भी एक ऐसी ही घटना घटी थी, जब फोटोग्राफरों ने एक साथ उनकी तस्वीरें क्लिक करने की कोशिश की थीं और पलक बचने के लिए झुक गई थी जबकि इब्राहिम कैमरे के सामने गुरुकुराया था। ऐसा लगता है जैसे अब पासा पलट गया है। ऐसी अफवाह है कि दोनों डेटिंग कर रहे हैं। दोनों ने अभी तक अपने रिश्ते की पुष्टि नहीं की है लेकिन पलक अगर प्यार किया ही है तो भला इसमें डरना कैसा?

किसिंग सीन में बेकाबू हो गए थे ये स्टार्स, डायरेक्टर के कट बोलने के बाद भी चलता रहा रोमांस

बॉलीवुड इंडस्ट्री के सितारे फिल्मों में जमकर बोल्ड सीन्स देते हैं। ऐसा कई बार हुआ है कि किसी बोल्ड सीन को फिल्माने के दौरान सेलेब्स बेकाबू हो गए थे। इस लिस्ट में रणवीर सिंह और दीपिका पादुकोण जैसे सितारों का नाम शामिल हैं।

किसिंग सीन करते हुए होश खो बैठे थे ये बॉलीवुड स्टार्स

बॉलीवुड की कई ऐसी फिल्में हैं, जिसमें एक से बढ़कर एक बोल्ड सीन्स हैं। बता दें कि कई बार इन सीन्स को फिल्माते हुए बॉलीवुड सेलेब्स इतना डूब जाते है कि उनको रील और रीयल लाइफ में फर्क ही नहीं पता चलता। ये स्टार्स एक दूसरे में इस कदर खो गए कि इन्हें डायरेक्टर के कट बोलने की आवाज भी सुनाई नहीं दी थी। आज हम आपको बॉलीवुड लाइफ की इस रिपोर्ट में ऐसे ही सेलेब्स के बारे में बताने जा रहे हैं, जो बोल्ड सीन्स फिल्माने के दौरान बेकाबू हो गए थे।

टाइगर श्रॉफ-जैकलीन फर्नांडिस

फिल्म फ्लाइंग जट में टाइगर श्रॉफ और जैकलीन फर्नांडिस ने अपना जलवा बिखेरा था। जानकारी के मुताबिक जब टाइगर और जैकलीन एक किसिंग सीन की शूटिंग कर रहे थे तो दोनों बेकाबू हो गए थे।

दीपिका पादुकोण- रणवीर सिंह

फिल्म राम लीला में दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह ने कई इंटिमेट सीन्स दिए हैं। इस फिल्म

का सॉन्ग 'गोलियों की रास लीला' की शूटिंग के दौरान रणवीर और दीपिका एक दूसरे में डूब गए थे। डायरेक्टर के कट बोलने के बाद भी दोनों लगातार एक दूसरे को किस करते रहे।

सिद्धार्थ मल्होत्रा- जैकलीन फर्नांडिस

फिल्म ए जेन्टलमैन में भी एक किसिंग सीन की शूटिंग के दौरान सिद्धार्थ मल्होत्रा और जैकलीन फर्नांडिस एक दूसरे में खो गए थे।

रणबीर कपूर-एवलिन शर्मा

फिल्म ये जवानी है दिवानी में रणबीर कपूर को एवलिन शर्मा को

किस करना था। जब ये सीन फिल्माया जा रहा था तब रणबीर कपूर डायरेक्टर के कट बोलने के बाद भी एवलिन शर्मा को किस करते रहे।

विनोद खन्ना-डिंपल कपाड़िया

'प्रेम धरम' की शूटिंग के दौरान विनोद खन्ना भी अपना आपा खो बैठे थे। कट बोलने के बाद भी वो डिंपल कपाड़िया को किस करते रहे थे।

विनोद खन्ना-माधुरी दीक्षित

फिल्म 'दयावान' के एक सीन में विनोद को अपनी कोस्टार माधुरी को किस करना था। उस दौरान विनोद अपना होश खो बैठे थे।

जया प्रदा- दिलीप ताहिल

शूटिंग के दौरान दिलीप ताहिल ने अपना आपा खो दिया था। इसके बाद जया प्रदा ने उन्हें चांटा मार दिया था।

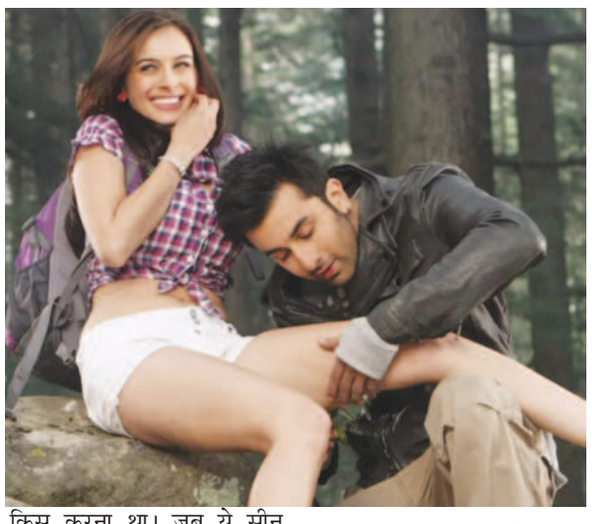

रूसलान मुमताज-चेतना

रूसलान मुमताज और चेतना ने फिल्म आई डोन्ट लव यू में कई बोल्ड सीन्स दिए थे। एक सीन को फिल्माने के दौरान दोनों ने सारी हदे पार कर दी थी।

रंजीत-माधुरी दीक्षित

प्रतिज्ञा की शूटिंग के दौरान रंजीत ने सारी हदें पार कर दी थीं। उनका ये अंदाज देख माधुरी भी खौफ जदा हो गई थी।

पति से अलग हुई 'खल्लास गर्ल'

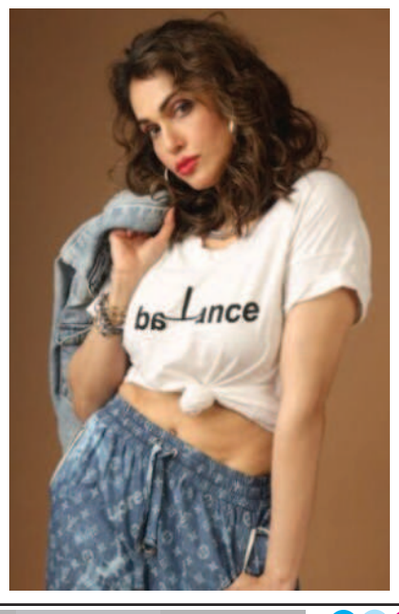

बॉलीवुड में शादी और तलाक होना सितारों के लिए अब एक आम बात हो चुकी है। बॉलीवुड इंडस्ट्री में कई ऐसी जोड़ियां हैं जो एक समय फिल्मी दुनिया में अपनी खूबसूरत लव स्टोरी की वजह से सुर्खियों में रहीं, जिसके बाद उन्होंने शादी रचाई। सालों-साल एक साथ रहने के बाद फिर अचानक एक कपल के तलाक होने की खबर सामने आई है। यह जोड़ी ईशा कोप्पिकर और टिमी नारंग की है। बॉलीवुड में 'खल्लास गर्ल' के नाम से मशहूर ईशा कोप्पिकर ने अपने पति टिम्मी नारंग से शादी के 14 साल बाद तलाक ले लिया है। ईशा ने तलाक के बाद पति का घर छोड़ दिया है। वह अपनी 9 साल की बेटी रियाना के साथ अब अलग रह रही है। हालांकि, ईशा ने इस मामले में अभी खुलकर बात नहीं की है, लेकिन खबरों की मानें तो ईशा और उनके पति के बीच' कम्पैटिबिलिटी इश्यू' की वजह से यह तलाक हुआ है। ईशा ने साल 2008 में होटल इंडस्ट्री से जुड़े बिजनैसमैन टिम्मी नारंग को डेट करना शुरू किया था। एक साल के बाद 29 नवम्बर, 2009 को दोनों ने शादी कर ली। ईशा और टिम्मी ने मुंबई के जुहू में स्थित इस्कान मंदिर में महाराष्ट्रीयन रीति-रिवाज से शादी रचाई थी। साल 2014 में ईशा ने बेटी रियाना को जन्म दिया लेकिन अब शादी के 14 साल बाद ईशा और टिम्मी ने अपने रास्ते अलग-अलग कर लिए हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार जब इस बारे में ईशा से सम्पर्क किया गया तो उसने अपने जवाब में कहा, ₹मुझे कुछ नहीं कहना है। यह बहुत जल्दी है। मुझे अपनी प्राइवेसी चाहिए। इस मामले में मैं आपकी संवेदनशीलता की सराहना करूंगी। ईशा और टिम्मी की लव स्टोरी की बात करें तो इनकी पहली मुलाकात एक जिम में हुई थी। फिर प्यार हो गया, और शादी के बाद ईशा ने एक्टिंग से दूरी बनाकर अपना हॉस्पिटैलिटी बिजनैस किया शुरू था।

बजट 2024 की तारीख आई सामने

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण पेश करेंगी अंतरिम बजट

नई दिल्ली, 11 जनवरी (एजेंसियां)।बजट 2024 की तारीख सामने आ गई है। 1 फरवरी 2024 को अंतरिम बजट संसद के पटल पर रखा जाएगा और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण एक फरवरी को अंतरिम बजट पेश करेंगी। देश के लिए बीते एक साल का आर्थिक लेखाजोखा कैसा रहा और आने वाले वित्त वर्ष में किन कार्यों के लिए पैसे की जरूरत होगी, इस पर वित्त मंत्री सीतारमण संसद में बजट के दौरान जानकारी देंगी।

आर्थिक सर्वेक्षण कब आएगा-जानिए

बजट पेश होने से एक दिन पहले यानी 31 जनवरी को देश का आर्थिक सर्वेक्षण पेश किया जाएगा। चीफ इकनॉमिक एडवाइजर और वित्त मंत्रालय से जुड़ी उनकी टीम के जरिए तैयार किए गए आर्थिक सर्वेक्षण को 31 जनवरी को पेश किया जायेगा। संसद के बजट सेशन के अंतर्गत ये जनवरी की आखिरी तारीख को संसद के सामने रखा जाएगा।

ये अंतरिम बजट है या वोट ऑन अकाउंट?

अंतरिम बजट में चुनावी साल में देश के खर्चे चलाने के लिए सरकार के पास कितना पैसा है और उसका कैसे इस्तेमाल किया जाएगा, इस पर चर्चा होती है और इसे ही वोट ऑन अकाउंट कहा जाता है।

इस साल का लेखाजोखा है बेहद अहम

मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल के खत्म होने के कुछ ही महीने पहले ये बजट काफी महत्वपूर्ण हो जाता है। इसी साल लोकसभा चुनाव होने वाले हैं और इससे पहले देश की वित्तीय स्थिति को बताने वाला ये बेहद अहम दस्तावेज होगा। चुनावी साल में देश में दो बजट पेश होते हैं जिसमें से पहला बजट मौजूदा सरकार पेश करती है और दूसरा बजट नई सरकार के गठन के बाद प्रस्तुत किया जाता है।

जानें बजट सत्र की खास तारीखें

बजट 2024 की तारीख संसद के बजट सत्र की तारीखों की घोषणा के साथ ही सामने आई है। संसद का अगला सत्र जो बजट सत्र होगा वो 31 जनवरी से 9 फरवरी तक चलेगा। 31 जनवरी को राष्ट्रपति के अभिभाषण के साथ इसकी शुरुआत होगी। इसी दिन संसद में आर्थिक सर्वेक्षण और दूसरे दिन अंतरिम बजट 2024 पेश होगा।

यूपीआई को दुनिया में सबसे बेहतर मानते हैं आरबीआई गवर्नर

बोले-इसे बनना चाहिए वर्ल्ड लीडर

नई दिल्ली , 11 जनवरी (एजेंसियां)।भारत अभी के समय में डिजिटल पेमेंट के मामले में पूरी दुनिया में सबसे आगे है। अमेरिका और तमाम अन्य विकसित देश सभी डिजिटल पेमेंट के मामले में भारत से मीलों पीछे छूट गए हैं। भारत की इस उपलब्धि का सबसे बड़ा कारण है यूपीआई। रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास भी यूपीआई को दुनिया में सबसे बेहतर मानते हैं।

प्राइवेट कंपनियों के योगदान की तारीफ

आरबीआई गवर्नर दास गुरुवार को एक अवार्ड कार्यक्रम में हिस्सा ले रहे थे। उसके दौरान गवर्नर दास ने यूपीआई समेत कई मुद्दों पर बातें की। उन्होंने कहा कि यूपीआई संभवतः दुनिया में सबसे बेहतर है और इसे वर्ल्ड लीडर होना चाहिए। उन्होंने यूपीआई यानी यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस को देश भर में इस तरह सफल बनाने में प्राइवेट कंपनियों के योगदान की भी सराहना की।

इस तरह बढ़ा यूपीआई का इस्तेमाल

यूपीआई आज के समय में भारत में पेमेंट का सबसे प्रमुख माध्यम बना हुआ है। आज के समय में दूर-दराज के गांवों में भी लोग धड़ल्ले से यूपीआई से लेन-देन कर रहे हैं। इसके लिए आरबीआई और एनपीसीआई ने लगातार प्रयास किया है। कुछ समय पहले यूपीआई लाइट की पेशकश की गई थी, ताकि

बिना इंटरनेट के भी यूपीआई से पेमेंट हो सके। रिजर्व बैंक ने दिसंबर में हुई बैठक में कुछ कैटेगरी में यूपीआई पेमेंट की लिमिट 1 लाख रुपये से बढ़ाकर 5 लाख रुपये कर दी। दूसरी ओर पेटीएम, गूगल पे, अमेजन पे, फोन पे, भारत पे, मोबिक्विक जैसे प्राइवेट पेमेंट ऐप ने भी यूपीआई की स्वीकार्यता बढ़ाने में मदद की।

मजबूत बनकर उभरा बैंकिंग सिस्टम

बैंकिंग सेक्टर के बारे में रिजर्व बैंक के गवर्नर ने कहा कि पिछले कुछ सालों के दौरान यह सेक्टर मजबूती के साथ अप्रत्याशित चुनौतियों से लड़ा है। उन्होंने स्वीकार किया कि पिछले कुछ सालों के दौरान भारतीय बैंकिंग सेक्टर के समक्ष कई गंभीर चुनौतियां आईं, लेकिन बैंकिंग क्षेत्र ने उन सभी का मजबूती से सामना किया और पहले से ज्यादा मजबूत बनकर उभरा। आरबीआई गवर्नर इसका श्रेय बैंकिंग प्रणाली के सभी संबंधित पक्षों को देते हैं

फर्जी लोन ऐप पर लिए जा रहे एक्शन

उन्होंने कहा कि फिनटेक सेक्टर लगातार आगे बढ़ रहा है, लेकिन इसे टिकाऊपन के साथ आगे बढ़ने की जरूरत है। हमारा जोर इसी पर है। उन्होंने फ्रॉड लेंडिंग ऐप यानी फर्जी लोन ऐप को लेकर कहा कि इसे लेकर सेंट्रल बैंक चिंतित है। सेंट्रल बैंक इस पर अंकुश लगाने के लिए सरकार व संबंधित मंत्रालयों के साथ काम कर रहा है। संदेहास्पद ऐप के खिलाफ उचित कार्रवाई की जा रही है।

क्रिप्टोकरेंसी उभरते बाजारों के लिए खतरनाक

शक्तिकांत दास ने कार्यक्रम के दौरान क्रिप्टोकरेंसी को लेकर भी बातें की। उन्होंने कहा कि क्रिप्टो पर रिजर्व बैंक के रुख में कोई बदलाव नहीं आया है। इस राह पर चलने में बहुत रिस्क है। आरबीआई गवर्नर शुरुआत से क्रिप्टोकरेंसी को सभी देशों खासकर उभरते बाजारों की वित्तीय स्थिरता के लिए जोखिम बताते आए हैं।

देश की सबसे अमीर महिला की कंपनी देगी आपको कमाई का मौका, लेकर आ रही 6000 करोड़ का आईपीओ

नई दिल्ली , 11 जनवरी (एजेंसियां)।देश की सबसे अमीर महिला सावित्री जिंदल की कंपनी जेएसडब्ल्यू सीमेंट का आईपीओ बहुत जल्द लॉन्च होने वाला है। इस आईपीओ का साइज करीब 6,000 करोड़ रुपए होगा। शेयर मार्केट में इसे लेकर बज बनना शुरू हो गया है। ऐसे में जब ये शेयर लिस्ट होगा, तो आपको जबरदस्त कमाई का मौका मिलेगा।

ब्लूमबर्ग के बिलेनियर इंडेक्स के मुताबिक जिंदल ग्रुप की प्रमुख सावित्री जिंदल देश की सबसे अमीर महिला हैं। उनकी नेटवर्थ 25 बिलियन डॉलर है। जेएसडब्ल्यू सीमेंट की जिम्मेदारी पार्थ जिंदल संभालते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक जेएसडब्ल्यू सीमेंट का आईपीओ सीमेंट सेक्टर का अब तक का सबसे बड़ा आईपीओ होगा। सज्जन जिंदल के जेएसडब्ल्यू ग्रुप का एक दशक से भी ज्यादा समय में आने वाला पहला आईपीओ होगा।

आईपीओ की जिम्मेदारी इनकी

मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि जेएसडब्ल्यू ग्रुप ने अपने सीमेंट कारोबार का आईपीओ लाने की जिम्मेदारी जेएम फाइनेंशियल, कोटक महिंद्रा कैपिटल, डैम कैपिटल, जेफरील, सिटी, गोल्डमैन शैक्स और एसबीआई कैपिटल को दी है। ये कंपनियां आईपीओ के लिए एडवाइजर की भूमिका अदा करेंगी। जेएसडब्ल्यू ग्रुप इससे पहले 'जेएसडब्ल्यू इंफ्रास्ट्रक्चर' का आईपीओ लाया था, जो बीते 13 साल में पहली बार कंपनी को कोई आईपीओ था।

जेएसडब्ल्यू सीमेंट के लिस्टिंग की खबर आते ही इसकी सब्सिडियरी कंपनी शिवा सीमेंट के शेयर्स ने छलांग मारी है। कंपनी का शेयर गुरुवार को बीएसई पर 18.5 प्रतिशत तक चढ़ गया। जबकि एनएसई पर कंपनी के शेयर ने 16 प्रतिशत तक उछाल देखा।

टूटा निरमा ग्रुप का रिकॉर्ड

जेएसडब्ल्यू सीमेंट का आईपीओ सीमेंट सेक्टर में अब तक का सबसे बड़ा आईपीओ होगा। इससे पहले निरमा ग्रुप के नुवोको विस्टास ने अगस्त 2021 में 5,000 करोड़ रुपए का आईपीओ लाया था।

एक्स पर कैसे कम होगी नफरत!

हेट कंटेंट कंट्रोल करने वाले 1000 से ज्यादा एंप्लाइज को एलन मस्क निकाल चुके हैं बाहर

नई दिल्ली, 11 जनवरी (एजेंसियां)।सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स यानी ट्विटर पर हेट कंटेट और नफरत फैलाने वाले कंटेंट में जबरदस्त बढ़ोतरी दर्ज की गई है। एक्स पर बढ़ते नफरती कंटेंट के पीछे का कारण अब सामने आया है। एलन मस्क के अधिग्रहण के बाद से ही ऐसा ज्यादा देखा जा रहा है। ऑस्ट्रेलियाई वॉचडॉग ने एक्स के मालिक एलन मस्क से जब इस बारे में सवाल पूछा गया तो उन्होंने कहा कि पिछले कुछ महीनों में एक्स की 'सुरक्षा' टीम में लगे लगभग 1000 एंप्लाइज को बाहर का रास्ता दिखा दिया गया है। यह सभी कर्मचारी एक्स में हेट स्पीच कंट्रोल और ट्रोलिंग से सुरक्षा के काम में लगे हुए थे।

एक्स को लेकर वक्त की गई चिंता

ई-सुरक्षा आयोग के जारी किए गए आकड़ों के मुताबिक एलन मस्क ने ट्विटर यानी एक्स के अधिग्रहण के बाद से हजारों कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया गया है। इसके कारण एक्स पर हेट स्पीच और ट्रोलिंग की बाढ़ से आ गई है। मस्क ने बड़े पैमाने पर उन टीमों में छंटनी की है जो ऑनलाइन ट्रोलिंग और हेट कंटेट को रोकने के लिए जिम्मेदार थे। ऐसे में यह सवाल उठ रहा है कि क्या एक्स अब लोगों के लिए सुरक्षित स्पेस बना रह पाएगा या नहीं। ऑस्ट्रेलियाई वॉचडॉग ने यह भी कहा है कि मस्क के इस फैसले के बाद से ही एक्स में ट्रोलिंग और नफरत भरे कटेंट में कई गुना तक की

बढ़त दर्ज की गई है।

सुरक्षा में लगे 1000 से ज्यादा एंप्लाई को दिखाया बाहर का रास्ता

ऑस्ट्रेलियाई वॉचडॉग ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि मस्क द्वारा अक्टूबर 2022 में ट्विटर के अधिग्रहण के बाद से सोशल मीडिया साइट पर नफरत फैलाने वाले ट्वीट्स और कंटेंट को हटाने और सुरक्षा टीम में लगे 1,213 एंप्लाई को मस्क ने नौकरी से निकाल दिया है। इसके साथ ही 80 फीसदी ऐसे सॉफ्टवेयर इंजीनियर ने नौकरी छोड़ दी है या उनकी छंटनी की गई है जो एक्स में 'ऑनलाइन सुरक्षा' के काम को देखते थे। एक्स ने पिछले कुछ वक्त में ऑनलाइन ट्रोलिंग को कम करने के काम में लगे लोगों को तेजी से कम किया है। इसके साथ ही उन लोगों की प्लेटफॉर्म पर वापसी हुई है जो अक्सर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर नफरत को बढ़ावा देते हैं। ऐसे में ऑनलाइन ट्रोलिंग के मामलों में पिछले कुछ सालों में जबरदस्त इजाफा हुआ है।

हरे निशान में बंद हुआ शेयर बाजार, रिलायंस के स्टॉक्स में रही शानदार तेजी

मार्केट कैप 370 लाख करोड़ रुपये के पार

नई दिल्ली , 11 जनवरी (एजेंसियां)।भारतीय शेयर बाजार के लिए गुरुवार का कारोबारी सत्र बेहद शानदार रहा। बाजार में तेजी के नेतृत्व रिलायंस इंडस्ट्रीज ने किया जिसके चलते एनर्जी स्टॉक्स में जोरदार तेजी देखने को मिली। इसके अलावा कंज्यूमर ड्यूरेबल्स सेक्टर के स्टॉक्स में भी खरीदारी देखी गई। मिडकैप और स्मॉलकैप स्टॉक्स में रौनक बरकरार है। आज का कारोबार खत्म होने पर बीएसई सेंसेक्स 64 अंकों की तेजी के साथ 71,721 पर क्लोज हुआ है। जबकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 28 अंकों के उछाल के साथ 21,647 अंकों पर बंद हुआ है। आज के कारोबार में एनर्जी, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, ऑटो, इंफ्रा, हेल्थकेयर और ऑयल एंड गैस स्टॉक्स में तेजी रही। मिडकैप और स्मॉलकैप स्टॉक्स में भी खरीदारी देखने को मिली है। जबकि आईटी, पार्मा, एफएमसीजी, मेटल्स, रियल एस्टेट और मीडिया शेयरों में गिरावट रही। सेंसेक्स के 30 शेयरों में 13 तेजी के साथ और 17 गिरकर बंद हुए। जबकि निफ्टी के 50 शेयरों में 25 तेजी के साथ और 25 गिरकर क्लोज हुए। शेयर बाजार में शानदार तेजी के चलते बीएसई पर लिस्टेड स्टॉक्स का मार्केट कैप पहली बार ऐतिहासिक हाई 370 लाख करोड़ रुपये के पार क्लोज हुआ है। आज के ट्रेड में लिस्टेड स्टॉक्स का मार्केट कैप 370.48 लाख करोड़ रुपये रहा है जो पिछले सत्र में 368.77 लाख करोड़ रुपये रहा था।

देश में हो सकती है दवाओं की भारी किल्लत

बंद होने के कगार पर हजारों छोटी कंपनियां

नई दिल्ली , 11 जनवरी (एजेंसियां)। स्वास्थ्य मंत्रालय ने दवाओं की मैन्यूफैक्चरिंग के लिए हाल में कुछ नियम बनाए थे। इंडस्ट्री के जानकारों का कहना है कि इससे देश में दवाओं का कमी हो सकती है और कीमत आसमान पर पहुंच सकती है। कई मझोली और छोटी दवा कंपनियों का कहना है कि वे नए नियमों का पालन करने की स्थिति में नहीं हैं और इनमें से कई यूनिट्स बंद हो सकती हैं। हेल्थ मिनिस्ट्री ने हाल में शेड्यूल एम में बदलाव को लेकर एक नोटिफिकेशन जारी किया था। सभी दवा कंपनियों के लिए इसे लागू करना अनिवार्य बनाया गया है। हेल्थ मिनिस्टर मनसुख मांडविया ने पिछले साल जुलाई में कहा था कि शेड्यूल एम को सभी माइक्रो, स्मॉल और मीडियम कंपनियों के लिए चरणबद्ध तरीके से अनिवार्य बनाया

जाना चाहिए। हेल्थ मिनिस्ट्री का कहना है कि 250 करोड़ रुपये से अधिक सालाना टर्नओवर वाली कंपनियों को एक अगस्त, 2023 से छह महीने के भीतर मानकों को लागू करना जरूरी है। छोटी कंपनियों को इसके लिए एक साल का समय दिया गया है। लेकिन लघु उद्योग भारती के प्रतिनिधि संजय सिंगला का कहना है कि छोटी और मझोली कंपनियों के लिए रिवाइज्ड शेड्यूल एम को लागू करना आसान नहीं है। उन्होंने कहा कि सभी कंपनियां क्वालिटी में सुधार के लिए तैयार हैं लेकिन इसमें बहुत खर्च आएगा। इस प्रोसेस में कई कंपनियां बंद हो जाएंगी। इससे देश में दवाओं की कमी हो जाएगी और उनकी कीमत बढ़ जाएगी। सिंगला ने कहा कि छोटी और मझोली कंपनियों को संशोधित नियमों को लागू करने के लिए बहुत कम समय दिया गया है। उन्होंने कहा, छोटी कंपनियों के लिए नए नियमों को लागू करने चुनौतीपूर्ण काम है। इससे नियर टर्म में उनका कैपेक्स बढ़ जाएगा और उनकी ऑपरेटिंग कॉस्ट में परमानेंट बढ़ोतरी होगी। पंजाब ड्रग मैन्यूफैक्चरर्स एसोसिएशन का कहना है कि इससे एनएलईएम में शामिल जरूरी दवाओं को बनाना मुश्किल हो जाएगा। नए नियमों के कारण इन दवाओं को बनाने की लागत उनकी सीलिंग प्राइस से ऊपर चली जाएगी।

भारतीय ऑनलाइन डिलीवरी प्लेटफॉर्म ने नए साल की पूर्व संध्या पर 65 लाख खाने के ऑर्डर पहुंचाए

नई दिल्ली, 11 जनवरी (एजेंसियां)। नए साल की पूर्व संध्या 2023 पर जोमैटो, स्विगी और अन्य को 65 लाख ऑनलाइन फूड (खाद्य) डिलीवरी के ऑर्डर मिले और एक रिकॉर्ड बना। नए साल की पूर्व संध्या 2022 की तुलना में इस बार 18 प्रतिशत अधिक खाने के ऑर्डर मिले थे।मार्केट रिसर्च फर्म रेडसीर स्ट्रैटेजी कंसल्टेंट्स के अनुसार, उस दिन औसत ऑर्डर मूल्य (एओवी) भी वर्ष के अन्य दिनों की तुलना में कम से कम 30 प्रतिशत ज्यादा था। रेडसीर के एसोसिएट पार्टनर अभिजीत राउद्रे ने कहा कि आईपीएल, क्रिकेट विश्व कप, दिवाली, न्यू ईयर ईव इत्यादि जैसे दिन ऑनलाइन फूड डिलीवरी सेवाओं के लिए महत्वपूर्ण हैं क्योंकि ग्राहक अधिक ऑर्डर करते हैं और ज्यादा खर्च करते हैं। ब्रांडों और प्लेटफार्मों के लिए इन दिनों बढ़े हुए भार को पूरा करने में सक्षम होना भी महत्वपूर्ण है क्योंकि इन उत्सव के अवसरों पर ग्राहक अनुभव में बाधा नहीं डाली जा सकती है। दिन की शुरुआत नाश्ते में ग्रोस मर्चेंडाइज वैल्यू (जीएमवी) 'सुबह 6 बजे से 11 बजे के बीच दिए गए ऑर्डर', वर्ष के दैनिक औसत से 1.5-2 गुना के साथ हुई। डिनर और देर रात के ऑर्डरों में जीएमवी चरम पर थी, जो अन्य दिनों के औसत से 2.5-3 गुना ज्यादा थी।

रिपोर्ट के अनुसार, प्रीमियमीकरण का एक और आयाम यह था कि लोग उस दिन खुद को स्वादिष्ट बनाने के लिए प्रीमियम रेस्तरां से ऑर्डर कर रहे थे।अत्यधिक सामान्य मांग को देखते हुए प्लेटफ़ॉर्म उस दिन बेहतर ग्राहक अनुभव प्रदान करने में सक्षम थे। जिसमें शहर भर के ग्राहकों ने भोजन की गुणवत्ता, पैकेजिंग, डिलीवरी समय और इन-ऐप छूट के साथ उच्च संतुष्टि व्यक्त की।

तीसरी तिमाही में 11,058 करोड़ रुपये हुआ टीसीएस को मुनाफा, 27 रुपये प्रति शेयर डिविडेंड देने का एलान

नई दिल्ली, 11 जनवरी (एजेंसियां)।आईटी सेक्टर में देश की सबसे बड़ी कंपनी टीसीएस ने वित्त वर्ष 2023-24 की तीसरी तिमाही के नतीजे घोषित कर दिए हैं। तीसरी तिमाही में टीसीएस का शुद्ध मुनाफा 2 फीसदी के उछाल के साथ 11,058 करोड़ रुपये रहा है जो बीते वित्त वर्ष के समान तिमाही में 10,846 करोड़ रुपये रहा था। हालांकि पिछले यानि दूसरी तिमाही के मुकाबले तीसरी तिमाही में टीसीएस के मुनाफे में 2.5 फीसदी की गिरावट आई है। दूसरी तिमाही में कंपनी को 11,342 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ था। टीसीएस ने स्टॉक एक्सचेंज के पास रेग्यूलेचरी फाइलिंग में बताया कि तीसरी तिमाही में टीसीएस का रेवेन्यू 4 फीसदी के उछाल के साथ अक्टूबर से दिसंबर तिमाही में 60,583 करोड़ रुपये रहा है जो बीते वित्त वर्ष के समान तिमाही में 58,220 करोड़ रुपये रहा था। टीसीएस बोर्ड ने वित्त वर्ष 2023-24 में 27 रुपये प्रति शेयर डिविडेंड देने पर अपनी मंजूरी दे दी है जिसमें 18 रुपये प्रति शेयर स्पेशल डिविडेंड शामिल है। शेयरधारकों को डिविडेंड भुगतान करने के लिए 19 जनवरी 2024 रिकॉर्ड डेट फिक्स किया गया है जबकि 5 फरवरी 2024 को भुगतान किया जाएगा। कंपनी ने बताया कि टीसीएस में 153 देशों के नागरिक काम कर रहे हैं जिसमें 35.7 फीसदी महिलाएं हैं। टीसीएस के तिमाही नतीजों पर कंपनी के सीईओ और एमडी के कृतिवासन ने कहा, हमारे बिजनेस मॉडल की ताकत, डावर्सिफायड पोर्टफोलियो और कस्टमर पर केंद्रित रणनीति के चलते तीसरी तिमाही में मैक्रो-इकोमनॉमिक दिक्कतों के बावजूद टीसीएस का प्रदर्शन मजबूत रहा है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	धनु	में	धनु....	04-58 बजे
चंद्र-	मकर	में	मकर..	07-04 बजे
मंगल	धनु	में	कुंभ...	08-55 बजे
बुध-	धनु	पें	मीन...	10-33 बजे
गुरु-	मेष	में	मेष--	12-09 बजे
शुक्र-	वृश्चिक	में	वृष--	13-54 बजे
शनि-	कुंभ	में	मिथुन..	15-54 बजे
राहु-	मीन	में	कर्क...	18-06 बजे
केतु-	कन्या	में	सिंह...	20-19 बजे
			कन्या..	22-25 बजे
			तुला....	00-30 बजे
			वृश्चिक.	02-41 बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2080
शक संवत -1945, सूर्य -उत्तरायणे - ऋतु- शिशिर
महावीर निर्वाण संवत -2550,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय - 06-52 सूर्यास्त. -17-55
भोग्य कलि वर्ष-426876
कलियुग संवत् -5124 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949124
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885124
दिशाशूल -- पश्चिम - दही खाकर घर से निकले
तिथि- प्रतिपदा - 14 -23 - तक उपरान्त द्वितीया
मास - पौष शुक्ल पक्ष , शुक्रवार 12 January
नक्षत्र - उत्तराषाढा - 15 - 18 - तक उपरान्त श्रवण
योग - हर्षण - 14 - 04 - तक उप वज्र
करण- बव - 14 -23 - तक उप- बालव
विशेष:- स्वामि विवेकानंद जं
व्रत -त्योहार - सर्वार्थ सिद्ध योग-15-19 उप

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 11:01 से 12:24 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
चंचल	06:52 - 08:14 शुभ	रोग	17:55 - 19:35 अशुभ
लाभ	08:14 - 09:37 शुभ	काल	19:35 - 21:11 अशुभ
अमृत	09:37 - 11:01 शुभ	लाभ	21:11 - 22:48 शुभ
काल.	11:01 - 12:24 अशुभ	उत्पात	22:48 - 24:24 अशुभ
शुभ.	12:24 - 13:48 शुभ	शुभ	24:24 - 02:01 शुभ
रोग	13:48 - 15:11 अशुभ	अमृत.	02:01 - 03:37 शुभ
उत्पात	15:11 - 16:35 अशुभ	चंचल.	03:37 - 05:14 शुभ
चंचल	16:35 - 17:55 शुभ	रोग.	05:14 - 06:52 अशुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,

आपकी जीवन में कोई ऐसी स्थति आने वाली है जब आपको सीधे ,तुरंत और अति सक्रिय रहकर फैसले लेने होंगे । यह स्थिति देखने में बहुत मुश्किल लग सकती है परन्तु आप इसे आसानी से संभाल पायेंगे । आपको बस दृढ़ता पूर्वक डटे रहना है । लेकिन चिंता ना करें,एक बार जब यह समस्या ख़तम हो जायेगी तो लोग इसे सुलझाने में आपकी भूमिका की भी प्रशंसा करेंगे ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,

आज आप व्यावहारिकता की अपेक्षा रखने वाले कई मुद्दों में भावनात्मक व्यवहार करेंगे । स्पष्ट सोच रखते हुए यह समझने की कोशिश करें की आपकी इच्छाएं क्या हैं और आपके लिए अच्छा क्या हैं । आपके भीतर कुछ ऐसी भावनाए पैदा हो सकती है जो आपको कुछ सीमायें लांघने के लिए उकसा सकती हैं। ऐसी कोई भी फैसला लेने से पहले सब को सूचित कर दें ।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,

आज आपको दूसरों पर विश्वास करना होगा । यह आपका कोई करीबी या कोई दोस्त हो सकता है और वः आपकी किसी ऐसे विशेष काम में मदद करेगा जिससे आपके भविष्य पर काफी प्रभाव पड़ेगा । लेकिन इसके लिए सबसे जरुरी यह होगा की आप उस व्यक्ति में विश्वास बनाये रखें । आपको अपनी ही तरफ से विश्वास की पहल करनी होगी ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,

अपने स्वतंत्र विचारों को अभिव्यक्त कर दें लेकिन आवाज को नीची रखें । पुरानी बातों में उलझे रहने के स्थान पर बदलाव के लिए जो कुछ जरूरी है उसपर फोकस करें । इस समय बेहतर यही होगा कि आप जिनके साथ रहते हैं उनके साथ विवादों में पड़ने की बजाय विवादों से दूर ही रहें ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,

आज आपको अपने दृष्टिकोण को सांसारिक वास्तविकता के साथ संतुलित करने की जरुरत को समझने और इस कला में पारंगत होने की आवशयकता महसूस होगी । आपकी योजनायें महत्वाकांक्षी हैं,लेकिन आपको इसके लिए वास्तविक समस्याओं को समझना होगा नही तो आप अपने अच्छे इरादे के बावजूद टकराव महसूस करेंगे ।

कन्या टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,

आज दुविधा और उलझन की स्थिति बनी रहेगी । लेकिन यह बस उपरी आवरण है ,जैसे ही स्थिति साफ़ होगी ,आप वास्तविकता को देख पाएंगे । शुरुआत में सब कुछ उलझा हुआ सा लगेगा ,लेकिन समय के साथ साथ सब ठीक होगा,अपना समय लें और चलते रहें ।आपको सफलता मिलेगी । परिवर्तन तो जरुर होंगे लेकिन आपके भविष्य के लिए शुभ साबित होंगें ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,

आप किसी करीबी को कोई सलाह देंगे और वह इसे बहुत कृतज्ञता के साथ स्वीकार करेगा । आप आज बहुत अच्छे और नरम मूड में हैं ,आज का दिन अपने पुराने दोस्तों से सम्पर्क स्थापित करने के लिए बहुत अच्छा है । अपने किसी पुराने स्कूल के दोस्त से फोन पर बाते क्र लें,आपको बहुत अच्छा लगेगा । पिछले मतभेदों को भुलाकर आगे बढने के लिए भी अच्छा समय है ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,

यह सोचने और जानने के लिए कि आप अपने जीवन से क्या चाहते हैं,कुछ देर एकांत में बैठें । पिछले कई दिन काफी व्यस्त रहे हैं । इसीलिए आपको अपने उद्देश्यों का फिर से मूल्यांकन करना है और यह भी देखना है की आपके काम किस प्रकार आपके जीवन और संबंधों को प्रभावित कर रहे हैं । यात्रा संभावित है ,हालाँकि हमारा सुझाव यह है कि किसी रोमांचक ताबड़तोड़ यात्रा के स्थान पर शांतिपूर्वक अपनी छुट्टियाँ बिताएं ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे

आज का दिन संकेत दे रहा है कि आज आप खूब आनंद उठाएंगे,लेकिन बेहतर यही होगा कि सुबह कुछ समय निकालकर अपने कल के शेष कार्यों को पूरा कर लें । अपने कार्यक्रम की योजना अपने परिजनों के कार्यक्रम के अनुसार ही बनाएं ताकि बाद में कोई ग़लतफ़हमी या समस्या ना आये ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी

आप एक पारिवारिक व्यक्ति हैं । पारिवारिक मूल्य ही आपकी सफलता का श्रोत हैं ।,आज भी शुभ की शुरुआत आपके घर से ही होगी और आपको नयी कामयाबी दिलाएगी । आप विशेष लय में हैं । आज का दिन सार्थक होगा । मुश्किल समय में भी अपनी मुस्कान और होसला बनाये रखें । आपकी सकारात्मक दृष्टि आपको औरों से अलग मुकाम पर ले जायेगी ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,

अगर आप अपना समय और ऊर्जा गरीब और कम सुविधा प्राप्त बच्चों को शिक्षा देने में लगायेंगे तो आपको बहुत ख़ुशी मिलेगी । अपना कुछ सामन किसी जरूरतमंद को दे दें । आपकी वित्तीय स्थिति अच्छी है ,आप पैसे से भी किसी की मदद कर सकते हैं । आप नए लोगों से जल्दी ही परिचय भी कर लेते हैं और सबकी जरूरतों का ध्यान रखने के कारण आपकी लोकप्रियता भी है ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची

भाग्य आपकी वित्तीय स्थिति पर मुस्कुरा रहा है और अधिक कमाई के कारण आप के खर्चे भी बढ़ गए हैं। अब समय आ गया है की आप अपने खर्च पर नियंत्रण रखें । अब फिजूलखर्ची से बचना होगा । आपके परिजन या किसी करीबी के साथ ऐसा कुछ होगा कि आपके भीतर भी उससे अशांति आएगी ।

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

पटेल की सूझबूझ से भारत को मिला लक्षद्वीप

सफेद रेत के तट, वर्जिन आइलैंड–लेकिन मालदीव के टूरिस्ट लुभाना आसान नहीं

जानेंगे। मसलन- लक्षद्वीप का इतिहास, भूगोल, राजनीति, टूरिज्म और मालदीव के टूरिस्ट लुभाने में क्या चुनौतियां हैं-

पाकिस्तान देखता रहा, लक्षद्वीप में लहराया तिरंगा

लक्षद्वीप में मानव के होने के करीब 3500 साल पुराने साक्ष्य मिलते हैं। बौद्ध धर्म की जातक कहानियों में इन द्वीपों का उल्लेख है। माना जाता है कि बौद्ध भिक्षु संघमित्र ने इन द्वीपों पर गए थे। चेरा साम्राज्य इन द्वीपों को कंट्रोल करता था। माना जाता है कि 661 ईस्वी में मदीना से शेख उबैदुल्लाह यहां पहुंचे और इस्लाम का प्रचार किया। एंड्रोट द्वीप में उनकी कब्र भी है। 11वीं शताब्दी में केरल के साथ ये द्वीप भी चोल साम्राज्य के अधीन आ गए। पुर्तगाली, टीपू सुल्तान से होते हुए 18वीं शताब्दी में यहां ब्रिटिश कंट्रोल हो गया जो 1947 तक रहा। 1947 में देश आजाद हुआ और बंटवारा भी। अलग-अलग रियासतें भारत या पाकिस्तान में शामिल हो रही थीं। उस वक्त लक्षद्वीप की तरफ दोनों देशों का ध्यान नहीं गया। यहां की अधिकांश आबादी मुस्लिम थी, लेकिन ये भारत के मालाबार कोस्ट से जुड़ा हुआ था।

उस वक्त के गृहमंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल को लक्षद्वीप के भौगोलिक महत्व का अंदाजा था। उन्होंने राजनीतिक सूझबूझ दिखाते हुए मुदलियार बंधुओं को शिप और जवानों के साथ लक्षद्वीप जाने को कहा। रामास्वामी मुदलियार मैसूर के 24वें और आखिरी दीवान थे, जबकि उनके भाई लक्ष्मण स्वामी मुदलियार उस समय के फेमस डॉक्टर थे।

उसी दौरान पाकिस्तान ने भी अपना युद्धपोत लक्षद्वीप की तरफ भेजा। तब तक उन द्वीपों में भारतीय तिरंगा लहरा रहा था। पाकिस्तानी बेरंग लौट गए।

1956 में राज्यों के पुनर्गठन के वक्त लक्षद्वीप को केंद्र शासित प्रदेश का दर्जा दिया गया था। 1973 के बाद इसका नाम लक्षद्वीप रखा गया। इससे पहले इसे लक्कादीव, मिनिकॉय, अमीनदीवी कहा जाता था।

10 द्वीपों पर ही आबादी, बंगारम में केवल 61 लोग रहते हैं

लक्षद्वीप कुल 36 द्वीपों का समूह है, जिसमें सिर्फ 10 द्वीप ही रिहायशी हैं- कवरत्ती, अगत्ती, अमिनी, कदमत, किलातन, चेतलाट, बिट्रा, आनदोह, कल्पनी और मिनिकॉय। बिट्रा में 271 और बंगारम द्वीप में 61 लोग ही रहते हैं। बाकी 26 द्वीप वीरान या वर्जिन हैं। लक्षद्वीप में पर्यटन उद्योग बढ़ रहा है, लेकिन आज भी मुख्य जीविका का जरिया मछली पकड़ना और नारियल की खेती है। लक्षद्वीप में सिर्फ एक लोकसभा सीट है। 1967 से 1999 तक कांग्रेस के पीएम सईद ही सांसद रहे हैं। 2004 में यहां सीन बदला और पहली बार जनता दल की जीत के साथ बदलाव हुआ। इसके बाद फिर 2009 में कांग्रेस ने वापसी की। 2014 में यहां एनसीपी ने जीत दर्ज की और 2019 में उसे बरकरार रखा। वर्तमान में मोहम्मद फैजल एनसीपी से सांसद हैं। यहां का प्रशासक केंद्र सरकार नियुक्त करती है। 2020 से यहां के प्रशासक प्रफुल खोड़ा पटेल हैं। पटेल मूलतः गुजरात भाजपा के नेता और मंत्री रहे हैं। उनके फैसलों के चलते लक्षद्वीप अक्सर सुर्खियों में रहता है। उन्होंने गोमांस पर बैन लगाया और शुक्रवार की सार्वजनिक छुट्टी को रविवार कर दिया था। सांसद मोहम्मद फैजल ने विरोध किया था। उनका कहना था कि प्रशासक अपनी मनमानी चलाते हैं, जबकि उन्हें चुने हुए प्रतिनिधि से चर्चा करके फैसले लेना चाहिए। लक्षद्वीप और मालदीव में एक बड़ी समानता यहां के सफेद रेत के समुद्री किनारे हैं। इस रेत में समुद्र का पानी नीला नजर आता है। भारत के बाकी समुद्री किनारों की रेत पीली है।

सरकारी वेबसाइट tourism.gov.in में लक्षद्वीप को लेकर अक्टूबर 2017 से जून 2018 की एक रिपोर्ट है। इसके अनुसार वहां कुल 19 होटल या रिसॉर्ट हैं। जिसमें इस दौरान कुल 34,332 टूरिस्ट पहुंचे हैं। एक सुप्रसिद्ध समाचार पत्र की एक खबर के अनुसार 2021-2022 में 18,590 टूरिस्ट लक्षद्वीप पहुंचे।

मालदीव के टूरिस्ट को लुभाने में लक्षद्वीप के सामने कई बड़ी चुनौतियां हैं

मालदीव पूरी तरह से टूरिस्ट डेवलप द्वीप है। वहां करीब 250 होटल और रिसॉर्ट हैं। जहां हर लग्जरी उपलब्ध है। लक्षद्वीप में अभी टूरिज्म इंफ्रास्ट्रक्चर पूरी तरह डेवलप नहीं हुआ है।

लक्षद्वीप में कोई एयरपोर्ट नहीं है, केवल एक रनवे स्ट्रिप है जो अगत्ती द्वीप में है। कोई सीधी फ्लाइट लक्षद्वीप के लिए नहीं है। पहले कोच्चि फिर लक्षद्वीप जाना होता है। मालदीव जाने के लिए सीधी फ्लाइट के तमाम विकल्प हैं। लक्षद्वीप में एंट्री के लिए परमिट की जरूरत है। ऑनलाइन डॉक्यूमेंट्स देने के बाद भी ऑफलाइन डॉक्यूमेंट्स देखे जाते हैं। जाने पर एक लक्षद्वीप प्रशासन की ओर से क्लियरेंस सर्टिफिकेट जारी होता है। जिसे जहां भी टूरिस्ट रहते हैं वहां के लोकल पुलिस स्टेशन से वेरिफिकेशन करवाना पड़ता है। मालद्वीव में वीजा ऑन अराइवल है। यानी टूरिस्ट विंडो पर पासपोर्ट दिखाकर तय राशि देकर वीजा मिल जाता है। लक्षद्वीप में निर्माण कार्य से इको सिस्टम बिगड़ने का खतरा है। पिछले दिनों जब अगत्ती में एक और रनवे निर्माण का काम शुरू हुआ तो उसे बीच में ही रोकना पड़ा था, क्योंकि इससे कछुओं के आवास पर असर पड़ रहा था। इन परिस्थितियों के चलते ये खतरा लक्षद्वीप पर हमेशा बरकरार रहेगा कि जब भी यहां ह्यूज लेवल पर कंट्रक्शन या बदलाव हुए तो यहां का नेचर खत्म हो जाएगा। लक्षदीप में इंटरनेट कनेक्टिविटी लिमिटेड है, केवल बीएसएनएल सर्विस प्रोवाइडर है। टूरिस्ट का मोबाइल फोन काम नहीं करता, क्योंकि और कोई मोबाइल फोन कंपनी का नेटवर्क ही नहीं है। नेटवर्क नहीं होने से डिजिटल और कार्ड पेमेंट में भी दिक्कत होती है। लक्षद्वीप विकास प्राधिकरण ने 2021 में एक टूरिस्ट प्रोजेक्ट शुरू किया था। इसके तहत सुहेली, मिनिकॉय और कदमत द्वीपों में समुद्री तट पर 230 विला, 140 वाटर विला और 370 कमरों वाला एक और विला बनाया जा रहा है। इसका काम कई ग्लोबल कंपनियों को दिया गया था। टाटा ग्रुप की इंडियन होटल कंपनी लिमिटेड ने अगले कुछ सालों में दो-दो ताज ब्रांडेड रिसॉर्ट्स बनाने का ऐलान किया है। भारत सरकार वहां के मिनिकॉय द्वीप पर एयरपोर्ट बनाने जा रही है। इस नए एयरपोर्ट से फाइटर जेट्स, मिलिट्री एयरक्राफ्ट्स और कॉमर्शियल फ्लाइट्स का संचालन होगा। अभी इसका प्रस्ताव सरकार को भेजा गया है। जल्द ही काम भी शुरू हो सकता है।

नई दिल्ली, 11 जनवरी (एक्सक्लूसिव डेस्क)। भारत का सबसे छोटा केंद्र शासित प्रदेश लक्षद्वीप इन दिनों बड़ी सुर्खियां बना रहा है। 7 जनवरी को भारत में गूगल पर सबसे ज्यादा सर्च किया जाने वाला कीवर्ड रहा। ट्रैवल बुकिंग साइट्स पर भी लक्षद्वीप के बारे में आम दिनों के मुकाबले लोग 10 गुना ज्यादा सर्च कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर मालदीव की बजाए लक्षद्वीप घूमने जाने के कैंपेन चल रहे हैं। इस सब की शुरुआत पीएम नरेंद्र मोदी की लक्षद्वीप विजिट और उस पर मालदीव के मंत्रियों की आपत्तिजनक टिप्पणी के बाद हुई थी। लक्षद्वीप की पूरी कहानी

लंदन से ईंट लाकर अंग्रेजों ने बनाया था लाइट हाउस

लक्षद्वीप के टूरिस्ट स्पॉट

लक्षद्वीप की राजधानी है। यहां वाटर स्पोर्ट्स का आनंद लिया जा सकता है। ग्लास फ्लोर वाली बोट से समुद्र देखा जा सकता है।

एक निर्जन द्वीप है। इस पर रिहाइश नहीं है। इसका आकार आंसू की तरह है।

यह मिनिकॉय द्वीप पर है। इसे इसे ब्रिटिश शासन के दौरान 1885 में बनाया गया था। ये 162 फीट ऊंचा है। इसे लंदन से लाई गई ईंटों से बनाया गया था।

कवरत्ती द्वीप में स्थित है। इसे उजरा मस्जिद के नाम से भी जाना जाता है। 17वीं शताब्दी में बनी इस मस्जिद के स्तंभों पर बारीक नक्काशी की गई है।

इस द्वीप पर साफ समुद्र के पानी में मछलियों के साथ तैरने का आनंद ले सकते हैं। यहां स्कूबा डाइविंग भी बेस्ट ऑप्शन है। यहां आप समुद्री कछुए, शार्क और कलरफल सी फ्लॉवर देख सकते हैं।

ये बोटिंग, स्नॉर्कलिंग और ग्लास फ्लोर वाली बोट के लिए मशहूर है। यहां स्कूबा डाइविंग भी कर सकते हैं।

कुछ द्वीप पर जाना बैन

यहां जाने के लिए आपको पहले ही सरकारी परमिट लेना होता है। कुछ द्वीपों पर जाना बैन है, वहीं कुछ पर जाने के लिए स्पेशल परमिट लेना पड़ता है।

छत्तीसगढ़ ने रचा कीर्तिमान

स्वच्छ राज्यों की कटेगिरी में मिला तीसरा पुरस्कार

रायपुर, 11 जनवरी (एजेंसियां)। स्वच्छता के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ ने राष्ट्रीय स्तर पर कीर्तिमान रचा है। स्वच्छ राज्यों की कटेगिरी में छत्तीसगढ़ को तीसरा पुरस्कार मिला है। वहीं एक लाख से कम आबादी वाले शहरों में दुर्ग जिले के पाटन को दूसरा पुरस्कार मिला है। नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित समारोह में आज गुरुवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को यह सम्मान प्रदान किया। इस दौरान उप मुख्यमंत्री अरुण साव भी मौजूद रहे ।

राज्य के 5 नगरीय निकाय हुए सम्मानित

केन्द्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय की ओर से आयोजित स्वच्छ सर्वेक्षण-2023 में अच्छे प्रदर्शन के लिए राज्य के पांच नगरीय निकाय रायपुर, पाटन, कुम्हारी, महासमुंद और आरंग को भी राष्ट्रीय अवार्ड दिया गया है। केन्द्रीय आसवन एवं शहरी मंत्रालय की ओर से विश्व

का सबसे बड़ा स्वच्छ सर्वेक्षण देश में कराया जा रहा है। छत्तीसगढ़ राज्य ने स्वच्छता के क्षेत्र में कई उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की और राष्ट्रीय स्तर पर अवार्ड हासिल किए है। वर्ष 2017 में ही छत्तीसगढ़ ओडीएफ राज्य होने की गौरवपूर्ण उपलब्धि हासिल कर चुका है। इसके साथ ही राज्य में तीन लाख निजी शौचालयों का निर्माण पूरा कराये जाने की उपलब्धि भी राज्य ने हासिल की थी। राज्य में स्वच्छता के कार्य को आगे बढ़ाने के लिए 10 हजार स्वच्छता दीदियों के माध्यम से मिशन क्लीन सिटी शुरू की गई थी। स्वच्छता क्रियान्वयन के बेहतर परिणाम के चलते प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने छत्तीसगढ़ राज्य को इंदौर में पुरस्कृत किया गया था।

स्वच्छता श्रृंगार योजना से मिली सफलता

छत्तीसगढ़ राज्य में वर्ष 2014 से 2017 के दौरान स्वच्छता को लेकर जो नीतियां बनायी गई और कई परियोजनाएं शुरू की गई थी, जिसके चलते राज्य में स्वच्छता को स्थायी तौर पर आगे बढ़ाने में मद्द मिली है। छत्तीसगढ़ राज्य की ओर से अभिनव प्रयोग करते हुए स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए सार्वजनिक और सामुदायिक शौचालयों का निर्माण के लिए सुविधा-24 योजना शुरू की गई। निर्मित सार्वजनिक एवं सामुदायिक शौचालयों के संचालन और संधारण के लिए स्वच्छता श्रृंगार योजना प्रारंभ की गई थी। छत्तीसगढ़ में स्वच्छता को लोगों की आदत में शामिल करने और इसे स्थायी रूप से व्यवहार में लाने के लिए कचरा प्रबंधन, निजी, सार्वजनिक एवं सामुदायिक शौचालयों का निर्माण एवं प्रबंधन, सफाई मित्रों की सुरक्षा, कचरा मुक्त शहर, ओडीएफ और सेप्टिक टैंक के अवशेष के निपटान पर विशेष से फोकस किया गया, जिसके चलते राज्य में स्वच्छता को सतत रूप से आगे बढ़ाने में मदद मिली है।

बिना पर्ची प्रतिबंधित दवाई देना पड़ेगा महंगा

कोरबा, 11 जनवरी (एजेंसियां)। कोरबा में प्रतिबंधित दवा के इस्तेमाल को रोकने और इस प्रकार के कार्य में लगे लोगों की पहचान करने के लिए पुलिस गंभीरता दिख रही है। दवा दुकान संचालकों के साथ पुलिस ने इस बारे में बैठक ली और उनसे विचार-विमर्श कर नियम का पालन करने के निर्देश दिए हैं। एडिशनल एसपी अभिषेक वर्मा ने बताया कि प्रतिबंधित दवा देने के लिए जो नियम बने हैं उनका हर हाल में पालन किया जाए।

बार-बार इस तरह की दवा खरीदने वालों को चिन्हांकित भी किया जाए।प्रतिबंधित सामग्री की खरीद-फरोख्त को हतोत्साहित करने के लिए अब नए स्तर पर कार्रवाई की जा रही है। दरअसल, अनिद्रा तनाव चिड़चिड़ापन के साथ-साथ कई ऐसे मामले होते हैं जिनमें लोगों को विशेष तरह की दवाई दी जाती है।

राम मंदिर पर नहीं होगा भूकंप का असर

भिलाई स्टील प्लांट के लोहे से बन रहा स्ट्रक्चर, 1100 टन सरिया भेजा गया अयोध्या

भिलाई, 11 जनवरी (एजेंसियां)। अयोध्या में बन रहे राम मंदिर निर्माण के लिए भिलाई स्टील प्लांट ने 1100 टन सरिया भेजा है।

मंदिर के स्ट्रक्चर में सरिया का इस्तेमाल होगा। बीएसपी प्रबंधन के मुताबिक इससे श्रीराम मंदिर को न सिर्फ मजबूती मिलेगी, बल्कि स्ट्रक्चर को भूकंपरोधी बनाया जा सकेगा।

इससे पहले भी बीएसपी के लोहे का उपयोग पूरे देश के बड़े-बड़े प्रोजेक्ट्स में किया गया है। सरिए का इस्तेमाल परमाणु ऊर्जा परियोजनाओं, पुलों, राजमार्गों, फ्लाईओवरों, सुरंगों, बांधों, थर्मल, ऊंची इमारतों, बांद्रा वर्ली सी-लिंक ब्रिज, सरदार वल्लभभाई पटेल की स्टैच्यू ऑफ यूनिटी, आगरा एक्सप्रेस-वे में किया जा चुका है।

सेल अलग अलग प्लांटों से की गई है सरिया की सप्लाई

जो 1100 टन सरिया भेजा गया

है। उसमें 550 डी ग्रेड के 12 मिमी व्यास वाले करीब 120 टन टीएमटी बार और मर्चेंट मिल में उत्पादित समान ग्रेड वाले 32 मिमी व्यास के करीब 65 टन टीएमटी बार शामिल हैं।

सेल से मिली जानकारी के मुताबिक राम मंदिर परियोजना के लिए स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) की तमाम इकाइयों ने मिलकर अब तक लगभग 3500 टन सरिया की आपूर्ति की है। बीएसपी की मोडेक्स इकाई, बार एंड रॉड मिल में इसका उत्पादन किया गया है। ये स्थाई यांत्रिक गुणों और आईएस-1786 मानदंडों के मुताबिक उत्पादित अच्छी वेल्डेबिलिटी के उत्पाद हैं। इसे कम प्रयास से मोड़ा जा सकता है। यह सरिया लंबे समय तक कांक्रीट कवर की रक्षा करती है।

शराब में मिलावट और ओवर रेट पर कार्रवाई

प्लेसमेंट एजेंसी के 12 कर्मचारियों पर एफआईआर आबकारी विभाग ने सेवा से किया बर्खास्त

महासमुंद, 11 जनवरी (एजेंसियां)। महासमुंद जिले में आबकारी विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। शराब में मिलावट और ओवर रेट के मामले में प्लेसमेंट एजेंसी के 12 कर्मचारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराते हुए सेवा से बर्खास्त कर दिया है। वहीं आबकारी विभाग ने दो लोगों को ब्लैक लिस्ट कर दिया है।

आबकारी राजस्व की सुरक्षा के लिए सचिव सह आबकारी आयुक्त आर. संगीता और कलेक्टर प्रभात मलिक ने शराब दुकानों की निगरानी और जांच के निर्देश दिए हैं। इसी कड़ी में महासमुंद आबकारी विभाग तुमगांव स्थित कंपोजिट देशी शराब दुकान की जांच में पहुंचा। जहां टीम द्वारा बड़ी गड़बड़ी पाई गई।

आबकारी विभाग की टीम को तुमगांव स्थित कंपोजिट देशी शराब दुकान के कांउटर पर बेचने के लिए रखे आफ्टर डार्क व्हिस्की की एक बोतल में लगे होलोग्राम

क्षतिग्रस्त होना पाया गया। टीम ने जांच में शराब के तेजी परीक्षण में शराब में मिलावट पाया।

मिलावट खोरी मामले में शराब दुकान के चीफ सेल्समैन विजय ब्रम्मे और किशन पांडे के खिलाफ आबकारी विभाग ने धारा 38-क आबकारी एक्ट के तहत आपराधिक प्रकरण पंजीबद्ध किया। विभाग ने उक्त कर्मचारियों को तत्काल सेवा से निष्कासित कर ब्लैक लिस्ट की कार्रवाई की। जिला आबकारी अधिकारी मोहित कुमार जायसवाल ने कहा कि जिले की शराब दुकानों पर सतत निगरानी रखी जा रही है। शराब दुकानों में ओवर रेट, मिलावट तथा निर्धारित विक्रय सीमा से अधिक मात्रा में शराब बेचे पाये जाने पर जिम्मेदार कर्मचारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी गयी है। बता दें कि कुछ समय पहले अंग्रेजी शराब दुकान सांकरा तथा बसना में शराब में मिलावट के मामले में 2 चीफ सेल्समैन और 4 सेल्समैन के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज कर सेवा से निष्कासित करने तथा ब्लैकलिस्ट की कार्रवाई की गयी थी। इसी तरह महासमुंद शीतलीनाला स्थित शराब दुकान में ओवर रेट के एक अन्य मामले में 1 चीफ सेल्समैन, 2 सेल्समैन तथा 1 मल्टीपर्पस वर्कर के खिलाफ दण्डात्मक कार्रवाई करते हुए सेवा समाप्ति तथा ब्लैकलिस्ट की कार्रवाई की गयी है।

पोस्टमॉर्टम करने वाली संतोषी को राम लला का न्योता

कांकेर, 11 जनवरी (एजेंसियां)। कांकेर की रहने वाली नर्स संतोषी दुर्गा को 22 जनवरी को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा में शामिल होने का निमंत्रण मिला है। वे पेशे से स्वीपर हैं और स्वास्थ्य सहायक के तौर पर काम रही हैं। संतोषी 20 साल में 700 से ज्यादा पोस्टमॉर्टम कर चुकी हैं। किशनपुरी निवासी संतोषी दुर्गा (35) 19 साल से नरहरपुर स्वास्थ्य केंद्र में पोस्टमॉर्टम का काम कर रहीं हैं। राम मंदिर ट्रस्ट की ओर से बुधवार को संतोषी को जब निमंत्रण मिला तो उसकी आंखों से आंसू छलक पड़े। वहीं स्थानीय लोगों ने भी संतोषी का सम्मान किया। अयोध्या से न्योता मिलने पर संतोषी ने कहा कि, मैंने सपने में भी नहीं सोचा था कि मुझे अयोध्या से बुलावा आएगा। भगवान श्रीराम की कृपा से मुझे आमंत्रण पत्र भेज कर बुलाया गया है। भगवान श्रीराम के दर्शन करने का सौभाग्य मिल रहा है।

डकैती की साजिश रचते छह गिरफ्तार

पश्चिमी जिले में आईईडी निष्क्रिय किया गया

जमशेदपुर/रांची, 11 जनवरी (एजेंसियां)। झारखंड में डकैती की साजिश रचने के आरोप में छह लोगों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तारी घाटशिला उपखंड के मुसाबनी ग्रामीण इलाके से की गई। इनमें से दो मानगो इलाके में पिछले दिसंबर में दोहरे हत्याकांड में कथित तौर पर शामिल थे। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक किशोर कौशल ने बताया कि ये गिरफ्तारियां तब हुईं, जब ये लोग पूर्वी सिंहभूम जिले के बेनासोल गांव में स्वर्णरेखा नदी पंप हाउस के पास डकैती को अंजाम देने की योजना बना रहे थे। छह अपराधियों में राजू तांती और शत्रुघ्न हांसदा सरायकेला-खरसावां जिले के निवासी हैं। तांती और हांसदा पर आठ दिसंबर को मानगो में एक सिपाही और एक अपराधी को गोली मारने का आरोप है।

साढ़े 10 लाख का गांजा जब्त

53 किलो गांजे के साथ पकड़े गए 2 तस्कर, मध्यप्रदेश के रहने वाले हैं दोनों आरोपी

धमतरी, 11 जनवरी (एजेंसियां)। धमतरी जिले में बुधवार को 53 किलो गांजे के साथ 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। जब्त गांजे की कीमत 10 लाख 60 हजार रुपए है। दोनों तस्कर कार से गांजा सप्लाई कर रहे थे। 53 किलो गांजा, कार और मोबाइल समेत 11 लाख 10 हजार 800 रुपए जब्त किए गए हैं।

धमतरी जिले में गांजा तस्करी के मामले में ये साल 2024 की पहली कार्रवाई है। एसडीओपी मयंक रणसिंह ने बताया कि 10 जनवरी को मुखबिरों से सूचना मिली थी कि ओडिशा से मारुति कार एमपी 20 एफए 2513 से गांजा तस्करी हो रही है। बोराई चेक पोस्ट बैरियर के पास गाड़ियों की जांच हुई। कार रोककर तलाशी ली गई, तो 3 बोरियों में गांजा भरा हुआ मिला।

वहीं कार में 2 लोग सवार मिले, जिन्होंने पूछताछ में अपना नाम तोषण उर्फ राजा विश्वकर्मा (32) और विजय विश्वकर्मा (36) बताया। तोषण सतना के वार्ड नंबर 15 गाजन थाना रामपुर बधेलान और विजय रतहरी थाना सिविल लाइन रीवा मध्यप्रदेश का रहने वाला है। दोनों तस्करों ने अपना जुर्म कबूल कर लिया, जिसके बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है। दोनों तस्करों को धारा 20 (ख) नारकोटिक्स एक्ट के तहत गिरफ्तार किया गया है। उन्हें कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेजा गया है। बता दें कि नशे के अवैध कारोबार के कारण अपराध लगातार बढ़ रहा है। प्रदेश के गृहमंत्री विजय शर्मा ने डीजीपी को नशे पर कार्रवाई करने की सख्त हिदायत दी। इसके तुरंत बाद डीजीपी अशोक जुनेजा ने धमतरी सहित प्रदेशभर के एसपी को नशे के खिलाफ कार्रवाई करने के निर्देश दिए। डीजीपी की फटकार मिलने के बाद पुलिस अब एक्शन मोड में है। बुधवार को धमतरी जिले में ओडिशा-छत्तीसगढ़ सीमा स्थित बोराई नाके के पास वाहनों की जांच की गई। आरोपी धमतरी के गंगरेल डुबान के जंगलों में अवैध तरीके से महुआ शराब बनाकर बेच रहे हैं। फुटहामुड़ा, कोटाभर्री, सियादेही, कोपेडीह में महुआ शराब अवैध तरीके से बनाई जा रही है। साथ ही मगरलोड, कुरूद, भटगांव, केरेगांव, नगरी के दुगली जंगल में लाखों का जुआ फड़ चल रहा है। कुछ होटल और ढाबों पर भी अवैध तरीके से नशे का कारोबार धड़ल्ले से जारी है।

3000 रुपए के लिए 3 साल के भतीजे की हत्या

धनबाद, 11 जनवरी (एजेंसियां)। धनबाद के चिरकुंडा में सिर्फ तीन हजार रुपए के लिए चाचा ने अपने ही तीन साल के भतीजे की हत्या कर दी। चाचा पिंटू राम ने अपने ही तीन साल के मासूम भतीजे शिवा (3) को अगवा किया, फिर उसे मार दिया। और शव को पास के जंगल में फेंक दिया। वारदात के 2 दिन बाद चिरकुंडा थाने की पुलिस ने बुधवार को बच्चे का शव बरामद किया है। शैलेश राम की पत्नी ने अपने देवर पिंटू से 3 हजार रुपए उधार लिए थे। पिंटू अपने पैसे मांग रहा था। इसी को लेकर रविवार को दोनों भाइयों में बहस हुई। जिसके बाद गुस्से में पिंटू शिवा को अपने साथ ले गया। शाम तक बेटा नहीं आया तो परिवार ने उसकी खोज की। इस दौरान पिंटू ने भी फोन नहीं उठाया। बुधवार को शराब के नशे में उसने पूरी बात बताई।

जिनपिंग ने कहा-मालदीव की आजादी की रक्षा करेंगे

भारत से विवाद के बीच राष्ट्रपति मुइज्जू के साथ टूरिज्म सहित 20 अहम समझौते किए

बीजिंग, 11 जनवरी (एजेंसियां)। भारत से विवाद के बीच मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू चीन के दौरे पर हैं। इस दौरान बुधवार को उन्होंने राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात की। बीजिंग के ग्रेट हॉल ऑफ पीपल में मुइज्जू का स्वागत करते हुए राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने मालदीव को अपना पुराना साथी बताया है।

उन्होंने कहा कि मालदीव-चीन के पास ये मौका है कि वो अपनी ऐतिहासिक साझेदारी को भविष्य में और आगे बढ़ाएं। शी जिनपिंग से बातचीत के दौरान मुइज्जू ने कहा कि चीन ने मालदीव की आर्थिक सफलता में जो सहयोग किया है उसके लिए वो आभारी हैं।

चीन की सिन्हुआ न्यूज एजेंसी के मुताबिक शी जिनपिंग ने कहा कि चीन मालदीव के राष्ट्रीय हित में किए जा रहे विकास के एजेंडे में उनकी मदद करेगा। मालदीव की संप्रभुता, स्वतंत्रता, क्षेत्रीय अखंडता और राष्ट्रीय गरिमा की रक्षा करने में चीन उनके साथ खड़ा है।

चीन-मालदीव में टूरिज्म समेत 20 अहम समझौते हुए

भारत से विवाद के बीच मालदीव-चीन में पर्यटन सहयोग सहित 20 अहम समझौते हुए हैं। शी जिनपिंग ने कहा है कि वो मालदीव में टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए दोनों देशों के बीच डायरेक्ट उड़ने वाली फ्लाइट्स की संख्या बढ़ाएंगे। मुइज्जू ने कहा कि वे चीन में अपने पहले आधिकारिक दौरे को लेकर सम्मानित महसूस कर रहे हैं। उन्हें खुशी है कि वो चीन के लिए इस साल के पहले विदेशी मेहमान हैं।

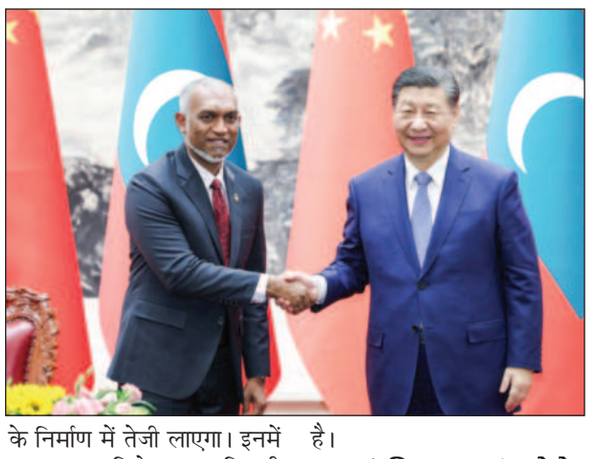

मालदीव के राष्ट्रपति कार्यालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया कि मालदीव सरकार और चीन सरकार के बीच 20 अहम समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए और ये दोनों राष्ट्रपतियों की मौजूदगी में हुआ। दोनों देशों के बीच हुए समझौतों में टूरिज़्म कोऑपरेशन, ब्लू इकॉनमी, आपदा प्रबंधन, शामिल है।

बीआरआई के जरिए मालदीव में तेजी से इंफ्रास्ट्रक्चर का निर्माण करेगा चीन

चीन बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) के जरिए मालदीव में इंफ्रास्ट्रक्चर के निर्माण में तेजी लाएगा। इनमें आवास परियोजना, फिशरी उत्पादों के कारखाने बनाना, माले और विलीमाले में सड़क विकास परियोजनाओं का विकास करना शामिल है। वहीं, मुइज्जू के इस दौरे के बाद दोनों देशों के संबंध कोमप्रिहेंसिव स्ट्रैटेजिक कोआपरेटिव पार्टनरशिप तक पहुंच गए हैं।

ये दो देशों के बीच तीसरे लेवल की सबसे बड़ी साझेदारी मानी जाती है। किसी भी देश के साथ इस साझेदारी से चीन ये दिखाता है कि वो देश उनके रणनीतिक रूप से कितना अहम है।

राष्ट्रपति मुइज्जू बोले- मालदीव में ज्यादा से ज्यादा पर्यटक भेजे चीन

दूसरी तरफ पांच दिन की ऑफिशियल विजिट पर चीन गए मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जु ने मंगलवार को चीन से अपने पर्यटकों की संख्या बढ़ाने की अपील की। मुइज्जू ने कहा- चीन हमारा खास सहयोगी और डेपलपमेंट पार्टनर है। हम चाहते हैं कि यहां के ज्यादा टूरिस्ट मालदीव आएं। दोनों देशों के बीच हिंद महासागर में टूरिज्म सेक्टर को बढ़ावा देने के लिए 50 मिलियन डॉलर के समझौते भी हुए।

कैसे शुरू हुआ भारत-मालदीव विवाद

मोहम्मद मुइज्जू ने अपनी चुनावी कैंपेन में इंडिया आउट का नारा दिया। मुइज्जू ने सत्ता में आने के बाद भारत के सैनिकों को निकाल लेने के आदेश दिए।

भारत के साथ हाइड्रोग्राफिक सर्वे एग्रीमेंट खत्म करने की घोषणा की।

मालदीव के दो मंत्रियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारत के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी की।

मालदीव में चीन के निवेश पर नजर

मालदीव पर चीन का 1.37 बिलियन डॉलर यानी 11 हजार करोड़ रुपए का कर्ज है। जो मालदीव के कुल कर्ज का 20% है। चीन के बाद मालदीव को कर्ज देने वालों में दूसरे नंबर पर सऊदी अरब और तीसरे नंबर पर भारत है। मालदीव के 2014 में बीआरआई में शामिल होने के बाद वहां चीनी कंपनियों का निवेश बढ़कर 1.37 बिलियन डॉलर हो चुका है।

निखिल गुप्ता पर लगे आरोपों की विस्तृत जानकारी देने से अमेरिका का इनकार

वॉशिंगटन, 11 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका में खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की साजिश रचने के आरोप में चेक गणराज्य की जेल में बंद भारतीय नागरिक निखिल गुप्ता पर लगे आरोपों की विस्तृत जानकारी देने से अमेरिकी सरकार ने इनकार कर दिया है। अमेरिका ने कोर्ट में कहा कि जब निखिल गुप्ता को न्यूयॉर्क की अदालत में पेश किया जाएगा और उस पर मुकदमा शुरू होगा, तभी उसके खिलाफ लगे आरोपों की विस्तृत जानकारी दी जाएगी। दरअसल अमेरिका में निखिल गुप्ता के वकील ने अदालत में प्रस्ताव पेश कर आरोपों की जानकारी मांगी थी, ताकि वह बचाव की तैयारी कर सकें। निखिल गुप्ता के वकील ने अदालत को ये भी बताया कि चेक गणराज्य की जेल में निखिल गुप्ता के मानवाधिकारों का उल्लंघन हो रहा है। वकील ने दावा किया कि निखिल गुप्ता को लंबे समय तक एकांतवास में रखा जा रहा है। कोर्ट दस्तावेजों में ये भी कहा गया है कि निखिल गुप्ता अंतिम बार साल 2017 में अमेरिका आया

था। निखिल गुप्ता (52 वर्षीय) के खिलाफ बीते साल नवंबर में संघीय अभियोजक ने अमेरिका में खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की साजिश रचने का आरोप लगाया था। आरोप है कि निखिल गुप्ता ने भारत सरकार के एक कथित सरकारी कर्मचारी के साथ मिलकर अमेरिका में पन्नू की हत्या की साजिश रची थी। गुप्ता को बीते साल 30 जून को चेक रिपब्लिक के प्राग में गिरफ्तार किया गया था। उसके बाद से वह प्राग की जेल में बंद है और अमेरिका द्वारा निखिल गुप्ता के अमेरिका प्रत्यर्पण की कोशिश की जा रही है। निखिल गुप्ता के अमेरिका में वकील जेफ चेब्रोव ने बीती 4 जनवरी को न्यूयॉर्क की सदर्न डिस्ट्रिक्ट कोर्ट में एक प्रस्ताव पेश किया। इस प्रस्ताव में मांग की गई है कि अदालत संघीय अभियोजक को निर्देश दे कि वह तत्काल आरोपों का बचाव करने के लिए संबंधित दस्तावेज मुहैया कराए ताकि बचाव के लिए तैयारी की जा सके। कोर्ट दस्तावेजों में बताया गया है कि निखिल गुप्ता के परिवार को भी उससे बहुत कम मिलने दिया जा रहा है। साथ ही गुप्ता को काउसलर एक्सेस भी नहीं दिया गया है और जेल में उसके मानवाधिकारों का उल्लंघन हो रहा है।

चेक गणराज्य के सुप्रीम कोर्ट में भी निखिल गुप्ता की तरफ से बंदी याचिका दायर की गई है। जज विक्टर मारेरो ने निखिल गुप्ता के वकील के प्रस्ताव पर जवाब देने के लिए अमेरिकी सरकार को तीन दिन का समय दिया था। जिस पर अमेरिकी सरकार ने बुधवार को कहा कि इस प्रस्ताव में जो डिस्कवरी मैटेरियल की मांग की गई है, उसे देने से इनकार कर देना चाहिए, जब निखिल गुप्ता को न्यूयॉर्क की अदालत में पेश किया जाएगा, उसके बाद ही आरोपों की विस्तृत जानकारी दी जाएगी।

निपाह वैक्सीन का ह्यूमन ट्रायल

कारगर रही तो इस बीमारी का यह पहला टीका होगा, 2018 में इससे केरल में 17 मौतें हुई थीं

वॉशिंगटन, 11 जनवरी (एजेंसियां)। ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी ने निपाह वायरस की एक वैक्सीन की ह्यूमन टेस्टिंग शुरू कर दी है। अब तक इस वायरस की कोई वैक्सीन नहीं है। अगर इसकी टेस्टिंग सफल रही तो यह निपाह वायरस की पहली वैक्सीन होगी। डॉक्टर्स दवाओं के जरिए निपाह वायरस के लक्षणों को कंट्रोल करने की कोशिश करते रहे हैं।

रॉयटर्स के मुताबिक पिछले हफ्ते 18-55 की उम्र के 52 पार्टिसिपेंट्स को इस वैक्सीन के डोज दिए गए। अब वैक्सीन का पार्टिसिपेंट्स के इम्यून सिस्टम पर क्या असर हो रहा है, इसे स्टडी किया जा रहा है। यह डोज उसी तकनीक पर आधारित है जिसका उपयोग एस्ट्राजेनेका (एजडएन.एल) और सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के कोविड-19 शॉट्स में किया गया था।

ऑक्सफोर्ड वैक्सीन ग्रुप की निगरानी में हो रही टेस्टिंग

संभावित वैक्सीन की टेस्टिंग ऑक्सफोर्ड वैक्सीन ग्रुप की निगरानी में की जा रही है। इस ग्रुप को सीईपीआई फंड दे रहा है।

सीईपीआई एक वैश्विक गठबंधन है जो नई संक्रामक बीमारियों के खिलाफ वैक्सीन बनाने का समर्थन करता है। अमेरिकी कंपनी मॉडर्ना ने भी निपाह वायरस के लिए वैक्सीन बनाने का काम शुरू किया था। 2022 में मॉडर्ना ने यूएस नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ ऐलर्जी एंड इंफेक्शियस डिसीज के साथ मिलकर वैक्सीन बनाना शुरू किया था, हालांकि इसका ट्रायल शुरू नहीं हुआ है।

केरल के कोझिकोड और मलप्पुरम जिले में 2018 में निपाह वायरस से 17 लोगों की मौत हुई थी। इससे बाद निपाह वायरस का मामला 2019 में कोच्चि में सामने आया था। वहीं, 2021 में भी कोझिकोड में निपाह वायरस का एक केस मिला था। सितंबर 2023 में भी 6 लोग निपाह से संक्रमित पाए गए थे। इसके अलावा कोझिकोड में दो लोगों की मौत हो गई थी।

6 साल में 4 बार निपाह वायरस से होने वाले संक्रमण के मामले सामने आए, इसे देखते हुए केरल में लॉकडाउन जैसे हालात हो गए थे। गंभीरता को देखते हुए राज्य सरकार ने कन्नूर, वायनाड और मलप्पुरम में अलर्ट जारी कर दिया था। यहां की 7 ग्राम पंचायतों को कंटेनमेंट जोन बनाया गया था। इन इलाकों और यहां के अस्पतालों में मास्क पहनना अनिवार्य कर दिया गया था।

निपाह वायरस एक तरह का जूनोटिक इन्फेक्शन है। जो जानवर से फैलता है। टोरंटो हेल्थ साइंस सेंटर की माइक्रोबायोलॉजिस्ट डॉ. समीरा मुबारेका का कहना है निपाह चमगादड़ और सुअर जैसे जानवरों से इंसानों में फैल सकता है।

मलेशिया में मिला था निपाह

डब्ल्यूएचओ (विश्व स्वास्थ्य संगठन) के मुताबिक, 1998 में मलेशिया के सुंगई निपाह गांव में पहली बार निपाह वायरस का पता चला था। इसी गांव के नाम पर ही इसका नाम निपाह पड़ा। तब सुअर पालने वाले किसान इस वायरस से संक्रमित मिले थे।

पासपोर्ट रैंकिंग में भारत 80वें स्थान पर

पाक के पास दुनिया का चौथा सबसे कमजोर पासपोर्ट जंग के बावजूद यूक्रेनी पासपोर्ट रूस से मजबूत

इस्लामाबाद, 11 जनवरी (एजेंसियां)। दुनिया में 6 देशों के पास सबसे पावरफुल पासपोर्ट है। इनमें जापान, सिंगापुर, स्पेन, फ्रांस, इटली और जर्मनी शामिल हैं। पासपोर्ट रैंकिंग जारी करने वाले ऑर्गेनाइजेशन हेनली एंड पार्टनर्स ने 2024 के लिए पासपोर्ट इंडेक्स जारी किया है। ये रैंकिंग इंटरनेशनल एयर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन (आईएटीए) के डेटा पर आधारित है।

रैंकिंग में भारत 80वें स्थान पर कायम है। 2023 में भी भारत की यही रैंक थी। हालांकि, पिछले साल की तुलना में इस साल भारतीय 5 ज्यादा देशों में वीजा फ्री ट्रैवल कर सकते हैं। 2023 में भारत के लोग 57 देशों में बिना वीजा ट्रैवल कर सकते थे, जबकि इस साल यह आंकड़ा बढ़कर 62 हो गया है। वहीं भारत के पड़ोसी देश पाकिस्तान के पास दुनिया का चौथा सबसे कमजोर पासपोर्ट है। पाकिस्तान की पासपोर्ट रैंकिंग 101 है। यहां के नागरिक 34 देशों में वीजा फ्री ट्रैवल कर सकते हैं। करीब 2 साल से जारी जंग के बावजूद यूक्रेन का पासपोर्ट न सिर्फ भारत बल्कि रूस के पासपोर्ट से भी ज्यादा पावरफुल

है। हेनली एंड पार्टनर्स की रैंकिंग में यूक्रेन के पासपोर्ट को 32वां स्थान मिला है। यहां के नागरिक 148 देशों में वीजा फ्री ट्रैवल कर सकते हैं। वहीं रूस के पासपोर्ट की रैंकिंग 51 है। रूसी नागरिक 119 देशों में बिना वीजा के जा सकते हैं। 3 महीने से हमास के साथ युद्ध लड़ रहे इजराइल की पासपोर्ट रैंकिंग 21 है।

पासपोर्ट रैंकिंग में शुरुआती 5 पायदान पर यूरोपियन देशों का दबदबा है। इसमें दूसरे स्थान पर फिनलैंड, स्वीडन और साउथ कोरिया हैं, जिनके नागरिक बना वीजा के 193 देशों में ट्रैवल कर सकते हैं। वहीं ऑस्ट्रिया, डेनमार्क, आयरलैंड और नीदरलैंड के पासपोर्ट को थर्ड रैंकिंग मिली है। पावरफुल पासपोर्ट के मामले में सबसे ऊंची छलांग यूएई ने लगाई है। इस देश ने 2014 के बाद से अपने वीजा-फ्री स्कोर में 106 देशों को जोड़ा है, जिसके साथ 2024 के फर्स्ट हाफ के लिए यूएई की पासपोर्ट रैंकिंग 11 रही है। वहीं अमेरिका का पासपोर्ट 7वें और ब्रिटेन का चौथे स्थान पर है। चीन की पासपोर्ट रैंकिंग 62 है। दूसरी तरफ, अफगानिस्तान का पासपोर्ट 104th रैंक के साथ दुनिया का सबसे कमजोर पासपोर्ट है। हेनली एंड पार्टनर्स के चेयरमैन क्रिश्चियन कैलिन ने कहा- 2006 की तुलना में अब यात्री दोगुने देशों में वीजा फ्री ट्रैवल कर सकते हैं। 2006 में औसत तौर पर यात्रियों के पास 58 देशों में बिना वीजा ट्रैवल करने की मंजूरी थी। 2024 में यह संख्या बढ़कर 111 हो गई है।

कैसे तय होती है रैंकिंग

साल में दो बार यह रैंकिंग जारी की जाती है। पहली बार जनवरी और दूसरे बार जुलाई में इंडेक्स जारी किए जाते हैं। हेनली पासपोर्ट वीजा इंडेक्स की वेबसाइट के मुताबिक- पूरे साल रियलटाइम डेटा अपडेट किया जाता है। वीजा पॉलिसी में बदलाव भी ध्यान में रखे जाते हैं।

रैंकिंग इस आधार पर तय की जाती है कि किसी देश का पासपोर्ट होल्डर कितने दूसरे देशों में बिना पूर्व वीजा (प्रायर वीजा) हासिल किए यात्रा कर सकता है।

ईरान ने रूस के लिए बनाया हाईटेक ड्रोन

यूक्रेन युद्ध में इस्तेमाल के लिए देगा

तेहरान, 11 जनवरी (एजेंसियां)। ईरान ने यूक्रे रूस के लिए एक नया हमलावर ड्रोन, शहीद-107 तैयार किया है। सात ही वह रूस को सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइलें भी देने जा रहा है। स्काई न्यूज ने सुरक्षा स्रोत का हवाला देते हुए बुधवार को अपनी रिपोर्ट में ये दावा किया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि ईरान सौदे के तहत रूस को ड्रोन की कुछ यूनिट बेची भी हैं, जिनकी अनुमानित कीमत 2 मिलियन डॉलर से ज्यादा है। ईरान और रूस के बीच हाल के समय में हथियारों की कई डील हुई हैं। जिस पर अमेरिका ने एतराज भी जताया है।

ईरान का ड्रोन 'शहीद-107' यूक्रेनी बलों द्वारा उपयोग किए जाने वाले ब्रिटिश और अमेरिकी मल्टीपल-लॉन्च रॉकेट सिस्टम जैसे उच्च-मूल्य वाले युद्धक्षेत्र लक्ष्यों की तलाश करने की तकनीक से लैस है। शहीद-107

ड्रोन 1,500 किमी की रेंज के साथ वीडियो फीड प्रदान करता है। 'शहीद-107' ईरान के मानव रहित 'शहीद फैमिली' ड्रोन का हिस्सा है। ये विस्फोटक और टोही, दोनों के रूप में काम कर सकता है। यूएवी के शहीद-101 परिवार के ड्रोन में सभी की एक विशिष्ट वी-आकार की पूंछ होती है। ये यूएवी ढाई मीटर लंबा है, इसके पंखों का फैलाव तीन मीटर है और इसे वाहनों से लॉन्च किया जा सकता है।

तेहरान पर यूक्रेन और उसके सहयोगियों द्वारा रूस को शहीद-131 और शहीद-136 सहित एकतरफा हमले वाले ड्रोन की आपूर्ति करने का भी आरोप लगाया गया है, जिन्हें आत्मघाती ड्रोन कहा जाता है क्योंकि वे लक्ष्य पर उड़ते हैं और खुद को ब्लास्ट करते हैं।

रूस ने यूक्रेन के खिलाफ अपने युद्ध में देश भर में नागरिक और सैन्य लक्ष्यों के खतरे को देखते हुए ड्रोन और मिसाइल हमलों का संयोजन किया है। उत्तर कोरिया और ईरान से हथियारों के सौदे को लेकर अमेरिका भी रूस को घेर रहा है। हाल ही में अमरिका की ओर से जारी एक बयान में कहा गया था कि रूस को उत्तर कोरिया के शासक किम जोंग उन से मदद मिल रही हैं। अमेरिका ने कहा है कि उत्तर कोरिया ने यूक्रेन के खिलाफ इस्तेमाल के लिए रूस को बैलिस्टिक मिसाइलें मुहैया कराईं हैं।

फ्लाइट के उड़ान भरने से पहले ही केबिन का दरवाजा खोलकर कूदा यात्री

टोरंटो, 11 जनवरी (एजेंसियां)। एयर कनाडा की उड़ान में सवार एक यात्री दुबई के लिए उड़ान भरने से पहले ही विमान से कूद गया। यह घटना आठ जनवरी की है, जब यात्री टोरंटो इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर विमान में चढ़ा, लेकिन बाद में अपनी सीट पर बैठने की बजाय केबिन का दरवाजा खोलकर उसमें से बाहर कूद गया। वह 20 फीट की ऊंचाई से नीचे गिरा। इस हादसे में उसे मामूली चोटें आई है। हादसे के बाद क्षेत्रीय पुलिस और आपातकाल सेवाओं को घटनास्थल पर बुलाया गया। एयर कनाडा वेबसाइट के अनुसार, इस घटना के कारण बोइंग 747 के उड़ान भरने में छह घंटे की देरी हुई। एयरलाइन के प्रवक्ता ने कहा, 'इस मामले की जांच जारी है। सभी प्रक्रियाओं का पालन किया जा रहा है। उनकी चोट कितनी गहरी है, इसके बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई है।' फिलहाल यह भी स्पष्ट नहींहो पाया है कि यात्री की इस हरकत के कारण उसे गिरफ्तार किया जाएगा या नहीं। इस हादसे के कुछ दिन पहले ही एक 16 वर्षीय यात्री एयर कनाडा की फ्लाइट में एक परिवार पर हमला किया था। इस घटना के कारण अन्य यात्रियों को तीन घंटे तक इंतजार करना पड़ा था। रॉयल कैनेडियन पुलिस ने बताया कि जब विमान टोरंटो से कैलगरी जा रही थी, तब यह हादसा हुआ। अधिकारियों ने बताया कि 16 वर्षीय यात्री को अन्य यात्रियों और स्टाफ ने रोकने की कोशिश की थी। उन्होंने बताया कि इस हमले में परिवार के सदस्यों को चोटें भी आई थी। आरोपी को हिरासत में लेने के बाद उसे मेडिकल जांच के लिए अस्पताल ले जाा गया था।

पुलिस हड़ताल पर गई, शहर में लूट मची-हिंसा भड़की

15 मौतें, पापुआ न्यू गिनी में लोगों ने दुकानें जलाईं-संसद में घुसने की कोशिश की

पोर्ट मोरेस्बी, 11 जनवरी (एजेंसियां)। पापुआ न्यू गिनी की राजधानी पोर्ट मोरेस्बी में बुधवार को पुलिस हड़ताल पर चली गई। इसके बाद शहर के हाल बेकाबू हो गए। लोगों ने लूटपाट मचाई, दंगे भी भड़क गए।

बीबीसी के मुताबिक पुलिस की गैरमौजूदगी में लोगों ने सुपरमार्केट और दुकानों में घुसकर तोड़फोड़ की और सामान उठा कर ले गए। इसके अलावा कुछ उपद्रिवयों ने सड़कों पर खड़ी गाड़ियों और छोटी दुकानों में आग लगा दी।

पुलिस वेतन को लेकर संसद के बाहर प्रदर्शन कर रही थी। इस बीच लोग भी वहां जमा हो गए। ये लोग संसद में घुसने की कोशिश करने लगे। लोगों ने प्रधानमंत्री ऑफिस के कंपाउंड में खड़ी गाड़ी को आग के हवाले कर दिया।

कम वेतन मिलने पर हड़ताल पर बैठे थे पुलिसकर्मी

पापुआ न्यू गिनी में बेरोजगारी और महंगाई बढ़ रही है। दूसरी तरफ वेतन बढ़ाने की जगह पुलिसकर्मियों को वेतन 50% तक कम दिया गया। इससे नाराज पुलिसकर्मी संसद के बाहर हड़ताल पर बैठे थे। इसके बाद शहर में हिंसा बढ़ गई। पोर्ट मोरेस्बी जनरल अस्पताल ने राजधानी में आठ मौतों की पुष्टि की। वहीं, पापुआ न्यू गिनी के दूसरे सबसे बड़े शहर- लाए में सात अन्य लोगों की मौत की सूचना मिली। हिंसा में कुल 15 लोग मारे गए हैं। गुरुवार को पापुआ न्यू गिनी के प्रधानमंत्री जेम्स मारापे ने देश के नाम संबोधन दिया। कहा- इस तरह की हिंसा को सहन नहीं किया जाएगा। लोगों ने पुलिस का गैरमौजूदगी का फायदा उठाया है। कानून को तोड़ना गलत है। इससे कुछ हासिल नहीं होगा। लोगों को इस घटना से काफी नुकसान हुआ है। मैं इस पूरी घटना के लिए माफी मांगता हूं। उन्होंने पुलिस के वेतन को लेकर कहा- कंप्यूटर में आई तकनीकी खराबी के पुलिसकर्मियों का वेतन कम आया है। सरकार ने किसी का वेतन नहीं घटाया है। जल्द तकनीकी खराबी को ठीक किया जाएगा। अगले महीने सबका वेतन पिछले बकाए के साथ मिल जाएगा। न्यूयॉर्क पोस्ट के मुताबिक प्रधानमंत्री मार्पे ने कहा- सोशल मीडिया पर गलत जानकारी फैली और लोगों ने इसे सच मान लिया। यही हिंसा की वजह बन गई। दरअसल, सोशल मीडिया पर वायरल हो गया कि सरकार इनकम टैक्स बढ़ाने वाली है। लोग इससे भड़क गए। सरकार के खिलाफ बातें होने लगीं और लोग हिंसा और प्रदर्शन करने लगे। एक चश्मदीद ने कहा- जिन लोगों ने हिंसा की वो शहर के बाहरी इलाकों से आए थे।

दुनिया के सबसे बड़े हीरे उगलता है बोत्सवाना

गबोरोने, 11 जनवरी (एजेंसियां)। अफ्रीकी देश बोत्सवाना और हीरे की दिग्गज कंपनी डी बीयर्स ने मात्रा के हिसाब से दुनिया की सबसे अमीर हीरे की खदान में खुदाई के लिए एक अरब डॉलर के निवेश को मंजूरी दी है। बुधवार को ज्वाइंट वेंटर की ओर से ये जानकारी दी गई है। देबस्वाना डायमंड कंपनी के बोर्ड ने कहा कि उसने ज्वानेंग खदान के काम को आगे बढ़ा दिया है, जिससे इसे खुले गड्ढे वाली जगह से अंडरग्राउंड ऑपरेशन में बदल दिया जाएगा। यह निर्णय ऐसे समय आया है, जब वैश्विक हीरा बाजार की स्थिति कमजोर चल रही है, 2023 में पॉलिश किए गए हीरों की कीमतों में पांचवीं गिरावट देखी गई, जिससे कच्चे हीरे के दाम भी नीचे गिर गए। डी बीयर्स और बोत्सवाना सरकार संयुक्त रूप से देबस्वाना डायमंड की मालिक है। कंपनी ने कहा है कि ये निवेश किम्बरलाइट पाइप के नमूने की सुविधा के लिए एक ड्रिलिंग प्लेटफॉर्म स्थापित करने के लिए धन देगा। साथ ही परियोजना से आवश्यक बुनियादी ढांचा विकसित करने में भी मदद मिलेगी। अंडरग्राउंड काम इस साल मई में शुरू होगा और इसे दो और इसे दो चरणों किया जाएगा। डी बीयर्स ने कहा कि इसका उद्देश्य दीर्घकालिक हीरे की आपूर्ति को मजबूत करने के माहौल में खदान में दीर्घकालिक भविष्य के उत्पादन का समर्थन करना है। ये खदान सरकार और डी बीयर्स के बीच एक 50-50 संयुक्त उद्यम, जो अधिकांश रत्नों की नीलामी करता है। कंपनी ने पिछले साल कहा था कि कीमती रत्नों की मांग में वैश्विक गिरावट के बीच निवेश किया जाएगा, जिससे इसमें 20 साल तक और खुदाई की जा सकेगी और प्रति वर्ष नौ मिलियन कैरेट तक हीरे निकलेंगे। बोत्सवाना अफ्रीका का प्रमुख हीरा उत्पादक है और हीरे के खनन से इसकी जीडीपी का एक तिहाई हिस्सा आता है।

अमेरिकी सांसद ने की हिंदू मंदिरों पर हमले की निंदा

राम मंदिर के उद्घाटन को बताया ऐतिहासिक

वॉशिंगटन, 11 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय-अमेरिकी सांसद श्री थानेदार ने अमेरिका में हिंदू मंदिरों पर हुए हालिया हमले की निंदा करते हुए इसे अस्वीकार्य बताया है। उन्होंने कहा कि हम इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे। श्री थानेदार ने कहा, 'हम इस तरह के डर, हिंदू फोबिया को बर्दाश्त नहीं करेंगे। उन्होंने धर्म के बारे में बताते हुए कहा कि यह प्यार, एक-दूसरे की मदद करने और एक-दूसरे के लिए अच्छे काम करने के बारे में है। जो हिंदू मंदिरों पर हमले कर रहे हैं, मैं उनकी कड़ी निंदा करता हूं। मैं होमलैंड सिक्योरिटी कमेटी में काम करता हूं और मैं धार्मिक संगठनों को एकसाथ बेहतर काम करने में मदद के लिए अपनी कमेटी के सदस्यों से बात कर रहा हूं। उन्हें अपने धार्मिक संगठकों की रक्षा के लिए आवश्यक धन प्रदान करनेइसके साथ उन्हें हिंदू फोबिया से लड़ने में मदद के लिए निर्देशित कर रहा हूं।

भारतीय-अमेरिकी सांसद श्री थानेदार ने वॉशिंगटन डीसी में 'रामायण अक्रॉस एशिया एंड बियॉन्ड' कार्यक्रम के दौरान मीडिया से बात की। इस कार्यक्रम में उन्होंने 22 जनवरी को आयोध्या में राम मंदिर के उद्घाटन पर भी बात की। उन्होंने राम मंदिर के निर्माण को भारतीयों के लिए गर्व का क्षण बताया है। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि यह बहुत ज्यादा मायने रखता है। यह ऐतिहासिक है और राम मंदिर का निर्माण प्रत्येक भारतीय के लिए गर्व का क्षण है। मैंने तस्वीरें देखीं, यह बहुत शानदार है।

रामायण के माध्यम से हम लोगों को एकसाथ लाते हैं। यह एक सांस्कृतिक बंधन है, जो समान विचारधारा वाले लोगों के साथ है। हम देखते हैं कि रामायण को 15 विभिन्न देशों और एशिया-प्रशांत देशों में भी सराहा गया है।

सीएम का टोंक में जोरदार स्वागत

सोहेला के पास हाइवे पर भजनलाल ने ढाबे की चाय पी, कार्यकर्ताओं से की बात

टोंक, 11 जनवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा केकड़ी से जयपुर जाते समय टोंक में हाइवे पर एक होटल के बाहर कुछ देर के लिए रुके। भाजपा कार्यकर्ताओं ने जिलाध्यक्ष राजेंद्र सिंह पराना के नेतृत्व में उनका जोरदार स्वागत किया। उन्होंने भरोसा दिलाया कि टोंक के विकास और कानून व्यवस्था अच्छी बनाए रखने में पूरा सहयोग किया जाएगा। करीब पांच मिनट रुकने के बाद वे जयपुर के लिए रवाना हो गए।

सीएम ने ढाबे की चाय पी

बनास नदी के पार सोहेला के पास हाइवे किनारे अलाव जलता देख अचानक रुक गए। रात के समय अचानक सीएम के रुककर उतरते ही पूरा काफिला सन्न सा रह गया। फिर वे अलाव के पास पहुंचे और वहां पहले से अलाव ताप रहे लोगों से बातचीत की और हालचाल जाने। यह देख ग्रामीण भी हैरान से रह गए। वहां लोगों ने पास के ढाबे से चाय बनवाकर सीएम को पिलाई। इस दौरान सीएम ने एक बच्ची ट्विंकल से भी मुलाक़ात की और उसे अपना परिचय दिया तो बच्ची और ग्रामीण काफी खुश हुए। उसके बाद वे रात करीब आठ बजे बाद रवाना हो गए। इससे पहले टोंक में मीडियाकर्मियों ने उनसे बातचीत करने की कोशिश की, लेकिन उन्होंने बात नहीं की। बताया गया कि देरी के कारण मीडिया से बात नहीं की। इस दौरान उनके साथ टोंक जिले की सीमा तक कलेक्टर सौम्या झा, एसपी राजर्षि राज वर्मा आदि अधिकारी मौजूद थे।

बीजेपी जिलाध्यक्ष ने बताया कि सीएम भजन लाल शर्मा बुधवार को केकड़ी के दौरे पर थे। उनका शाम को कॉल आया कि वे टोंक होते हुए जयपुर जा रहे हैं और कार्यकर्ताओं से मिलना चाहते हैं। उसके बाद कार्यकर्ताओं को इसकी सूचना दी गई। रात करीब पौने आठ बजे सीएम शहर के पास जयपुर-कोटा रोड किनारे एक होटल के बाहर रुके जहां कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया। इस दौरान सी एम से ज्यादा बातचीत तो नहीं हुई लेकिन उन्होंने आश्वस्त किया कि टोंक की कानून व्यवस्था बनाए रखने और टोंक के विकास में कोई कमी नहीं रखी जाएगी।

इस दौरान ज़िला अध्यक्ष राजेंद्र पराना के अलावा पूर्व नगर परिषद चैयरमेन लक्ष्मी जैन, पूर्व जिलाध्यक्ष सतीश चंदेल, भाजपा के प्रभु बड़ोलिया, दुर्गेश गुप्ता, अंजली गुप्ता, विनायक जैन,पूर्व विधायक राजेन्द्र गुर्जर, नरेश बंसल, बेनी प्रसाद जैन, विष्णु शर्मा, हंसराज धाकड़, धर्मेन्द्र राजावत, राजेश शर्मा, रामकिशन गुर्जर, रोहित जैन, कमलेश यादव, लोकेश गुप्ता, लवेश मीणा, शंकर विजय, हनुमान बैरवा, देवराज गुर्जर, विकास चोपड़ा, अनिल चौधरी सहित कई भाजपाई मौजूद थे ।

मंत्री हॉस्पिटल निरीक्षण के दौरान बुजुर्ग बोला जेब कट गई

कहा- पुलिस के पास जाओ, होगी कार्रवाई, बिगड़ी कानून व्यवस्था सुधारेंगे

बाड़मेर, 11 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान में भजनलाल सरकार के मंत्री लगातार एक्शन मोड पर नजर आ रहे है। गुड़ामालानी विधायक राज्य मंत्री के.के. विश्नोई ने गुरुवार को अचानक बाड़मेर मेडिकल कॉलेज के हॉस्पिटल पहुंच गए। हॉस्पिटल की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान एक बुजुर्ग ने मंत्री से शिकायत की हॉस्पिटल में मेरी जेब कट गई। 20 हजार रुपए ले गए। इस पर मंत्री ने कहा पुलिस के पास जाओ मैं फोन करता हूं। सीसीटीवी चैक करके जल्द चोर को पकड़ने को कहा है। मंत्री ने मीडिया से कहा कि हॉस्पिटल में जैसी जरूरत होगी उसके अनुसार स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार किया जाएगा। वहीं कानून व्यवस्था के सुधार को लेकर एसपी से मुलाकात की है।

दरअसल, राजस्थान में मंत्री

बनने के बाद मंत्री अपने-अपने जिले और क्षेत्र के दौरे पर है। गुरुवार को राज्य मंत्री बनने के बाद पहली बार गुड़ामालानी विधायक बाड़मेर पहुंचे। सर्किट हाउस में राज्य मंत्री का स्वागत किया गया। मंत्री बाड़मेर एसपी दिगंत आनंद के घर पर पहुंचे। वहां पर मुलाकात के दौरान जिले में कानून व्यवस्था को लेकर चर्चा की। वहां से अचानक डिस्ट्रिक्ट हॉस्पिटल पहुंच गए। वहां पर इमरजेंसी, पर्ची काउटंर, वार्डो का निरीक्षण किया। वहीं वार्ड में भर्ती मरीजों से बात की।

निरीक्षण के दौरान एक बुजुर्ग मंत्री के पास पहुंचा कहने लगा कि मैं पर्ची कटवाने के लिए लाइन में खड़ा था हॉस्पिटल में मेरी जेब का दी। करीब 20 हजार रुपए ले गए। इसके बाद बुजुर्ग मरीज ने मंत्री के के बिश्नोई से गुहार लगाते हुए कहा कि साहब अस्पताल में पर्ची कटवाने के लिए लाइन में खड़ा था उसे दौरान किसी अज्ञात व्यक्ति ने उसकी जेब से पर्स चोरी हो गया। इसके बाद मंत्री केके विश्नोई ने पीड़ित बुजुर्ग को कहा कि आप पुलिस के पास जाओ वह आपकी कार्रवाई करेगी मैं पुलिस को फोन करता हूं। पीएमओ को कहा कि सीसीटीवी फुटेज देखने व हॉस्पिटल सुरक्षा बढ़ाने को कहा। सीसीटीवी फुटेज देखेंगें।

मंत्री के.के विश्नोई मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि बाड़मेर हॉस्पिटल का निरीक्षण किया है। पीएमओ के साथ हॉस्पिटल की व्यवस्थाओं को देखा ठीक पाई गई है। हॉस्पिटल में जो आवश्यकता है होगी उन स्वास्थ्य सुविधाओं को विकसित किया जाएगा। उन्होंने एसपी के साथ बैठक कर जिले में कानून व्यवस्था को लेकर चर्चा की। मंत्री ने पूर्ववर्ती गहलोत सरकार पर निशाना चाहते हुए कहा कि पूर्ववर्ती सरकार में कानून व्यवस्थाओं को लेकर कई सारी समस्याएं थी। जिसको लेकर एसपी के साथ मीटिंग कर उन समस्याओं के समाधान पर चर्चा की है।

चार महीने पहले हो चुका शिलान्यास, अब दीया कुमारी पहुंची

जयपुर में उप मुख्यमंत्री ने फिर से पानी की टंकी का किया शिलान्यास, पहले भी हुआ था विवाद

जयपुर, 11 जनवरी (एजेंसियां)। जयपुर के नेताओं में प्रोजेक्ट का शिलान्यास करने की होड़ मची हुई है। ऐसा ही कुछ बुधवार को देखने को मिला, जब उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी एक पानी की टंकी का शिलान्यास करने पहुंची। इसका चार महीने पहले स्थानीय कांग्रेसी नेता शिलान्यास करके काम शुरू करवा चुके थे।

जयपुर के विद्याधर नगर स्थित वार्ड 9 में चरण नदी के पास बनने वाली पानी की टंकी का शिलान्यास चार माह पहले 28 सितम्बर 2023 को कांग्रेस नेता सीताराम अग्रवाल ने शिलान्यास किया था। इस शिलान्यास कार्यक्रम में विवाद भी हुआ था। स्थानीय विधायक नरपत सिंह राजवी अपने समर्थकों के साथ पहुंच गए थे। उन्होंने विधायक की अनदेखी करने का आरोप लगाते हुए खुद इस प्रोजेक्ट का शिलान्यास करके गए।

चुनाव होने के बाद चेहरा बदल गया। यहां से दीया कुमारी विधायक बन गई। उन्होंने बुधवार को इस टंकी का दोबारा शिलान्यास कर दिया। साथ ही कहा कि ये टंकी एक साल में बनकर तैयार हो जाएगी और इसकी गुणवत्ता का भी विशेष ध्यान रखा जाएगा।

उप मुख्यमंत्री ने शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि राजस्थान में प्रधानमंत्री

नरेन्द्र मोदी की गारंटिया लागू हो चुकी है। उसी का परिणाम है कि इस पानी की टंकी का शिलान्यास हो रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार सभी योजनाओं को वास्तविक धरातल पर उतार रही है, ताकि आमजन को वास्तविक रूप से लाभ मिलें। उन्होंने कहा कि जिन लोगों के नाम मतदाता सूची से हट गए हैं या किन्हीं कारणों से जुड़े नहीं है, वो अपना नाम शीघ्र जुड़वाएं। उन्होने लोगों से अपील करते हुए कहा कि सभी लोगों को विकसित भारत संकल्प यात्रा से जोड़ा जाएं, ताकि लोगों को सरकारी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ मिल सके। उन्होंने जलदाय विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस काम को निर्धारित अवधि 1 साल से पहले पूरा करें।

इस पूरी घटना पर सीताराम अग्रवाल ने बताया कि मैंने सितंबर में इस योजना का शिलान्यास किया था। पृथ्वीराज नगर-बीसलपुर पेयजल परियोजना के तहत इस टंकी का निर्माण किया गया था।

टंकी के निर्माण की स्वीकृत पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के कार्यकाल में हुई थी। बता दें कि पृथ्वीराज नगर-बीसलपुर पेयजल परियोजना के दूसरे फेज के तहत इस टंकी के निर्माण की स्वीकृत पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के कार्यकाल में हुई थी। तब विधायक प्रत्याशी होने के नाते सीताराम अग्रवाल ने इसका शिलान्यास किया था। इस फेज दो में विद्याधर नगर, बगरू और झोटवाड़ा क्षेत्र में 650 करोड़ रुपए के काम करवाए जाने है, जिसमें 8 टंकियां विद्याधर नगर इलाके में बननी है, जिनका काम शुरू हो गया है।

कांग्रेस के निमंत्रण अस्वीकार करने पर बोले भाजपा विधायक, भगवान राम के नाम से भागते हैं राक्षस

जयपुर, 11 जनवरी (एजेंसियां)। सोनिया गांधी सहित कांग्रेस के बड़े नेताओं का राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शिरकत नहीं करने से भाजपा के बड़े नेताओं ने आपत्ति जताई है। सिविल लाइंस विधायक डॉ. गोपाल शर्मा ने कहा कि भगवान राम के नाम से राक्षस भागते हैं।

उन्होंने कहा कि हनुमान चालीसा में लिखा है, 'भूत-पिशाच निकट नहीं आवें, महावीर जब नाम सुनावे' उन्होंने कांग्रेस नेताओं की तुलना राक्षसों से करते हुए कहा कि ये स्वभाविक है कि कांग्रेस ने हमेशा राम के अस्तित्व से इंनकार किया है। उन्होंने कहा

कि कांग्रेस के मुख्यमंत्री रहे सिद्धार्थ राय ने बाबरी मस्जिद कमेटी की तरफ केस भी लड़ा, इसलिए उनकी नैतिकता ही नहीं बनती कि वो समारोह में शामिल हों।

बता दें कांग्रेस ने बुधवार को ही 22 जनवरी को अयोध्या में राम मंदिर के उद्घाटन का निमंत्रण अस्वीकार कर दिया था। पार्टी महासचिव (संचार) जयराम रमेश ने कहा कि था कि ये उद्घाटन स्पष्ट रूप से आरएसएस/भाजपा का प्रोग्राम है। यही वजह है कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी और लोकसभा में पार्टी के विपक्ष के नेता अधीर रंजन चौधरी ने निमंत्रण को अस्वीकार कर दिया है।

सांवरा सेठ को भेंट किया चांदी का कुकर

आक्या को विधानसभा चुनाव में प्रेशर कुकर का मिला था चिह्न, मन्नत पूरी की

चित्तौड़गढ़, 11 जनवरी (एजेंसियां)। चित्तौड़गढ़ विधानसभा सीट पर मिली जीत के बाद के बाद निर्दलीय विधायक चंद्रभान सिंह गुरुवार को श्री सांवलिया जी मंदिर पहुंचे और चांदी से बना प्रेशर कुकर भेंट किया। उन्होंने सपत्नीक भगवान के दर्शन किए। निर्दलीय चुनाव लड़ने के दौरान उन्हें चुनाव चिह्न प्रेशर कुकर अलॉट हुआ था। अमावस्या के दिन मंगला आरती के दौरान दंपती श्री सांवलिया जी मंदिर पहुंचे और चांदी से बना प्रेशर कुकर भेंट किया। चुनाव में जीत हासिल करने पर विधायक ने अपनी मन्नत पूरी की। यह चांदी का प्रेशर कुकर बस्सी के सुनार से बनवाया गया है। आज अमावस्या के अवसर पर विधायक अपनी पत्नी सुशीला कंवर के साथ पहुंचे। विधायक ने सांवरा सेठ को एक किलो 27 ग्राम चांदी से बना कुकर प्रेशर कुकर भेंट कर अपनी मन्नत पूरी की। बता दें कि चंद्रभान सिंह आक्या चित्तौड़गढ़ विधानसभा से लगातार तीसरी बार जीते हैं। पिछले दोनों बार बीजेपी से जीते थे जबकि इस बार निर्दलीय जीते। उन्होंने दोनों पार्टियों के प्रतिद्वंदियों को हराया। कांग्रेस के सुरेंद्र सिंह जाड़ावत को लगातार तीसरी बार हराया, जबकि नरपत सिंह राजवी को पहली बार हराया।

पेड़ों-मिट्टी पर जमी बर्फ, कोल्डवेव-पाला पड़ने का अलर्ट

जयपुर, 11 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान में इस सीजन में पहली बार शेखावाटी में बर्फ जमी दिखी। रात में रही तेज सर्दी के कारण अलसुबह यहां खेतों में फसलों, कार के कांच, पानी के पाइप पर ओंस की बूंदें जम गईं। सीकर के फतेहपुर में आज सीजन का सबसे कम तापमान माइनस 1.7 दर्ज हुआ। हिल स्टेशन माउंट आबू में भी आज पारा गिरकर माइनस 3 पर आ गया। यहां भी घास के मैदानों पर बर्फ जम गई। वहीं, धौलपुर में कोहरे के कारण चार ट्रक टकरा गए।

मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक अगले एक-दो दिन राज्य में सुबह-शाम गलनभरी सर्दी रहेगी, जबकि दिन में आसमान साफ रहने से धूप तेज रहेगी। वहीं, 6 शहरों में शीतलहर और पाला पड़ने का भी अलर्ट जारी किया गया है।

पाली में भीषण हादसा, ट्रेलर से टकराई स्कूली टूर पर निकली बच्चों से भरी बस, हादसे में दो की मौत

पाली, 11 जनवरी (एजेंसियां)। पाली जिले के सुमेरपुर इलाके में गुरुवार सुबह एक स्कूल बस ट्रेलर से टकराकर भीषण हादसे को शिकार हो गई। हादसे में दो लोगों की मौत हो गई। वहीं दस से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। बस गुजरात से बच्चों को राजस्थान टूर पर लेकर आई थी। हादसा इतना भयानक था कि बस के परखच्चे उड़ गए।

पुलिस अनुसार स्कूली बसें जोधपुर-जैसलमेर के टूर पर निकली थीं। इसी दौरान हाईवे पर उनके आगे डामर से भरा ट्रेलर चल रहा था। बताया गया कि ट्रेलर ने अचानक से ब्रेक लगा दिए जिस कारण पीछे चल रही बस ट्रेलर में जा टकराई। हादसे में दो स्कूल स्टॉफ की मौत हुई है। वहीं, 12 लोग गंभीर घायल हुए हैं। सभी को हॉस्पिटल भेजा गया, जहां से 6 को गंभीर हालत के चलते सिरोही रेफर किया गया है। हादसे के चलते हाईवे पर जाम लग गया। पुलिस ने ट्रेलर को जब्त कर लिया है। जाम खुलवाने के लिए क्रेनों की मदद ली जा रही है। सीओ सुमेरपुर भूपेन्द्र सिंह ने बताया कि हादसे में जान गंवाने वाले मेहसाणा निवासी 60 साल के प्रकाश और 35 साल के विपुल चौधरी हैं।

कोहरे में बाइक भैंस से टकराने पर युवक की मौत

कोटा, 11 जनवरी (एजेंसियां)। बाइक से गांव लौट रहा युवक बुधवार रात कोहरा होने के कारण भैंस से टकरा गया। हादसे में सिर के बल गिरने पर चोट लगी। कोटा के निजी हॉस्पिटल में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना भीलवाड़ा जिले के बिजौलिया थाना क्षेत्र की है।

युवक प्रभुलाल (38) भोपतपुरा का रहने वाला था। स्टोन कंपनी में मुंशी का काम करता था।

मौसेरे भाई राय सिंह बंजारा ने बताया कि प्रभुलाल साल 2011 से स्टोन फैक्ट्री में मुंशी का काम करता था। 5 जनवरी को पत्थर की गाड़ी भरवाने नयानगर गया था। वहां से वापस बिजौलिया लौट रहा था। बुधवार शाम को अपने दोस्त शक्ति सिंह के साथ बाइक से अपने गांव भोपतपुरा आ रहा था। बाइक शक्ति सिंह चला रहा था।

कमरे में सो रही युवती की गला काटकर हत्या

मां जगाने पहुंची तो खून से सनी लाश पड़ी थी; बीए फर्स्ट ईयर में पढ़ती थी

भीलवाड़ा, 11 जनवरी (एजेंसियां)। घर के बाहर कमरे में सो रही बीए फर्स्ट ईयर की युवती की अज्ञात हमलावरों ने धारदार हथियार से गला काटकर हत्या कर दी। परिजन सुबह दूध लेने उठे और उसे जगाने कमरे में पहुंचे तो देखा कि बिस्तर पर उसकी लाश पड़ी थी। मामला भीलवाड़ा के आसींद इलाके के बरसनी गांव का सुबह 6:30 बजे का है। सूचना मिलने पर पुलिस, एफएसएल और डॉग स्क्वायड की टीम मौके पर पहुंची।

एसपी श्याम सिंह ने बताया कि छात्रा अनु रैगर (18) बुधवार रात घर के बाहर बने कमरे में सो रही थी। पिता प्रेमचंद, मां गणी देवी और दो छोटे भाई घर के अंदर सो रहे थे। सुबह मां दूध लेने के लिए उठी तो कमरे में अनु की खून से सनी लाश पड़ी थी। उसने अन्य घरवालों को घटना की जानकारी दी।

परिचित ने बताया- लड़की पढ़ाई करने के बाद बाहर वाले कमरे में ही सोने जाती थी। बुधवार रात को 9:30 बजे पढ़ाई करने के बाद कमरे में सोने के लिए गई थी। एसपी का कहना है कि एफएसएल टीम और डॉग स्क्वायड मौके पर है। जांच के बाद दो संदिग्ध युवकों को इस मामले में राउंडअप किया है। इसमें और भी आरोपी शामिल हो सकते हैं, ऐसे में टीमें तलाश कर रही हैं। जल्द ही इस मामले का खुलासा किया जाएगा। मामले की गंभीरता को देखते हुए अभी कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी। अलग-अलग एंगल से जांच की जा रही है।

राम मंदिर के स्तंभों पर राजस्थान के आर्टिस्ट की कारीगरी

साढ़े 5 हजार किलो वजनी मुख्य शिखर स्तंभ बनाया; तांबे की 450 घंटियां डिजाइन की

जालोर

अयोध्या में रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा 22 जनवरी को होगी। मंदिर निर्माण के बाद प्राण प्रतिष्ठा के समय मंदिर के शिखर पर लगने मुख्य ध्वज स्तंभ सहित कुल 7 स्तंभ और दानपात्रों पर जालोर के आर्टिस्ट की कारीगरी देखने को मिलेगी। इसके साथ ही मंदिर के 42 दरवाजों पर लगने वाले ब्रास के हार्डवेयर समेत घंटियों के 450 कड़ों को भी जालोर के आर्टिस्ट ने डिजाइन किया है।

सोमवार दोपहर 3 बजे शिखर स्तंभ अयोध्या पहुंचे थे। इसके बाद इन्हें मंदिर परिसर में रखवाया गया है। स्तंभ पर कार्विंग (नक्काशी) करने वाले दीपेश कुमार का दावा है कि प्योर ब्रास (तांबा) से बने ये स्तंभ हजारों सालों तक सुरक्षित रहेंगे। मुख्य स्तंभ के बारे में बताते हुए दीपेश कहते हैं कि 44 फीट ऊंचे इस मुख्य शिखर स्तंभ का वजन साढ़े 5 हजार किलो है।

दीपेश बताते हैं- राम मंदिर में लगने वाली हर चीज को वास्तु के हिसाब से डिजाइन किया गया है। चाहे वह एक ईंट ही क्यों न हो। अयोध्या नगरी में बन रहे राम मंदिर के लिए 7 स्तंभों का निर्माण किया है। इसमें जालोर के कुल 12 आर्टिस्ट ने काम किया। सोने की तरह नजर आने वाले इन स्तंभ को बनाने में 1 साल का समय लगा। सभी स्तंभों का निर्माण प्योर ब्रास से किया गया है, ये बिलकुल सोने जैसे नजर आते हैं। इस काम के लिए अलग-अलग कंपनियों से 40 कारीगरों को लगाया गया था।

दीपेश बताते हैं इसे सांचे में ढालने से लेकर फिटिंग और नक्काशी के लिए जालोर के कारीगर लगे थे। स्तंभ फिटिंग का काम जालोर के दिगांव निवासी हरचंदराम और कन्हैयालाल सुथार ने संभाला। मैंने इसमें नक्काशी का काम किया है। जिसमें 6 महीने लग गए। नक्काशी का काम बेहद करीब से किया जाने वाला काम है। 44 फीट लंबे और 5500 किलो वजनी इस स्तंभ को बनाने में मंदिर के वास्तु का पूरा ध्यान रखा गया। हमें इसके वजन, ऊंचाई और नक्काशी को लेकर निर्देश मिले थे। इसी के हिसाब से इसका निर्माण करना था।

कास्टिंग रिंग से आई खूबसूरती

उन्होंने बताया कि स्तंभ पर नक्काशी के रूप में फूल और मनमोहक दृश्यों को उकेरा गया है। दीपेश ने बताया कि पाइप का डायामीटर यानी चौड़ाई साढ़े 9 इंच है। इस पर एक ही आकर की 21 रिंग समान दूरी पर बनाई गई है। इन सभी रिंग का वजन भी एक समान ही है। 100 किलो की ये रिंग पूरे स्तंभ पर कास्टिंग के रूप में बनाई गई है। इससे स्तंभ को मजबूती भी मिलती है और इनकी खूबसूरती भी बढ़ गई है।

पुलिस प्रोटेक्शन के साथ पहुंचा थे अयोध्या

दीपेश ने बताया- हमारी कंपनी अहमदाबाद की है। ऐसे में यहां से शुक्रवार 5 जनवरी को दोपहर 12 बजे ध्वज को अहमदाबाद से अयोध्या के लिए रवाना किया गया था। इसे 50 फीट लंबे ओपन ट्रक रखवाया गया था। साथ ही 3 गाड़ियों में पुलिस प्रोटेक्शन भी पूरे रास्ते साथ रही थी। पूरे वरघोड़े के साथ पूजा कर इसे रवाना किया गया था। साथ ही कारीगरों को भी भेजा गया था।

इस दौरान अहमदाबाद के मुख्यमंत्री भूपेंद्र भाई पटेल और रामानंदाचार्य जी महाराज ने इसे रवाना किया था। इसे अयोध्या तक पहुंचने में 3 दिन का समय लगा। अब इसे मंदिर परिसर में रखा गया है। जहां से इसे बाद में मंदिर में लगाया जाएगा। हमने एहतियात के तौर पर यहां स्थाई बेस भी तैयार किया है। ताकि जरूरत पड़ने पर या स्तंभ से संबंधित कोई समस्या आने पर कारीगरों से तुरंत ठीक करवाया जा सके।

दुनिया देखेगी जालोर की कारीगरी

दीपेश ने बताया- इसके अलावा 6 स्तंभ और बनाए गए हैं। इन स्तंभों की लंबाई 21 फीट है और वजन 750 किलो रखा गया है। ये स्तंभ भी मंदिर निर्माण के समय अलग-अलग जगह लगाए जाएंगे। इसके साथ ही रामलला के मंदिर में लगने वाले दरवाजों पर ब्रास के हार्डवेयर का निर्माण भी हमारी कंपनी से ही किया गया है। मंदिर में घंटियों और झूमर को लटकाने के लिए 450 कड़ियों को भी जालोर के आर्टिस्ट ने बनाया है। हमने कुल 10,000 किलो ब्रास का यूज किया है।

पूजा के बाद विधि-विधान से स्थापित होंगे

दीपेश कहते हैं- इन स्तंभों को कहां लगाया जाएगा ये मंदिर समिति की ओर से डिसाइड होगा। लेकिन शिखर ध्वजा के बारे में बात करें तो 22 जनवरी को प्राण-प्रतिष्ठा होगी। अभी भी मंदिर में कई जगह निर्माण जारी है। जैसे-जैसे काम पूरा होता जाएगा वैसे ही नए निर्माण में ब्रास की चमक शामिल की जाएगी। शिखर ध्वज मंदिर के ऊपर लगाया जाएगा। मंदिर में प्राण-प्रतिष्ठा के बाद इन ब्रास के स्तंभों समेत हर एक चीज की पूजा की जाएगी और पूरे विधि विधान के हिसाब से इन्हें मंदिर परिसर में स्थापित किया जाएगा।

1950 से कर रहे हैं स्तंभों का निर्माण

बता दें कि राम मंदिर के मुख्य स्तंभ सहित अन्य ब्रास के सामानों के निर्माण का काम गुजरात के अहमदाबाद के गोता में स्थित अंबिका इंजीनियरिंग के भरत भाई मेवाड़ा को मिला था। जो करीब 1950 साल लगातार मंदिर में उपयोग होने वाले ब्रास के सामानों को तैयार करने के काम कर रहे हैं। कंपनी के साथ जुड़े होने के कारण जालोर जिले शंखवाली गांव निवासी दीपेश कुमार को कार्विंग का काम मिला। वहीं स्तंभ फिटिंग का काम जालोर के दिगांव निवासी हरचंदराम और कन्हैयालाल सुथार को मिला।

ट्रैफिक फोरम फेलिसिटेशन इवेंट आयोजित

हैदराबाद, 11 जनवरी (स्वतंत्रत वार्ता)। ट्रैफिक फरिश्ते स्वयंसेवकों की प्रतिबद्धता को स्वीकार करने और सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण अवसर पर, हैदराबाद सिटी सिक्योरिटी काउंसिल (एचसीएससी) ने ट्रैफिक फोरम फेलिसिटेशन इवेंट की मेजबानी की। कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य अतिथि के. श्रीनिवास रेड्डी के गर्मजोशी से स्वागत के साथ हुई। कार्यक्रम के मुख्य आकर्षणों में फ्री लेफ्ट बोर्ड का लॉन्च शामिल है, जो एचसीएससी द्वारा समर्थित, सुगम यातायात प्रवाह और बेहतर सड़क सुरक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इसके अतिरिक्त, वीएसटी द्वारा दान की गई एक एम्बुलेंस उद्घाटन सीपी द्वारा किया गया।

इस कार्यक्रम में सीपी द्वारा एचसीएससी गतिविधियों और कार्यक्रमों का अवलोकन दिया गया। चैतन्य गोरेपति, महासचिव एचसीएससी, कुछ नए सदस्यों को शामिल करना और आयोजकों द्वारा भाषण दिया गया। एचसीएससी ट्रैफिक फोरम के संयुक्त सचिव राजशेखर रेड्डी ने जिम्मेदार ट्रैफिक आदतों को बढ़ावा देने में सामुदायिक भागीदारी के महत्व पर जोर देते हुए ट्रैफिक फोरम की उपलब्धियों को साझा किया। पी. विश्व प्रसाद अतिरिक्त पुलिस आयुक्त, यातायात, संयोजक, एचसीएससी, ने सड़क सुरक्षा के लिए सामूहिक जिम्मेदारी पर जोर देते हुए नागरिकों से ट्रैफिक फरिश्ते कार्यक्रम में शामिल होने का आग्रह किया। मेरू इंटरनेशनल स्कूल, मियापुर ने जिम्मेदार आवागमन के संदेश के साथ सड़क सुरक्षा पर एक नाटक के साथ कार्यक्रम में रचनात्मक स्पर्श जोड़ा। यह कार्यक्रम 40 ट्रैफिक फरिश्ते स्वयंसेवकों और 5 ट्रैफिक नेताओं के सम्मान के साथ संपन्न हुआ, जिसमें सुचारू यातायात प्रवाह सुनिश्चित करने और सड़क सुरक्षा के बारे में जागरूकता पैदा करने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को स्वीकार किया गया। सीपी के श्रीनिवास रेड्डी ने दर्शकों को संबोधित किया, और एक सुरक्षित समुदाय के लिए सामूहिक प्रयासों के लिए अपनी सराहना व्यक्त की। एचसीएससी सड़कों पर एक सुरक्षित और अधिक जागरूक समुदाय की दिशा में अपनी प्रभावशाली यात्रा जारी रखने के लिए तत्पर है।

कार्यक्रम में एवी रंगनाथ, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त, अपराध एवं एसआईटी, संयोजक, साइबरफोरम, एचसीएससी, एल सुब्बा रायुडू, डीसीपी ट्रैफिक I और संयोजक ट्रैफिक फोरम, एचसीएससी, अशोक कुमार, डीसीपी, ट्रैफिक द्वितीय, राजशेखर रेड्डी, संयुक्त सचिव, यातायात, एचसीएससी, भरणी एरोल- सलाहकार, एचसीएससी, शेखर रेड्डी, सीआईआई, अध्यक्ष, श्रीमती सीमा सीकरी एसोसिएट निदेशक, एचसीएससी मोहम्मद नजामुद्दीन, एडमिन एचसीएससी आदि ने भाग लिया।

अमावस्या पर रिकाबगंज में भण्डारा कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 11 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कुंभ मेला अग्रवाल बंधु, अशोक फाउंडेशन के तत्वावधान में अमावस्या के पावन अवसर पर अशोक फाउंडेशन अध्यक्ष पंकज कुमार अग्रवाल के नेतृत्व मे भण्डारा चैक-रिकाब गंज मे भक्ति भाव के साथ भंडारा कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। भंडारा कार्यक्रम का शुभारंभ देवी अन्नपूर्णा, मां भगवती की पूजा अर्चना के साथ पंकज कुमार अग्रवाल, रविंद्र नारनौली, सुनील, सितेश, बालाजी व अन्य कार्यकर्त्ता गणो की उपस्तिथ मे धूमधाम से धर्म की जय घोष के साथ आयोजित किया गया द्य जिसमें स्थानीय लोगों ने हर्ष उल्लास के साथ सम्मिलित होकर भंडारे प्रसाद का लाभ लिया।

लाल भादुर शास्त्री वेलफेयर एसोसिएशन, मंगलहट द्वारा शास्त्राजी की 58वीं पुण्यतिथि पर आयोजित कर्यक्रम में भाग लेते हुए भाजपानेता गोविंद रठी, एन.सुरेश सिंह, जे. मुकेश सिंह, संतोष गौड, पी. किशोर कुमार, मोनाज जयसवालव अन्य।

सुप्रीम कोर्ट पहुंचे आईपीएस संजय कुंडू

नई दिल्ली, 11 जनवरी (एजेंसियां)। वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी संजय कुंडू ने हिमाचल प्रदेश हाई कोर्ट के 9 जनवरी के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट रुख किया है। हाई कोर्ट ने अपने फैसले में कुंडू को हिमाचल प्रदेश के डीजीपी पद से हटाने के आदेश को वापस लेने से इनकार किया था। हाई कोर्ट की खंडपीठ द्वारा 26 दिसंबर के आदेश को वापस लेने के लिए कुंडू के आवेदन को खारिज करने के एक दिन बाद कुंडू ने बुधवार को सुप्रीम कोर्ट का रुख किया।

हार्वर्ड विश्वविद्यालय के संकाय के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री से मुलाकात की

हैदराबाद, 11 जनवरी (स्वतंत्रत वार्ता)। पीएसआईएल-24 कार्यक्रम के निदेशक डॉ डोमिनिक माओ के नेतृत्व में हार्वर्ड विश्वविद्यालय, यूएसए के संकाय के एक प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री आवास पर मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी से शिष्टाचार मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने सीएम से चर्चा की।

मुख्यमंत्री ने उन्हें गरीब छात्रों के लाभ के लिए राज्य में आवासीय विद्यालयों को मजबूत और समृद्ध करने के लिए साल भर के शैक्षिक कार्यक्रम संचालित करने के लिए राज्य सरकार के साथ सहयोग करने का सुझाव दिया।

संकाय ने सीएम को सूचित किया कि तेलंगाना स्कूल शिक्षा विभाग के सहयोग से हार्वर्ड विश्वविद्यालय की एक टीम सरकारी स्कूलों के दसवीं और ग्यारहवीं कक्षा के 100 छात्रों और 40 सरकारी छात्रों के लिए वैज्ञानिक रूप से प्रेरित नेतृत्व (पीएसआईएल-24) का 5 दिवसीय कार्यक्रम आयोजित कर रही है। राज्य के सभी 33 जिलों से हाई स्कूल के अंग्रेजी शिक्षक। प्रशिक्षण कार्यक्रम 7 से 12 जनवरी तक उस्मानिया विश्वविद्यालय में आयोजित किया जाएगा। प्रमुख सचिव बोर्रा वेंकटेशम ने सीएम को कार्यक्रम की मुख्य बातें बताईं। कार्यक्रम में कुलपति प्रो. डी. रविंदर, आयुक्त ए. श्री देवसेना, सुश्री शेफाली प्रकाश, डॉ. एंडी राइट और अन्य ने भाग लिया।

संजय ने अयोध्या राम मंदिर मुद्दे पर कांग्रेस पर हमला बोला

करीमनगर, 11 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बीजेपी सांसद बंडी संजय ने अयोध्या में राम मंदिर पर कुछ विवादित टिप्पणी की है। उन्होंने कहा, ''यह एक ऐतिहासिक और धार्मिक आयोजन है जिसमें सभी राजनीतिक दलों और हर भारतीय को भाग लेना चाहिए।'' उन्होंने कहा कि उन्हें इस बात की जानकारी नहीं है कि कांग्रेस पार्टी अयोध्या राम मंदिर मुद्दे पर अलग तरीके से व्यवहार क्यों कर रही है। स्वामी विवेकानंद की जयंती के मौके पर बंडी संजय ने करीमनगर में एक कार्यक्रम में हिस्सा लिया. मीडियाकर्मियों से बात करते हुए संजय ने कहा कि अयोध्या राम सिर्फ भारतीय जनता पार्टी के नहीं, बल्कि सभी के हैं। मुझे समझ नहीं आता कि कांग्रेस आलाकमान अयोध्या में राम मंदिर का विरोध क्यों कर रहा है। यह सभी राजनीतिक दलों के लिए एक ऐतिहासिक और धार्मिक कार्यक्रम है और प्रत्येक भारतीय को इसमें भाग लेना चाहिए। संजय ने पूर्व सांसद विनोद कुमार की टिप्पणी पर भी पलटवार करते हुए कहा कि सभी जानते हैं कि उनका बेनामी कौन है. अगर हम केसीआर बेनामी हैं, तो हम सीबीआई जांच की मांग क्यों करते हैं?

जैसा सोमनाथ मंदिर के साथ किया, वही राम मंदिर न्योते पर कांग्रेस के इनकार पर बोले असम सीएम

गुवाहाटी, 11 जनवरी (एजेंसियां)। राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में कांग्रेस के शामिल न होने पर राजनीति तेज हो गई है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने गुरुवार को कहा कि कांग्रेस को उनका पाप कम करने का मौका दिया गया था, लेकिन पार्टी ने राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा समारोह के आमंत्रण को ही ठुकरा दिया है, हिंदू विरोधियों का इतिहास आकलन करता रहेगा। हिमंत बिस्व सरमा ने कहा कि कांग्रेस शुरूआत से ही अयोध्या में राम मंदिर के बारे में अपने विचारों के कारण प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के लिए आमंत्रण के हकदार ही नहीं थी। उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट साझा करते हुए लिखा कि विश्व हिंदू परिषद ने राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में शामिल होने का आमंत्रण देकर कांग्रेस पार्टी को अपना पाप काम करने का सुनहरा अवसर दिया था। उन्होंने कहा कि हालांकि मेरी राय थी कि कांग्रेस को राम मंदिर का आमंत्रण दिया ही नहीं जाना चाहिए था।

कांग्रेस द्वारा राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल न होने को लेकर असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने कहा कि कांग्रेस को आमंत्रण को स्वीकार करके प्रतीकात्मक रूप से हिंदू समाज से माफी मांग सकती थी। हालांकि जैसा पंडित नेहरू ने सोमनाथ मंदिर के साथ किया था, कांग्रेस के नेतृत्व ने राम मंदिर के साथ भी वैसा ही किया।

सुप्रीम कोर्ट से राकांपा नेता नवाब मलिक को राहत अंतरिम जमानत छह महीने और बढ़ाई गई

नई दिल्ली, 11 जनवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े मामले में महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के नेता नवाब मलिक की अंतरिम जमानत छह महीने के लिए बढ़ा दी है। ईडी की ओर से पेश एडिशनल सॉलीसिटर जनरल एसवी राजू की ओर से मलिक की याचिका का विरोध नहीं किया गया। इसके बाद जज जस्टिस बेला त्रिवेदी और जस्टिस पंकज मिथल की पीठ ने मलिक को चिकित्सा आधार पर दी गई जमानत की अवधि बढ़ा दी।

गौरतलब है कि पिछले साल 12 अक्टूबर को सुप्रीम कोर्ट ने मामले में मलिक की अंतरिम जमानत तीन महीने के लिए बढ़ाई थी। मलिक ने ईडी द्वारा जांच किए जा रहे मामले में चिकित्सा आधार पर जमानत देने से इनकार करने के बॉम्बे हाईकोर्ट के 13 जुलाई 2023 के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। शीर्ष अदालत ने पहले कहा था कि मलिक गुर्दे की बीमारी से पीड़ित हैं और पिछले साल 11 अगस्त को दो महीने के लिए अंतरिम जमानत मिलने के बाद से उनकी स्थिति में सुधार नहीं हुआ है।

जयराम सरकार के शिमला डेवलपमेंट प्लान को सुप्रीम कोर्ट की हरी झंडी

शिमला, 11 जनवरी (एजेंसियां)। जयराम सरकार के शिमला डेवलपमेंट प्लान को अब सुप्रीम से भी हरी झंडी मिल गई है। सर्वोच्च न्यायालय ने राष्ट्रीय ग्रीन ट्रिब्यूनल के 2017 के उस फैसले को खारिज कर दिया है, जिसमें शिमला योजना क्षेत्र में निर्माण गतिविधियों पर ढाई मंजिल की शर्त लगा थी। इसके साथ ही शिमला कोर व ग्रीन एरिया में भी भवन निर्माण पर पूरी तरह से रोक लगा दी थी। पूर्व शहरी मंत्री सुरेश भारद्वाज ने कहा कि शिमला शहर के लोगों को इन आदेशों की सख्त आवश्यकता थी। उन्होंने इस जनहित के फैसले के लिए उच्च न्यायालय का आभार जताया। उन्होंने कहा कि जयराम सरकार ने इस फैसले के खिलाफ अपील दायर की थी। एनजीटी के इन आदेशों को सेट ए साइट यानि खत्म करते हुए राज्य सरकार को नए प्लान के मुताबिक ही इस क्षेत्र में भवन निमार्ण की मंजूरी देने के आदेश दिए हैं।

रामलला प्राण-प्रतिष्ठा, कांग्रेस के शामिल न होने पर नेता बंटे

कृष्णम बोले-राम-अयोध्या से लड़ाई नहीं, गुजरात कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा-गलत फैसला

नई दिल्ली, 11 जनवरी (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव 2024 के पहले अयोध्या के राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा में देश की कई पार्टियों का कार्यक्रम में शामिल न होना भी सुर्खियों में है। बुधवार 10 जनवरी को कांग्रेस ने ऐलान किया कि उनका कोई भी नेता प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में शामिल नहीं होगा। कांग्रेस के इस फैसले पर पार्टी के कई नेताओं ने असहमति जताई है।

कांग्रेस नेता आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कहा कि राम किसी पार्टी के नहीं है। हमारी लड़ाई राम या अयोध्या से नहीं, बीजेपी से है। कुछ लोग कांग्रेस को वामपंथी रास्ते पर ले जा रहे हैं। मैं चाहता हूं कि कांग्रेस नेतृत्व को अयोध्या न जाने के फैसले पर पुनर्विचार करना चाहिए। उधर, गुजरात कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष अर्जुन मोढवाडिया ने भी रामलला प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में पार्टी के शामिल नहीं होने गलत ठहराया है। कांग्रेस ने कहा कि सोनिया गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे, अधीर रंजन समेत सभी कांग्रेस नेता इस कार्यक्रम में शामिल नहीं होंगे। ये भाजपा और आरएसएस का प्रोग्राम है। अब तक इंडिया की 5 पार्टियां कांग्रेस, सपा, टीएमसी, सीपीआई(एम) और शिवसेना (उद्धव गुट) प्राण प्रतिष्ठा में जाने से मना कर चुकी हैं।

आडवाणी शामिल होंगे :

अयोध्या में 22 जनवरी को होने वाले रामलला के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में भाजपा के सीनियर नेता लालकृष्ण आडवाणी भी शामिल होंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, विश्व हिंदू परिषद के अंतर्राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष आलोक कुमार ने इसकी जानकारी दी है। इससे पहले खबरें आ रही थीं कि आडवाणी की तबीयत खराब रहती है, इसलिए वे कार्यक्रम में शामिल नहीं होंगे।

विश्व हिंदू परिषद के अंतर्राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष आलोक कुमार ने 19 दिसंबर को लालकृष्ण आडवाणी और मुरली मनोहर जोशी को प्राण प्रतिष्ठा में शामिल होने का न्योता दिया था। आडवाणी और जोशी ने कहा है कि वे समारोह में आने का पूरी कोशिश करेंगे।

राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने 18 दिसंबर को लालकृष्ण आडवाणी और मुरली मनोहर जोशी से आग्रह किया था कि वे जनवरी में होने वाले प्राण-प्रतिष्ठा समारोह के लिए अयोध्या न आएं। उन्होंने कहा, दोनों नेताओं की उम्र काफी ज्यादा हो चुकी है। यहां ठंड भी ज्यादा है। इसलिए मैंने दोनों से निवेदन किया है कि समारोह में न आएं। लालकृष्ण आडवाणी 96 साल के हैं और मुरली मनोहर जोशी 5 जनवरी को 90 साल के हो गए हैं।

रामलला प्राण प्रतिष्ठा के बाद प्रधानमंत्री बिहार का करेंगे दौरा

पटना, 11 जनवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का बिहार दौरा लगभग तय हो गया है। अयोध्या में रामलला प्राण प्रतिष्ठा समारोह के बाद पीएम मोदी के बिहार आने की योजना है। बताया जा रहा है कि पीएम मोदी 27 जनवरी को बिहार के दौरे पर आएंगे। बिहार में पीएम मोदी बेतिया में जनसभा को संबोधित करेंगे।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

रामनगरी पहुंचा 500 किलो का विशाल नगाड़ा

ट्रस्ट के महामंत्री चंपत राय ने किया स्वीकार

अयोध्या, 11 जनवरी (एजेंसियां)। गुजरात से विशेष रथ से 500 किलो का विशाल नगाड़ा रामनगरी पहुंचा, जिसे राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महामंत्री चंपत राय ने गुरुवार को स्वीकार किया। साथ ही आश्वासन दिया कि इसे उचित स्थान पर स्थापित किया जाएगा।

गुजरात विश्व हिन्दू परिषद के क्षेत्र मंत्री अशोक रावल ने पत्र भेजकर नगाड़ा स्वीकारने की संस्तुति की। नगाड़ा लेकर आए चिराग पटेल ने बताया कि इस पर सोने और चांदी की परत चढ़ाई गई है। ढांचे में लोहे और तांबे की प्लेट का भी इस्तेमाल किया गया है। इसका निर्माण डबगर समाज के लोगों ने किया है।

उन्होंने बताया कि 500 किलो के इस भव्य नगाड़े में लोहे और

तांबे का इस्तेमाल हुआ है। ताकि, नगाड़े को हजारों वर्षों की उम्र दी जा सके। ये नगाड़ा गुजरात से एमपी होते हुए अयोध्या पहुंचा है। 22 जनवरी और उसके बाद इसकी गूंज श्रीराम मंदिर में सुनी जा सकेगी। राम मंदिर में स्थापित करने के लिए हिंदू संस्कृति के इस प्रतीक विशाल नगाड़ा का निर्माण कर्णावती महानगर के दरियापुर विस्तार में किया गया है।

बता दें कि अयोध्या में 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम होना है। इसको लेकर रामलला को अलग-अलग समुदाय और अलग-अलग राज्यों से भेंट आ रही हैं।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

ब्रिटेन यात्रा पर ...

रक्षा मंत्रालय के अनुसार राजनाथ सिंह ने सुनक को यूके रक्षा उद्योग के साथ अपनी सकारात्मक बातचीत और द्विपक्षीय रक्षा संबंधों में नई सकारात्मक ऊर्जा के बारे में जानकारी दी।

रक्षा मंत्री ने कहा कि यूके और अन्य समान विचारधारा वाले देशों को शांतिपूर्ण और स्थिर वैश्विक नियम आधारित व्यवस्था को मजबूत करने के लिए भारत के साथ काम करना चाहिए, जिसमें भारत के अथक उत्थान में भागीदारी भी शामिल है जिसे मैत्रीपूर्ण सहयोग के साथ मजबूत और तेज किया जा सकता है। राजनाथ सिंह ने आगे कहा कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर नियम आधारित विश्व व्यवस्था को मजबूत करने के लिए भारत सरकार ब्रिटेन जैसे दोस्तों के साथ साझेदारी करने को तैयार है।

बैठक के दौरान सिंह ने यूके पीएम को राम दरबार की मूर्ति उपहार में दी, जिसमें यूके के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) सर टिम बैरो भी शामिल थे। सिंह ने विदेश राष्ट्रमंडल एवं विकास कार्यालय में ब्रिटेन के विदेश मंत्री लॉर्ड डेविड कैमरन से भी मुलाकात की। मंत्रियों ने विभिन्न स्तरों पर गहन जुड़ाव के प्रतीक भारत-ब्रिटेन साझेदारी की नई गति और दिशा की सराहना की। भारत के रक्षा मंत्री ने लचीलापन बनाने के लिए आपूर्ति श्रृंखला एकीकरण सहित दोनों देशों के रक्षा उद्योगों को एकीकृत करने के अपने लक्ष्य को रेखांकित किया।

उन्होंने द्विपक्षीय स्टार्टअप स्तर की बातचीत और संयुक्त परियोजनाओं की पहचान और चर्चा के महत्व पर भी जोर दिया, जिन्हें भारत और यूके एक साथ लागू कर सकते हैं। विदेश सचिव कैमरन ने यूके सरकार की रक्षा क्षेत्रों में विशेष रूप से रक्षा औद्योगिक सहयोग के क्षेत्र में भारत के साथ सहयोग करने की इच्छा दोहराई, जिसके माध्यम से यूके नियम-आधारित अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था के लिए समर्थन को मजबूत करने की उम्मीद करता है।

बाद में सिंह ने इंडिया हाउस लंदन में भारतीय समुदाय के साथ बातचीत की। इस बातचीत में भारतीय मूल के 160 से अधिक प्रमुख व्यक्तियों ने भाग लिया। द्वितीय विश्व युद्ध के दिग्गजों के परिवार के कुछ सदस्यों सहित कई भारतीय सैन्य पूर्व सैनिक भी उपस्थित थे।

रामनगरी में उतरेंगे ...

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने लखनऊ से और नागरिक विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने राष्ट्रीय राजधानी से ऑनलाइन हिस्सा लिया।

उत्तर प्रदेश का चौथा अंतराष्ट्रीय एयर पोर्ट :

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश को चौथा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा देने के लिए मैं पीएम नरेंद्र मोदी का आभारी हूं। 30 दिसंबर, 2023 को प्रधानमंत्री मोदी ने नवनिर्मित अयोध्या हवाई अड्डे का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने कहा था कि महर्षि वाल्मिकी की रामायण ज्ञान का मार्ग है और हमें श्री राम से जोड़ती है।

अयोध्या में 22 जनवरी 2024 को होने जा रहे कार्यक्रम को लेकर सुरक्षा व्यवस्था भी पुख्ता कर ली गई है। इस बीच अयोध्या के महर्षि वाल्मिकी इंटरनेशनल एयरपोर्ट की सुरक्षा सीआईएसएफ को सौंपी गई है। गृह मंत्रालय के सूत्रों के मुताबिक गृह मंत्रालय ने सीआईएसएफ के 250 जवानों और अधिकारियों को सुरक्षा की जिम्मेदारी सौंपी है।

अहमदाबाद से अयोध्या के बीच सीधी हवाई सेवा का विकल्प मिल गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को आयोजित एक कार्यक्रम में अहमदाबाद-अयोध्या के लिए इंडिगो एयरलाइंस की सीधी हवाई सेवा का शुभारंभ किया। अयोध्या से दिल्ली के बाद अहमदाबाद दूसरा कनेक्टेड स्थल है। 15 जनवरी से मुंबई के लिए उड़ान सेवा शुरू हो जाने के बाद ये तीसरा कनेक्टेड स्थल हो जाएगा। इसके अलावा 16 जनवरी से दिल्ली के लिए एक और उड़ान आरंभ हो रही है।

20 महीने में तैयार किया गया अयोध्या एयर पोर्ट :

महर्षि वाल्मीकि अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे को 20 महीने के रिकॉर्ड समय में तैयार किया गया है। इस एयरपोर्ट 1450 करोड़ रुपये की लागत से बनाया गया है। राम मंदिर की कलाकृति भी एयरपोर्ट पर देखने को मिलेगी। एयरपोर्ट मंदिर के स्वरूप में बनाया गया है, जिसके अंदर भगवान श्रीराम के जीवन के दृश्य अलग-अलग कलाकृतियों और पेंटिंग्स के जरिए दर्शाए गए हैं।

राम मंदिर प्राण ...

निर्मोही अखाड़े का अधिकार क्यों छीना गया?

कांग्रेस यूपी चीफ अजय राय का कहना है कि वह मकर संक्रांति के दिन अयोध्या जाएंगे। अजय राय ने कहा कि उन्होंने पहले ही तय कर लिया था कि वह संक्रांति के दिन सरयू नदी में स्नान करेंगे। भाजपा सांसद राकेश सिन्हा का कहना है कि कांग्रेस का बस चले तो राम मंदिर की जगह वापस बाबरी मस्जिद बना दे। कांग्रेस को यदि कभी मौका मिला तो वह राम मंदिर की जगह बाबरी मस्जिद बना देगी। गिरिराज सिंह ने कहा कि कांग्रेस का काम मुसलमानों को खुश करने का है।

राम को पसंद नहीं करती कांग्रेस :

स्मृति ईरानी ने कहा है कि राम का निमंत्रण ठुकराना इनकी (कांग्रेस) सनातन विरोध सोच दर्शाता है। इस बीच अनुराग ठाकुर ने कहा कि इन्होंने (कांग्रेस) राम के न्यौता का बहिष्कार नहीं किया बल्कि देश अब इनका बहिष्कार करेगा। गिरिराज सिंह ने कहा कि अगर कांग्रेस नहीं जा रही है तो यह कोई नई बात नहीं है। कांग्रेस तो राम को पसंद ही नहीं करती हैं, वो रामलला के मुद्दे को लटकाते भटकाते रहे। ये गांधी परिवार में नैतिक ताकत नहीं है कि वो अयोध्या जाए और माथा टेके, ये तो सनातन को ही खत्म करना चाहते हैं, ये मुसलमानों को खुश करने के लिए काम करते हैं।

मणिपुर में तीन ...

एक की तलाश जारी है। हाओतक फेलेन गांव बिष्णुपुर जिले की सीमा पर चुराचांदपुर से 38 किमी दूर स्थित है। उधर, कांग्रेस की भारत जोड़ो न्याय यात्रा 14 जनवरी को मणिपुर के इंफाल पूर्वी जिले से ही शुरू होगी। राज्य सरकार ने बुधवार शाम इसकी मंजूरी दे दी।

कुकी का दावा, चार हमलावरों को ढेर किया :

पुलिस सूत्र के अनुसार, कुकी उपद्रवियों ने कुंबी हाओतक इलाके में धान के खेतों में काम कर रहे मैतेई लोगों पर बम से हमला किया। जिसके बाद घबराए गांववालों ने सुरक्षित स्थान पर शरण ली। पास में तैनात सुरक्षा बलों ने जवाबी कार्रवाई की तब जाकर कुकी की तरफ से फायरिंग बंद हुई।

दूसरी ओर, कुकी स्टूडेंट्स ऑर्गेनाइजेशन की मीडिया और डॉक्यूमेंटेशन सेल ने अपने सोशल मीडिया पेज पर एक वीडियो अपलोड किया। जिसमें उन्होंने बताया कि, बिष्णुपुर लमका सीमा में कुकी गांव के लोगों ने चार हमलावरों को ढेर कर दिया।

मोहम्मद शमी को लेकर लीक हुआ बीसीसीआई का प्लान! क्या विश्व कप में होगी वापसी?

मुंबई, 11 जनवरी (एजेंसियां)। भारत के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली और रोहित शर्मा लंबे समय के बाद टी20 क्रिकेट में वापसी कर चुके हैं। रोहित और विराट करीब 14 महीने के बाद वापसी कर रहे हैं। ऐसे में अफगानिस्तान के खिलाफ 3 मैचों की टी20 सीरीज में दोनों दिग्गजों के प्रदर्शन पर खास नजर रहने वाला है। हालांकि विराट कोहली पहले टी20 मुकाबले से बाहर रहेंगे। कोच राहुल द्रविड़ ने खुद बताया की कोहली पहले मुकाबले से निजी कारणों से बाहर रहेंगे। अब खबर आ रही है कि सिर्फ रोहित और विराट ही नहीं, बल्कि भारत के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी भी टी20 क्रिकेट में वापसी कर सकते हैं।

बीसीसीआई करेंगे शमी से चर्चा

मोहम्मद शमी लंबे समय से टी20 क्रिकेट से बाहर हैं। हालांकि उन्होंने आईपीएल 2023 खेला था और इस टूर्नामेंट में सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज भी बने थे। इसके अलावा मोहम्मद शमी आईसीसी विश्व कप 2023 में भी सबसे अधिक 24 विकेट लेने वाले गेंदबाज बने थे, बावजूद इसके की शमी ने सिर्फ 7 मुकाबले खेले थे। इससे साफ है कि शमी फॉर्म में चल रहे हैं। अगर उन्हें टी20 विश्व कप में वापस बुलाया जाता है, तो भारतीय टीम की गेंदबाजी पक्ष को मजबूती मिल सकती है। इस कड़ी में बीसीसीआई का शमी को लेकर प्लान लीक हो गया है। बीसीसीआई के एक सूत्र ने बताया कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड मोहम्मद शमी से उनके भविष्य पर चर्चा करने वाले हैं। शमी से पूछा जाएगा कि वह और कितना लंबा क्रिकेट खेलना चाहते हैं।

शमी खेलना चाहते हैं टी20 डब्ल्यूसी

बीसीसीआई के सूत्रों से मिली जानकारी से यह लगभग तय माना जा रहा है कि शमी की विश्व कप में वापसी हो सकती है। बता दें कि मोहम्मद शमी भी आईसीसी टी20 विश्व खेलना चाहते हैं। हाल ही में न्यूज 24 से बात करते हुए शमी ने कहा था कि वह टी20 विश्व कप खेलना चाहते हैं। उनके सपने में भी टी20 विश्व कप ही आता है, अगर उन्हें मौका मिलेगा तो वह जरूर खेलेंगे। इससे साफ है कि अगर बीसीसीआई शमी से टी20 विश्व कप खेलने का बारे में पूछते हैं, तो वह कभी मना नहीं करेंगे।

टीम इंडिया सुधारेगी गलती! इंग्लैंड के खिलाफ 3 खिलाड़ियों की वापसी तय

नई दिल्ली, 11 जनवरी (एजेंसियां)। अफगानिस्तान टी20 सीरीज सीरीज में केएल राहुल और ईशान किशन जैसे खिलाड़ियों को मौका नहीं देना बड़ा सवाल बना हुआ है। हालांकि राहुल द्रविड़ ने बताया कि दोनों खिलाड़ियों को मौका क्यों नहीं दिया गया। भारत को अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज के बाद इंग्लैंड के खिलाफ 5 मैचों की टेस्ट सीरीज भी खेलनी है। इस सीरीज में टीम इंडिया में कई बड़े बदलाव देखे जा सकते हैं। भारत टीम सेलेक्टर्स ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में जो गलती की थी, उस गलती को इंग्लैंड के खिलाफ सुधार सकते हैं।

भारत को इंग्लैंड के खिलाफ 5 मैचों की टेस्ट सीरीज खेलना है। यह सीरीज विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के दृष्टिकोण से काफी अहम होने वाली है।

भारतीय टीम की पूरी कोशिश होगी कि इस सीरीज पर अपना कब्जा जमा कर विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के प्वाइंट्स टेबल में एक बार फिर से नंबर वन पोजिशन पर विराजमान हो सके। फिलहाल ऑस्ट्रेलिया ने पाकिस्तान को टेस्ट सीरीज में 3-0 से हराकर नंबर वन के पोजिशन पर कब्जा कर रखा है। ऐसे में अगर भारत इंग्लैंड को 5 मैचों की टेस्ट सीरीज हराने में कामयाब रहता है, तो भारत फिर से प्वाइंट्स टेबल में नंबर वन पर आ जाएगा।

इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में 3 खिलाड़ियों की वापसी तय मानी जा रही है। इन खिलाड़ियों में पहला नाम है स्टार टेस्ट बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा। स्टार बल्लेबाज को साउथ अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में मौका नहीं दिया गया था। इस कड़ी में खिलाड़ी ने रणजी में डबल सेंचुरी जड़ दिया।

ऐसे में इंग्लैंड के खिलाफ पुजारा की वापसी तय मानी जा रही है। दूसरे खिलाड़ी हैं ईशान किशन। टीम के कोच राहुल द्रविड़ ने बीते दिन प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए यह इशारा दे दिया था कि इंग्लैंड के खिलाफ खिलाड़ी की वापसी हो सकती है। केएल राहुल पर से दबाव कम करने के लिए उन्हें आराम देने की जरूरत है। ऐसे में ईशान किशन से कीपिंग कराई जा सकती है। इसके अलावा एक अन्य खिलाड़ी हैं श्रेयस अय्यर।

लगातार टीम के साथ जुड़े रहने के साथ-साथ अच्छा प्रदर्शन करने के बाद भी श्रेयस अय्यर को अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज में मौका नहीं दिया गया था।

इसको लेकर टीम सेलेक्टर्स पर कई सवाल भी उठाए गए थे, लेकिन अब इंग्लैंड के खिलाफ अय्यर को टीम में वापस बुलाया जा सकता है। ये 3 खिलाड़ी हैं जिनकी इंग्लैंड के खिलाफ वापसी तय मानी जा रही है।

पेरिस ओलिंपिक में भारत को शूटिंग में रिकॉर्ड 16वां कोटा

टोक्यो में 15 मिला था; रिदम का एशियन क्वालिफायर में ब्रॉन्ज

जकार्ता, 11 जनवरी (एजेंसियां)। रिदम सांगवान ने भारत को शूटिंग में ओलिंपिक का 16वां कोटा दिलाया। यह शूटिंग में अब तक का सबसे ज्यादा कोटा है। इससे पहले भारतीय शूटरों ने टोक्यो ओलिंपिक 2020 के लिए 15 कोटा हासिल किया था।

गुरुवार को एशियन ओलिंपिक क्वालिफायर में 25 मीटर स्पोर्ट्स पिस्टल में ब्रॉन्ज मेडल जीत कर कोटा हासिल किया। ओलिंपिक गेम्स इस साल जुलाई में पेरिस में होना है। रिदम ने एशियन ओलिंपिक क्वालिफायर के 25 मीटर एयर पिस्टल फाइनल में 28 का स्कोर कर ब्रॉन्ज मेडल जीता। चीन की यांग जिन ने 41 अंकों के साथ गोल्ड और कोरिया की किम येजी 32 अंकों के साथ सिल्वर जीता।

रिदम एशियन गेम्स में 25 मीटर एयर पिस्टल में गोल्ड जीतने वाली टीम की सदस्य थीं। उनके अलावा इस टीम में ईशा सिंह और टोक्यो ओलिंपिक में देश का प्रतिनिधित्व कर चुकी मनु भाकर भी शामिल थीं। रिदम का यह दूसरा ब्रॉन्ज मेडल है। इससे पहले उन्होंने 10 मीटर एयर पिस्टल में ब्रॉन्ज मेडल जीता था। जबकि भारत की ही ईशा सिंह ने गोल्ड जीतकर कोटा हासिल किया था। वहीं पाकिस्तान की किशमाला तलत ने उन्हें पछाड़कर रजत पदक हासिल कर लिया था।

जकार्ता में चल रहे एशियन ओलिंपिक क्वालिफायर में भारत का यह तीसरा कोटा है। इससे पहले ईशा सिंह और वरुण तोमर ने सोमवार को 10 मीटर एयर पिस्टल महिला और पुरुष कैटेगिरी में गोल्ड जीत कर भारत के लिए ओलिंपिक कोटा हासिल किया था।

भारत जुलाई में होने जा रहे पेरिस ओलिंपिक के लिए 32 कोटे हासिल कर चुका है। इनमें सबसे ज्यादा 16 प्लेस शूटर्स ने दिलाए हैं। भारत को एथलेटिक्स से 9, बॉक्सिंग से 4, हॉकी, तीरंदाजी और कुश्ती से एक-एक ओलिंपिक कोटा मिले हैं।

अब तक भारत को शूटिंग से 16 ओलिंपिक कोटा मिल चुके हैं। इनमें राइफल में 8, पिस्टल में 6 और शॉटगन में 2 ओलिंपिक प्लेस शामिल हैं। रिदम से पहले वरुण, ईशा और सरबजोत सिंह ने 10 मीटर एयर पिस्टल, मनु भाकर ने 25 मीटर पिस्टल और अनीश भानवाल ने 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल में ओलिंपिक कोटा हासिल कर चुके हैं।

आरसीबी के स्टार खिलाड़ी टॉम करण को लगा झटका

पहले हुआ बैन, अब पूरी लीग से हुआ बाहर

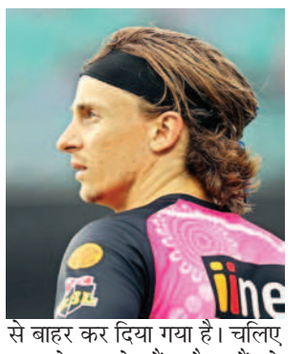

मुंबई,11 जनवरी (एजेंसियां)। आईपीएल का सीजन जल्द ही शुरू होने वाला है। अनुमानित तारीख माने तो 22 मार्च से क्रिकेट के सबसे बड़े त्योहार का आगाज होने वाला है। इसको लेकर फैंस में अभी से जोश और जुनुन देखा जा रहा है। सभी 10 टीमें आईपीएल को लेकर जोरों-शोरों से तैयारियां में लगी है। दूसरी ओर आरसीबी की कोशिश होगी कि वह पहली बार आईपीएल का खिताब अपने नाम कर सके। लेकिन आईपीएल शुरू होने से पहले ही आरसीबी के खिलाड़ी को झटका लगा है। आरसीबी के स्टार खिलाड़ी को पहले तो 4 मैचों के लिए बैन किया गया था, अब उन्हें पूरी लीग से बाहर कर दिया गया है। चलिए आपको बताते हैं कौन हैं ये खिलाड़ी और क्या है पूरा माजरा।आरसीबी ने आईपीएल सीजन 2024 के लिए इंग्लैंड के स्टार खिलाड़ी टॉम करण को अपनी टीम में शामिल किया था। आरसीबी ने खिलाड़ी को 1.5 करोड़ की रकम देकर खरीदा था। लेकिन टीम के लिए बुरी खबर सामने आई है। टॉम करण घुटने की चोट से जूझ रहे हैं। वर्तमान में बिग बैश लीग भी खेला जा रहा है। टॉम भी इस लीग में सिडनी सिक्सर के लिए खेला करते हैं। हाल ही में टॉम को अंपायर के साथ बदतमीजी करने के लिए 4 मैचों के लिए बैन कर दिया गया था। इसके बाद उनकी दोबारा से सिडनी सिक्सर में वापसी हुई, लेकिन अब खिलाड़ी घुटने की चोट से जूझ रहे हैं। चोटिल होने के कारण खिलाड़ी को पूरी बीबीएल से बाहर कर दिया गया है।

टॉम करण बीती शनिवार को मेलबर्न स्टार्स के खिलाफ खेले जा रहे मुकाबले के दौरान चोटिल हो गए थे। इसके बाद खिलाड़ी को आराम दिया गया। कयास लगाए जा रहे थे कि खिलाड़ी जल्द ही वापसी करने में कामयाब रहेंगे, लेकिन अब खबर आ रही है कि टॉम करण को पूरी बीबीएल लीग से बाहर कर दिया गया है। अब वह अपने स्वदेश लौटने वाले हैं। इससे न सिर्फ सिडनी सिक्सर को बल्कि आरसीबी को भी झटका लगा होगा। अभी से करीब 3 महीने बाद आईपीएल शुरू होने वाला है। आरसीबी ने बहुत उम्मीद के साथ खिलाड़ी को खरीदा था, लेकिन वह चोटिल हो गए हैं। अगर वह आईपीएल से पहले ठीक नहीं होते हैं, तो आरसीबी को एक मुख्य खिलाड़ी को गंवाना पड़ जाएगा।

दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए भारतीय हॉकी टीम के कप्तान होंगे हरमनप्रीत

26 सदस्यीय टीम का एलान

नई दिल्ली, 11 जनवरी (एजेंसियां)। हॉकी इंडिया ने 22 जनवरी से दक्षिण अफ्रीका में होने वाले चार देशों के टूर्नामेंट के लिए भारत की 26 सदस्यीय टीम का एलान किया। जिसमें जूनियर स्तर पर अच्छा प्रदर्शन करने वाले युवा खिलाड़ियों को भी मौका मिला है।

पेरिस ओलंपिक की तैयारी के लिए महत्वपूर्ण माने जा रहे इस टूर्नामेंट में भारत का सामना फ्रांस, नीदरलैंड और मेजबान दक्षिण अफ्रीका से होगा। टीम की कमान हरमनप्रीत सिंह के हाथ में ही होगी जबकि हार्दिक सिंह उपकप्तान होंगे।

भारतीय टीम 22 और 24 जनवरी को फ्रांस से, 26 जनवरी को दक्षिण अफ्रीका से और 28 जनवरी को नीदरलैंड से खेलेगी।

टीम :

गोलकीपर : पी आर श्रीजेश, कृष्ठ पाठक और पवन, डिफेंडर : जरमनप्रीत सिंह, जुगराज सिंह, अमित रोहिदास, हरमनप्रीत सिंह (कप्तान), वरूण कुमार, सुमित, संजय, रबिचंद्र सिंह मोइरांगथम।

मिडफील्डर : विवेक सागर प्रसाद, नीलाकांता शर्मा, राजकुमार पाल, शमशेर सिंह, विष्णुकांत सिंह, हार्दिक सिंह, मनप्रीत सिंह।

फॉरवर्ड : मनदीप सिंह, अभिषेक, सुखजीत सिंह, गुरजंत सिंह, ललित उपाध्याय, आकाशदीप सिंह, अराइजीत सिंह हुंडल, बॉबी सिंह धामी।

दिनेश कार्तिक इंग्लैंड लायंस के कोचिंग स्टाफ के साथ जुड़ेंगे

भारत टूर के लिए बैटिंग कंसलटेंट होंगे

मुंबई,11 जनवरी (एजेंसियां)। भारत के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक भारतीय दौरे के लिए इंग्लैंड-ए (इंग्लैंड लायंस) के साथ टीम में शामिल होंगे। वे 9 दिन के लिए टीम से जुड़ेंगे और इंग्लैंड लायंस की तैयारियों में सहायता करेंगे।

कार्तिक बैटिंग कंसलटेंट के रूप में जुड़ेंगे। वे भारतीय परिस्थितियों के बारे में एडवाइस देने में मदद करेंगे।

इंग्लैंड लायंस टीम इंडिया-ए के खिलाफ एक टूर मैच और तीन टेस्ट की सीरीज खेलेगी। सीरीज के सभी मुकाबले अहमदाबाद में होंगे।

दिनेश कार्तिक टीम के साथ 9 दिन (10 जनवरी-18 जनवरी) के लिए जुडेंगे। इसके बाद टीम के रेग्यूलर कोच इयान बेल टीम में वापसी करेंगे। बेल ऑस्ट्रेलिया के बिग बैश लीग में मेलबर्न रेनेगेड्स के साथ असिस्टेंट कोच के रूप में अपना कार्यकाल पूरा करने के बाद 18 जनवरी को टीम के साथ जुड़ेंगे।

इंग्लैंड लायंस में हेड कोच कोच नील किलीन, सहायक रिचर्ड डॉसन और कार्ल हॉपकिंसन के साथ-साथ इंग्लैंड के पूर्व स्पिनर ग्रीम स्वान टीम के मेंटर के तौर पर शामिल होंगे।

वंदना कटारिया हॉकी ओलंपिक क्वालीफायर 2024 से बाहर

रांची, 11 जनवरी (एजेंसियां)। रांची में शुरू हो रहे महिला हॉकी ओलिंपिक एशियन क्वालीफायर से पहले भारतीय महिला हॉकी टीम की वाइस कैप्टन वंदना कटारिया चोटिल हो गई हैं। वह टूर्नामेंट से बाहर हो गई हैं। उनकी जगह पर निक्की प्रधान को टीम की वाइस कैप्टन नियुक्त किया गया है। जबकि टीम में बलजीत कौर को शामिल किया गया है।

ओलिंपिक एशियन क्वालीफायर 13 से 19 जनवरी के बीच रांची में खेला जाना है।भारतीय टीम टूर्नामेंट के पहले दिन अमेरिका के खिलाफ मैच से अपने अभियान की शुरुआत करेगी।

प्रैक्टिस के दौरान हो गई चोटिल

वंदन को प्रैक्टिस के दौरान चोट लग गई। उनके गाल की हड्डी में फ्रैक्चर हो गया। जिसकी वजह से उन्हें डॉक्टरों ने आराम की सलाह दी है।

वहीं भारतीय टीम की मुख्य कोच यानेक शोपमैन ने कहा, यह दुर्भाग्यपूर्ण है की वंदना टूर्नामेंट का हिस्सा नहीं बन पाएगी। अभ्यास सत्र के दौरान वह चोटिल हो गई और उन्हें विश्राम करने की सलाह दी गई है। हमें जहां वंदना के अनुभव की कमी खलेगी वहीं बलजीत कौर को उनकी जगह अपना कौशल दिखाने का मौका मिलेगा जबकि निक्की प्रधान टीम की उप कप्तान होगी।

भारतीय टीम को पूल बी में रखा गया है

भारतीय टीम को पूल बी में रखा गया है। भारतीय टीम का पहला मैच 13 जनवरी को अमेरिका में होना है। भारतीय टीम पूल बी में अपना दूसरा मैच 14 जनवरी को न्यूजीलैंड से खेलेगी और 16 जनवरी को इटली से भिड़ेगी। नॉकआउट चरण के मैच 18 और 19 जनवरी को खेले जाएंगे। इस टूर्नामेंट में भाग लेने वाली अन्य टीमों में जर्मनी, एशियाई खेलों का चैंपियन जापान, चिली और चेक गणराज्य हैं। इन्हें पूल ए में रखा गया है। भारतीय टीम रांची पहुंच गई।

अंडर 19 विश्व कप 2024 के लिए सभी टीमों का जारी हुआ स्क्वाड

नई दिल्ली, 11 जनवरी (एजेंसियां)। साल 2024 क्रिकेट फैंस के लिए काफी धमाकेदार होने वाला है। इस साल आईसीसी के कई बड़े टूर्नामेंट खेले जाएंगे। इससे फैंस की उत्साह सातवें आसमान पर पहुंच चुका है। इस साल 2-2 विश्व कप खेले जाएंगे, जिसके लिए सभी टीमें तैयारियों में जुटी हुई है। इस कड़ी में अंडर 19 विश्व कप 2024 में हिस्सा लेने वाली सभी 16 टीमों का स्क्वाड जारी हुआ है। आईसीसी ने भी सभी टीमों का स्क्वाड बताया है। चलिए आपको बताते हैं किन टीमों में किन धुरंधर खिलाड़ियों को जगह मिली है।

अंडर 19 विश्व कप से जुड़ी तमाम जानकारी

आईसीसी अंडर 19 विश्व कप 2024 में कुल 16 टीमें हिस्सा लेने वाली है। इस टूर्नामेंट का आगाज 19 जनवरी से होगा, जो कि 11 फरवरी तक चलने वाला है। साउथ अफ्रीका इस टूर्नामेंट की मेजबानी करेगा। टूर्नामेंट में लीग मुकाबले से लेकर सेमीफाइनल और फाइनल तक कुल 41 मुकाबले खेले जाएंगे, जिसके लिए 5 स्टेडियम का चयन किया गया है। सभी टीमों को कुल 4 ग्रुप में बांटा गया है। भारतीय टीम को ग्रुप ए में रखा गया है। नीचे देखें सभी 16 टीमों का स्क्वॉड।

ग्रुप -ए

टीम भारतः अर्शिन कुलकर्णी, रुद्र मयूर पटेल, सचिन धस, आदर्श सिंह, प्रियांशु मोलिया, उदय सहारण (कप्तान), अरवेल्ली अवनीश राव, मुशीर खान, सौम्य कुमार पांडे, मुरुगन अभिषेक, धनुष गौड़ा, आराध्या शुक्ला, इनेश महाजन, राज लिम्बानी और नमन तिवारी

टीम बांग्लादेशः महफुजुर रहमान रब्बी (कप्तान), जिशान आलम, चौधरी मोहम्मद रिजवान, आशिकुर रहमान शिबली, आदिल बिन सिद्दीक, अरिफुल इस्लाम, शिहाब जेम्स, मोहम्मद अशरफुज्जमान बोरानो, अहरार अमीन (उप कप्तान), रफी उज्जमान रफी, रोहनात डौला बोरसन, शेख परवेज जिबोन, इकबाल हसन इमोन, मारुफ मृधा, वासी सिद्दीकी

टीम आयरलैंडः फिलिप ले रॉक्स (कप्तान), हैरी डायर, डैनियल फोर्किन, मैकडारा कॉसग्रेव, कियान हिल्टन, फिन ल्यूटन, स्कॉट मैकबेथ, रयान हंटर, कार्सन मैकुलॉ, जॉन मैकनेली, ओलिवर रिले, गेविन रॉल्स्टन, जॉर्डन नील, मैथ्यू वेल्डन, रूबेन विल्सन . गैर-यात्रा आरक्षितः एडम लेकी, जेम्स वेस्ट, हेडन मेल्ली

टीम यूएसएः अमोघ अरेपल्ली, आर्यन बत्रा, रेयान भगानी, खुश भलाला, आर्य गर्ग, सिद्दार्थ कप्पा, प्रणव चेट्टीपलायम, भाव्या मेहता, आरिन नाडकर्णी, पार्थ पटेल, ऋषि रमेश (कप्तान), मानव नायक, उत्कर्ष श्रीवास्तव, आर्यमन सूरी, अतींद्र सुब्रमण्यम, रिजर्वः अर्जुन महेश, आर्यन सतीश, अंश राय

ग्रुप-बी

टीम इंग्लैंडः बेन मैकिनी (कप्तान), फरहान अहमद, ताज़ीम अली, ल्यूक बेनकेनस्टीन, चार्ली एलीसन, जैक कार्नी, जेडन डेनली, चार्ली बर्नार्ड, एडी जैक, डोमिनिक केली, हेडन मस्टर्ड, हमजा शेख, सेबेस्टियन मॉर्गन, नोआ थाइन और थियो वाइली

टीम दक्षिण अफ्रीकाः डेविड टीगर (कप्तान), जुआन जेम्स, मार्टिन खुमालो, एसोसा ऐहेवबा, क्वेना मफाका, रिले नॉर्टन, नकोबानी मोकोएना, दीवान मारियास, रोमाशान पिल्लै, लुआन-ड्रे प्रीटोरियस, रिचर्ड सेलेट्सवेन, सिफो पोट्साने, ओलिवर व्हाइटहेड, स्टीव स्टोक। और एनटांडो जुमा

टीम वेस्टइंडीजः स्टीफ़न पास्कल (कप्तान), ज्वेल एंड्रयू, मावेंद्र डिंडयाल, नाथन सीली, जोशुआ डोर्न, नाथन एडवर्ड, रियोन एडवर्ड्स, डेशॉन जेम्स, तारिक एडवर्ड, जॉर्डन जॉनसन, रानेइको स्मिथ, इसाई थॉर्न, डेवनी जोसेफ, स्टीव वेडरबर्न, एड्रियन वियर

टीम स्कॉटलैंडः ओवेन गोल्ड (कप्तान), हैरी आर्मस्ट्रांग, लोगान ब्रिग्स, उजैर अहमद, जेमी डंक, इब्राहिम फैसल, रोरी ग्रांट, बहादर एसाखील, आदि हेगड़े, मैकेंजी जोन्स, कासिम खान, निखिल कोटेस्वरन, फरहान खान, रुआरिध मैकइंटायर, एलेक प्राइस।

ग्रुप-सी

टीम ऑस्ट्रेलियाः लाचलान ऐटकेन, हरकीरत बाजवा, महली बियर्डमैन, चार्ली एंडरसन, टॉम कैंपबेल, हैरी डिक्सन, सैम कोन्स्टास, राफेल मैकमिलन, रयान हिक्स, एडन ओ'कॉनर, हरजस सिंह, कैलम विडलर, कोरी वास्ले, टॉम स्ट्राकर, ह्यूग वीबगेन

टीम श्रीलंकाः सिनेथ जयवर्धने (कप्तान), हिरुन कापुरुबंदरा, रविशन नेथसारा, पुलिंदु परेरा, रुसंडा गमागे, दिनुरा कालूपहाना, मालशा थारुपथी, शरुजन शनमुगनाथन, विश्व लाहिरू, गरुका संकेथ, रुविशन परेरा, सुपुन वाडुगे, विहास थेवमिका, दुविंदु रणतुंगा, विशेन हलंबगे . यात्रा रिजर्वः दिनुका तेनाकून, हिरन जयसुंदरा।

टीम जिम्बाब्वेः नथानिएल हलबंगाना, रोनाक पटेल, कैंपबेल मैकमिलन, पनाशे तारुविंगा, रयान कामवेम्बा, कैल्टन ताकावीरा, मैथ्यू शोनकेन (कप्तान), ब्रेंडन सुंगुरो, अनेसु कामुरीवो, मैशफोर्ड शुंगु, कोहल एक्स्टीन, न्यूमैन न्यामहूरी, पनाशे ग्वातिरिंगा, मुनाशे चिमुसोरो, शॉन दजाकातिरा

टीम नामीबियाः एलेक्स वोल्शेंक (कप्तान), हैंसी डिविलियर्स, जेडब्ल्यू विसागी, गेरहार्ड जांसे वान रेंसबर्ग, बेन ब्रैसेल, जैक ब्रैसेल, ज़ाचेओ वान वुरेन, निको पीटर, हेनरी वान विक, फाफ डु प्लेसिस, पीडी ब्लिग्नौट, हैनरो बैडेनहोर्स्ट, वाउटी निहौस, जूनियर करियाटा, रयान मोफ़ेट।

ग्रुप-डी

टीम अफगानिस्तानः नसीर खान (कप्तान), नुमान शाह (वीसी और विकेटकीपर), वफीउल्लाह तारखिल, खालिद तानीवाल, हसन ईसाखिल, अली अहमद नसर, जमशेद जादरान, रहीमुल्ला जुरमती, अल्लाह मोहम्मद, अरब गुल मोमंद, सोहेल खान जुरमती, फरीदून दाऊदजई, खलील अहमद, जाहिद अफगान, बशीर अहमद, रिजर्वः वहीदुल्लाह जादरान, उस्मान शिनवारी, नासिर हसन

टीम पाकिस्तानः साद बेग (कप्तान), अली रजा, अहमद हसन, अली असफंद, अमीर हसन, अज़ान अवैस, हारून अरशद, अरफात मिन्हास, खुबैब खलील, मोहम्मद जीशान, शाहजेब खान, शमील हुसैन, नवीद अहमद खान, मुहम्मद रियाजुल्लाह और उबैद शाह

टीम न्यूज़ीलैंडः ऑस्कर जैक्सन (कप्तान), सैम क्लोड, ज़ैक कमिंग, मेसन क्लार्क, रहमान हेकमत, टॉम जोन्स, स्नेहिथ रेड्डी, मैट रोवे, इवाल्ड श्रेडर, जेम्स नेल्सन, लाचलान स्टैकपोल, ओलिवर तेवतिया, रयान त्सोर्गस, ल्यूक वॉटसन रिजर्वः बेन ब्रेइटमेयर, एलेक्स थॉम्पसन, निक ब्राउन, रॉबी फॉल्क्स, जोश ओलिवर, हेनरी क्रिस्टी, अमोघ परांजपे।

टीम नेपालः देव खनाल (कप्तान), आकाश त्रिपाठी, दीपक प्रसाद डुमरे, अर्जुन कुमाल, दुर्गेश गुप्ता, गुलशन कुमार झा, बिशाल बिक्रम केसी, सुभाष भंडारी, दीपेश प्रसाद कंडेल, दीपक बोहरा, दीपक बोहरा, थापा मैकर, बिपिन रावल, उत्तम रंगू, तिलक राज भंडारी, आकाश चंद

स्वच्छ सर्वेक्षण-2023 में जीएचएमसी को राष्ट्रीय स्तर का स्वच्छ शहर पुरस्कार

हैदराबाद, 11 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम स्वच्छ सर्वेक्षण-जीएचएमसी को वर्ष 2023 के लिए फाइव स्टार रेटिंग में पुरस्कार मिला है, जिसने एक लाख से अधिक आबादी वाले शहरों में अखिल भारतीय स्वच्छ शहर की 9 वीं रैंक हासिल की है। दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित पुरस्कार समारोह में जीएचएमसी आयुक्त रोनाल्ड रोज़, स्वच्छता अतिरिक्त आयुक्त उपेन्द्र रेड्डी, परियोजना प्रबंधक सोमा भारत, स्वच्छता क्षेत्र सहायक मंजुला ने केंद्रीय शहरी विकास मंत्री हरदीप सिंह पुरी के हाथों पुरस्कार प्राप्त किया। स्वच्छ सर्वेक्षण-2023 के तहत हैदराबाद शहर को भारत का 9वां सबसे स्वच्छ शहर, भारत में 5 स्टार रेटेड कचरा मुक्त शहर, तेलंगाना में स्वच्छ शहर, तेलंगाना का पहला 5 स्टार रेटेड शहर (जनसंख्या 1 लाख), वाटर+सिटी के रूप में पुनः प्रमाणित पांच पुरस्कार मिले है। गौरतलब हौ कि जीएचएमसी को स्वच्छता सर्वेक्षण के तहत 2015 से 2022 तक 10 लाख से अधिक आबादी वाले शहरों की सूची में स्थान दिया गया है। स्वच्छ सर्वेक्षण-2018 में ग्रेटर हैदराबाद को सर्वश्रेष्ठ राज्य राजधानी का पुरस्कार दिया गया। स्वच्छ सर्वेक्षण-2019 में सर्वश्रेष्ठ मेट्रो सिटी का पुरस्कार। इसी वर्ष ओडीएफ++ प्राप्त हुआ। वर्ष 2019 में, GHMC को स्वच्छता उत्कृष्टता पुरस्कार प्राप्त हुआ। स्वच्छ सर्वेक्षण-2020 में बेस्ट मेगा सिटी, इन सिटीजन फीडबैक अवार्ड। वर्ष 2021 में इसे बेस्ट सेल्फ सस्टेनेबल मेगा सिटी अवार्ड प्राप्त कर थ्री स्टार का दर्जा प्राप्त हुआ। उसी वर्ष शहरी कार्य, आवास मंत्रालय द्वारा वाटर प्लस प्रमाणपत्र प्राप्त हुआ। वर्ष 2022 में इसे गार्बेज फ्री सिटी के तहत थ्री स्टार का दर्जा मिला। इस वर्ष भी पुनः प्रमाणीकरण के लिए आवेदन किया। इस अवसर पर मेयर गडवाल विजयालक्ष्मी और डिप्टी मेयर श्रीलता शोभन रेड्डी ने उन सभी लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया जिन्होंने जीएचएमसी को राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कार दिलाने के लिए कड़ी मेहनत की है।

गूगल के उपाध्यक्ष ने सीएम से मुलाकात की

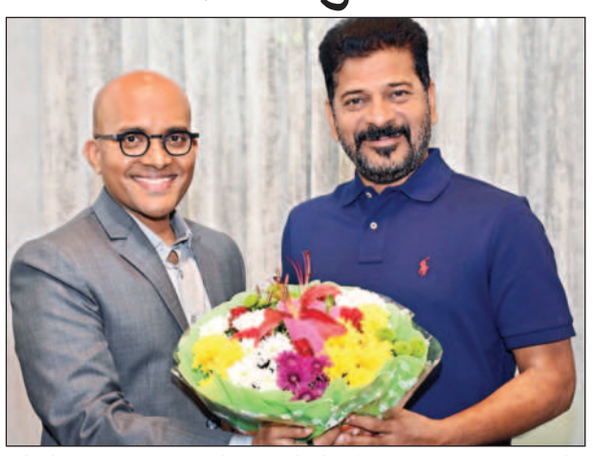

हैदराबाद, 11 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। गूगल के उपाध्यक्ष चंद्रशेखर थोटा ने गुरुवार को यहां मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी से मुलाकात की। उपाध्यक्ष ने मुख्यमंत्री के साथ तेलंगाना में निवेश के बारे में चर्चा की और सरकार के साथ मिलकर काम करने की अपनी कंपनी की इच्छा व्यक्त की चंद्रशेखर ने मुख्यमंत्री को कृत्रिम बुद्धिमत्ता के बारे में बताया जो हर क्षेत्र में बदल जाता है और खेती, शिक्षा, स्वास्थ्य में तेलंगाना के लिए एक डिजिटलीकरण एजेंडा विकसित करने के लिए भागीदार बनाने के लिए उत्साहित है और तेलंगाना नागरिकों की जरूरतों को पूरा करने के लिए गुणवत्ता सेवा लाने के लिए गहरी तकनीक और विशेषज्ञता है। मुख्यमंत्री ने गूगल मानचित्र और प्लेटफार्मों का उपयोग करके सड़क सुरक्षा सुधार के बारे में भी चर्चा की। बैठक में मंत्री श्रीधर बाबू और कोमाटिरीडडी वेंकट रेड्डी उपस्थित थे।

ईसीआई ने तेलंगाना में दो एमएलसी सीटों के लिए अधिसूचना जारी की

हैदराबाद, 11 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। चुनाव आयोग ने गुरुवार को तेलंगाना में एमएल कोटा के तहत दो एमएलसी सीटों के लिए उप-चुनाव के लिए एक अधिसूचना जारी की।

तदनुसार, नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि जनवरी 18 है और जांच 19 जनवरी को आयोजित की जाए। जबकि उम्मीदवारों की वापसी की अंतिम तिथि 22 जनवरी को है, मतदान 29 जनवरी को सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक होगा। वोटिंग प्रक्रिया को पूरा करने के तुरंत बाद सुबह 5 बजे वोटों की गिनती शुरू हो जाएगी। चुनाव की प्रक्रिया 1 फरवरी को पूरी हो जाएगी। बीआरएस एमएलसीएस कडियम श्रीहारी और पडी कौशिक के इस्तीफे के बाद दो एमएलसी सीटें एमएलएएस कोटा के तहत खाली हो गई है।

बीजेपी को झटका, विक्रम गौड़ ने दिया इस्तीफा

हैदराबाद, 11 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय जनता पार्टी की तेलंगाना इकाई को लोकसभा चुनाव से पहले गुरुवार को उस समय झटका लगा, जब शहर से उसके नेता और पूर्व मंत्री मुकेश गौड़ के बेटे विक्रम गौड़ ने पार्टी छोड़ दी। उन्होंने अपना इस्तीफा पार्टी अध्यक्ष और केंद्रीय पर्यटन मंत्री जी किशन रेड्डी को भेज दिया है। दरअसल, विक्रम गौड़ हैदराबाद की गोशामहल सीट से विधानसभा टिकट की चाहत रखते हैं। हालांकि, पार्टी नेतृत्व ने उनका टिकट काट दिया और मौजूदा विधायक राजा सिंह को टिकट दे दिया। इस घटनाक्रम से विक्रम गौड़ पिछले कुछ समय से पार्टी से नाखुश हैं और पार्टी गतिविधियों से दूर रह रहे हैं। इसके अलावा, उन्हें इस तथ्य का एहसास है कि आगामी लोकसभा चुनावों में उनके लिए सांसद टिकट की पेशकश करने की संभावना कम होगी।बीजेपी की राज्य इकाई के अध्यक्ष किशन रेड्डी को लिखे पत्र में विक्रम गौड़ ने कहा कि पार्टी में नए लोगों को अछूत के रूप में देखा जाता है और इसी पीड़ा से उन्होंने पार्टी से इस्तीफा दिया है। विक्रम गौड़ ने इस बात पर दुख व्यक्त किया कि उन्होंने बिना किसी उम्मीद के पार्टी के लिए काम किया, फिर भी उन्हें पहचान नहीं दी गई। उन्होंने आरोप लगाया कि जिनकी कोई सार्वजनिक छवि नहीं है, वे पार्टी मामलों पर हावी हो रहे हैं और युवा और उभरते नेताओं को कोई मान्यता नहीं मिल रही है। किशन रेड्डी ने बस्ती बाता कार्यक्रम आयोजित किया।

तेलंगाना में बदलाव के लिए तरस रहे लोग : कडियम श्रीहरि

हैदराबाद, 11 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व उपमुख्यमंत्री कडियम श्रीहरि ने आज दावा किया कि राज्य के लोग तेलंगाना में तत्काल बदलाव के लिए तरस रहे हैं। उन्होंने कहा कि 19%8 से अब तक राज्य में कई राजनीतिक बदलाव हुए हैं। उन्होंने कहा कि दिवंगत एनटीआर ने कई सुधार लाए, लेकिन 1989 के विधानसभा चुनाव में हार गए। उन्होंने कहा कि उसी एनटीआर ने 1994 में कांग्रेस को हराया था और कहा कि कांग्रेस विपक्षी दल की स्थिति के बिना हार गई थी, यह देखते हुए कि राजनीति में बदलाव स्वाभाविक है।

मीडियाकर्मियों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं को हाल ही में विधानसभा चुनाव में मिली हार से ज्यादा चिंतित होने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि भविष्य हमारा है और भविष्यवाणी की कि वर्ष 2028 में सत्ता बीआरएस पार्टी की होगी। श्रीहरि ने दावा किया कि राज्य मंत्री पोंगुलेटी के यह कहने से कांग्रेस में पहले ही झड़पें शुरू हो गई थीं कि वह राज्य में सीएम के बाद नंबर 2 नेता हैं। उन्होंने कहा कि डिप्टी सीएम भट्टी की पत्नी शिकायत कर रही हैं कि उनके पति को सीएम पद नहीं मिला. श्रीहरि ने कहा कि कांग्रेस पार्टी अपने 420 वादे पूरा करने की स्थिति में नहीं है। उन्होंने अपनी पार्टी के नेता केटीआर और हरीश राव पर टिप्पणी करते हुए उन्हें कृष्णार्जुन करार दिया. उन्होंने कहा कि सभी मिलकर पार्टी को संगठनात्मक रूप से मजबूत करें. उन्होंने कहा कि पार्टी का शीर्ष नेतृत्व कार्यकर्ताओं के लिए उपलब्ध रहना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस पार्टी द्वारा किए गए वादों के कार्यान्वयन पर कोई स्पष्टता नहीं है।

कांग्रेस के घोषणापत्र में कहा गया है कि अगर केसीआर दलित बंधु के तहत 10 लाख रुपये देते हैं, तो इसे बढ़ाकर 12 लाख रुपये कर दिया जाएगा। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि कांग्रेस सरकार ने पूर्व में चयनित दलित बंधु लाभार्थियों की सहायता बंद करने का आदेश जारी किया है। दलितों के साथ राजनीति करने की कोई जरूरत नहीं है,'' उन्होंने कहा और अपनी पार्टी के नेताओं से महबूबाबाद में कड़ी मेहनत करने और संसदीय सीट पर कब्जा करने को कहा। पूर्व मंत्री एवं एमएलसी सत्यवती राठौड़ ने कहा कि बड़ी संख्या में शामिल हुए पार्टी कार्यकर्ताओं को देखकर ऐसा लगता है कि वे विधानसभा चुनाव नहीं हारे हैं। आइए दलित बंधु योजना पर कांग्रेस सरकार के रुख के खिलाफ एक साथ खड़े हों। आइए विधानसभा चुनाव में मिली हार को भूलकर कड़ी मेहनत करें और संसदीय चुनाव जीतें। आदिवासियों के बीच कुछ गलतफहमियों को दूर करने और उनका समर्थन बीआरएस पार्टी को वापस लाने का प्रयास किया जाना चाहिए।'' भद्राचलम के विधायक वेल्लम वेंकटराव ने कहा कि कांग्रेस नेताओं ने भी नहीं सोचा था कि वे सत्ता में लौटेंगे और कहा कि बीआरएस कुछ छोटी गलतियों के कारण विधानसभा चुनाव हार गई, उन्होंने कहा कि केसीआर को एजेंसी क्षेत्रों में हर घर में सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने का श्रेय दिया जाता है। केसीआर सरकार को पोडु भूमि पर पट्टे देने का भी श्रेय दिया जाता है। हम ठीक-ठीक यह नहीं कह सकते कि हमने क्या किया है।' आइए संसदीय चुनावों पर ध्यान केंद्रित करें। अगर सभी नेता समन्वय से काम करें तो बीआरएस पार्टी महबुबाबाद में जीत हासिल करेगी।

चोरी का आरोपी फार्मासिस्ट गिरफ्तार

हैदराबाद, 11 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हुमायूं नगर पुलिस स्टेशन, आसिफ नगर डिवीजन की सीमा में चोरी के मामले में शामिल एक आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। डॉ. शब्बीर अहमद ने अपने आवास कीस राहत मंजिल अपार्टमेंट, इंदिरा नगर, हैदराबाद में चोरी होने की शिकायत दर्ज कराई थी। पुलिस ने इस मामले मे मोहम्मद इशाक निवासी संतोष नगर, हैदराबाद को गिरफ्तार किया है।

पुलिस के अनुसार आरोपी व्यक्ति अगस्त-2021 से सितंबर-2023 तक संतोष नगर क्षेत्र में शिकायतकर्ता की फार्मेसी में पूर्व फार्मासिस्ट था और वह शिकायतकर्ता के घर अक्सर आता-जाता रहता है, उसके साथ काम करते हुए वह शिकायतकर्ता की हर गतिविधि और घर की स्थलाकृति को जानता है। बीते दो जनवरी को वह शिकायतकर्ता के घर में चोरी करने के लिए कुर्नूल से हैदराबाद आया था, वह घर के बाहर इंतजार करता था और शिकायतकर्ता की गतिविधियों पर नजर रखता था। एक बार जब शिकायतकर्ता घर से निकल गया तो उसने शिकायतकर्ता के फ्लैट में प्रवेश किया और चोरी की वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने आरोपी के पास से नकदी आदि बरामद किया है।

एपी और तेलंगाना एनसीसी कैडेटों ने उल्लेखनीय प्रदर्शन से उपराष्ट्रपति को प्रभावित किया

हैदराबाद, 11 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। गणतंत्र दिवस शिविर (आरडीसी) एक वार्षिक मंच के रूप में कार्य करता है जहां देश भर में चयनित एनसीसी कैडेट भारत की संप्रभुता का सम्मान करने और अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए इकट्ठा होते हैं। नई दिल्ली में आरडीसी 2024 के हिस्से के रूप में एनसीसी डीटीई एपी एंड टी के 128 कैडेटों की एनसीसी टुकड़ी राष्ट्र निर्माण में योगदान देने के लिए अनुशासन, समर्पण और उनके उत्साह का उदाहरण देती है। फ्लैग एरिया प्रतियोगिता में उनके प्रदर्शन की उपराष्ट्रपति जगदीश धनखड़ ने सराहना की, जबकि उन्हें कमांडर आकांसा भोसले द्वारा 'अंतरिक्ष में भारत की खोज' विषय पर जानकारी दी गई। एपी एंड टी डीटीई ने समूह गीत, समूह नृत्य, बैले और राष्ट्रीय एकता और जागरूकता कार्यक्रम सहित सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन किया, जो उनकी अपार तैयारी और प्रतिभा को दर्शाता है। 26 जनवरी 2024 को प्रतिष्ठित गणतंत्र दिवस मार्च पास्ट के दौरान प्रतिष्ठित कर्तव्य पथ पर मार्च करने के लिए 15 बालिका कैडेटों का भी चयन किया गया है। गार्ड ऑफ ऑनर, टेबल ड्रिल और कमेंट्री बॉक्स के लिए कुल 10 कैडेट्स का चयन किया गया है, ये कैडेट्स 2% जनवरी 2024 को पीएम की रैली मार्च पास्ट के दौरान प्रदर्शन करेंगे।

पुरानी पेंशन की मांग को लेकर रेल कर्मचारियों ने भूख हडताल की

हैदराबाद, 11 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। रेलवे मजदूर यूनियन के जाने माने राष्ट्रीय नेता शिव गोपाल मिश्र के आह्वान पर साउथ सेंट्रल रेलवे मजदूर यूनियन ने नई पेंशन योजना को खत्म करने और पुरानी पेंशन योजना को बहाल करने के लिए रेल निलयम सिकंदराबाद में रिले भूख हड़ताल का आयोजन किया। यह आह्वान जेएफआरओपीएस/ऑल इंडिया रेलवे मेन्स फेडरेशन ने किया है। यह वास्तव में 8 जनवरी से 11 जनवरी तक की भूख हड़ताल है। कॉम. चौ. शंकर राव महासचिव एससीआरएमयू और ट्रेजर एआईआरएफ ने सभा को संबोधित किया और सरकार को पुरानी पेंशन योजना को तुरंत लागू करने की चेतावनी दी। यदि सरकार लागू करने में विफल रहती है तो हमारे पास अनिश्चितकालीन हड़ताल के अलावा कोई विकल्प नहीं है।

किशन रेड्डी आंध्र प्रदेश क्षेत्र में तीन ट्रेन सेवाओं के विस्तार को हरी झंडी दिखाएंगे

हैदराबाद, 11 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) ने अतिरिक्त यात्रा सुविधा प्रदान करने और विस्तारित हिस्से में लोगों की जरूरतों को पूरा करने के लिए आंध्र प्रदेश क्षेत्र से संबंधित तीन जोड़ी ट्रेन सेवाओं को विभिन्न गंतव्यों तक विस्तारित किया है।

विस्तारित हिस्से के लिए उद्घाटन विशेष ट्रेनों को 12 जनवरी को केंद्रीय संस्कृति और पर्यटन, उत्तर पूर्व क्षेत्र विकास मंत्री जी किशन रेड्डी अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में गुंटूर रेलवे स्टेशन पर आयोजित एक समारोह से हरी झंडी दिखाएंगे। जन प्रतिनिधि. एम. रामकृष्णन, मंडल रेल प्रबंधक, गुंटूर और अन्य रेलवे अधिकारी भी गुंटूर रेलवे स्टेशन पर उपस्थित रहेंगे। इसके साथ ही, गणमान्य व्यक्तियों और संबंधित मंडल रेलवे अधिकारियों की उपस्थिति में हरी झंडी दिखाने के कार्यक्रम को देखने के लिए 12 जनवरी को रेनिगुंटा और नरसापुर रेलवे स्टेशनों पर भी समारोह आयोजित किए जाएंगे। उद्घाटन विशेष ट्रेन सेवाओं में ट्रेन नंबर 02701 गुंटूर - विजयवाड़ा; ट्रेन नंबर 07225 नरसापुर-विजयवाड़ा एक्सप्रेस और ट्रेन नंबर 07295 रेनिगुंटा-कडप्पा स्पेशल है। विस्तारित नियमित ट्रेन सेवाओं का विवरण है - ट्रेन नंबर 22701/22702 विशाखापत्तनम - विजयवाड़ा - विशाखापत्तनम उदय एक्सप्रेस गुंटूर तक; ट्रेन नंबर 17225/17226 विजयवाड़ा - हुबली - विजयवाड़ा अमरावती एक्सप्रेस नरसापुर तक और ट्रेन नंबर 07284/07285 नंद्याल - कडपा - नंद्याल स्पेशल ट्रेन रेनिगुंटा तक। विस्तार 13 जनवरी, 2024 से प्रभावी होंग। उपरोक्त ट्रेन सेवाएं आंध्र प्रदेश के लोगों को अतिरिक्त यात्रा सुविधा प्रदान करेंगी और सबसे दूर के गंतव्यों तक सीधी ट्रेन सुविधा प्रदान करेंगी। गुंटूर और आसपास के लोगों को अतिरिक्त सुविधा मिलेगी। नरसापुर, भीमावरम के लोगों को गुंतकल, बल्लारी और हुबली तक यात्रा के लिए सीधी और सुविधाजनक रात्रि यात्रा सुविधा मिलेगी। इसी तरह, नंद्याल, कडपा और आसपास के इलाकों में लोगों को तिरुमाला पहुंचने के लिए रेनिगुंटा तक सुविधाजनक यात्री ट्रेन सुविधा मिलेगी। विशाखापत्तनम - गुंटूर उदय डबल-डेकर एक्सप्रेस में एसी और नॉन एसी आरक्षित बैठने की जगह है।

नरसापुर - हुबली एक्सप्रेस ट्रेन एसी और नॉन एसी दोनों श्रेणियों के लिए आरक्षित खंड और द्वितीय सामान्य श्रेणी के लिए अनारक्षित खंड को पूरा करेगी। यह ट्रेन सुविधाजनक रात्रि यात्रा विकल्प प्रदान करती है और विजयवाड़ा में ट्रेन बदलने की कठिनाई से बचाती है। सभी अनारक्षित कोचों से युक्त नंद्याल - रेनिगुंटा पैसेंजर तिरुमाला की यात्रा के लिए सीधी यात्री ट्रेन सुविधा प्रदान करती है और छोटे व्यापारियों, छात्रों, विक्रेताओं, परिवारों आदि को सेवाएं प्रदान करती है।

केन्द्रीय मंत्री ने कालोनियों का दौरा किया

हैदराबाद, 11 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी ने आज यहां बस्ती बाता (कॉलोनी दौरा) कार्यक्रम आयोजित किया। उन्होंने निवासियों की समस्याओं को जानने और उनका समाधान करने के लिए बेगमपेट और पुरानी पतिगड्डा बस्ती की विभिन्न कॉलोनियों का दौरा किया। उन्होंने बस्तियों में समस्याओं की जानकारी ली। उन्होंने लोगों से बातचीत करते हुए उनकी समस्याओं के समाधान का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि तेलंगाना राज्य की 30% से अधिक आबादी हैदराबाद में है। यह याद दिलाते हुए कि पूर्व सीएम केसीआर और उनके बेटे केटीआर ने प्रचार किया था कि उनकी बीआरएस सरकार ने हैदराबाद का विकास किया था और इसे एक अंतरराष्ट्रीय शहर बनाया था, उन्होंने आरोप लगाया कि उन्होंने वहां विकास किया जहां शहर में अमीर लोग हैं और कहा कि बीआरएस पार्टी को फ्लाईओवर का निर्माण करके वोट मिले। हाईटेक सिटी और जुबली हिल्स जैसे इलाकों में इकोनॉमिक सिटी के नाम पर। अतीत में, हमने बार-बार केटीआर को मुख्य सड़कों से हटने और बस्तियों का दौरा करने के लिए याद दिलाया है। फिर भी उन्होंने कभी बस्तियों की परवाह नहीं की। चूंकि पिछली सरकार ने गरीब लोगों द्वारा बसाई गई बस्तियों की उपेक्षा की थी, इसलिए वे सड़कों, स्ट्रीटलाइट्स, जल निकासी की समस्याओं और बुनियादी सुविधाओं की कमी से पीड़ित हैं। महिलाओं के लिए कोई कौशल विकास केंद्र नहीं हैं। पुरानी इमारतों के साथ पब्लिक स्कूल पूरी तरह से अनुपयोगी हो गए हैं, उन्होंने कहा कि यह सही नहीं है कि वर्तमान कांग्रेस सरकार भी बीआरएस सरकार के नक्शेकदम पर चल रही है। उन्होंने कहा कि पतिगड्डा कॉलोनी में करीब 15 साल पहले बनाये गये मकान अब तक गरीबों को नहीं दिये गये हैं. उन्होंने कहा कि पिछली बीआरएस सरकार और वर्तमान कांग्रेस सरकार ने अभी तक हैदराबाद के कई हिस्सों में गरीबों के लिए बनाए गए घरों के लाभार्थियों का चयन नहीं किया है। कम से कम अभी के लिए, आवास के लाभार्थियों का चयन किया जाना चाहिए और उन्हें आवास आवंटित किए जाने चाहिए।

विस चुनावों के दौरान कांग्रेस के झूठे प्रचार का प्रभावी ढंग से मुकाबला करने में विफल रहा बीआरएस : केटीआर

हैदराबाद, 11 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी राम राव ने महसूस किया कि बीआरएस चुनावी अभियान के दौरान अपनी उपलब्धियों के बारे में प्रभावी ढंग से संवाद करने और प्रचारित करने में विफल रहा, जिससे हाल ही में विधानसभा चुनावों में इसकी हार हुई।

हालांकि, उन्होंने बताया कि कांग्रेस अपने झूठे प्रचार और गलत सूचना अभियान में सफल रही, जिसके परिणामस्वरूप इसकी जीत हुई। गुरुवार को तेलंगाना भवन में महाबुबाबाद निर्वाचन क्षेत्र पर लोकसभा चुनाव की तैयारी बैठक के दौरान पोल अभियान के दौरान बीआरएस के सामने आने वाली चुनौतियों का सामना करना पड़ा, राम राव ने जोर देकर कहा कि बीआरएस सरकार ने अपनी उपलब्धियों के बारे में बहुत कुछ सार्वजनिक किए बिना, विकास और कल्याण कार्यक्रमों पर ध्यान केंद्रित किया। कांग्रेस के झूठे प्रचार के विपरीत, उन्होंने याद दिलाया कि बीआरएस सरकार ने चारों ओर जारी किया था। इसी तरह, सामाजिक सुरक्षा पेंशनभोगियों की संख्या 29 लाख से बढ़कर 46 लाख हो गई, देश में सबसे अधिक सरकारी नौकरियों को भर दिया, और इसके कार्यकाल में सरकारी कर्मचारियों को %3 प्रतिशत तक वेतन दिया।

उन्होंने कहा कि तेलंगाना में सरकारी कर्मचारियों को किसी भी अन्य राज्य की तुलना में उच्चतम वेतन मिल रहा है। लेकिन हम उनके बारे में प्रचार करने और इन उपलब्धियों को वोटों में बदलकर इन उपलब्धियों को भुनाने में विफल रहे, चुनावी झटका के बावजूद, पूर्व मंत्री ने कहा कि बीआरएस पार्टी एक मजबूत नेतृत्व और एक प्रतिबद्ध पार्टी कैडर के साथ एक दुर्जेय बल बनी रही।

वह आशावादी था, यह बताते हुए कि बीआरएस पार्टी ने एक तिहाई सीटें हासिल कीं और 1.85 प्रतिशत वोटों के संकीर्ण अंतर के साथ हार गई। राम राव ने पार्टी के सदस्यों से हतोत्साहित नहीं होने का आग्रह किया और पार्टी की संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करने के लिए योजनाओं को रेखांकित किया। उन्होंने लगातार पार्टी की बैठकों को धारण करने, पार्टी से संबद्ध संगठनों को मजबूत करने और आबादी के विविध वर्गों के साथ जुड़ने के लिए कार्यक्रम शुरू करने के महत्व पर जोर दिया।

उन्होंने आत्म-इंट्रोस्पेक्ट और उन मुद्दों को संबोधित करने की आवश्यकता पर जोर दिया, जिसके कारण पार्टी की हार हुई। उन्हें विश्वास था कि आगामी लोकसभा चुनाव बीआरएस के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ होगा, इसे वापस जीत ट्रैक पर रखा जाएगा।

प्रेस अधिसूचना

भारत सरकार
नागरिक उड्डयन मंत्रालय
रेलवे सुरक्षा आयोग

PUB/0035

दि.10-01-2024 के सु. 8.42 बजे,सिकंदराबाद डिवीजन के हैदराबाद स्टेशन पर, चारमिनार एक्सप्रेस ट्रेन नं.12759(टीबीएम-एचवायबी) रेल के डिब्बे पटरी से उतरने से घटित रेल दुर्घटना की वैधानिक पूछताछ की जायेगी।

रेल सुरक्षा आयुक्त मिस माधवी, साउथ सेंट्रल सर्किल, सिकंदराबाद, नागरिक उड्डयन मंत्रालय से दि.12.01.2024 के सु.10.30 बजे, मंडल रेल प्रबंधक सम्मेलन कक्ष, संचालन भवन, सिकंदराबाद कार्यालय पर, उपरोक्त रेल दुर्घटना की वैधानिक पूछताछ करेंगी।

अतःऐसे आमजन सदस्यगण जिन्हें उपरोक्त रेल दुर्घटना की जानकारी हो तथा इस मामले से अवगत हो, वे तत्संबंधित जानकारी दे सकते है तथा इसके चलते इच्छुक आमजन सदस्यगण, इस दुर्घटना से जुडी अपनी जानकारी को प्रमाण या सबूत के साथ व्यक्तिगत रूप में उपरोक्त स्थान व पूछताछ दिनांक व समय पर प्रस्तुत कर सकते हैं या लिखित रूप में भी इसे निम्न कार्यालयीन पते पर भेज सकते हैं।

रेलवे सुरक्षा आयुक्त, साउथ सेंट्रल सर्किल, रेल निर्माण भवन, सरोजिनी देवी रोड, सिकंदराबाद 500025 अथवा तत्संबंधित आयुक्त से फोन नं.040-27820104 पर संपर्क कर सकते हैं।

ए0039

सीपीआरओ द्वारा जारी
दक्षिण मध्य रेलवे

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.